

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट-ग्रन्थावली

प्रधान सम्पादक

डाक्टर फतर्हसिह

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

ग्रन्थाङ्क ८६

सुहता नैणसी शि ख्यात

भाग ४

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

मुंहता नैणसी री ख्यात

[भूतपूर्व मारवाड राज्य के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दीवान मुंहता नैणसी द्वारा राजस्थानी भाषा में लिखित राजस्थान और उससे संबंधित एव सलग्न गुजरात, सौराष्ट्र और मध्यभारत आदि स्थित भूतपूर्व राज्यों का मध्यकालीन मूल इतिहास]

भाग ४

सम्पादक

आचार्य वदरीप्रसाद साकरिया

प्रकाशनकर्ता

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

निदेशक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

जोधपुर (राजस्थान)

विक्रमाब्द २०२४ }
प्रथमावृत्ति ७५० }

भारतराष्ट्रिय शकाब्द
१८८६

{ ख्रिस्ताब्द १९६७
{ मूल्य ८ ७५ पैसे

मुद्रक - श्री हरिप्रसाद पारोक, साधना प्रेस, जोधपुर

Published by the Government of Rajasthan

A Series devoted to the publication of Sanskrit, Prakrit, Apabhramsa,
Old Rajasthani, Gujarati and Hindi works pertaining to
India in general and Rajasthan in particular.

General Editor

Dr FATAH SINGH

M A., D Litt.

MUNHATA NAINSI RI KHYAT

PART IV

Edited with various appendices
by

ACHARYA BADRIPRASAD SACARIYA

Published under the orders of the Government of Rajasthan.

By

The Director, Rajasthan Prachya Vidya Pratisthana
[RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE]
JODHPUR (Rajasthan)

सञ्चालकीय वक्तव्य

मेरे लिए यह सौभाग्य और हर्ष का विषय है कि आज मेरा सम्बन्ध अनायास ही राजस्थान प्राच्यविद्या-प्रतिष्ठान की उस महत्त्वपूर्ण साधना की पूर्ति से हो रहा है जो अब से सात वर्ष पूर्व, स्वनामधन्य मुनि जिनविजय की अध्यक्षता में, आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया ने प्रारम्भ की थी। १९६४ ई० तक इस ग्रन्थ का मूलभाग एक सहस्र से अधिक पृष्ठों में प्रकाशित होकर, तीन भागों में पाठकों के सामने आ चुका है। प्रस्तुत चतुर्थ भाग में बयालीस पृष्ठोंय भूमिका के साथ कुल २०८ पृष्ठों में ६ परिशिष्ट दिये गये हैं। कुल मिलाकर १२०० से भी अधिक पृष्ठों में समाप्त होने वाली यह “मुहता नैणसीरी व्यात” आचार्य बदरीप्रसाद साकरिया के उस अथक परिश्रम, अदम्य उत्साह एवं अनुपम धैर्य का प्रतीक है जिसने विघ्न-वाधाओं के सामने कभी हार मानना नहीं सीखा।

खेद है कि सम्पादक महोदय के ‘एक व्याति-इच्छुक मित्र’ १९३४ ई० में इस ग्रंथ की प्रस-कापी उठा ले गये जिसके फलस्वरूप इसका प्रकाशन उस समय न हो सका। अस्तु, सपूर्ण ग्रंथ में साकरिया जी के अगाध पाण्डित्य, एवं गम्भीर अध्ययन की जो छाप दिखाई पड़ती है, उसको ध्यान में रखने से १९३४ से १९६० तक का व्यवधान कुछ सह्य हो जाता है।

इस गौरव ग्रंथ को सुसम्पादित करके आचार्य बदरीप्रसाद ने हिन्द और हिन्दी के समस्त प्रेमियों पर असीम कृपा की है; अतः इस महान् कार्य के लिए सम्पादक महोदय को समाज और देश जो सम्मान प्रदान करे वह थोड़ा है। ग्रंथ का महत्त्व उसके कलेवर में नहीं, अपितु उस लौकिकता एवं अर्थपरायणता में है जिसको इस ग्रंथ में प्रमुखता दी गई है और जो हमारे विचारको एवं मनीषियों की दृष्टि में उससे पूर्व गौण ही नहीं प्रायः उपेक्षित हो गई थी। “सुखस्य मूलम् अर्थः” को भुलाकर धर्म और मोक्ष की उपासना असम्भव है।

ग्रंथ के अन्त में जो लम्बा शुद्धि-पत्र देना आवश्यक हो गया है उसके लिए मैं प्रेस, प्रूफ-रीडर और प्रकाशक की ओर से सम्पादक और पाठक से क्षमा-याचना करता हूँ।

सम्पादक महोदय ने कई प्रतियों से मिलान करके ग्रन्थ का वर्तमान पाठ निर्धारित किया है। यदि पाद-टिप्पणियों में पाठान्तरो का समावेश होसकता, तो वर्तमान संस्करण का मूल्य और अधिक बढ़ जाता, परन्तु अब अतीत पर पश्चाताप करना व्यर्थ है।

आशा है कि लौकिक जीवन के अध्ययन में रुचि रखने वाले व्यक्ति इससे प्रेरणा ग्रहण करके हमारी वर्तमान आर्थिक समस्याओं का, उसी तत्परता और लगन से अध्ययन करेंगे जिससे इतिहास समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान आदि के विद्यार्थी "मृहता नैणसीरी ह्यात्त" का उपयोग अपने-अपने विषय के लिए करेंगे ।

जय हिन्द; जय हिन्दी

गुरु पूर्णिमा, २०२४ ।
जोधपुर.

फतहसिंह

एम.ए , डी.लिट्.

विषयानुक्रमणिका

१.	सञ्चालकीय वक्तव्य	१-२
२	चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
३	भूमिका भाग	१-४२
	(१) भूमिका	१-२४
	(२) महाराजा जसवर्तसिंह के दीवान और ख्यात-लेखक मुहता नैणसी	२५-३६
	(३) महाराजा जसदत्तसिंह-प्रथम	४०-४२
४.	परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका	१-१६०
	१ वैयक्तिक—	
	(१) पुरुष नामानुक्रमणिका	१-१०८
	(२) स्त्री ,,	१०९-११७
	(३) अश्वादि पशु नाम	११८
	२ भौगोलिक—	
	(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका	११९-१६४
	(२) पर्वत जलाशयादि ,,	१६५-१७१
	३. सांस्कृतिक—	
	(१) ग्रंथ, सत्पा, कर, मायादि नामानुक्रमणिका	१७२-१८०
	(२) देवो-देवता तीर्थादि ,,	१८१-१८८
	४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और उनके पृष्ठांक)	१८९-१९०
५	परिशिष्ट २-विशिष्ट पुरुषों की जन्म-कुण्डलिया	१९१-१९३
६.	परिशिष्ट ३-पद, उपाधि और विरुदादि की साथ-नामावली	१९४-२०८
७.	परिशिष्ट ४-पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि	२०९
८.	परिशिष्ट ५-पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि	२१०
९	परिशिष्ट ६-शुद्धि-पत्र	२११-२३१

मुंहता नैणसी री ख्यात के चारों भागों की संपूर्ण विषय - सूची

भाग १

१ सीसोदियां री ख्यात

१. घात (गँहलोत कहीजं तिणरी) १
२. घात (बापा गुहादित री) ३
३. घात रांणा राहप री ६
४. घात दूसरी (नै कविस्त-
रावळ बापा रा) ७
५. सीसोदिया रा भेद ८
६. घात रांणा चीतोड़ रा
घणियां री ९
७. पीढियां री घिगत (इतरी
पीढी ताईं अँ सर्म कहांणा) ९
८. इतरी पीढी दीत-आहण
कहांणा १०
९. घात (हारीत रिख नै रावळ
बाप री) ११
१०. इतरी पीढी रावळ कहांणा १२
११. माहप नै राहप री घात १३
१२. रांणा हमीर सूँ पाटवियां
रा बेटा री घिगत १५
१३. गीत रांणा सांगा रो १८
१४. रांणा उदैसिघ री घात २०
१५. घात राणा उदैसिघ उदैपुर
वसायां री ३२
१६. घाटी राह री हकीकत ३५
१७. गिरवा री हकीकत ३६
१८. च्यार छपन री हकीकत ३६
१९. घात (कछवाहा मानसिघ नै
रांणा प्रताप वेढ हुई तिणरी ३९
२०. मेवाड़ रा भाखरा री घिगत ४०

२१. नदी तीन री घिगत-चांवळ,
बाभणो, पगघोई ४५
२२. दीवाण रै नास-भाज विखा नू
बडी ठोड़ इतरी, इतरा गावां
माहि ४६
२३. घनास नदी नीसरी तैरी
हकीकत ४७
२४. घात चारण आसिये गिरधर
कही, समत १९१७ रा
भादवा सुदि ९ नै ४९
२५. घात एक रांणा कूँभा चित-
भरमिये री ५१
२६. रांणा राजसिघ नू पातसाही
तरफ री इतरी जागीरी छै
तिणरी घिगत ५२
२७. घात १ सीसोदिया राघवदे
लाखावत री, राघवदे नू रांणै
कुमै नै राव रिणमल मारियो
तिणरी ५३
२८. घात १ घीठू भाभण कही
मांडघ पातसाह री मेवाड़
जेजियो लागै तैरी ५५
२९. घात (रांणो अमरा रै
विखा री) ५६
३०. गीत (राणा अमरा रो) ५८
३१. घात (सोदा-बारहठ
चाहू री) ५९
३२. घात पठाण हाजीखान नै
रांणा उदैसिघ हरमाड़ वेढ
हुई तिणरी ६०
३३. घात (राणा अमरा रै विखा
री फेर) ६२

३४	सकतावत (पीघो) नै रावत मेघ रै मामलो हुग्रो तिणरी घात	६४
३५.	सीसोदिया चूडावतां री साख	६६
३६	घात सीसोदिया डूगरपुर घांसवाहला रा घणियां री	७०
३७.	घात घांसवाहला रा मानसिध री	७३
३८	घात डूगरपुर घांसवाहला रा घणियां री (पीढियां री विगत)	७७
३९	घात सीसोदियां री (राखळ समरसी लोहडै भाई नू चीतोड दी तिणरी)	७९
४०.	घात घांसवाहला री	८७
४१	घांसवाहला रै सौंवर री विगत	८८
४२	गैहलोता री चौबीस साख	८८
४३	पवारों री पेंतीस साख	८९
४४	चहुवाणां री चौबीस साख	८९
४५	साख इत्ती पढिहारों भिळी	८९
४६.	सोळकियां री साख	९०
४७	घात वेवळिया रै घणियां री	९०
४८	घात (जोहरण रा मुकाता री)	९०
४९	देवळिये नै राणा रै मुलक री काफळ हण गावां	९५

२ वूदी रा घणियां री ख्यात

५०.	घार्ता (राख साखण रा पोतरा हाडा वूदी रा घणियां री)	९७
५१	हाडां रै पीढिया री विगत	१००
५२.	घात हाडै सुरजमल नारायण- दासोत नै राणा रतनसी मामलो हुग्रो निण तामे री	१०२
५३	घात (हाडा सुरजन नू राणा उदसिध वूदी दीवी तिणरी)	१०९
५४	गंधी रा वेस री हकीकत	११३

५५.	घात (बूवी रा वेस रा रज- पूतां री विगत)	११७
५६	घागडिया चहुवाणां री पीढी	११९
५७	घार्ता (चहुवाण डूगरसी यालावत री)	११९
५८	घात दहियां री	१२२
५९.	वूदेलां री घात	१२७
६०	वूदेलां री घात (कविप्रिया- ग्रथ केसोदास कियो तिण मांहे सू)	१२८
६१.	एकण ठोड़ पीढिया पू पिण मांडी छै	१३०
६२.	वारता गढबांधव रा घणियां री	१३२

३. घात सिरोही रा घणियां री

६३	घात (आवू लियां री)	१३४
६४.	पीढी सीरोही रा घणियां री	१३५
६५.	घात राख सुरताण री	१४२
६६	विचली घात (देवडै विजै सूर्जे री)	१४४
६७.	घात (डूगरोत देवडां री)	१६२
६८	गीत चौबा जेता री आठा दुरसा री कह्यो	१७०
६९.	गीत चौबा खोमा भार- मलोत री	१७१
७०.	घात (यिराव रै परगनें रा चहुवाणां री)	१७२
७१	घात (सीरोही री हकीकत बाघेला रामसिध नैणसी नू जाळोर में कही)	१७२
७२.	घात सीरोही रा घणियां- पाटवियां री आवू लियां री	१८०
७३	कवित्त-छप्पय सीरोही रा टीकायतां रा	१८४
७४.	कवित्त रामसिध सिरोहिये रा	१९१

४. भायलां रजपूतां री ख्यात

७५. पधारां री भायला साख री हकीकत	१६३
७६. वात चहुवांणा सोनगरा री राव लाखणोतां री	२०२
७७. वात सोनगरा री	२१२
७८. वात सिंघावलोकिनी (तापस वांभण नै सोमइया महादेव री)	२१३
७९. वात सोमइयो महादेव, कांनइदेजी री नै कावळ तथा बीजां री	२१६
८०. वात (बीके दहिये री, जाळोर री गढ भेळायो तिणरी)	२२३
८१. वात साचोर री	२२७
८२. वात चहुवांणां साचोर रा घणियां री	२२९
८३. पीढिया री विगत	२३०
८४. वात (बोड़ां री)	२४५
८५. बोड़ा री वसावळी	२४७
८६. वात (कांपळिया चहुवांणां री साख री)	२४८
८७. वात (कूभा कांपळिया री)	२४८
८८. वात खोचिया री (पीढियां)	२५०
८९. वात (खोची मांणकराव री)	२५०
९०. वात (घाळु आंनळोत री)	२५३
९१. वात (खोची आंना री)	२५३
९२. वात अणहलवाड़ा पाटण री	२५८
९३. कवित्त (चावडें पाटण भोगवी तिणरी साख री)	२५९
९४. इतरा पाटण भोगवी तिण साख री कवित्त	२६०
९५. पाटण वाघेला भोगवी तिण साख री कवित्त	२६१
९६. सोळकिया री साख इतरी	२६२
९७. वात सोळकिया पाटण आयां री	२६३

९८. वात पाटण चावोड़ा री

सोळकिया री आर्व जिणरी	२६६
९९. वात १ जाड़ेवा लाखानूं सोळकी मूळराज मारिया री	२६७
१००. वात रुद्रमाळो प्रासाद सिद्धराव करायो तिणरी	२७२
१०१. कवित्त सिद्धराव जैसिघवे री देहुरे रा, लल्ल भाट रा कल्या	२७७
१०२. वात सोळकिया खंरडा री	२७९
१०३. सोळकिया री पीढियां री विगत	२८०
१०४. वात (साखलं रतन जेमल नै मारियो तेरी)	२८१
१०५. वात (जेमल रतनो काम आया री)	२८३
१०६. वात सोळकी नायावता री	२८३
१०७. वात सोळकी राणा री वास देसूरी रा घणिया री	२८४
५. कछवाहां री ख्यात	
१०८. वात राजा प्रथोराजरी	२८६
१०९. पीढी कछवाहा री, भाट राजपाण मडाई	२८७
११०. कछवाहा सूरजवशी कहीर्ज त्यारी विगत	२९१
१११. कछवाहा री विगत	२९३
११२. कछवाहा री वसावळी री विगत	२९५
११३. वात एक गोहिला खेड रा घणिया री	३३३
११४. वात गोहिल खेड छाडनं सोरठ गया तिणरी	३३४
११५. पवारा री उतपत नै पीढी	३३६
११६. वात पवारा री	३३७
११७. पवार वाघ री ओलाद रा साखला हुवा तिणरी विगत	३३८

११८. पीढिया री विगत (साखलां री)	३३६
११९. साखला जागळवा	३४४
१२०. घात रायसी महिपाळोत री	३४४
१२१. इतरी पीढी जागळू साखलां रं रही	३४६
१२२. घात (चूडा, गोगा, धरढकमल, हरभम, रामधेपोर नै दूजी)	३४८
१२३. घात (नापो साखला नै फेर)	३५३

६ सोढां री ख्यात

१२४. सोढां री पीढी	३५५
१२५. घात पारकर रा सोढां री	३६३
१२६. घात पारकर री	३६३

भाग २

७ ख्यात भाटिया री

१. श्री जदुवशी कहीजें	१
२. घात भाटिया री	३
३. जेसलमेर रा देस री हकीकत घोठळवास लिखाई	३
४. खडाळरा गांवां री विगत	४
५. जेसलमेर रा देस री हकीकत मु॥ लखे मंडाई	६
६. घात भाटियां री पीढी, धारण-रतनू गोकळ मंडाई	६
७. घात रावळ घडसी री	१३
८. घसायळी रा गीत, भवनी रतनू कहै	१४
९. भाटी घ्याळा कहीजें तिणरी घात	१५
१०. घात (सोमवंशी भाटियां री परिवन पुराण माहि)	१५
११. घात यिजेराव चूडाळ री	१७
१२. घात परिहाही री । देवराज घाम ऊपर गयो तिणरी	२५

१३. घात (घार रं मूहते री)	२६
१४. घात भाटियां री (साख मगरिया री)	३१
१५. घात गजनी पातसाह री	३३
१६. घात (रावळ जेसल री)	३५
१७. घात (जेसलमेर री रांग मंडाई तिणरी)	३६
१८. कवित्त भाटी सालवाहण रा (नै आगली पीढियां)	३७
१९. घात राठोड सीमाळ री	४२
२०. धारता (धीकमसी री)	४४
२१. घात (पातसाह रा गुरु मारिया तिणरी)	४५
२२. घात (मूळराज नै कमालदी री । जेसलमेर ऊपर फोज विदा कीधी)	४६
२३. घात (मूळराज कना कमालदी लोथां मांगी तिणरी)	४६
२४. घात (कमालदी नू हठ करनै विदा कियो)	५०
२५. घात (कमालदी गढ घेरियो)	५०
२६. घात (बीज उधारण री । दूहा- सोरठा । आगली हकीकत)	५१
२७. घात (रावळ दूव तिलोकसी री)	५६
२८. घात (रावळ दूवो नै तिलोकसी मुध्रा री । दूवा रा गीत)	६१
२९. घात (रावळ घडसी राणा रतनसी री बेटो कमालदी रं अठ रह्यो तिणरी)	६६
३०. घात (रावळ हुध्रा तिणारी)	७५
३१. पीढी (जेसल सू)	८२
३२. घात (रावळ भीम री)	८४
३३. घात (रावळ भीम री फेर नै दूजी)	८६
३४. मनोहरदास रा प्रवाडा	१०३
३५. घात भाटियां माहि केलहणां री साख	११२

३६. राव केलहण देरावर लियां री	
घात (फेर झुजी)	११६
३७ धीकूपुर रै घणियां नै राठोडै	
सगाई तथा धोला	१३२
३८ केलहणा नै धीकानेर रा	
घणिया सगाई	१३३
३९ भाटिया केलहणा नै कछवाहा	
सगाई	१३३
४० तल्लाई, कोहर नै गांवा री	
हकीकत	१३४
४१ घात एक (राव मालदे तथा	
राव जेसा री)	१३७
४२ घात गाढाळा केलणा री	१४०
४३. विगत (केलहण री पीढी,	
केलहणां री खरड रा कोहर	
तल्लाई आदि री)	
४४. हमीर-भाटियां री साख	१४४
४५. घात (जेसा भाटियां री साख)	१५२
४६ रूपसी भाटियां री साख	१६६
४७. सरवहिया री पीढी	२०२
४८ घात सरवहिया री	२०२
४९. घात सरवहिया जेसा री	२०६
५०. घात (सरवहिया जेसा नै	
पातसाह री)	२०७
५१. घात (सरवहिये जेसे चारण	
रा मांगस छोडाया	२०८
५२ घात जाड़ेचा री	२०९
५३ घात रायधण भुज रा घणियां री	२०९
५४. पीढी	२१५
५५ गीत कुवर जेहा भारावत री	२१५
५६. घात लाखे री	२१६
५७. घात (जाड़ेचा फूलघषळ री)	२२५
५८. घात (जाम ऊनड सावळसुध	
कवि रोहडिया नू आउठकोड	
सामई दी तिण री)	२३६
५९. घात १ जाम ऊनड सावळ-	
सुध री	२३८

६०. वेढ १ जाम सत्तै नै अमीखान	
हुई तिणरी घात	२४०
६१ घात १ भाला रायसिध मान-	
सिधोत नै जाड़ेचा जसा घव-	
ळोत नै जाड़ेचा साहेब हमीरोत	
वेढ हुई तिणरी	२४४
६२. घात (भाला रायसिध नै	
जाड़ेचा साहेब री)	२४९
६३ घात १ जाड़ेचा साहिव री	
नै भाला रायसिध री फेर	
लिखी	२५३
६४. भाला री वंसावळी	२५६
६५. घात भाला री	२५८
६६. मेवाड रै भाला री घात	२६२
६७ मेवाड रा भाला री पीढी	२६५

८ राठोड़ां री ख्यात

६८. रावजी श्री सीहेजी री घात	२६६
६९ राव आसण्यानजी री घात	२७६
७०. वात राव कानडदेजी री	२८०
७१. रावळ मालोजी री घात	२८४
७२. घात धीरमजी री	२८९
७३. घात रावजी चूडैजी री	३०६
७४ गोगादेजी री घात	३१७
७५. अरडकमलजी चूंडावत री	
घात	३२४
७६. वात रावजी रिणमलजी री	३२९

भाग ३

राठोड़ां री ख्यात द्वि. भा. सू चालू)

१. घात राव रिणमलजी अर	
महमद रै आगम में लडाई	
हुई ते सम री	१
२ रावळ नू मालजी री घात	३
३. घात राव नू घाजी री	५
४ घात राव वीकाजी री	१३

५. भटनेर री घात	१६
६. घात राव धीकेजी री, धीकानेर वसायो तें सम री	१६
७. घात काघळजी री, काघळजी काम आयो तें सम री	२१
८. घात राव तीड री अर रावळ सावतसी सोनगर री भीनमाळ वेळ हुई तें सम री	२३
९. घात पताई रावळ साको कियो तैरी (पावागढ री घेर री)	२५
१०. घात राव सलखेजी री	२६
११. गढ सभिया तैरी ह्यात	२८
१२. घात राव सोहोजी (रं वश)री	२६
१३. जेसळमेर री घात	३३
१४. पूगळ राव	३६
१५. धीकपूर राव	३६
१६. धरसलपूर राव	३७
१७. मुगल-चकता-भाटी	३७
१८. छारवार री भाटी	३७
१९. घात बूद जोगावत मेघो नर- सिघदासोत सीधळ मारियो तें सम री	३८
२०. घात पेतसीह रतनसीहोत सीसोदिय चूटावत री	४१
२१. गुजरात देस राज्य घर्णनम्	४६
२२. पाटन वी ह्यापना घोर घातकों का राज्यकाल (टिप्पणी)	४६
२३. घात मकघाणा रजपूता री (भाला कहांना तैरी)	५७
२४. घात पाचुजी री	५८
२५. घात मार्ग घोरमदे री	८०
२६. घात हरवात ऊहट री	८७
२७. घात राठोड नर सजावत, लीम पोकरणे री	१०३
२८. जंमन घोरमदेघोत न राव भातदेव री घात	११५

२९. घात सीहै सीधळ री	१२३
३०. घात रिणमलजी री	१२६
३१. नरबद सतावत री वात, सुपियारदे लायो तें सम री	१४१
३२. घात नरबद राणजी नू आख दीवी तिय सम री	१४६
३३. घात राव लूणकर्णजी री	१५१
३४. घात मोहिला री	१५३
३५. मोहिला री पोढिया री हकीकत	१५८
३६. छव वे-अखरी, राठोड रामदेव रा कहिया	१६७
३७. बूहा, चारण चाप सामोर रा कहिया	१६८
३८. चौहानो की पोढियो की टिप्पणी	१६८
३९. बूहा पोढिया री विगत रा	१६९
४०. छत्तीस राजकुळी इतर गढे राज करे	१७३
४१. परमारा री वसावळी	१७५
४२. राठोडा री वसावळी	१७७
४३. टीक वंठा री विगत	१८१
४४. जोगपुर री पोढिया (टीक वंठा री विगत)	१८२
४५. भिन्न भिन्न घाकां रा समत (गढ लिया री विगत)	१८३
४६. बिली राजा वंठा तियारी विगत (राज कियो तिका विगत)	१८५
४७. घात सेतराम घरवाईसेनोत राठोड री	१९३
४८. धीकानेर री हकीकत	२०५
४९. राठोड पृथ्वीराज कल्याण- मलोत संवधी टिप्पणी	२०६
५०. वलपतसिह रायसिहोत संवधी टिप्पणी	२०६
५१. सतिया हुई	२०६

५२. जोधपुर रा राजाश्रा की ख्यात	२१३	६०. वात चद्रावतां की	२३६
५३. टिप्पणिया	२१३-२१५	६१. पीढिया की हकीकत	
५४. किसनगढ की विगत	२१७	(चद्रावता की)	२४७
५५. जेसलमेर की ख्यात	२२०	६२. घात सिखरो वहलवै रहै तैरी	२५०
५६. पीढिया (वीकानेर रा		६३. वात ऊदै ऊगमणावत की	२५६
६३ ठिकाणा की)	२२३-२३४	६४. बूदी की धारता	२६६
(१) सिरगोता की	२२३	६५. जयामलान्या की उत्पत्त नै	
(२) खपावतां की	२२५	फर्तहपुर जूझणू वसायो	
(३) नारणोता की	२२७	तैरी वात	२७३
(४) रत्नवासोता की	२२८	६६. दीलतावाद रा उमरावा	
(५) रावतोतां की	२२९	की वात	२७६
(६) बीदावता की	२३०	६७. आदिदास्त	२७८
५७. जोधपुर रा सरदारों की		६८. आदिदास्त	२७९
पीढिया (ऊदावता रा		६९. सागमराव राठोड़ की घात	२८०
१४ ठिकाणा की	२३५	७०. टिप्पणी (कान्हडदे-प्रबन्ध	
५८. विगत	२३८	सू उद्धृत)	२८३
५९. अकबर की जन्म कुडली			
नै टिप्पणी	२३८		

[चौथे भाग की विषय-सूची के लिए

कृपया पृष्ठ उलटिये]

भाग ४

१ चौथे भाग की विषयानुक्रमणिका	१
२. संचालकीय वस्तव्य	१
३. चारों भागों की सम्पूर्ण विषय-सूची	१-८
४. भूमिका	१-२४
५. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दोबान और ख्यात-लेखक मुहता नैणसी	२५-३६
६. महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम	४०-४२
७. परिशिष्ट १-तीनों भागों की नामानुक्रमणिका	१-१६०

१. वैयक्तिक—

(१) पुरुष नामानुक्रमणिका	१-१०८
(२) स्त्री नामानुक्रमणिका	१०९-११७
(३) श्रद्धादि पशु नाम	११८

२. भौगोलिक—

(१) ग्राम देशादि नामानुक्रमणिका	११९-१६४
(२) पर्वत जलाशयादि ,,	१६५-१७१

३. सांस्कृतिक

(१) ग्रंथ, सत्था, फर, मापादि नामानुक्रमणिका	१७२-१८०
(२) देवी-देवता, तीर्थादि ,,	१८१-१८८

४. सम्पूर्ति (छूटे हुए नाम और पृष्ठ-संख्या)

८. परिशिष्ट २—विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियाँ	१९१-१९३
९. परिशिष्ट ३—पव, उपाधि और विरुदादि की सार्थ नामावली	१९४-२०८
१०. परिशिष्ट ४—पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि	२०९
११. परिशिष्ट ५—पौत्र या वंशज के पर्याय व प्रत्ययादि	२१०
१२. परिशिष्ट ६—शुद्धिपत्र	२११-२३१

भूमिका

राजस्थान वीरो और सतियों का देश है। इसकी मिट्टी का कण-कण जीवनी-शक्ति का स्रोत है। सहस्रो अप्रतिम शूरवीरो के ओजस्वित रक्त की असंख्य भावनाओं और अनगिनत सतियों के जोहर की पावन भस्म के योग से उसमें वह जीवनी-शक्ति समाई हुई है कि जिसके दर्शन मात्र से मुर्दा दिलों में शूरत्व उत्पन्न हो जाता है। वह जीवन की सार्थकता और अनोखे जीवट की एक संजीवनी है। उसमें जीवन की निस्पृहता, सहनशीलता, दृढता और कठोरता के साथ भावोद्रेकता और मानवीय संवेदना की सुषमा ओतप्रोत है। राजस्थान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि इसका इतिहास स्वयं युद्ध-कला के विशारद मातृभक्त वीरो ने खड्ग-लेखनी की नोक से अपनी रक्त-मसि द्वारा चित्रित किया है। यह असंख्य सती वीरांगनाओं के जोहर-यज्ञों और वीरो के मरणोत्सवों (अभूतपूर्व और अगणित नारी और नरमेघों) का इतिहास है। जीना है मरने के लिये और मरना है जीने के लिये—इस रहस्यमय जीवन-मरण विज्ञान के नित्य व्यवहार और प्रत्यक्ष उदाहरणों की अनुभूति राजस्थान का इतिहास है। वीरो के समान ही युग-युगों तक आत्मज्ञानोपदेश और पथप्रदर्शन करने वाले अनेकों ज्ञानी-भक्त और कवि-कुसुम यहाँ प्रफुल्लित हुए हैं, जिनकी मधुर सुवास विश्व-साहित्य में अजोड़ है। ऐसे वीरो, भक्तों और कवियों का राजस्थानी साहित्य प्रत्येक दिशा में आगे बढ़ा हुआ है। राजस्थानी साहित्य गद्य (ख्यात, वात, हकीकत, वचनिका इत्यादि) और पद्य की अनेक शैलियाँ अपनी मौलिकता के लिये प्रसिद्ध हैं। इन सभी परंपराओं में अनेक उत्कृष्ट कोटि की रचनाओं का सृजन हुआ है। अनेक विद्वानों ने इस भाषा की सम्पन्नता व साहित्य के वैशिष्ट्य पर अनूठे उद्गार प्रकट किये हैं^१।

-
१. (ग्र) Rajasthan is the language of a brave and heroic people. Rajasthan literature is a literature of chivalry. Its place among the literatures of the world is unique. Its study should be made compulsory for the youth of modern India. The work of the

राजस्थानी साहित्य की प्रमुख भाषा मारवाड़ी है, जिसका प्राचीन नाम मरुभाषा है^२। इसी मारवाड़ी भाषा में लिखा गया अपरिमित गद्य-पद्यमय साहित्य राजस्थान का ही नहीं, अपितु समस्त भारत का मौलिक और गौरवपूर्ण साहित्य है। इसमें ख्यात साहित्य अपना विशिष्ट स्थान रखता है। ख्यात-

revival of the soul-inspiring literature and its language is absolutely necessary.I am eagerly looking for the day when a full-fledged department of Rajasthani will be established at the Benares Hindu University where complete facilities will be provided for teaching and research work in Rajasthani literature.

—Pandit Madan Mohan Malaviya

(ग्रा) They are the natural out-burst of the people. I regard them as superior even to the Sant poetry. How nice it would be if they were published? Any language and literature of the world could well be proud of them. God willing I shall have them published from the Hindi Bhawan of Shanti Niketan. I shall try my best to place Rajasthani literature before the Indian public through the Hindi Bhawan.

—Rabindra Nath Tagore

(द) The area which Rajasthani is spoken is bigger than that of any other Indian language except Hindi. It is bigger, too, than many countries of the world such as Great Britain, Eire, Romania, Poland, Greece, Norway, Iraq and Italy.

—Sir G.A. Grierson

(ई) The number of people who speak Rajasthani is nearly two crores. It has got more speakers than many important language of India and the world such as Gujarati, Kanarese, Assamese, Oriya, Malayalam, Sindhi, Pashto, Burmese, Siamese, Singhal, Greek, Turkish and Iranian.

—Hindustan Year Book for 1943, p. 159

२ प्राठवीं शती के प्रसिद्ध प्राकृत ग्रन्थ कुषल्यमाला में भारत की १८ भाषाओं में मरुभाषा को भी गिनाया गया है। अबुलफजल ने भी अपने इतिहास ग्रन्थ आइन-इ-अकबरी में मारवाड़ी भाषा का स्थान अपने समय की समस्त भाषाओं में महत्वपूर्ण बताया है। धर्मपत्र की परम्पराओं का सीधा संबंध इसी भाषा में सुरक्षित मिलता है।

साहित्य ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत महत्त्वपूर्ण है, किन्तु साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी इन ख्यातों का महत्त्व बहुत अधिक है ।

‘ख्यात’ शब्द

राजस्थानी में ‘ख्यात’ शब्द प्रायः इतिहास के पर्याय के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा है । ‘ख्यात’ मूलतया संस्कृत भाषा का शब्द है । यह ‘ख्या’-प्रकथने धातु से ‘क्त’ प्रत्यय होने पर निष्पन्न होता है । संस्कृत भाषा में मुख्यतः इस शब्द के ये अर्थ प्राप्त हैं—

१. ख्यातिप्राप्त या लब्धनाम ।
२. आहूत या आवाहित ।
३. विदित या परिज्ञात ।
४. कीर्तिमान या सुप्रसिद्ध ।
५. उक्त या ज्ञप्त ।
६. अभिहित या नाम दिया हुआ । और
७. प्रख्यात या लोक-विश्रुत आदि^३ ।

किन्तु उत्तर मध्य-कालीन राजस्थान के इतिहास के लेखकों ने ‘ख्यात’ शब्द को ही और अधिक विस्तृत अर्थ का व्यञ्जक बना कर प्रयुक्त किया है । उन्होंने इसे इतिहास (इति+ह+आस=पिछली घटनाओं का परम्परागत विवरण),

३. देखिये संस्कृत, हिन्दी, गुजराती और मराठी शब्दकोश—

- | | | |
|-----------------------------|---|--|
| (१) मोनियर विलियम्स | : | संस्कृत-इंगलिश डिक्शनरी, न्यू एडीशन |
| (२) जे०टी० मोलेस्वर्थ | : | मराठी-इंगलिश डिक्शनरी, दूसरा संस्करण १८५७ ई० |
| (३) एन०वी० रानाडे | : | ” ” १९११ ई० |
| (४) द्वारकाप्रसाद चतुर्वेदी | : | संस्कृत शब्दार्थ कोस्तुभ |
| (५) गि०शं० महता | : | संस्कृत गुजराती शब्दादर्श १९२६ ई० |
| (६) पन्यास मुक्तिविजयजी | : | शब्द रत्न महोदधि सवत् १९६३ |
| (७) अमरकोश | | |
| (८) अभिधान चिन्तामणि कोश | | |

हिन्दी शब्दकोशों में ‘ख्यात’ शब्द के अर्थ—१. प्रसिद्ध २. कथित ३ वह कविता जिसमें योद्धाओं का यशोगान हो आदि आदि ।

गुजराती कोशों में—१. कथन २. कथा ३. घोषणा ४. कहेलु ५. जाणीतुं आदि ।

मराठी कोशों में—१. पराक्रम २. कीर्ति ३. प्रसिद्धि आदि, और

प्राकृत कोशों में—विश्रुत, प्रसिद्ध आदि ।

ऐतिह्य (पौराणिक वृत्तात), और इतिवृत्त (= विशिष्ट घटनाएं) आदि का व्यक्त माना और तदनुकूल 'ख्यात' शब्द का प्रयोग किया ।

ख्यात शब्द का आधुनिक इतिहासकारों ने इतना व्यापक अर्थ न लेकर, इसके स्थान पर 'इतिहास' शब्द को ही अपना लिया, फलतः वह तत्कालीन राजस्थान के इतिहास-लेखकों की अपनी ही वस्तु रह गई । फिर भी इस 'ख्यात' शब्द को लेकर जो ऐतिहासिक साहित्य रचा गया है, उसका इतिहासकारों की दृष्टि में महत्वपूर्ण स्थान बना हुआ है, और वह उनके लिये शोध की अमूल्य निधि है ।

ख्यात-साहित्य का महत्व

यद्यपि देश के इतिहास और उसकी सांस्कृतिक परम्पराओं को आज एक नये दृष्टिकोण से सोचने और विचारने की आवश्यकता है । केवल राजाओं और नवाबों आदि शासकों के माध्यम से देश के इतिहास को लिखने और उस परम्परा-दृष्टि से उस पर विचार करने का अब उतना महत्व नहीं रहा, तथापि उनके काल में जो इतिहास निर्माण हुआ है, वह एक अभूतपूर्व सक्रान्ति काल का इतिहास है । देश की राजनीति और सामाजिक एवं धार्मिक परम्पराओं पर उसका अमिट प्रभाव है । वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और चिरस्मरणीय काल था । इसके कारण देश में एक नया मोड़ आया, अतएव इस काल में घटी घटनाओं को किसी भी प्रकार आँखों से ओझल नहीं किया जा सकता । ख्यात साहित्य में वर्णित ये सभी घटनाएँ हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक चेतना को वर्तमान और आने वाले युग के अनुकूल बनाये रखने के लिये नितान्त उपयोगी हैं ।

सामन्तगोही की कुत्सित भावनाओं के कुछेक वर्णनों और घटनाओं को यदि हम उस काल के इतिहास में मुजरा करके देखें तो तत्कालीन सामन्त व उनके साथ के इतर वर्ग की देश-भक्ति, त्याग, ऐश्वर्य और उज्ज्वल चरित्र आदि मानव-आदर्श और उनके काल की अनुपम वास्तुकला, संगीत, शिल्प और विज्ञान आदि की प्रगति के वर्णन हमें अपनी संस्कृति के गौरवपूर्ण अतीत की पुनरावृत्ति कराते हुए दिखाई पड़ते हैं । तभी हमें ऐसा प्रतीत होने लगता है कि सांस्कृतिक निधि की यह अमूल्य ऐतिहासिक सामग्री हमारी परम्परा के अनुकूल नव-इतिहास-निर्माण का एक आवश्यक आधार है ।

हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूलाधार हमारा अद्वितीय सरस्वती-भण्डार, जो समार में सभ्यता का एक मात्र भण्डार और बीज रूप था—उसके

लिये एक घोर सवर्तक-काल आया और उसे अमानवीय कृत्यों और तरीकों द्वारा नष्ट किया गया। आज उसका सहस्रांश भी शेष नहीं है। किन्तु जो कुछ जितना, जैसी भी अवस्था में और जिस किसी भी प्रकार बचा रह गया, उसी के कारण हम और हमारी शताब्दियों से लड़खड़ाती हुई संस्कृति आज भी जीवित है।^४ उसे अब तत्वज्ञ और मनीषियों की सजीवनी वाणी और लेखनी द्वारा नवजीवन प्रदान करने के अनेक प्रयत्न किये जाने लगे हैं।

अनेक शोध और प्रकाशक संस्थाएँ इस क्षेत्र में बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य सम्पादन में लगी हैं। उनमें प्रमुख राजस्थान सरकार द्वारा महान् पुरातत्वाचार्य पद्मश्री मुनि श्री जिनविजयजी के निर्देशन में स्थापित 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर' है। इस संस्था ने अपने शैशव काल में ही अनुपलक्षित साहित्य-निधि के अनेक रत्नों को प्रकाशित किया है और प्रकाशित करने में तत्पर है। उन्हीं प्रकाशनो में ख्यात-साहित्य का सर्वोपरि ग्रन्थ—राजस्थान, मालवा, गुजरात, सोराष्ट्र, कच्छ और सिन्ध आदि का लोक विश्रुत इतिहास और अन्य विविध विषयों से युक्त यह 'मुहता नैनसी री ख्यात' नामक साहित्य है।

इस ख्यात का महत्व

'मुहता नैनसी री ख्यात'^५ जोधपुर के महाराजा जसवतसिंह प्रथम के दीवान और ओसवाल जाति के प्रसिद्ध मोहणोत वंश के विख्यात मुहता नैनसी जयमलोट द्वारा रचा गया राजस्थान की प्रसिद्ध मारवाड़ी भाषा का अपनी कोटि का अनूठा मध्यकालीन इतिहास-ग्रन्थ है। राजस्थान के भूतपूर्व देशी

४. 'दीपं वारो देस, ज्यारो साहित जगमगै।' [जिनका साहित्य सर्वतोमुखी प्रकाशमान है, उन्हीं का देश अपनी संस्कृति की परंपरा को सदा उन्नत बनाये रह कर संसार में शोभा पाता है।]

—स्व० श्री उदयराम लज्जवल

५. 'मुहता नैनसी री ख्यात' इस ग्रन्थविधान का अर्थ यद्यपि इस भूमिका को पढ़ने से स्पष्ट हो जाता है, तथापि इसकी 'री' विभक्ति के इस प्रकार के अन्य ख्यात ग्रन्थों के नामों की तुलना में इस ग्रन्थ के नाम की 'री' विभक्ति का औचित्य और संगति किस प्रकार है, स्पष्ट करने की आवश्यकता है। 'राठोड़ा री ख्यात' = राठोड़ वंश की ख्यात या इतिहास, 'मेवाड़ री ख्यात' मेवाड़ राज्य का इतिहास में 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' है। पर यहाँ इस 'री' विभक्ति का अर्थ 'की' या 'संबंधित' न होकर 'के' द्वारा लिखी गई होता है। 'मुहता नैनसी री ख्यात' = 'मुहता नैनसी द्वारा लिखी हुई ख्यात या इतिहास ग्रन्थ' होता है।

राज्यो मे ख्यात के नाम से अनेक ग्रन्थ लिखे गये हैं, उन सब मे 'मुहता नैणसी रो ख्यात' बहुत महत्व की है^१। इतिहास के सभी विद्वान् अन्य ख्यातो की अपेक्षा इसे अधिक विश्वस्त मानते हैं। स्व० म० म० रायबहादुर गौरीशंकर ही० श्रीभा ने अपने इतिहास-ग्रन्थों मे और स्व० रामनारायण दूगड द्वारा किये गये इसके हिन्दी अनुवाद के दोनों खण्डो की भूमिकाओ मे ठौर-ठौर इस ख्यात की प्रशंसा की है और राजस्थान का पिछला इतिहास लिखने के लिये इसे बहुत महत्वपूर्ण और विश्वस्त बतलाया है।^२ मुन्शी देवीप्रसाद मुसिफ ने तो नैणसी को 'राजस्थान का खजुलफजल' और उनकी लिखी हुई इस ख्यात को 'आईन-इ-अकबरी' की कोटि का इतिहास-ग्रन्थ कहा है^३।

६. इस ख्यात के महत्व का इसी से पता लग जाता है कि इस संस्करण के पूर्व इसके दो संस्करण और प्रकाशित हो चुके हैं। एक संस्करण स्व० श्री रामकण्ठजी आसोपा द्वारा मूल रूप मे उनके निज के रामश्याम प्रेस मे मुद्रित होकर उन्हीं की ओर से प्रकाशित किया जा रहा था, परन्तु वह सम्पूर्ण नहीं हो सका था। दूसरा संस्करण स्व० श्री रामनारायणजी दूगड का हिन्दी अनुवाद है, जो स्व० श्री गौ० ही० श्रीभा द्वारा सम्पादित होकर काशी नागरी प्रचारिणी सभा की ओर से दो भागों में प्रकाशित हुआ है। पहला भाग स० १९८२ वि० में और दूसरा इसके ६ वर्ष बाद सम्वत् १९८९ मे प्रकाशित हुआ है।

इनसे भी अधिक महत्व की बात यह है कि नैणसी के बाद की लिखी हुई ख्यातो का आधार भी प्रायः नैणसी रो ख्यात ही रही हुई मालूम होता है। उनमे अनेक प्रसंग नैणसी रो ख्यात के घों के घों उद्धृत कर लिये हैं। उदाहरण के तौर पर दयालदास रो ख्यात, जिसके प्रकाशित संस्करण दू. भाग [पहला भाग प्रकाशित नहीं हुआ] के अनेक स्थलों मे से दो एक प्रसंगों की ओर संकेत करना काफी होगा।

नैणसी रो ख्यात, भाग ३, पृ० १३ और दयालदास रो ख्यात पृ० ८

" " " ३ " ६४ " " " " ६५

" " " ३ " १२०-१२१ " " ८२, २६८ इत्यादि।

७. वि. स १३०० के आसपास से लगा कर उसके लिये जाने के समय तक के इतिहास के लिये नैणसी का ग्रन्थ अनुपम वस्तु है। यदि नैणसी की ख्यात देखे बिना कोई राजपूताने का इतिहास लिखने का साहस करे तो उसका ग्रन्थ कभी सतोपदायक नहीं हो सकता।

—श्रीभा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ. ७५

८. न्य० मुन्शी देवीप्रसादजी तो नैणसी को राजपूताने का खजुलफजल कहा करते थे और उनके इतिहास पर बड़े मुग्ध थे। मुन्शीजी ने अगस्त १९१६ की सरस्वती में राजस्थान-इतिहासज मूला नैणसी की ख्यात के विषय में एक लेख छपा कर उसके महत्व का परिचय दिया था।

—श्रीभा निबंध संग्रह, तृतीय भाग, पृ० ७५

प्रस्तुत ख्यात का सर्वाधिक महत्त्व इस बात में भी है कि नैणसी ने ख्यात में प्राप्त समस्त सामग्री साधारण स्वीकार की है। उन्होंने लिखने वाले, भेजने वाले, सुनाने और लिखने वालों के नाम ही नहीं लिखे, अपितु कही-कही तो उनका पूरा परिचय, सम्बन्ध, मित्ती और स्थान आदि के नाम भी दे दिये हैं। उनमें कई प्रसिद्ध ढिंगल-कवि और चारणजन हैं^६।

६. (१) पोरण ब्राह्मण कवीसर जसवन्त रो भाई जोशी महेशदास।
- (२) मुंहतो लखो, सं० १७०० माह वदी ६ मेइते में जैसलमेर रो हाल लिखायो।
- (३) आठो महेशदास छत्राळा भाटियाँ रो बात, सं० १७०६ फागण सुदी १५ रो लिखाई, सं० १७२१ माह माहे लिख मेली।
- (४) मुंहते नरसिंघदास जैमलोत (नैणसी रो भाई) डूंगरपुर में रावळ पूंजा रें करायोडो देहरा रो प्रशस्ति लिख मेली, समत १७०७ मे।
- (५) वूदेला सुमकरण रें चाकर चक्रसेन मंडाई, सं० १७१०।
- (६) चारण आसियो गिरधर सं० १७१६ रा भादवा सुदी ६।
- (७) चारण भूलै रुद्रदास भाण रें साइया भूला रे पोतरें कही, संमत १७१६ रा चैत मांहे।
- (८) सं० १७२१ रा जेठ मांहे रा० रामचन्द्र जगनाथोत मंडाई।
- (९) खिडियो खींवराब सिसोदिया रो चूण्डावत साखा रो वृत्तान्त लिखायो सं० १६२२ रा पोह वदी ५।
- (१०) बात एक बीठू भाऊण कही।
- (११) दधवाडियो खींवराज, बात पठाण हाजीखान राण उदैसिघ वेढ हुई तिणरी लिख मेली। संमत १७१४ रा वैसाख मांहे।
- (१२) देवडो अमरो चंदावत रो परधान बाघेलो रामसिंघ नू अमरें नैणसी कर्न मेलियो, उण कही।
- (१३) मुहणोत सुंदरदास जाळोर बकां लिख मेली।
- (१४) रतनू गोकुळ पोडिया मंडाई। गोकुळ रतनू कह्यो।
- (१५) चारण चांदण खिडियो।
- (१६) भाट खगार नीलिया रो पडियारा रो साखा लिखाई।
- (१७) भाट राजपाण उदैहीरो, पोडो कछवाहां रो मंडाई।
- (१८) बात १ जीब रतनू घरमदासाणी कही नै पहला सुणी थी तिका तो लिखी हीज हुती। बात जाडेचा साहिब रो नै भासा रायसिंघ रो फेर लिखी।
- (१९) साखडी रावळ भीम रो आसियो पीरो कही।
- (२०) राव नीवो महेशोत सवणी।
- (२१) गाडण पसायत।
- (२२) बारहठ खीदो।

नैणसी ने अपनी ख्यात में लगभग ६ शताब्दियों के जीवन और साहित्य का महत्त्वपूर्ण परिचय दिया है। अपभ्रंश भाषा की परम्परा से प्रभावित मारवाड़ी भाषा में लिखा गया यह विवरण विक्रम सम्वत् १३०० से १७०० तक राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सभी प्रकार की गतिविधियों का विस्तृत आलेखन है। यद्यपि पहले का जितना वृत्तान्त है, वह सभी प्रायः जनश्रुतियों या चारण-भाटों की बहियों से प्राप्त किया गया है, तथापि १६वीं शती से १८वीं शती तक का विवरण प्रायः शंकाओं से परे और विषममनोय है।

ख्यात की भाषा

इस ख्यात की भाषा लगभग तीन सौ वर्ष की पुरानी मारवाड़ी भाषा है। यद्यपि यह भाषा उतनी कठिन नहीं है तथापि हिन्दी के विद्वान् इसका सही-सही समझना उतना सुलभ नहीं समझते। फिर डिंगल के गीत, छप्पय, दोहे आदि की समझना तो उनकी दृष्टि में और भी कठिन है^{१०}।

इस ग्रंथ की मारवाड़ी भाषा भारतीय आर्य भाषाओं की अपभ्रंश परंपरा की निकटतम शाखा के प्रौढ गद्य का उत्कृष्ट रूप है जो राजस्थान की सभी

(२३) चारण वीरधवल दूहा कहै।

(२४) गाढण सहजपाळ।

(२५) सावलसुध रोहटियों।

(२६) भांणो मोसण, वडो भाखरा रो कहणहार।

(२७) ढाढो..... इत्यादि।

इनके प्रतिरिक्त बारहठ ईसरदास, दुरसो भाढो, केशवदास, रतनू नवल्लो, बारठ मीठू, भासराव रतनू, भासियो दलो, लल्ल भाट और चारण चांदो आदि डिंगल के प्रसिद्ध कवि और गृध्र वात या हालात, जिनके सुनाने या लिखाने वालों का नाम स्मरण नहीं रहा—नैणसी ने 'एक वात यूं सुणी' या 'समत १७२२ आसोज मांहे परबतसर मांहे तिसी' इस प्रकार से उनका आभार माना है।

१०. नैणसी की मनुष्य ख्यात २७५ वर्ष पूर्व की मारवाड़ी भाषा में लिखी हुई है, जिससे राजपूताने का रहने वाला हर एक भादमी सहसा ठीक-ठीक समझ नहीं सकता। राजाओं, सरदारों आदि के पुराने गीत, दोहे आदि भी उसमें कई जगह उद्धृत किये गये हैं, जिनका ठीक-ठीक समझना तो और भी कठिन काम है।

—भीष्म निबंघ-संग्रह, तृ. भाग

बोलियों से अधिक विकसित और मान्य 'पश्चिमी मारवाड़ी' की परंपरा का प्राचीन और प्रधान रूप है। आधुनिक राजस्थानी और गुजराती के रूपों में विकसित होने वाले अंकुरों का (विभक्तियों, प्रत्ययों आदि के योग से) देश-कालिक निकटतम भेद बताने वाला एक सागोपाग नमूना है^{१२}। अन्य भारतीय भाषाओं की समकालीन परंपराओं की तुलना में इसकी परंपरा अपने विकास में अग्रणी, परिपक्व और अधिक प्राचीन गद्य-शैली का रूप है। इसमें पुष्ट गद्य-साहित्य के सभी रूप ख्यात^{१३}, वात, वारता, विगत, विरतत, हकीकत, याद, आदिदास्त, हाल, प्रस्ताव, हवालो, सिधावलोकनी, मिसाल, साख, परियावली, वंसावली, पीढिया आदि सभी प्रचुर परिमाण में विद्यमान हैं। इन सब में ख्यात साहित्य प्रमुख है। वात, हकीकत, विगत आदि के भी अनेक छोटे-मोटे हस्त-लिखित इतिहास-ग्रंथ प्राप्त हैं, जो ख्यात के आवश्यक अंग होने के साथ उसका

११. आधुनिक शोध विद्वानों ने इसका नाम 'प्राचीन पश्चिमी राजस्थानी' रखा है जबकि गुजरात के विद्वानों ने 'जूनी गुजराती' अथवा 'मारु-गुजर भाषा' अभिहित किया है।

१२. Rajasthani dialects form a group among themselves differentiated from Western Hindi on one hand and from Gujarati on the other hand. They are entitled to the dignity of being classed as together forming a separate independant language. They differ much more widely from Western Hindi than does, for instance, Punjabi. Under any circumstances they cannot be classed as dialects of Western Hindi. If they are to be considered dialects of some hitherto acknowledged language, than they are dialects of Gujarati.

—Dr. Sir G. A. Grierson

Linguistic Survey of India, Vol. IX part II pages 15

१३. ख्यात की प्राचीनता के सम्बन्ध में पीटरसन, दूसरी रिपोर्ट में अनध्वराध्व नाटक के कर्ता मुरारि कवि का यह श्लोक दृष्टव्य है। मुरारि कवि का समय ८वीं-९वीं शताब्दि माना जाता है।

चर्चामिश्वारणानां क्षितिस्मरण ! परांप्राप्यसमोद लीलां
मा कीर्तेः सौविदल्लानवगणय कवि प्रात(?) वाणी विलासात् ।
गीतं ख्यातं च नाम्ना किमपि रघुपतेरथ यावत्प्रासा —
हाल्मीके रेव धार्मी धवलयति यशो(दा?) मुद्रया रामचन्द्र ॥

—परम्परा : भाग ११ और १५-१६ तथा

ना. प्र. पत्रिका, भाग १ चन्द्रधर शर्मा गुलेरी का चारण' नामक लेख।

विकसित परिमार्जित और प्रौढ रूप है। किन्तु स्वतन्त्र रूप से भी इनका महत्त्व ख्याती से कम नहीं है। ख्यात के आवश्यक अंग-रूप इन शब्दों का अर्थ अपने साधारण अर्थों से कुछ भिन्न होने के कारण यहाँ संक्षेप में प्रत्येक की जानकारी देना अप्रासंगिक नहीं होगा, जिससे कि उनके महत्त्व को समझा जा सके—

ख्यात

मोटे रूप में ख्यात इतिहास को कहते हैं जिसमें युद्ध आदि प्रसिद्ध घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया हुआ होता है। अध्याय के रूप में भी ख्यात शीर्षक देकर वर्णन या वृत्तान्त के रूप में ख्यात ग्रंथ का विभाजन किया हुआ होता है। 'नैणसीरी ख्यात' में ऐसे अनेक विभाग हैं। जैसे—'अथ सीसोदिया री ख्यात लिख्यते', 'अथ ख्यात भाटिया री लिख्यते' इत्यादि। वात, हकीकत आदि इसके अनेक पेटा विभाग हैं।

वात, घात

वर्णनार्थक 'ख्यात' शीर्षक में किसी वंश या व्यक्ति आदि की प्रसिद्ध घटनाओं का विवरण प्रायः 'वात' शीर्षक से विभक्त किया हुआ होता है। स्वतन्त्र ऐतिहासिक वात-साहित्य की बातें बढ़ी होती हैं^{१४}।

हकीकत

स्थान विशेष की स्थिति का वर्णन प्रायः हकीकत कहलाता है। यह ख्यात के समान बड़े ग्रंथ के रूप में भी होती है जैसे—'जोधपुर री हकीकत'।

पीढी

ख्यात का एक आवश्यक अंग है। इसमें वंशानुक्रम के साथ विशिष्ट व्यक्ति के जीवन की विशेष घटनाओं का उल्लेख भी किया हुआ रहता है।

साख

(१) विशिष्ट व्यक्ति के नाम पर वंश-वृक्ष में से प्रस्फुटित शाखा वाले वंश को साख कहते हैं, जैसे—ऊदावत, जेसा-भाटी इत्यादि इसे वंसावली भी कह देते हैं। (२) घटना विशेष और स्थान के नाम से भी 'साख' प्रस्फुटित होती है, जैसे—भाला, छाम्पाळा और महेवचा, वाडमेरा आदि। (३) किसी वात की साक्षी के रूप में उद्धृत छंद भी 'साख' कहलाता है, जैसे—साख रा दूहा।

१४. 'वात परगने जोधपुर री' (हस्तलिखित) में जोधपुर, जोधपुर के परगने और जोधपुर के राजाओं से संबंधित प्रसंगवशात् सभी विषयों का विस्तृत विवरण दिया हुआ है। यह वात पृ. १८४ महाराजा जसवतसिंह प्रथम (अपूर्व) तक है। इसमें कई स्थानों पर नैणसीरी का उल्लेख महत्त्व के तथ्यों के साथ हुआ है। सुंदरसी का भी उल्लेख हुआ है। यह वात हमारे संग्रह में है।—सम्पादक

विगत

किसी वश या स्थान के सम्पूर्ण और क्रमबद्ध व्यौरे को विगत कहा जाता है।

याद, याददास्त, आदिदास्त

किसी बात या घटना को विस्तृत रूप से लिखने के लिये याद के तौर पर लिखा हुआ उसका संक्षिप्त रूप। बड़ी बात का संकेत-लेखन या नोट्स।

प्रस्ताव

प्रासंगिक रूप में कही जाने वाली बात के लिये प्रारम्भिक संकेत, जैसे—
एकदा प्रस्ताव।

हवालो

प्रमाण के लिये किया हुआ किसी बात या घटना का उल्लेख।

सिंघावलोकनी बात

पूर्वल्लिखित बात या घटना पर दृष्टिपात करते हुए किया गया विशेष वर्णन।

परियावली, बंसावली

देखें पीढ़ी और साख (१) और (२)

स्थानस्थिति के वास्तविक निर्देशन के लिये आठ दिशाओं के अतिरिक्त इस ख्यात में १६ दिशाओं के नामों का उल्लेख इसके (गद्य और पद्य) साहित्य की प्रौढता का एक अन्यतम उदाहरण है। ऐसा उदाहरण अपभ्रंश पारंपरीय तात्कालिक किसी भी भाषा के विज्ञान में और आधुनिक किसी भी साहित्य में प्राप्त नहीं है।^{१५}

क्रीडा, कृषि, वाणिज्य, युद्ध और शासन आदि से संबंधित अपने अर्थों में सशक्त अनेक पारिभाषिक शब्दों का प्रयोग राजस्थानी भाषा की प्राञ्जलता और व्यापकता के द्योतक हैं, जिनमें से अनेकों के पर्याय हिंदी में नहीं मिलते। डिगल एवं राजस्थानी गद्य साहित्य के अध्ययन के लिये इस ख्यात का शब्द-भण्डार बहुत ही मूल्यवान है।^{१६}

१५. राजस्थानी साहित्य में १६ दिशाओं का उल्लेख मिलता है—

‘दिसि खोज भूम्यो छट-पच-दूण, जुडियो नह थापण धम्म जूण’।

सोलह दिशाओं में जिन आठ विशेष दिशाओं के नामों का उल्लेख किया जाता है, उनमें से इद्र, तहड़, खरक, भरहेर, रूपारास और पचाद आदि के नाम इस ख्यात में प्राप्त हैं।

१६. वल्लभविद्यानगर, धी. पी. महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष और रिसर्च स्कॉलर प्रो० भूपतिराम साकरिया के सह-सम्पादन में राजस्थानी-हिन्दी का एक कोश शोधार्थियों के लिये (सर्व-सुलभ आवृत्ति) तैयार किया गया है, जिसमें ‘नैरासी री ख्यात’ के भी तीन-चार हजार शब्द लिये गये हैं। कोश प्रकाशनाधीन है।

भाषा की प्रौढता और अर्थ-बोधकता के इसके मुहावरो और रूढि-प्रयोगों में भी प्रचुरता से देखने में आती है। क्रियापद, सर्वनाम और विशेषणों के रूप तो इतने प्रचुर हैं कि उन पर एक पृथक् प्रबन्ध लिखा जा सकता है। प्रत्यय, परसर्ग और विभक्तियों के अनेक कारक-रूप और प्रकार एवं उनके प्रयोग भाषा की प्रौढता और सम्पन्नता के अन्यतम उदाहरण हैं।^{१७} सहस्री स्त्री-पुरुषों और नगरों आदि के नाम अपभ्रंश भाषा के अध्ययन के लिये बहुमूल्य सामग्री उपस्थित करते हैं, जो भाषा की दृष्टि से ही नहीं, पुरातत्व और इतिहास की दृष्टि से भी शोध का एक मनोरंजक और स्वतंत्र विषय है। हमारी संस्कृति के साथ भी इनका घनिष्ठ संबंध है।

विविध विषय

प्रस्तुत ख्यात समाज और संस्कृति का जीता-जागता चित्र है। इसमें सक्षेप से गुजरात, काठियावाड़ (सौराष्ट्र), कच्छ, वधेलखड, बुदेलखड, मालवा और मध्यभारत का इतिहास है और मेवाड़ के शिशोदिये, जैसलमेर के भाटी, ढूढाड के कछवाहे और मारवाड़ (जोधपुर और बीकानेर) के राठौड राजपूतों का विस्तृत विवरण है। अजमेर-मेरवाड़ा, कोटा, बूंदी, झालावाड़, जयपुर-शेखावाटी, सिरौही, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, रामपुरा, किशनगढ़, खेड़-पाटण और पारकर आदि राजस्थान की अन्य समस्त रियासतों और इन रियासतों के अनेक जागीरी ठिकानों का एवं दक्षिण, गुजरात, मालवा, दिल्ली और आगरा आदि की बादशाहतों के साथ हुए युद्धों का वृत्तान्त भी संकलित हो गया हुआ है।^{१८}

१७. सम्बन्ध-सूचक परसर्ग और विभक्तियों के कुछ रूप जिनका प्रयोग इस ख्यात के पद्य और पद्य के विभिन्न स्थलों में हुआ है—

१. रा, री, रो, रं
२. तण, तणा, तणी, तणो, तणं, तणउ
३. केर, केरा, केरी, केरो, केरउ, केरं
४. संदा, सदी, सदियाँ, सदी, संदउ, सदे
५. हंदा, हंदी, हंदियाँ, हदी, हदउ, हंदं
६. नो, नो, ना, नउ
७. पा, पो, पो, पं
८. बउ, बी, बी, के इत्यादि

१८. नैणसीरी की ख्यात में चौहानों, राठौड़ों, कछवाहों और भाटियों का इतिहास तो इतने विस्तार के साथ दिया है और वंशावलिओं का इतना अपूर्व संग्रह है कि अन्य साधनों से

अनेकविध युद्ध और घटनाओं आदि के विवरणों से सकलित यह ख्यात विषय की दृष्टि से एक छोटा महाभारत है। मानव जीवन के उदाहरण रूप उच्च और उज्ज्वल पक्ष के अनेक जगह जहाँ इसमें दर्शन होते हैं, वहाँ इसके विरुद्ध, अनुचित आचरण वालों की अपकीर्ति और भर्त्सना के प्रसंग भी इसमें चित्रित मिलेंगे। इनके अतिरिक्त कृषि और उसकी उपज, वाणिज्य और माप-तोल, दुकाल और सुकाल, सेना और आक्रमण, अस्त्र और शस्त्र, शरणागत-रक्षा; वदान्यता, वचन-पालन, गौरव-रक्षा, मान-मर्यादा, शासन और दण्ड, खिराज और कर; विवाह-सम्बन्ध और दूसरे राज्यों के परस्पर सैनिक और राजनैतिक सम्बन्ध; दान, भेंट, सासण (भूमिदान), पसाव, सिरोपाव, रोझ-मीज आदि के वर्णन; पद, मनसब और खिताब, टँकसाल और सिक्के; वीरगीत और गर्वोक्तियाँ, गुण-प्रशंसा और दुर्गुण-निंदा; लोक-वार्ताएँ और वीर-गाथाएँ, शाखायें और वंशावलिगण, परम्पराएँ और रीति-रिवाज, राजदरबार, सवारियों, तीर्थाटन, पर्व, विवाह, स्वागत-सत्कार, शिकार और जवादि, जलहर (जलक्रीडा) जाति-निर्माण और धर्म-परिवर्तन, जोहर और साका, सतीत्व और स्त्री-चरित्र; आभूषण, वेशभूषा और सस्कार, खान-पान और रहन-सहन; बादशाहों को तसलीम करने के ढंग; शत्रुता और मित्रता; पहाड़ और नदियाँ, नगर और गाँव; जत्र-मय और वैद्यक, शकुन और नक्षत्र-ज्ञान, चोरो की कला; दुर्ग-प्रासाद-जलाशय, कूप आदि का निर्माण, देवी-देवताओं की पूजा और यात्रा, कुलदेवी-देवताओं का विवरण; उद्धरण और साख (साक्षी) रूप में अनेक प्रकार के काव्य इत्यादि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनैतिक, वास्तुकला (स्थापत्य कला) सबी और अन्य दिग्भिन्न विषयों के न्यूनाधिक वर्णन इस ख्यात साहित्य (ग्रन्थ) में उल्लिखित हैं।

अनुशीलन सूत्र

जैसा कि ख्यात के विविध विषयों से प्रगट है, प्रस्तुत ख्यात में अनुशीलन के लिये पर्याप्त सूत्र वर्तमान हैं। किसी भी विषय का अन्वेषक इसमें कुछ न कुछ न्यूनाधिक अपने शोध के लिये सामग्री प्राप्त कर सकता है। निम्न अनुशीलन सूत्र विशेष रूप से शोधनीय है—

वैसा अब मिल नहीं सकता। इस ग्रन्थ में कई लड़ाइयों तथा कई वीर पुरुषों के मारे जाने के सम्बन्ध एवं उनकी जागीरों का जो विवेचन दिया है, वह भी कम महत्व का नहीं। उसने राजपूताने के इतिहास को बहुत कुछ सुरक्षित किया है। इतना ही नहीं, गुजरात, काठियावाड़, कच्छ, वुडेलखंड आदि के इतिहास लिखने वालों को भी इसमें बहुत कुछ सामग्री मिल सकती है। —श्रीका अभिनन्दन ग्रन्थ, ती. भा; पृ. ७४

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ, एवं पारकर (घाट-^{१६}सिंध) का इतिहास ।

(नैणसी की ख्यात में अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य-भारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासकों का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है ।)

२. प्रत्येक समाज और देश में समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं । कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने दुष्कृत्यों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं । नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं । इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और संस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है ।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतों का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्द्धा से हुए युद्धों का विवरण है । राजपूत राजा शासन करने में प्रायः निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं । अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है ।

४. वाणिज्य, माप-तोल, सिक्के और राजकर^{१७} ।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड राज्य का सर्वसंग्रह (गजेटियर)

१६ घाट-परपारकर का विस्तृत प्रदेश (गढड़ा, मिठ्ठी, छोर, नगरपारकर, नौकोट और समर-कोट के सोढाण खड का नू-भाग) मारवाड राज्य का अंग था । अंग्रेजों ने नाम माघ की मिराज के बदले में जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की शर्त से उधार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और मिथ गवर्नर के शासन में दे दिया था । उधार-प्रवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी । अंग्रेजों ने यह प्रदेश मारवाट को वापिस नहीं सोटाया । सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड या यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू-बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया । आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सीमाप्रदेश बना हुआ है ।

१७. दुर्गागो (दुरगागो), कदियो, टको, दोशटो, जनादी, छकट, दाम, ड्यू, सोनइयो, रुपियो, महमूदी, फियोजी (पीरोजी, पेरोजी, पीरोजसाही), जलालसाही (जलाला, जलाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत ख्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, माप-तोल, विभिन्न सिक्कों में खिराज और राजकर की अदायगी, माल लाने-लेजाने के साधन आदि के विषयों से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओं के लिये यह ख्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेविया और कुलदेवता होते हैं। उन्हीं के आराधन व सतुष्टि से युद्धों में विजय और राज्यो की प्राप्ति व सस्थिति होती है। नैणसी ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओं और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हें अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नों का प्रासंगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजा-र्चना के हेतु मंदिरों का निर्माण, मूर्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और सस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनों के आधार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परंपरा और शकुन-शास्त्र के अतर्गत आने वाले कई शाकुन-प्रसंगों का वर्णन इसमें खूब सरस भाँति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओं ने किस प्रकार इस ख्यात में दिशाओं और उपदिशाओं के मध्य दिशा-वकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओं के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनों में दिक्साधन सबंधी विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह ख्यात मननीय है।

६. पुरातत्व सबंधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओं का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरों

कई सिक्कों के नाम और उनके चलन का विवरण है, जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मंगलीक, वषामणा, गुळ, सूखडी, वळ, भेट, सलार, वाव, पेशकस, दडवराड, दाण, वहतीवाण, पाधवराड, तुलावट, मळबो, लांचो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, मोभ, पूझी, घोड़ाचारण, ढोर-चराई, वाडी री लाग, काजी री लाग, फोटवाळी लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कर और उनका प्रचलन तथा मण, सेर, टांक आदि तोल और मण, माणो, मूणो, सई, भर, भारो आदि वान्यादि के मापों के नाम और उनके चलन का विवरण इत्यादि।

१. राजपूत जाति और राजस्थान, मध्यभारत, सौराष्ट्र, गुजरात, मालवा, कच्छ एवं पारकर (घाट-^{१६}सिंध) का इतिहास ।

(नैणसी की ख्यात में अधिकतर राजस्थान, गुजरात, सौराष्ट्र और मध्य-भारत आदि राजपूत जाति के शासन और शासकों का विस्तृत विवरण है; अतः उस विवरण से सभी राज्यों की राजपूत जातियों और उन राज्यों के पृथक्-पृथक् इतिहास पर शोध किया जा सकता है ।)

२. प्रत्येक समाज और देश में समय-समय पर महापुरुष उत्पन्न होते रहते हैं । कोई अपनी वीरता और बलिदान के कारण, कोई परोपकार या धर्म-परायणता से, कोई अपनी दानशीलता और सेवा-परायणता से और कोई अपनी राजनीति और न्यायपरायणता से सुविख्यात होते हैं तो कोई अपने दुष्कृत्यों से ही विख्यात या कुविख्यात हो जाते हैं । नैणसी ने प्रकारान्तर से ऐसे अनेक जीवन-चरित्र चित्रित किये हैं । इन पर शोध करके अनेक मानवीय भावनाओं को समाज और संस्कृति के लिये प्रकाश में लाया जा सकता है ।

३. शासन और युद्धनीति

राजपूतों का मध्यकालीन इतिहास पारस्परिक वैमनस्य और स्पर्धा से हुए युद्धों का विवरण है । राजपूत राजा शासन करने में प्रायः निरंकुश रहे हैं; फिर भी कई राजा और कई राजाओं के मंत्री बड़े नीति-कुशल और प्रजासेवी हुए हैं । अतः नैणसी की ख्यात शासन-व्यवस्था और युद्धनीति के लिये पर्याप्त रूप से शोध की वस्तु है ।

४. चाणिज्य, माप-तोल, सिक्के और राजकर^{१०} ।

ख्यात-लेखक की एक दूसरी कृति मारवाड़ राज्य का सर्वसंग्रह (गजेटियर)

१६. घाट-परपारकर का विस्तृत प्रदेश (गढवा, मिट्टी, छोर, नगरपारकर, नौकोट और उमर-कोट के सोढाण खंड का नू-भाग) मारवाड़ राज्य का अंग था । अंग्रेजों ने नाम मात्र की निराज के बदले में जोधपुर राज्य से कुछ वर्षों की शर्तों से उधार लेकर सिंध का एक जिला बना लिया था और मिथ गवर्नर के शासन में दे दिया था । उधार-अवधि पाकिस्तान बनने की राजनैतिक चालों के समय समाप्त हो गई थी । अंग्रेजों ने यह प्रदेश मारवाड़ को वापिस नहीं लौटाया । सांस्कृतिक और भौगोलिक दृष्टि से मारवाड़ का यह अविभाज्य प्रदेश हिन्दू बहुल होते हुए भी पाकिस्तान को दे दिया गया । आज भारतवर्ष और पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान का सोमाप्रदेश बना हुआ है ।

२०. दुरांगी (दुरगांगी), कपियो, टको, दोकडो, जनादी, छफट, दाम, छवू, सोनइयो, रुपियो, महमूदी, फिरोजी (फोरोजी, फेरोजी, फोरोजसाही), जलालसाही (जलाला, जलाली) आदि

है, जो कि तात्कालिक जन-गणना रिपोर्ट का अनुपम उदाहरण है। प्रस्तुत ख्यात भी उसी लेखक की कृति होने से अनायास ही वाणिज्य, माप-तोल, विभिन्न सिक्कों में खिराज और राजकर की अदायगी, माल लाने-लेजाने के साधन आदि के विषयो से समाहित हो गई है। एतद्विषयक शोधकर्त्ताओं के लिये यह ख्यात बहुमूल्य सामग्री प्रस्तुत करती है।

५. देवपूजन और शकुन-शास्त्र

प्रत्येक राजपूत राजवंश की अपनी-अपनी कुलदेविया और कुलदेवता होते हैं। उन्हीं के आराधन व सतुष्टि से युद्धों में विजय और राज्यों की प्राप्ति व सस्थिति होती है। नैणसी ने इस प्रकार के अनेक देवी-देवताओं और साधु-सन्यासियों की भक्ति, आराधना और सेवा और उन्हें अपने अनुकूल बनाये रखने के लिये किये गये प्रयत्नों का प्रासंगिक वर्णन किया है। आराधना और पूजा-र्चना के हेतु मंदिरों का निर्माण, मूर्ति-स्थापन, दानादि से उनकी व्यवस्था के उल्लेख-धर्म और भक्ति-भावना और संस्कृति पर प्रकाश डालते हैं। पशु-पक्षियों के शकुनों के आधार पर कार्य-सिद्धि और जय-पराजय आदि का और लोक-परंपरा और शकुन-शास्त्र के अतर्गत आने वाले कई शाकुन-प्रसंगों का वर्णन इसमें खूब सरस भाँति से हुआ है।

नक्षत्र-विज्ञान पर आधारित राजस्थानी साहित्य के शकुन-शास्त्र की १६ दिशाओं ने किस प्रकार इस ख्यात में दिशाओं और उपदिशाओं के मध्य दिशा-वकाश प्राप्त कर विशेष दिशाओं के नाम से अपना महत्त्व स्थापित किया है। शकुन और दिशा-विज्ञान दोनों में दिक्साधन संबंधी विज्ञान की शोध वस्तु है। अतः इस दृष्टि से भी यह ख्यात मननीय है।

६. पुरातत्व संबंधी अवशेषों का परिचय

राजपूत राजाओं का वास्तुकला-प्रेम प्रसिद्ध है। अनेक राजा और ठाकुरों

कई सिक्कों के नाम और उनके चलन का विवरण है, जो कई सदियों से १८ वीं, १९ वीं सदी तक विभिन्न राज्यों में प्रचलित थे।

इसी प्रकार मंगलीक, वधामणा, गुळ, सूखड़ी, वळ, भेट, तलार, वाव, पेसकस, दंडवराड, दाण, वहतीवाण, पाधवराड, तुलावट, मळवो, लाचो, हासल, भोग, हळ (हळगत), भोम, मोम, पूछी, घोड़ाचारण, ढोर-चराई, वाडी री लाग, काजी री लाग, कोटवाळी लाग इत्यादि अनेक प्रकार के कर और उनका प्रचलन तथा मण, सेर, टाक आदि तोल और मण, माणो, मूणो, सई, मर, भारो आदि घान्यादि के मापों के नाम और उनके चलन का विवरण इत्यादि।

अरहड, अळघरो, आसथान, गैपो, छाहड, पाबू, पेथड, वैरड बाहड, सीयक हडवू आदि सहस्राधिक पुरुष नाम अपभ्रंश प्रभावित हैं ।

नामो को इस प्रकार (अपभ्रंश परंपरा के अनुसार) छोटा करने में जहाँ एक ओर गर्वोक्ति और स्वमान त्याग की भावना काम करती है, वहाँ दूसरी ओर आत्मीयता और स्नेह-भावना भी परिलक्षित होती है । 'राणो रूपडो', 'राव तीडो' आदि राजाओं के ऊनता-सूचक नामो में यही भावना काम करती हुई दिखाई पड़ती है, तुच्छता की बोधक नहीं है ।

ख्यात में ऐसे अपभ्रंश-प्रभावित नाम सभी क्षेत्रों में दिखाई पड़ते हैं । आवाड, ईहड, गायड, जसमादे, लाछा, हुरड आदि स्त्री नाम; कमधज किराड खेडेचा, चोवा, पोकरणा, विसनोई आदि जाति नाम, और अटाळ, अणदोर, अरणोद, आफूडी, ईकुरडी, किराडू और कूड़ी आदि गाँवों के नाम—एसे सहस्रो नाम हैं जो अपभ्रंश भाषा से प्रभावित हैं ।

मध्यकालीन पुरुष नामो में, यद्यपि भाषा से इस बात का कोई सम्बन्ध नहीं है, तथापि राजनैतिक दबाव और चापलूसी के कारण कई क्षत्रियो ने अपने नामो का (हिन्दू धर्म में रहते हुए भी) मुसलमानीकरण कर दिया था । तातारखा, लाढखा, अलखा, महमंद और भाखरखा आदि हिन्दुओं के पचासों मुसलमानों नाम मध्यकालीन समाज और इतिहास की एक उल्लेखनीय घटना हैं । जबकि क्षत्राणियों ने क्षत्रियों (अपने पिता, पति और भाई आदि) का अनुसरण करके ऐसा एक भी उदाहरण प्रस्तुत नहीं किया है ।

११. राजस्थान की मध्यकालीन सती-प्रथा

ख्यात में सैकड़ों सतियो का विवरण उल्लिखित है । इसमें ऐसी अनेक वीरागना और पतिव्रता सतियो का वर्णन है, जिन्होंने राजस्थान का मुख उज्ज्वल किया है । उनमें सतीत्व की सच्ची भावना के दर्शन होते हैं । उन्होंने नारी समाज के सामने पतिव्रत और सतीत्व-धर्म का एक आदर्श पेश किया है । वे अवश्य पूजनीय हैं । परंतु दूसरी ओर इस प्रथा का एक रोमांचक पक्ष भी है, जिसमें इस जाति के साथ बड़ी निर्दयता से अत्याचार हुआ है । मृत पुरुष की लाश के साथ स्त्री को चिता में बिठाये बिना जलाना समाज और उस पुरुष का अपमान समझा जाता था ।^{२४} एक पुरुष की उसकी अनेक परिनियों के सिवाय

२४. 'साहरी' से घमकार पाछा गया । घायन देनं तो सगरो तोरण नीचं पड़ियो छं । साहरी कसो—'बी, सती हुयो सगरं नूं सेनं । सती नू कहो जु बाहिर आवै ज्यु सगरं नू दाग

अनेक वेश्याएँ, दासियाँ, नौकरानियाँ, गायिकाओं और गोलियाँ आदि को उसकी चिता में पड़कर जलना पड़ता था^{२५} । कितना हृदय-विदारक दृश्य होगा वह ? वे सभी भोग्या-स्त्रियाँ सती हुई कहलाती थी और अधिक स्त्रियाँ साथ में जलने से उस पुरुष का अधिक सम्मान समझा जाता था । कहाँ वह दैवी-दृश्य जिसमें एक समाधीष्ट योगी के समान प्राण विसर्जन करके अथवा स्वयं योगाग्नि प्रज्वलित करके परलोक में भी साथ ही में रहने की भावना से पति का महगमन किया जाता था । यही नहीं, किन्तु पुत्र के लिये माता ने और भाई के लिये बहिन ने, इसी प्रकार अपने प्राणों का विसर्जन करके अपनी स्नेहा-कुल और नारी-सुलभ कोमल एवं पवित्र भावनाओं का उच्च आदर्श उपस्थित किया था और कहाँ यह घोर नरमेघ का नारकीय दृश्य ?

सती प्रथा का प्रारम्भ, धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से नारी-समाज के ऊपर उसका प्रभाव, नारी समाज की स्वेच्छा या पुरुष समाज की जबरदस्ती अथवा रिवाज आदि वर्तित व्यवहार, प्रथा का कानूनन निर्मूलन के बाद की स्थिति, जबरदस्ती और रिवाज के कारण हुई सतियों और वास्तविक सतियों के विवरण, सतियों के सम्बन्ध का शिष्ट और लोक साहित्य आदि सभी बातें शोध का महत्वपूर्ण विषय हैं ।

देवां ।' ताहरा बीदली नू भीतर जाय कहियो । ताहरा बीदली कह्यो—'खेतसीह मारियो हवें तो हू सती न हवू । सगरें नू घोंसन नाख देवो ।' पाछें आयन कहियो—'जी, संभे नहीं ।' ताहरा कहियो—'जी, म्हे एकल ही सगरें नू बाळा ?' तो कही—'म्हे अणसमाही ही सती करा ?' ताहरा कह्यो—'भावो वारें ।' ताहरा जानी ही सिलह पहरें छं, मांडी ही सिलह पहरें छं । बेहु हथियार वानें छं, सिलह पंहरीजें छं । ताहरा बीदली दीठो अर मा अर बाप न कहियो—'हे ठाकुरा-रजपूता ! हू बैर खेतसीह रो छूं, घर एकली रें वास्त घणा जीव मरें छं, तैं हूं सगरें साथ बलीस ।' बीदली बाहिर आयन सगरें साथ बली ।

—नैणसी रो ख्यात, भाग ३, पृ० ४७-४८

२५. बीकानेर महाराजा जोरावरसिंह की मृत्यु पर दो रानिया, एक सवास, बारह पातरिया (वेश्याएँ), दो खालसा, एक बडारण, एक सहेली, दो सहेली पातरियों की और एक पातरियों की रसोईदार ब्राह्मणी—कुल २२ स्त्रियाँ साथ में जली थी ।

—ख्यात, भाग ३, पृ० २११

जोधपुर महाराजा अजीतसिंह के साथ ६ रानियाँ, २० दासियाँ, ६ उर्दबंगनियाँ, २० गायन और २ हजूर-बंगनियाँ—कुल ५७ स्त्रियाँ जलकर मरी थी ।

—नैणसी रो ख्यात, भा ३, पृ. २१३ की टिप्पणी और श्री आसोपा का 'मारवाड़ का मूल इतिहास', पृ. २२३

१२. देश-द्रोही और स्वामी-द्रोही

प्रसिद्ध देश-द्रोही जयचंद की परम्परा को जीवित रखने वाले अनेक स्वामी-द्रोही और देश-द्रोहियों का वर्णन ख्यात में आया है। पावागढ़ के पताई रावळ (यशवतसिंह) के विरुद्ध सईया वाकलिया का, अणहलपुर-पाटण के कर्ण गहंलड़े के विरुद्ध नागर-ब्राह्मण माधव का, सिवाना के चौहान सांतल और सोम के विरुद्ध भायल सजन का, सिवाना के राव कल्लाजी राठीड के विरुद्ध पोलिया नाई का, खेड़-पाटण के गोहिलो के विरुद्ध उनके मंत्री डाभियों का और जालोर के वीर कान्हड़दे के विरुद्ध वीका दहिये इत्यादि का देश-द्रोह। इन देश-द्रोहियों के सबध में बहुत कुछ लिखे जाने की सामग्री इस ख्यात में प्राप्त है।

जिन्होंने ऐसा द्रोह किया है, उनके राजनैतिक और व्यक्तिगत कारण, वास्तविकता और अवास्तविकता की दृष्टि से शोध का एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है। इनके कारण हुए अनेक युद्ध, राज्यों का पतन, नये राज्यों का जन्म और उत्थान और जातियों का पलायन और निर्मूलन, राज्यों की आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक स्थिति और जिन कारणों से अपने समझे जाने वाले और विश्वासपात्र व्यक्तियों ने विश्वासघात करके देश-द्रोह या स्वामी-द्रोह किया उनकी दशा कैसी रही, इत्यादि शोध के अनेक उपयोगी अंग इस ख्यात में प्राप्त हैं।

ख्यात का प्रस्तुत संस्करण

प्रस्तुत 'नैणसीरी ख्यात' के सम्पादन की भी एक घटना है। सन् १९३४ की बात है। मैं जोधपुर के भूतपूर्व और उदयपुर के तत्कालीन प्राइम मिनिस्टर स्व० पंडित सर सुकदेवप्रसाद के द्वारा तैयार करवाये जा रहे राजस्थानी भाषा के बृहत् डिगल-कोश के सम्पादन का काम पावटा लाइन्स के उनके उम्मेद-भवन में करता था। तभी एक दिन मातृ-भाषा के परम सेवक मेरे विद्वान् मित्र स्व० श्री रामयण गुप्त इस ख्यात की एक प्रति मेरे पास लाये और इच्छा प्रगट की कि मैं इसका सम्पादन कर दूँ। प्रकाशन आदि का व्यय वे स्वयं वहन कर लेंगे। इस पर रात-दिन बड़े परिश्रम के साथ हम दोनों मित्रों ने लगभग एक हजार पृष्ठों में प्रेस-कापी के रूप में इसकी प्रतिलिपि तैयार कर ली और २८४ पृष्ठों तक की शब्दायं और व्याख्या आदि की टिप्पणियाँ देकर पूरी प्रेस कापी भी तैयार कर ली। एक ख्याति-इच्छुक मित्र भी इसका सम्पादन करना चाहते थे। उनके पास भी हम ख्यात की दो अशुद्ध और झूठित प्रतियाँ थीं। तब तक उन्हें हमें प्राप्त प्रति के जैसी शुद्ध और सुवाच्य प्रति कोई प्राप्त नहीं हुई थी।

एक दिन श्रवसर पाकर वे हमारी अनेपस्थिति में हमारी तैयार प्रेस-कापी के २८४ पृष्ठ, ४०७ से ४८६ तक के ८० और ६०५ से ६३४ तक के ३० पृष्ठ—कुल ३७४ पत्रों को, 'रतनरासो' और संपादित 'हरिरस' की पाण्डुलिपियों के साथ उठा ले गये । बहुत अनुनय-विनय करने पर भी उन्होंने इन्हे वापिस देने की कृपा नहीं की ।

'रतनरासो' की उस प्रति के कोई २० वर्ष बाद बीकानेर में श्री अग्रचंदजी नाहटा के यहाँ अकस्मात् दर्शन हुए जो उनको महाराज-कुमार डॉ० श्री रघुवीर-सिंहजी ने श्री काशीराम शर्मा से सम्पादित करवाने को कई अन्य प्रतियों के साथ भेजा था । मेरे हाथ से लिखी हुई मेरी प्रति के ऊपर महाराज-कुमार के हाथ से लिखा हुआ था—'महाराज श्री माघातासिंहजी बीकानेर से प्राप्त ।' नाहटाजी को इस घटना का जिक्र पहले किया जा चुका था । अतः इस प्रति को देख कर उन्हें बड़ा आश्चर्य हुआ । प्रति ने न जाने कहां-कहां की यात्रा करके एक सरपरस्त और बहुत ही विश्रुत विद्वान् की शरण ली । आश्चर्य के साथ प्रसन्नता भी हुई । हरिरस और ख्यात के पत्रों का आज तक कोई पता नहीं लगा ।

गारासणी ठाकुर स्व० श्री भीमसिंहजी के अनुरोध से मैंने हरिरस का दूसरी बार हिंदी टीका सहित सम्पादन किया था । किन्तु श्री नाथूदानजी महियारिया की 'वीर सतसई' का जोधपुर के राजकीय गैस्ट हाउस में कई महीनों तक सम्पादन करने के फलस्वरूप जो धोखा खाना पड़ा और हानि उठानी पड़ी, इस हरिरस के द्वितीय संस्करण के संबंध में भी ऐसा ही हुआ । अन्य सम्पादकों के नाम से ये दोनों ग्रंथ प्रकाशित हो गये । वीर सतसई के सम्पादन में और हानि उठाने में श्री सोतारामजी लालस भी साथ में थे ।

हरिरस का आज तक प्राप्त प्रतियों से सब से पुरानी और शुद्ध एवं विषय-विभाजित प्रति से तीसरी बार भक्ति-ज्ञानामृत भावार्थ-दीपिका, शब्द कोश, कथा कोश, प्रक्षिप्त पाठ आदि महत्वपूर्ण विषयों के साथ पुनः सम्पादन किया गया है जिसे सादूल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर ने प्रकाशित कर दिया है ।

ख्यात के चुराए गए उन त्रुटित पत्रों की पूर्ति के लिए बहुत लम्बे समय तक कोई सुवाच्य और शुद्ध प्रति हाथ नहीं लगी । जिस प्रति से पहले प्रतिलिपि की गई थी वह श्री गुप्त के गूणा गांव के उनके एक सम्बन्धी के प्रयत्नों से प्राप्त हुई थी, उसके लिए भी उन्होंने कोशिश बहुत की, परन्तु वह फिर हाथ नहीं लगी ।

इधर मुहणोत श्री मांगीमलजी एडवोकेट ने नैणसी के सीधे वंशज मुहणोत सुधराजजी के यहाँ की प्रति के लिए भरसक कोशिश की परन्तु उन्हें भी निराश होना पड़ा । बहुत दिनों के बाद स्व० प० श्री विश्वेश्वरनाथजी रेऊ के सौजन्य से दो प्रतियाँ प्राप्त हुई । यद्यपि ये प्रतियाँ इतनी शुद्ध और सुवाच्य नहीं थी, फिर भी उनसे खासा काम लिया जा सका था । एक बहीनुमा प्रति सुन्दर मारवाडी शिकस्ता लिपि की स्व० प० रामकर्णजी आसोपा से प्राप्त हुई थी जिससे मिलान करने में अच्छी सहायता मिली थी, परन्तु इसमें भिन्न-भिन्न जगहों के दो तीन पत्र त्रुटित थे । इसलिए अन्य शुद्ध और सम्पूर्ण प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न बहुत समय तक चलते रहे । अन्त में एक बहुत सुन्दर प्रति चि भूपति-राम के अधिक प्रयत्नों से कई हाथों में होकर इन्हें प्राप्त हुई, जो अपेक्षाकृत सुवाच्य और शुद्ध थी जिससे पदच्छेद और पाठों को शुद्ध करने एवं त्रुटित अक्षरों की पूर्ति करने में बड़ी सहायता मिली । बीकानेर में प्रो० नरोत्तमदासजी की एक प्रति से पाठों का मिलान करने में सहायता ली गई । अनूप सस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर की प्रति बीकानेर महाराजा करणीसिंहजी द्वारा उस पर शोध-निबन्ध तैयार करने के कारण दूसरा भाग लगभग आधा छप जाने के बाद हाथ लगी । यह प्रति भी शुद्ध लिखी हुई सोहयल के बीठू पन्ना के हाथ की मूल प्रति है । अधिकांश प्रतियाँ इसीकी प्रतिलिपियाँ मालूम होती हैं, क्योंकि उनमें भी बीठू पन्ना का नाम अनेक बातों के अंत में यो का यो उल्लिखित है । प्रस्तुत संस्करण को तैयार करने में इन सभी प्रतियों के आधार से पाठों का मिलान करने और शुद्ध करने में बड़ी सहायता मिली ।

मैं जब बीकानेर में था तब मुनि श्री जिनविजयजी महाराज का बीकानेर पधारना हुआ था । उस समय श्री नाहटाजी के द्वारा ख्यात की प्रेस काँपी दिखाने पर मुनीजी ने इसे पुरातत्वान्वेषण मंदिर, जयपुर (वर्तमान नाम 'राज-स्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर) से प्रकाशित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी । उनको कृपा के फलस्वरूप इस ख्यात के ये चारो भाग पाठकों की सेवा में प्रस्तुत हैं ।

समस्त ख्यात-ग्रंथ तीन भागों में सम्पूर्ण हुआ है । चौथा भाग इस वृहत् ग्रंथ का महत्वपूर्ण परिशिष्ट भाग है । इसमें चारो भागों की विस्तृत विषय-सूची, भूमिका, नैणसी और महाराजा जसवन्तसिंह के सम्बन्ध की आवश्यक जानकारी और वंशवृत्तिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक नामों के तीन विभागों के सात उप-विभागों में इस ख्यात की वृहत् नामानुक्रमणिका पृष्ठों के साथ दी

गई है। इस नामानुक्रमणिका मे १०००० हजार से अधिक नामो का संकलन हुआ है। नामो की इतनी बड़ी सख्या दूसरे ख्यात ग्रन्थो में शायद ही आ सकी होगी। इनके अतिरिक्त पद, विरुद्ध और उपाधि आदि ख्यात में प्रयुक्त विशिष्ट सज्ञाओ की विशिष्ट अर्थों के साथ नामावली, ख्यात मे प्रयुक्त पुत्र-संज्ञक ५३ और पौत्र-संज्ञक १७ पर्यायवाची शब्दो की सूची, कुछ विशेष व्यक्तियों का जन्म-समय और जन्म-कुण्डलिये (जो केवल अनूप सस्कृत लाइब्रेरी, ब्रीकानेर की प्रति मे ही प्राप्त हैं,) नामानुक्रमणिका की सम्पूर्ति और शुद्धि-पत्र आदि ख्यात से सवधित अनेक महत्वपूर्ण और उपयोगी विषय इस चौथे भाग मे दिए गए हैं।

ख्यात के इस सस्करण को तैयार करने में मुझे जिन महानुभावो की सहायता प्राप्त हुई है, उनमें इसके आदि प्रेरक मेरे परम मित्र और सहपाठी स्व० श्री रामयश गुप्त का नाम विरस्मरणोय है। इसके प्रकाशन से उनको आत्मा को अपनी उत्कट साहित्यानुरागिता के एक अंश को पूर्ति होने के रूप में शांति मिलेगी।

महामहोपाध्याय स्वर्गीय पंडित विश्वेश्वरनाथजी रेड, महामहाध्यापक स्व. पं. रामकर्णजी आसोपा और विद्यामहोदधि श्री नरोत्तमदासजी स्वामी तथा दो वे महानुभाव जिनके नाम जात नहीं हो सके हैं, जिन्होंने अपनी हस्तलिखित प्रतियो का उपयोग करने की सहायता की, बहुत आभारी हूँ।

श्री अग्रचन्दजी नाहटा का सहयोग, प्रकाशनार्थ प्रयत्न और प्रेरणा के कारण इनका बड़ा भारी आभारी हूँ।

जोधपुर के श्री मागीमलजी मुहणोत एडवोकेट ने अपनी वंश-परम्परा में स्वनाम-धन्य नैणसी की शाखा से सीधा सम्बन्ध रखने वाले श्री सुधराजजी मुहणोत से 'नैणसी री ख्यात' प्राप्त करने के लिए कई बार प्रयत्न किए पर इन्हें भी अन्यो की भाँति निराश ही होना पड़ा। इनकी इस सहृदयता के लिए मैं इनका बहुत कृतज्ञ हूँ।

आचार्य श्री परमेश्वरलाल सोलकी ने अनूप सस्कृत लाइब्रेरी की प्रति प्राप्त करने और उससे पाठों का मिलान करने, नोट्स तैयार करने आदि की अमूल्य सहायता के लिए इनका बड़ा आभारी हूँ।

चि. भूपतिराम की सहायता और उस प्रति को प्राप्त करने के प्रयत्न, जिसके फलस्वरूप प्रति प्राप्त हुई और रुका हुआ काम आगे चला, अपनी पितृ-

सेवा की निमल भावना और कर्तव्य-पालन के उपलक्ष्य में आयुष्मान्, श्रीवृद्धि और सफल जीवन के अनन्त आशीर्वादों के निरन्तर अधिकारी हैं ।

ख्यात के प्रथम दो भागों का प्रूफ-रीडिंग प्रायः प्रतिष्ठान के वरिष्ठ शोध-सहायक श्री पुरुषोत्तमलालजी मेनारिया ने किया है । इनका भी मैं आभारी हूँ ।

साधना प्रेस, जोधपुर के व्यवस्थापक श्री हरिप्रसादजी पारीक का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने इस सुन्दर रूप से ग्रंथ का मुद्रण ही नहीं किया, अपितु बहुत सावधानी से और बार-बार प्रूफ की भूलों को सुधारने में अमूल्य सहायता की है ।

अन्त में राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान के सम्मानीय सचालक पद्मश्री मुनि जिनविजयजी महाराज का इसके प्रकाशन के लिए अत्यन्त आभारी हूँ, जिनकी कृपा के फलस्वरूप यह महत्वपूर्ण ग्रंथ इस सुन्दर रूप में प्रकाशित हो सका है । और इसी प्रकार प्रतिष्ठान के उप-सचालक पण्डित गोपालनारायणजी बहुरा का आभारी हूँ जिनका मधुर व्यवहार और प्रकाशन के लिए हर सभव प्रयत्न सदा प्राप्त होता रहा है ।

साकरिया - सदन

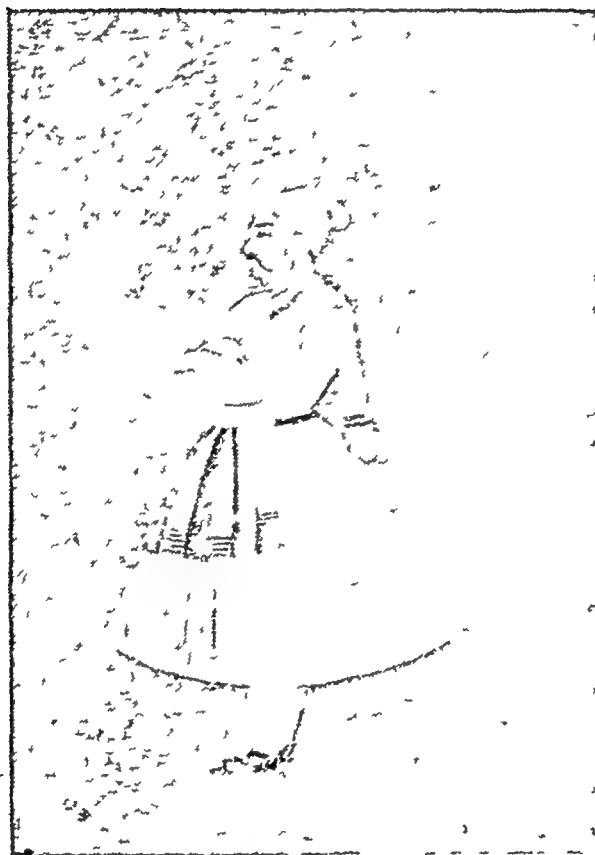
वल्लभ-विद्यानगर

रामनोमि, २०२४ वि.

आ. बवरीप्रसाद साकरिया

मुहता नैणसी की ख्यात, भाग ४]

मुहता नैणसी



[नागरी प्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित 'मुहता नैणसी की ख्यात' से सघन्यवाद पुनर्मुद्रित]

जोधपुर के महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के दोवान प्रसिद्ध ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी

भूतपूर्व मारवाड़ राज्य के मालाणी परगने के इतिहास-प्रसिद्ध खेड-पाटण नगर में गोहिल क्षत्रियो^१ के राज्य को नष्ट कर मारवाड़ में राठौड़ राज्य की सर्व प्रथम नींव डालने वाले राव सीहा और उनके पुत्र राव आसथान हुए। राव आसथान के पुत्र राव रायपाल हुए। रायपाल के चौदह पुत्रों में से सब से बड़ा खेड-पाटण का स्वामी राव कनपाल हुआ, जिसके एक भाई का नाम मोहण था। मोहण ने जैसलमेर में श्री जिनचंद्रसूरिजी से जैन-धर्म स्वीकार कर लिया^२।

१. राव सीहा के पुत्र राव आसथान ने इतिहास-प्रसिद्ध खेड-पाटण के स्वामी गोहिल और उनके मन्त्रियों को भगाकर राठौड़-राज्य की स्थापना इस नगर में सर्व प्रथम की। (इसीलिये राठौड़ों की मूल शाखा खेडेवा कहलाई)। गोहिल और डामी आसथान के घातक से भाग कर सौराष्ट्र में चले गये और वहाँ अपने राज्य कायम किये। ओझाजी ने लिखा है कि खेड़ या खेडपुर 'क्षीरपुर' का अपभ्रंश रूप होना चाहिये। इस समय यह नगर खटरो का डेर है। केवल दो-एक पुराने मन्दिर शेष हैं। बड़े मन्दिर में श्री रण-छोडराय की वही भव्य और कलापूर्ण मूर्ति दर्शनीय है। मूर्ति की चौकी पर स० १२३२ फाल्गुन सुदि २ सोमवार का लेख अङ्कित है। कुछ समय पूर्व श्रीऋषभदेव के मन्दिर का एक तोरण प्राप्त हुआ है जिस पर स० १२३७ में विजयसिंहसूरि द्वारा इस तोरण की प्रतिष्ठा करवाने का उल्लेख है। एक मत के अनुसार मोहणोत शाखा के प्रवर्तक मोहनजी ने यहाँ ही जैनधर्म स्वीकार किया था।

२. भाटों की ख्याती में मुहणोत गोत्र की उत्पत्ति के विषय में लिखा है कि एक बार मोहनजी शिकार करने गये। उनके हाथ से एक गर्भवती हरिणी का शिकार हुआ। उसे मरते देख मोहनजी का चित्त व्याकुल होगया और वे खेड ग्राम की बावडी के पास आकर खटे हुए। इसने में ही उसी रास्ते से जैन यतिवर्य शिवसेनजी आ पहुँचे। उन्होंने मोहनजी को जल छान पानी पिलाने को कहा। मोहनजी ने पानी पिलाया और हरिणी को जीवत दान देने के लिए यति महाराज से प्रार्थना की। यतिजी ने उसे जीवनदान दिया। मोहनजी ने उनको अपना गुरु माना और वि० सं० १३५१ कार्तिक सुदि १३ को खेड ग्राम में उनके द्वारा जैन-धर्म अंगीकार किया। इससे मोहनजी के परिवार वाले मुहणोत कहलाए।

—'हिन्दुस्तानी' पृ० २६७, मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' नामक श्रीहजारोमल बाठिया का लेख और 'ओसवाल जाति का इतिहास' के 'ओसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खण्ड में 'मुहणोत' उपखंड पृ० ४६ एवं 'महाजन वंश मुक्तावली'।

अतः इनके वंशज भी जैन-धर्मावलम्बी ही बने रहे और जैन-धर्म को मानने वाली प्रधान जाति ओसवालो में मिलकर अपने पुरखा मोहणजी के नाम से मोहणोत (मुहणोत) शाखा के ओसवाल कहलाये ।

ओसवाल जाति में परिवर्तित होने पर भी आत्मीयता के कारण अपने राठौड़ वंश से मोहणोतो का कई पीढ़ियों तक राज्य-प्रबन्ध और संचालन-विषयक सम्बन्ध बना रहा ।

मोहणजी से २०वीं या २१वीं पीढ़ी में नैणसी के पिता मुंहता जयमल हुए । जयमल ने महाराजा सूरसिंह और महाराजा गजसिंह के काल में मारवाड़ के जागीरी ठिकानों और राज्य के उच्च पदों पर रह कर मारवाड़ की बड़ी सेवाएँ की थी^३ । महाराजा गजसिंह के समय वि. स. १६६६ में यह मारवाड़ राज्य के दीवान बन गये थे^४ । यह बड़े दानी^५ और धार्मिक प्रकृति के होने पर भी बड़े वीर थे । इन्होंने फलोदी और जालोर आदि परगनों को मारवाड़ राज्य में पुनः मिलाने के लिये सेनाओं का संचालन किया था और विजय प्राप्त की थी ।

मुहता जयमल के पाँच पुत्रों में नैणसी सब से बड़े थे । इनका जन्म जयमल की प्रथम पत्नी सरूपदे की कोख से वि. सं. १६६७ मिंगसर शु. ४ शुक्रवार को

३. माधोदास केसोदासोत भलो रखपूत हुवो । सं० १६१४ रावळा थी गाँव भवराणी गावा १० सू दीवी हुती । इणरा चाकर जमल मुहणोत खानाजगी कीवी जद भवराणी छोड़ सं० १६८८ मोहवतखा रं वसियो । पछे भमरसिंघजी रं । पछे राजा जैसिंघजी रं वसियो माधोदास ।

—बांकीदास री ख्यात, वात सं० १८१४

४. मुहणोत श्री मांगीमल एडवोकेट, तथा श्री गोविन्दनारायण मोहणोत एडवोकेट द्वारा प्राप्त—'Brief family history of Mohnots' में दीवान बनने का सम्बत् १६६० दिया है ।

५. जयमलजी का नित्य साधुओं को जलेबी बाँटने का नियम था । जब उनका देहान्त हो गया तो साधुओं को जलेबी मिलनी बंद हो गई । सब किसी कवि ने कहा कि—

परालब्ध पसटधा परा, दीर्ज किणुर्न दोस ।

जमल जळेवी से गयो, सायाँ करो संतोस ॥

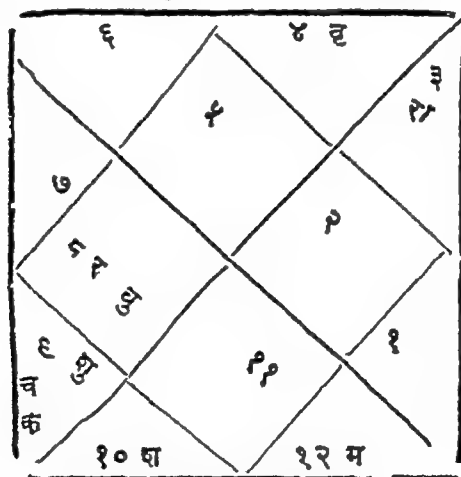
—विद्यमित्र, पूजा दीपावली ग्रंथ, १९६३, श्रीरामनारायण मोहणोत, कलकत्ता
के 'प्रदासक व इतिहासकार नैणसी' नामक लेख से ।

बांकीदास ने भी अपनी ख्यात की बात सं० २१०३ में अनेक दाताओं के नामों के साथ मुहणोत जमल, जालोर का नाम भी अच्छे दाताओं में गिनाया है ।

हुआ था^६ । नैणसी अपने पिता की भाँति वीर और कुशल कार्यकर्त्ता तथा प्रबन्धक थे । इन्होंने महाराजा गजसिंह और जसवन्तसिंह-प्रथम के काल में कई लड़ाइयों का संचालन किया था । सम्बत् १६६४-६५ में बलोचो से फलोदी की लड़ाई, स १७०० में राडधरा की लड़ाई हुई जिनमें विजय प्राप्त की । स. १७०६ में पोरण का परगना बादशाह शाहजहाँ ने महाराजा जसवन्तसिंह को इनायत किया; पर उस पर जैसलमेर वालों का अधिकार था । महाराजा के कार-वारियों के पहुँचने पर रावल रामचन्द्र ने अपना अधिकार छोड़ना स्वीकार नहीं किया । इस पर महाराजा जसवन्तसिंह ने राठौड़ वीर सैनिकों और नैणसी को सेना देकर भेजा^७ । लड़ाई के पश्चात् राठौड़ी सेना का पोरण पर अधिकार हो गया । इधर रावल मनोहरदास के बाद भी महाराजा ने नैणसी के साथ सबलसिंह की सहायतार्थ सेना भेजकर रावल रामचन्द्र को जैसलमेर से भगा दिया और सबलसिंह को जैसलमेर का स्वामी बना दिया । इस प्रकार कई लड़ाइयों में नैणसी ने अपने अद्भुत साहस और युद्ध-कुशलता का परिचय दिया था ।

नैणसी विद्यारसिक, कवि और इतिहास लिखने के शौकीन थे ।

६. सवत् १६६७ मिंगसर सुद ४ वार शुक्र, उ० ४२ । गतांश ६ मु० श्रीनैणसीजी जन्म



—हमारे निज के सग्रह 'विगत' में से श्री मदनराज दोलतराम मेहता, जोधपुर के सग्रह में — 'संवत् १७६२ रा मित्ती असाठ सुद ६ — मुहणोत अमरसिधजी री पोथी सू' ।

७ स० १७०६ रा असाठ वद ३ जोधपुर सू फौज पोहकरण मार्य विदा कीवी । राठौड़ गोपाळदास सुदरदासोत मेड़तियो १, राठौड़ वीठळदास सुदरदासोत मेड़तियो २, वीठळदास गोपाळदासोत चापो ३, नारखान राजसिधोत कूपो ४, भडारी जगनाथ ५, मुणोयत नैणसी ६, सिंगवी प्रताप ७ ।

—वांकीदास री ख्यात, घात स० ३२१

सम्बत् १७१४ मे महाराजा जसवतसिंह ने नैणसी की सेवाओं से प्रसन्न होकर मिया फरासतखा की जगह इन्हे अपने मारवाड़ राज्य का दीवान बना दिया। स १७२३ तक इस महत्वपूर्ण पद पर इन्होंने बड़ी योग्यता से काम किया।

महाराजा जसवतसिंह को औरंगजेब की आज्ञा से प्रायः जोधपुर से बाहर रहना पड़ता था। उस समय राज्य के अपने सारे कार्य-भार को सम्हालने का अधिकार नैणसी को दिया हुआ था। राज्य की अच्छी सेवाएँ करने वाले को इन्हे गांव बख्शिश कर देने तक का अधिकार था। महाराजा ने अपनी अनुपस्थिति मे महाराजकुमार की देख-भाल का काम भी इन्हीं को सौंप रखा था^८।

कहा जाता है कि बाद में महाराजा इन पर खूब अप्रसन्न हो गये थे^९।

८ दीवानगी के काम मे नैणसी कितना विश्वस्त, सच्चा और ईमानदार था इस बात का पता महाराजा की ओर से लिखे गये पत्र से मालूम हो जाता है—

‘सिधभी महाराजाधिराज महाराजाजी श्री जसवतसिधजी वचनातु॥ मु॥ नैणसी दिसे सुप्रसाद बांछिजो। अठारा समंचार मला छै। बाहरा देजो। लोक, महाजन रेत रो दिलासा कीजो। कोई किए ही सौं जोर ज्यादाती करण न पावै। काठी-कोर्रा रो जापतो कीजो। कवर रै डोल रा पाणो रा जतन करावजो।

अरबदास बाहरी जोधपुर सू फेरु आई। हकीकत मालूम करी। थे कगनाथ लखमोदासोत नू पटो दियो गांव ३ सु भलो कीनो।

—ओसवाल जाति का इतिहास : ‘राजनैतिक और सैनिक महत्व’ खंड, पृ० ४६.
९ नैणसी के ऊपर अप्रसन्न होने का कोई विश्वस्त कारण तो ज्ञात नहीं हो सका है; पर बात है यह सच्ची। कोई ऐसी राजनैतिक दौड़-पेच की ही बात होनी चाहिए जिसके कारण इतने ऊंचे पद के विश्वस्त अधिकारी को ऐसी मौत का कारण बनना पड़े। श्री हजारामल बांठिया ने अपने हिंदुस्तानी पत्रिका के लेख मे लिखा है कि—

‘जनश्रुति से पाया जाता है कि नैणसी ने अपने रिश्तेदारों को बड़े-बड़े पदों पर नियत कर दिया था, और वे लोग अपने स्वार्थ के लिए प्रजा पर अत्याचार किया करते थे। और इसी कारण महाराजा ने नैणसी तथा सुंदरसी दोनों बंधुओं को माघ वदि ९ (ता० २९ दिसंबर) को कैद कर दिया।’

श्री अमरचंद नाहुटा ने ‘वरदा’ वर्ष ३ अंक १ मे ‘अपूर्व स्वामीभक्त राजसिंह जीयायत की ऐतिहासिक बात’ में लिखा है कि—

‘महाराजा जसवंतसिंह का नैणसी के ऊपर माराज हो जाने का कारण प्रजा पर अत्याचार दानत (फुटि-कर) वृद्धि कर देने के कारण प्रजा का राज्य छोड़ कर अन्यत्र चले जाना और जिनमे गांवों का उजड़ जाना एवं जिसके कारण सात वर्षों में अठारह

महाराजा जसवतसिंह छत्रपति शिवाजी को दवाने के लिये औरंगजेब की

लाख रुपयों की हानि होना बताया है । इन अठारह लाख रुपयों को नैणसी से दंड के रूप में वसूल करने की महाराजा ने आज्ञा कर दी । नैणसी किसी भी प्रकार से रुपये देने को तैयार नहीं था । उसने तो एक पाई भी खाई नहीं थी । तब राजसिंह ने महाराजा से बहुत आग्रहपूर्वक प्रार्थना करके यह दंड तो माफ करा दिया, परन्तु महाराजा ने उसी समय नैणसी को दीवानगिरी से हटाकर उसकी जगह मिनै भंडारी को रख दिया और यह आज्ञा कर दी कि भविष्य में मेरी कोई भी संतान किसी भी मुहणोत को राज्य-सेवा में नहीं रखेगी; ये देश और राज्य का बुरा चाहने वाले हैं ।'

श्री रामनारायण मुहणोत कलकत्ता ने 'विश्वमित्र' दीपावली विशेषांक, १९६३ में इसके संबंध में बड़ी महत्वपूर्ण दो घटनाओं का उल्लेख किया है, जो इस प्रकार हैं—

(१) महाराजा जसवतसिंह के बड़े पुत्र पृथ्वीसिंह की वीरता पर महाराजा को गर्व था । गर्व का परिणाम मजाक ही मजाक में यह हुआ कि पृथ्वीसिंह और बादशाह के एक जंगली सिंह की लड़ाई का खेल बादशाह ने देखना चाहा । प्रोग्राम बनाया गया । कुश्ती हुई, पृथ्वीसिंह ने बिना हथियार के शेर को चौर डाला । इससे पृथ्वीसिंह की वीरता की शोहरत और भी अधिक फैल गई । लेकिन औरंगजेब को बड़ी बेचैनी और ईर्ष्या हुई । पृथ्वीसिंह की इस वीरता के संबंध में कवियों ने बहुत कुछ कहा है । पृथ्वीसिंह के निक्षक नैणसी थे । अतः पृथ्वीसिंह के साथ नैणसी भी बादशाह की आँखों में खटकने लगे । नैणसी के लिए भी बादशाह ने पृथ्वीसिंह के साथ ही साथ जाल बिछाना शुरू किया ।

(२) एक बार नैणसी ने एक बड़ी भारी दावत दी, जिसमें महाराजा जसवतसिंह भी आये । दावत की तैयारी और अद्भुतता महाराजा और औरंगजेब के दरबारी देख कर दंग रह गये । औरंगजेब के आदमियों ने यह अच्छा मौका देखा । उन्होंने महाराजा के कान भरे । महाराजा ने नैणसी से एक लाख रुपये की कबूलात के रूप में मांग की । नैणसी ने उस लाख रुपये की मांग को अपनी प्रतिष्ठा के प्रतिकूल और अपनी सिवाग्रो पर पानी फिराने वाला समझा । उन्होंने इनकार कर दिया और कह दिया कि—

लाख लखारौं नोपजै, धड पोपळ री साख ।

नटियो मूतो नैणसी, तांबो देण तलाक ॥

(कबूलात उस प्रथा का नाम था जिसके अन्तर्गत राजा उसके राज्य के किसी भी जागीरदार अथवा प्रतिष्ठित व्यक्ति से अपनी मनचाही रकम मांग सकता था और वह उसे चुकानी ही पड़ती थी ।)

नैणसी के कबूलात देने से इनकार कर देने के बाद उन्होंने जोधपुर में रहना उचित नहीं समझा और वह गुजरात की ओर चले गये तथा मार्ग में ही उनका देहान्त हो गया । उसी समय औरंगजेब ने महाराजा को गवर्नर नियुक्त करके काबुल भेज दिया और पृथ्वीसिंह को युवराज बना दिया । युवराज पद के उत्सव के समय औरंगजेब ने

आज्ञा से औरगावाद के थाने में नियत थे तब वि. स. १७२३ में नैणसी और इनका भाई सुंदरसी भी महाराजा के साथ औरगावाद में गये हुए थे, वहां इन दोनों को कैद कर दिया और स. १७२५ में दोनों भाइयों पर एक लाख रुपये दंड के लेने का निर्णय कर छोड़ दिया। परंतु इन्होंने दंड का एक पैसा भी देना स्वीकार नहीं कर के कैद में रहना ही उचित समझा। जब इन्होंने किसी भी प्रकार दंड देना स्वीकार नहीं किया तो महाराजा ने कैदी की ही हालत में इन्हें जोधपुर ले जाने की आज्ञा कर दी। देश में कैदी की हालत में लेजाने का यह अपमान इन्हें सहन नहीं हुआ और इससे भी अधिक मार्ग में महाराजा के मनुष्यों द्वारा तिरस्कार और कठोरतापूर्ण व्यवहार से इन्हें जीवन से ग्लानि हो गई। इसलिये ऐसे अपमानजनक जीवन से इन्होंने मरना अच्छा समझा। जन्मभूमि में पहुंचने के पहले मार्ग में फूलमरी गांव के पास वि. स. १७२७ की भादों वदि १३ को दोनों भाइयों ने कटारें खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर दी* ।

नैणसी और सुंदरसी के दंड नहीं देने की इस घटना ने नट जाने की मनोवृत्ति वाले लोगों के लिये एक लोकोक्ति का रूप धारण कर लिया और जिसके कारण नैणसी जन-जीवन में अमर हो गये। जन-जन के जीवन में स्थान पाया हुआ लोकोक्ति का वह दोहा इस प्रकार प्रसिद्ध है—

लाख लखारों नीपज, वह पीपल री साख ।

नटियो मूतो नैणसी, ताबो वेण तलाक* ।

पृथ्वीसिंह की विशेष प्रकार की पोशाक पहनाई जिनके पहिने ही पृथ्वीराज का काम समाप्त हो गया। पृथ्वीसिंह की मृत्यु के समाचार से दुखी होने के कारण जसवंतसिंह की भी काबुल में मृत्यु होगई। नैणसी के कार्यों से प्रेरणा प्राप्त कर फिर वीर दुर्गादास ने जसवंतसिंह के परिवार और मारवाड़ की औरगजेव के हाथों से बचाया।

१०. देतिये रागनारायण दूगढ़ द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात, द्वितीय खंड के घोसवाली द्वारा लिखित मुहणोत नैणसी का वंश-परिचय' पृ० ३। हिन्दुस्तानी में 'मुहणोत नैणसी और उनके वंशज' लेखक श्री हजारीमल बाँठिया, पृ० २७६ और 'घोसवाल जाति का इतिहास' के 'घोसवाल जाति के प्रसिद्ध घराने' नामक खंड के 'मुहणोत' उपपंक्ति।

११. दोहे का भाषांतर इस प्रकार है—

'लाख लखारों के यहाँ मिलती है या बट और पीपल वृक्षों की शाखाओं में उत्पन्न होती है। यहाँ तो वह भी नहीं है। लाख रुपये दण्ड के रूप में की जो बात कही है—उसके

कहा जाता है कि नैणसी और सुदरसी दोनों भाइयों ने जेल में अपनी ऐसी स्थिति से दुखी होकर परस्पर एक दूसरे को सवोधन करके वेदना-काव्य की रचना की थी, उसमें से दो दोहे प्रस्तुत हैं—

नैणसी—दहाडो जितरं देव, दहाडै विन नहीं देव है ।

सुर नर करता सेव, (अव) नैण न आवै नैणसी ॥

सुदरसी—नर रं नर आवै नहीं, आवै घन रं पास ।

सो दिन ग्राज पिछाणिये कहवै सुदरवास ॥

नैणसी जिस प्रकार एक राजनैतिक, ऐतिहासिक और वीर पुरुष थे, उसी प्रकार वे एक अच्छे भक्त-कवि भी थे । इनके रचे हुए कई गीत और छंद जानने में आये हैं । यहां ईश्वर-स्तुति का एक डिंगल गीत दिया जा रहा है । गीत के भावों से पता लगता है कि यह रचना भी उनके बंदी-जीवन के समय की ही होगी^{१२} ।

गीत जाती गोरव मेहता नैणसीजी रो कह्यो

सदा श्रीनाथ जिण नाम असरण-सरण, तारिया गयव जळ माझ तारण-तरण ।

हाय मत छोटियो जेण वेळां हरण, तो गिरधरण गिरधरण गिरधरण गिरधरण ॥१॥

जास घी आस जीवत सगळो जगत, प्रथी आकास पाताळ माझी प्रवत ।

थिरपियो अटळ धूमडळ देखो पिकत, तो वीनपत वीनपत वीनपत वीनपत ॥२॥

मार मघ कोट पहळाव जीतो समर, काज पहळाव हिरणंखि गर्जे गहर ।

वड धळ जीपवा घोर-घोराधिवर, तो सखधर, सखधर सखधर संखधर ॥३॥

कूट ससार विख सिधु भरियो कहर, लोभ घी लहर अजाव सुकृत लहर ।

नयणसी भज सोइ नाथ करिवा निजण, तो साच हरि साच हरि साच हरि साच हरि ॥४॥

करुणा से श्रोत-प्रोत भगवान श्रीकृष्ण से की गई प्रार्थना का गीत वास्तव में बंदी-जीवन के कष्टों के कारण ही निकले अंतर के निर्मल उद्गार हैं । इस गीत के भाव, भाषा-सौष्ठव, वयण-सगाई अलंकार और रचना शैली आदि से

लिये तो नैणसी नट गया सो नट ही गया । एक पैसा भी देने की उसने तलाक ले रखी है ।'

ऐसा ही यह एक दोहा दोनों भाइयों के नाम से प्रसिद्ध है—

लेसो पीपळ लाख, लाख जखारी लाखसो ।

सांबो देण सलाक, नटिया सुदर नैणसी ॥

१२ यह गीत राजस्थानी शोध-संस्थान, चौपासनी, जोधपुर के श्री सीभाग्यसिंह शेखावत ने भेजा है । लेखक इनकी सहृदयता के लिये आभारी है ।

पता लगता है कि नैणसी एक उच्च कोटि के कवि थे और भक्त-कवि भी थे ।

नैणसी और उनके भाई सुंदरसी को जेल में डालने, जेल से मुक्ति की एवज में एक लाख रुपये दंड किये जाने, किन्तु जीते जी दंड के रुपये नहीं भरने की नैणसी की कठोर प्रतिज्ञा और महाराजा जसवतसिंह की ओर से दंड को माफ कर देने की, अथवा जेल में बंदी बना कर नहीं रखने की और कबूलात वसूल करने की ऐसी अनेक परस्पर-विरोधी इतिहास और लोक-विश्रुत बातों के अतिरिक्त एक यह भी आश्चर्यजनक और महत्वपूर्ण बात है कि महाराजा जसवतसिंह ने इस दंड को माफ नहीं किया था और नैणसी और सुंदरसी के साथ उनके परिवार को भी कैद कर लिया था जिसे नागौर के सहदेव सुराना के द्वारा दंड वसूल करके छोड़ा था^{१३} । इससे मालूम होता है कि नैणसी और सुंदरसी का अपराध कोई साधारण अपराध नहीं था । बाल-बच्चे और कबीले को कैद में डाल देना किसी अवांछनीय असाधारण घटना या गंभीर अपराध का सूचक है । चाहे यह दोषारोपण ही हो, पर इसके मूल में कोई ऐसी आघातजनक बात जरूर होनी चाहिये, जिसे असत्य सिद्ध करने की दलीलें किसी समय के अत्यन्त विश्वसनीय दीवान नैणसी के द्वारा महाराजा को सतोष नहीं करा सकी होंगी, जिससे वे लाख रुपये के दंड के अपने निर्णय को बदलने के लिये किसी भी प्रकार राजी नहीं हो सके । और उनके बाल-बच्चे और स्त्रीवर्ग को कैद में डाल कर के एक तीमरे व्ययित से ही सही, उनके ऊपर किया गया दंड वसूल कर लिया गया ।

किन्तु ओझाजी ने तो इतना ही लिखा है कि नैणसी और सुंदरसी के आत्मघात कर लेने से महाराजा जसवतसिंह ने नैणसी और सुंदरसी के पुत्रों को भी छोड़ दिया । दंड वसूल करने या नहीं करने का कोई उल्लेख उन्होंने नहीं किया है^{१४} ।

नैणसी के जीवन की ऐसी अनेक अनोखी घटनाओं में से एक घटना इनके एक विवाह के सम्बन्ध में भी कही जाती है । नैणसी जब जालोर पर अमल किए हुए थे तब इनकी सगाई बाढमेर के कामदार कमा की बेटी कमळा (?)

१३. राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर द्वारा प्रकाशित 'बांकीदास री ख्यात', वात सं० २१०६ (पृ० १७४) —

'नागौर री सुराणें सहदेव बूहठमसोत साथ रुपिया घापरा घर सूर राज मे भर मुहणोत नैणसी सुंदरदास रा छोरु कबीला कैद सूं कड़ाया ।'

१४. एपेंथ, रामनारायण दूगढ़ द्वारा अनुवादित 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' द्वितीय खण्ड श्री प्रोफेसरी द्वारा संपादित 'मुहणोत नैणसी का वंश-परिचय' पृ० ३ ।

से हुई थी। उस समय के राजाओं और दीवानों के रिवाज के अनुसार इन्होंने भी अपने प्रतिनिधि के रूप में अपना खड्ग विवाह करने के लिए भेज दिया। नैणसी स्वयं वरात बनाकर विवाह करने को नहीं गये। इस बात को कामदार कमा ने अपना अपमान समझा। उसने खड्ग के साथ दुलहिन की बजाय मूसल को भेज कर खड्ग की वरात को अपमानित करके लौटा दिया। इस अविवेक का परिणाम जो होना था सो ही हुआ। नैणसी ने बाढ़मेर पर आक्रमण कर दिया और लूट-खसोट करके उसको तहस-नहस कर दिया। बाढ़मेर उजड़ गया^{१५}।

नैणसी कलम और तलवार दोनों के धनी थे। उन्होंने एक ओर एक वीर की भाँति अनेक विकट घटनाओं और युद्धों में सरदारी की, दीवान बन कर मुसाहिबी की; तो दूसरी ओर इतिहास की घटनाओं और तथ्यों का सकलन कर 'ख्यात' और 'मारवाड़ रा परगना री विगत' (गजेटियर या सर्व-संग्रह) जैसे बृहत् और महत्वपूर्ण ग्रन्थों को लिख कर इतिहासकार के रूप में इतिहास और साहित्य दोनों क्षेत्रों में बड़ी भारी सेवाएँ की। इतिहासकार इनकी प्रशंसा ही नहीं करते, किन्तु इनसे प्रेरणा और आधार भी प्राप्त करते हैं। इनकी ख्यात इतिहास की दृष्टि से अन्य सभी ख्यात-ग्रन्थों से अधिक विश्वस्त और महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि राजस्थान के सभी ख्यात-ग्रन्थों में इस ख्यात ने सब से अधिक ख्याति प्राप्त की है।

नैणसी का 'मारवाड़ रा परगना री विगत'^{१६} (सर्व-संग्रह) भी प्रायः ख्यात जितना ही बड़ा ग्रन्थ है। यह मारवाड़ राज्य की सर्वेक्षण रिपोर्ट और गजेटियर है। उस काल का ऐसा महत्वपूर्ण ग्रन्थ साहित्य-जगत् में अभी तक दृष्टिगत नहीं हुआ। इसमें उन्होंने मारवाड़ के सभी परगने, परगनों के गाँव, गाँवों की ग्रामदनी, जागीरी ठिकाने, उनकी रेख-चाकरी, भूमि की किस्म, इक-साखिया,

१५. मुहणोत नैणसी जाळोर ग्रामल जद बाढ़मेर री कामदार कुमो जिणारी वेटी री सगाई नैणसीजी सू कीवी। नैणसी परणीजण नै गयो, ('परणीजण न गयो' होना चाहिये) छाडो बाढ़मेर मेलियो। कम्पो मूसल खडग सामो मेलियो। डावडी और ठै परणायी। जिण कारण सू नैणसी बाढ़मेर हदवाट मेलियो। ('हदवाट मेलियो' होना चाहिये)। बाढ़मेर प्रोळ रै कगार रै काठरा किवाड हुता जिके आण जाळोर गढ री पोळ चढाया।
सायद— 'बाहड़मेर जुगां लग हूबो फमळा तणी कमाई।'

—बाकीदास री ख्यात : वात स० २१२५, पृ० १७६

१६. इस बृहत् ग्रन्थ का सम्पादन राजस्थानी लोघ-संस्थान, जोधपुर के विद्वान् डाइरेक्टर डॉ० नारायणसिंह भाटी कर रहे हैं। पुस्तक मुद्रणाधीन है।

दु-साखिया फसलो का हाल, तालाब, कुएँ, कोसीटे, अरहट, गाँवो के जातिवार घरों की संख्या और उनकी आवादी और कृषक आदि जातियों की स्थिति का विस्तृत विवरण दिया है। आधुनिक जन-गणना में भी गाँवों की सभी प्रकार की स्थिति का इतना विस्तृत विवरण नहीं दिया जाता।^{१७}

नैणसी के भाई सुंदरसी और आसकरण^{१८} भी बड़े वीर हुए हैं। सुंदरसी प्रायः नैणसी के साथ ही रहा करते थे। वह महाराजा जसवन्तसिंह (स० १७११ से स० १७२३) के तन-दोवान (निजी मंत्री) भी रहे थे और कई लड़ाइयों में भाग लिया था।

नैणसी ने दो विवाह किए थे। पहला विवाह भडारी नारायणदास की

१७ "... . मध्ययुग में मुग़ल नैणसी के द्वारा इस प्रथा (महुंमशुमारी) का आविष्कार देखकर बड़ा आश्चर्य होता है। आपने एक पञ्चवर्षीय रिपोर्ट लिखी थी। हमने इसको हस्तलिपि आपके वंशज जोधपुर निवासी श्री वृद्धराजजी मुग़ल के पास देखी थी। इसमें उन्होंने मारवाड़ के परगने, ग्राम, ग्रामों की ग्रामदानी, भूमि की किस्म, साखों का हाल, तालाब, कुएँ, विभिन्न जातियों के वृत्तान्त आदि अनेक विषयों का बड़ा ही सुंदर विवेचन किया है।संवत् १७२१ में सोवाणा की महुंमशुमारी हुई.....महाजन ८१, ब्राह्मण २५, सुनार १०, कुम्हार २, भोजग ४, सुतार ४, तुर्क ४०, पिजारा १, छोपे २, नाई १, डेह १६, घोरी २, जागरी १, राजपूत ६५, कुल २८३ घर आवाद थे।संवत् १७२१ में जोधपुर के हाट की दुकानें ८१५ थीं। संवत् १७२१ आश्विन कृष्णपक्ष दशमी को परगनों की महुंमशुमारी की गई। ..—

नाम परगना	कुल ग्राम	आवाद	घोरान	सासन
१ जोधपुर परगना	११६७	८०२४	२२०४	१४४
२. सोजत परगना	२४४	१७६	३२	३३
३ जैतारण परगना	१५२	१०५	२६	१८
४. कनोधी परगना	६८	४६	१०	६
५. मेहता परगना	३८४	२६८३	४०	४५३
६. सोवाणा परगना	१४४	६४	२०	३०
७ पोकरण परगना	८५	४१	२८	१६
	२२४४	१५६८४	३७६४	२६५३

..... आपकी हस्तलिखित पञ्चवर्षीय रिपोर्ट से यह भी प्रतीत होता है कि उन्होंने मारवाड़ में मरवाट परगने वाली मूकम से मूकम धातों का भी विवेचन किया है। यह रिपोर्ट यही है, तत्कालीन मारवाड़ का जीता-जागता चित्र है।"

—प्रोफेसर जाति का इतिहास : 'मुग़ल नैणसी और महुंमशुमारी' प्रकरण, पृ. ४७-५०

१८ 'प्रोफेसर मिस्टर माफ मोहनोस' में उदयकरण नाम लिखा है।

पुत्री से और दूसरा मेहता भीमराज की पुत्री से हुआ था। दूसरी पत्नी से करमसी, वैरसी और समरसी नामक तीन पुत्र हुए थे। बड़ा पुत्र करमसी अपने पिता के समान ही वीर था। औरगजेव के साथ महाराजा जसवंतसिंह और रतनसिंह की उज्जैन के निकट चोरनारायण की लड़ाई में वह बड़ी वीरता से लड़ कर घायल हो गया था^{१९}।

नैणसी और सुदरसी के आत्मघात कर लेने के बाद जब इनका परिवार (नैणसी और सुदरसी के पुत्रों आदि को) जेल मुक्त किया गया तो करमसी ने ऐसी उपेक्षित और अपमानित दशा में जोधपुर राज्य में रहना उचित नहीं समझा। वे राव अमरसिंह के पुत्र राव रामसिंह के पास नागौर चले गये। किन्तु दुर्भाग्य ने वहाँ भी इनका पीछा नहीं छोड़ा। कुछ समय बाद जब करमसी आदि रामसिंह के साथ शोलापुर गये हुए थे वहाँ रामसिंह की अकस्मात् मृत्यु हो गई। इनके सेवकों ने यह झूठी अफवाह फैला दी कि करमसी ने इनको विष दे दिया है। रामसिंह के पुत्र इन्द्रसिंह ने करमसी को इस पर जीवित ही दीवाल में चुनवा दिया और इनके पुत्र आदि को बड़ी वेरहमी से मरवा डाला। यह घटना स. १७३२ की कही जाती है। उस समय करमसी के दो पुत्र सग्रामसी और सामतसी वहाँ से भाग कर किशनगढ़ आ गये और वहाँ से बीकानेर जा बसे^{२०}। लेकिन महाराजा जसवंतसिंह के बाद जब महाराजा अजीतसिंह ने मारवाड़ राज्य पर अधिकार कर लिया तो उन्होंने सग्रामसी आदि को बीकानेर से बुलाकर हाकिम जैसी राज्य की उच्च सेवाओं में नियुक्त कर दिया^{२१}।

इस प्रकार नैणसी के पूर्वजों और वंशजों ने अनेक सघर्ष और सकटों को सहन करते हुए राज्य की जो सेवाएँ की हैं वे बड़ी महत्वपूर्ण हैं और इतिहास की उल्लेखनीय घटनाएँ हैं। इन सेवाओं के बदले में इन्हें समय-समय पर जागीरें, जमीन, बाग, हवेलियाँ, पद, उपाधियाँ, खास रुक्के और रियायतें इनायत होती रही हैं^{२२} और मुसाहिब व मुतसद्दी वर्ग में उच्च स्थान प्राप्त किये हुए हैं। इन सभी

१९ (अ) Brief family history of Mohnots (unpublished).

(आ) चोरनारायण का युद्ध ही सभ्यतः घमेंत का प्रसिद्ध युद्ध है। मारवाड़ का संक्षिप्त इतिहास, पृ. ३६८, पं० रामकर्ण आसोपा ने घमेंतपुर की टिप्पणी में लिखा है कि मारवाड़ की ख्याती में चोरनारायण नाम लिखा है और कोई फतिया-बाद बतलाते हैं।

२०. श्री ओझाजी, 'मुहणोत नैणसी की ख्यात' द्वि० खंड नैणसी का वंश परिचय पृ० ३-४
२१-२२. उपरोक्त और 'ब्रीफ फैमिली हिस्ट्री आफ मोहणोत्स' (अप्रकाशित)

सम्मानों को प्राप्त करने का कारण इनकी बेफादारी तो है ही, पर नैणसी और उसके पुत्र करमसी का वलिदान भी मुख्य कारण है ।

जोधपुर राज्य और महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम के समय की बहियें, खरीते, फरमान, पट्टे, परवाने आदि रिकार्डों की जाँच से अथवा तत्कालीन गीत आदि साहित्य से तथा नैणसी के वंशज मोहणोत परिवार के पट्टे-परवानों आदि से नैणसी और उनके परिवार के सम्बन्ध में बहुत कुछ जानकारी प्राप्त होना संभव है । 'ग्रोफ़ फैमिली हिस्ट्री आफ़ मोहनोत्स' (अप्रकाशित) में नैणसी और सुंदरमी एवं नैणसी के पुत्र करमसी के सम्बन्ध में कुछ विस्तार से ज़रूर लिखा है फिर भी अपूर्ण ही है ।

नैणसी के वंशज जोधपुर के अतिरिक्त जालोर, किशनगढ़ और मालवा आदि स्थानों में भी स्थित हैं और वे अच्छी स्थिति में हैं ।



[१]

गीत सांणोर ठाकुरां नैणसीजी रो

सभि दळां कीध नैसणसी सुंदर ,
 दळे वडा-वड मांझी दीय ।
 किरमर-हथा न पूजै कळहर ,
 कलम-हथा नह पूजै कोय ॥१॥

जुव जाणग माणग जैमलका ,
 मुणसां गुर-सदतारा मीढ ।
 ईढ नको असमर-भल आवै ,
 आवै लेखण-भला न ईढ ॥२॥
 भीच द्विनै राजेरा भारी ,
 गहण उधारी घड़ ग्रहै ।
 जोड नको विणियांणी-जाया ,
 रांणी-जाया उरै रहै ॥३॥

[२]

गीत सांणोर नैणसीजी रो

विषेय कवी

सभि दळां कीध नैणसी सुंदर ,
 लाखां जिंसा कहै जुग लोय ।
 जेणणी हेकण किणी न जाया ,
 दीय वांघव सारीसा दीय ॥१॥
 बीजो नको बीकपुर बूदी ,
 ढाल-उथाळ नको ढूढाड ।
 जैमल-रां सारीसा जोड़ो ,
 मारू नको, नको मेवाड़ ॥२॥
 मेवासियां आसिया माथै ,
 जैत्राई कसिया जरद ।
 तढमल नको हिंदवै तुरके ,
 मोहणोता सारीसा मरद ॥३॥

दळ दिखणाघ काछ घर उत्तर ,
 सह पूरव जोवतां सहोघ ।
 दूजी घरा न दीठा दूजा ,
 जेसाहरा सरीसा जोघ ॥४॥

[३]

गीत सांणोर मुंहणोत नैणसीजी रो

गढावोड गजराज घंट-रोळ पाखर गरर ,
 भँवरपत चमर छत्र आप भावी ।
 मारिया महण फोजां पखँ महपती ,
 आवसँ चीत गज फोज आवी ॥१॥
 सोह दरबार री (दरबारी) दानि क्रन सरीखा,
 लोह-रा-भँवर गज-फोज रा लाडा ।
 मालहरा विनँ चीतारसी मुरघरा ,
 आवती घीम नै हूत आढा ॥२॥

जन मत्री लालच वँधै गाजिया ,
 घणा दिन लगे चित घाट घडसी ।
 घगड घड भाजण मडोवर से-घणी ,
 चरड अचलाहरा चीत चढसी ॥३॥

त्रिविध घड भाजण जोघ जेमलतरा ,
 साइयरै वाग गैणाग सारे ।
 कायथां वाभणा तणो कहियो करे ,
 मछर-गुर नैणसी सूर मारे ॥४॥

छत्रपती आय वणियो इसो आज छक ,
 श्रीरग तोट पड ओतडै ऊर ।
 महाराजा जैसा इसा क्युं मारिजं ,
 मून्वर - आभरण नैणसी सूर ॥५॥

मुंहता नैणसी के सम्बन्ध के ये अज्ञात गीत और कवित्त घटे महत्व के हैं । इन गीतों से नैणसी की चोरता, विद्वता आदि कई विशेषताओं के साथ अनेक यूद्धों का सुगासन करने, यूद्धों में सटने और उनके स्वयं के मारे जाने के कारणों पर अच्छा प्रकाश पड़ता है । इन गीतों से नैणसी के सम्बन्ध में नये दृष्टिकोण उपस्थित होते हैं ।

[४]

कवत मुहणोत नैणसीजी रा

यह सूतो भर निसह घोर करतो सादूळो ,
 ओनीदो ऊठियो वडा रावता सभूलो ।
 पोहतो तीजी फाळ अजड हाथळ तोलतो ,
 मेछ दळा मूगला घात सीकार रमतो ।
 मारियो सिरोही मुगल मिळ, खडग डसण घडच खळ ,
 गडडियो सोह जेमाल रो, नैणसीह भरियो नळ ॥१॥

दाण भरै घरहरै भावा वाका अस मिलसी ,
 मुलक चूथ मुलतान सिसे मूळी गिलस ।
 किरसी कूजात जात जत लगा कवाई ,
 वूव करै वीवजी भजो वे भजो भाई ।
 पचनद परै अनहद वजै, असुरापण गमसी अलंग ,
 नैणसी कसै जेमाल रो, पिछम घर ऊपर पमंग ॥२॥

नैणसी महाराजा जसवतसिंह-प्रथम के दीवान और ख्यात जैसे इतिहास-ग्रंथों के लेखक के रूप में तथा 'नटिया मूतो नैणसी' की लोकोक्ति को जन्म देने वाले के रूप में लोक में प्रसिद्ध हैं, परन्तु इनके अतिरिक्त उनकी अद्भुत साहसिकता और वीरता की कई प्रज्ञात घटनाओं पर भी ये गीत प्रकाश डालते हैं। नैणसी एक उच्च कोटि के कवि और श्रीनाथजी (श्रीबालकृष्ण) के भक्त थे। उनके स्वयं के रचे हुए वंदी-जीवन के कव्वापूर्ण गीत से यह स्पष्ट है। यह गीत काव्य और भाषा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है जो यथाप्रसंग दिया हुआ है। उपरोक्त गीतों में 'जोड नको धिणियाणी-जाया, रांणी-जाया उरै रहै' के विरुद्ध वाला नैणसी एक और 'किरमर-हया, असमर-भल, मछर-गुर, उधारी-घड-गहण और सुरवर-आभरण' जैसा अद्वितीय खड्गधारी योद्धा है तो दूसरी ओर 'कलम-हया, लेखण-भल, जाणग, माणग और गुर-सवतारा' यदि विशेषणों वाला लेखन-धारी इतिहास-लेखक, बहुज्ञ, बहुतश्रुत, ऐश्वर्य और अधिकारों का उपभोग करने वाला और दासतारों का गुह है। इन सभी विशेषताओं वाला नैणसी वास्तव में एक युग-पुरुष था। 'जणणी हेकण किणी न जाया, दोय वांघव सारीसा दोय' नैणसी का भाई सुंदरसी भी इन्हीं के समान शूरवीर और कवि था।

ये गीत हमें श्री नाथूरामजी खडगावत, डाइरेक्टर, राजस्थान स्टेट आर्काइवज, बीकानेर से प्राप्त हुए हैं, अतः इनका बहुत आभारी हूँ। सूचना के लिये श्री सीमाग-सिंहजी खेलावत का आभारी हूँ।

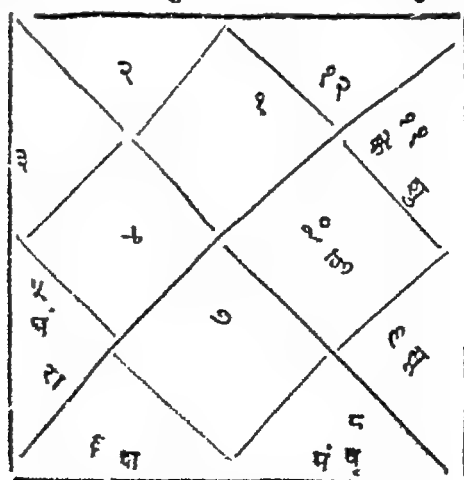
नैणसी के जीवन-प्रसंगों की प्रेम-कॉपी भेज देने के बाद ये गीत हमें प्राप्त हुए हैं। अतः यथाप्रसंग नहीं दिए जाकर यहाँ दिये जा रहे हैं। —मा. बदरीप्रसाद साकरिया

महाराजा जसवंतसिंह - प्रथम

महाराजा जसवंतसिंह-प्रथम (वि. स. १६८३-१७३५) के जीवनकाल में रचा गया यह महत्वपूर्ण ख्यात ग्रन्थ और ख्यात-लेखक मुंहता नैणसी का इन महाराजा के साथ राज-कारणों के ऊचे-नीचे और पारस्परिक सबध ऐसे रहे हैं जिनसे महाराजा जसवंतसिंह के राज्य-काल में नैणसी के पूर्व और पश्चात् जितने भी राज्य के दीवान रहे हैं, उन सब में जितनी ख्याति नैणसी ने प्राप्त की है, उतनी किसी ने प्राप्त नहीं की। इसका कारण नैणसी की विद्वता, वीरता और योग्यता आदि तो है ही; किन्तु महाराजा जसवंतसिंह भी, परोक्ष और अपरोक्ष रूप से एक कारण अवश्य हैं। नैणसी के जीवन के साथ इन महाराजा का मिष्ट और कटु उथल-पुथल का इतना गहरा सबध रहा है जितना अन्य किसी दीवान या राज-कर्मचारी के साथ कदाचित् ही रहा हो। इन सबधों के विषय में अधिकांश बातें नैणसी की जीवनी के साथ उल्लिखित हो गई हैं। इसलिए उनके सबध में यहाँ कुछ नहीं लिखा जा रहा है। नैणसी महाराजा के दीवान थे, इस पृष्ठिका को लक्ष्य में रख कर इनके सबध में परिचय स्वरूप दो शब्द लिखना आवश्यक हो जाता है।

महाराजा जसवंतसिंह, महाराजा गजसिंह के दूसरे पुत्र थे; प्रसिद्ध वीर राव अमरसिंह प्रथम पुत्र थे जिनको नागौर की जागीरी मिली थी। महाराजा जसवंतसिंह का जन्म वि. सं. १६८३ भाद्र वदि ४ मंगलवार को बुरहानपुर में हुआ था।^१ बादशाह शाहजहा ने वि. स. १६९५ की आषाढ कृ० ७ शुक्रवार

१. प० रामकृष्ण आसोपा द्वारा लिखित 'मारवाड का संक्षिप्त इतिहास, द्वि० खंड पृ० ३८५ में महाराजा जसवंतसिंह की जन्म-कुण्डली इस प्रकार दी हुई है—



मु हता नैणसी री ख्यात, भाग ४]



जोधपुर महाराजा जसवर्तसिंह - प्रथम

(वि० स० १६८३ - १७३१)

[राजस्थानी शोष सम्यान, चौपासनी के सौजन्य से प्राप्त]

को इनका राज्यतिलक आगरा में किया। महाराजा जब दूसरी बार (सं १७००) बादशाह की चाकरी में से मारवाड़ आये तो राड़धरा (राष्ट्रधरा) के महेशदास के उत्पातो को शान्त करने के लिये नैणसी के पिता मोहणोत जयमल को भेजा था। जयमल ने महेशदास से लड़ाई करके राड़धरा छीन लिया और उस पर महाराजा का अधिकार करके उसे मेहवे के रावल जगमाल को दे दिया था।

चादपोल के बाहर जोधपुर का प्रसिद्ध श्री रामेश्वर महादेव का मंदिर इन्हीं महाराजा ने सं. १७०८ में बनवाया था।

सं. १७०६ में महाराजा के पृथ्वीसिंह प्रथम पुत्र हुआ। जो जबरदस्त वीर था। इसी ने बादशाह के सिंह से कुश्ती करके बिना शस्त्र के उसको चौर डाला था। कहा जाता है कि बादशाह की ओर से इनायत की हुई विषाक्त पोशाक पहिनने से इसकी मृत्यु हुई थी। कोई कहते हैं कि शीतला रोग के कारण इनकी मृत्यु हुई थी।

सं १७१४ में प्रसिद्ध धर्मत (चोरनारायण) में महाराजा जसवतसिंह और रतलाम के रतनसिंह के साथ औरगजेब का भयकर युद्ध हुआ था। महाराजा जसवतसिंह घायल होकर जोधपुर को लौट आये थे। इसमें रतनसिंह और अनेक वीर योद्धा काम आये थे। इसी युद्ध में नैणसी का पुत्र करमसी भी घायल हुआ था। इसी वर्ष नैणसी महाराजा का दीवान बना था।

सं १७२५ में महाराजा के प्रयत्न से शिवाजी के पुत्र शंभाजी और शाहजादा में संधि होकर शान्ति स्थापित हो गई थी। इसी वर्ष नैणसी और सुंदरसी आत्मघात करके (दो वर्ष के) वदी जीवन से मुक्त हुए थे।

सं. १७२७ में महाराजा को बादशाह ने गुजरात के धधुका और पेटलाद के परगने जागीर में दिये थे।

सं. १७२८ में जब औरगजेब ने गोवर्धन पर्वत के श्रीनाथजी के मंदिर को गिराने की आज्ञा दी तो गुसाई दामोदरलालजी श्रीनाथजी के विग्रह को लेकर जोधपुर आये थे, उन्हें चौपासनी के पास कदमखडी में रहने को स्थान दिया था।

सं १७३५ की पीष वदि १० को जमरूद में महाराजा का देहान्त हुआ।

यह महाराजा संस्कृत, ब्रज और मारवाडी के बड़े विद्वान और कवि थे और वेदान्त के अच्छे पंडित थे। इन्होंने अनेक ग्रन्थों की रचना की है। जिनमें आनन्द-विलास, सिद्धान्त-बोध, अनुभव-प्रकाश, अपरोक्ष सिद्धान्त, सिद्धान्तसार,

ये पाचो ग्रंथ वेदान्त के हैं । आनन्द-विलास संस्कृत रचना है । भाषा-भूषण साहित्य का अपूर्व ग्रंथ है ।

जोधपुर के अनार इन्ही महाराजा के कारण प्रसिद्ध हैं । इन्होंने काबुल से अनार, मिट्टी और वागवानों को लाकर कागा के बाग में अनारों के पेड़ों का रोपण करवाया था । कहते हैं कि जोधपुर के प्रसिद्ध कागजी नीबूओं का बीज भी इन्ही महाराजा ने कहीं से मगवा कर उनके पेड़ लगवाये थे ।

महाराजा के पृथ्वीसिंह के अतिरिक्त तीन पुत्र और हुए थे । जगतसिंह, दलथभन और अजीतसिंह । जगतसिंह भी दस वर्ष की उमर में ही चल बसा । दलथभन और अजीतसिंह महाराजा के देहान्त के बाद जब रानिया जमरूद से दिल्ली आ रही थी लाहौर में एक ही दिन में स. १७३५ की चैत्र सुदि ४ को उत्पन्न हुए थे । दलथभन भी रास्ते में ही चल बसा । दिल्ली आने पर औरंगजेब ने अजीतसिंह को मुसलमान बनाने या मार डालने की गरज से रानियों को नजरबंद कर दिया था और मारवाड़ पर बादशाही हुक्मत जमा दी थी । बालक अजीतसिंह को बड़ी मुश्किल से औरंगजेब की कैद से गुप्त रीति से दुर्गादास और मुकुन्ददास ने निकाल कर युवा होने तक सुरक्षित स्थानों में छिपा कर रखा था । मारवाड़ को बादशाही हुक्मत से मुक्त करा कर महाराजा अजीतसिंह को राज्य सिंहासन पर बिठाने के लिये वीर दुर्गादास के संचालन में मारवाड़ के राजपूत सरदारों को अनेक वर्षों तक सघर्षों का सामना करना पड़ा था । स्वामीभक्ति के ऐसे उदाहरण इतिहास में विरल ही मिलते हैं ।

—आ० बदरीप्रसाद साकरिया

संहिता नैसर्गसीरी ख्यात

परिशिष्ट १

तीनों भागों की नामानुक्रमणिका

- (१) वैयक्तिक (जीवमारी) - पुरुष, स्त्री व पशुनामावली
- (२) भौगोलिक - ग्राम, देश, पर्वत, जलाशयादि नामावली
- (३) सांस्कृतिक - ग्रन्थ, नस्ल, देवी, देवतादि नामावली



१ संकेत परिचय-

- प० पहला भाग
द्व० दूसरा भाग
ती० तीसरा भाग
दे० देश

२ कुछ वर्णों के सम्बन्ध में-

- (१) ल और ल वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान और उसी प्रकार
- (२) उ और उ वर्णों का अनुक्रम एक वर्ण के समान किया गया है।
- (३) ल वर्ण का प्रयोग शब्द के आदि में नहीं होता।
- (४) शब्द के मध्य और अंत में ल वर्ण का उच्चारण प्रायः ल हो जाता है। कई जगहों में अपने सही रूप में भी उच्चारण किया जाता है, किन्तु वहाँ अर्थान्तर हो जाता है।
- (५) हिन्दी के आकारान्त शब्द (नाम) राजस्थानी में प्रायः ओकारान्त होते हैं।

[१] पुरुष नामावली

अ

अगराज प २८८
 अंतरिख ती १७६
 अतरिख प. २८६
 अथक हू ३
 अथपसाव रायळ प १२
 अथराय प ११६
 अथराय प १३५
 अथरीय प ७८, २८८
 अथादित्य प १०
 अथापसाव प ५, ७६
 अथाप्रसाद प ५
 अथुदेव राजा ती १८६
 अथोपसा रायळ प. ७६
 अशुमान ती १७८, २८८
 अशमान प. २८८
 अशुमान प ७८
 अश्वर पातसाह प २१, ३०, ३२, ३६,
 १११, १५०, २५५, २६२, २६७,
 २६६, ३००, ३०१, ३०२, ३०४,
 ३१२, ३२०, ३२५, ३३१
 ,, पातसाह हू ६८, २०५, २३८,
 २८०, २४२
 ,, पातसाह ती २८, ५७, १८३,
 १८२, २०६, २३८, २८०, २४८,
 २६६, २६७, २७२, २७४, २७५,
 २७६
 अशो वेलजोत हू ३, १४३
 अशो वापायत हू ३३६, ३८०
 अशो राय हू ११६

अकतासु प २८७
 अखैराज प २३५, ३५३, ३५४
 ,, हू. १२४, १६८, २००
 ,, ती २३४
 अखैराज ईसरदासोत हू १६२
 अखैराज जैता रो प. ३५३
 अखैराज भालो हू २६३
 अखैराज ठाकुरसी रो प. ३६०
 अखैराज डूगरसी रो प १२०, १२१
 अखैराज दलपतोत हू १२८, १३१,
 १३२, १४४
 अखैराज घीरावत प २३७
 अखैराज पातळोत हू १६४
 अखैराज प्रथीराजोत हू. १२३
 अखैराज भगवानदास रो प ३०२, ३१०
 अखैराज भावावत ती ११६, १२०, १२१
 अखैराज मेरावत हू १८७
 अखैराज रतनसी रो प ३२७
 अखैराज रायपाळोत हू. १५२
 अखैराज राय प १५५, १५६, १५७,
 १५८, १५९
 अखैराज राय जगमाल रो प. १३५,
 १३७, १६१, १८६, १९०
 अखैराज रायत कल्याणदे राजा रो प
 २६५, २६६
 अखैराज राय राजमिथ रो प १३६,
 १८६, १९०
 अखैराज रायळ प ३३५
 ,, ,, हू १०६
 अखैराज सहसा रो हू १२०
 अखैराज साह प ६६

अखैराज सोनगरो प. २० २१, २८,
 २०७, २०८
 ,, सोनगरो ती ३१, ६५, १००
 अखैराज हाडो प १०६
 अखैसिध प ३२२
 ,, ती २३०
 अखैसिध रावळ प १०६
 ,, ,, ती. ३६, २२०
 अखो हू ७७, ७८, ६५
 अखो गागा रो प ३६३
 अखो दयाळदास रो प २३१
 अखो नेतसी रो प २४०
 अखो भांण रो प. ३४१
 अखो राम रो प ३५८
 अखो राधापळ रो प ३४१
 अग्र प २२, २५
 अग्रसिध प ३००
 अग्रस्त प. १२२
 अग्निवीरण प ७८
 अग्निवरण प २८८
 अग्निवर्ण प ७८
 ,, ती. १७६
 अग्नि सर्मा प. ६
 अचल प ७८
 अचळदाम प ६७, ११५, १६५, २१२,
 ३२०
 अचळदास हू ६६, १६१, १६२
 ,, ती. २३१
 अचळदाम किसनावत हू १२५
 अचळदास केसवदास रो प ३१३, ३१५
 अचळदास खीची ती. १३५
 अचळदास जगमालोत हू १२१
 अचळदास जेतसिधोत ती २०५
 अचळदास प्रागदासोत प. २३६
 अचळदास वळभद्रोत प ३०७
 अचळदास भाटी हू ६५, १०६, १७४
 १६२

अचळदास माघोदासोत हू १४६
 अचळदास रुधनाथ रो हू ११६
 अचळदास लूणकरण रो प. ३१७, ३२०
 अचळदास विष्णमादीओत हू १३०
 अचळदास सावत ओत प. २३४
 अचळसिध प. ३००, ३२४
 अचळो प २७, ६८, ७८
 ,, हू ८५, १६८, १७८, १८२,
 १६७
 अचळो खेतसी रो प ३६०
 अचळो नेतसी रो प. २४०
 अचळो भैरुदासोत हू १८१
 अचळो रायमलोत ती ११६, २४६,
 २४८
 अचळो रिणमलोत हू. १२, १४१
 अचळो सिवराजोत हू. १८०
 अचळो सुरतांण रो हू १०४, १५६
 अचळो सेखा रो प ३२६
 अज प. ७८, २८८, २६२
 ,, ती. १७८
 अजवसिध प. २७, ६६, ८७, ३०५,
 ३०६, ३१८, ३२०, ३२१, ३२८
 अजवसिध ती. २२४
 अजवसिध करणसिधोत ती २०८
 अजवसिध त्रिन्दावन रो प. ३०६, ३०७,
 ३०८, ३१०
 अजवो हू ६६
 अजमखान नवाब हू २०५
 अजमल चूडावत हू, ३१०
 अजयपाल चक्रवर्ती प २६२
 अजयभूपाल राणो ती. १७५
 अजयवार दे० अजवाराह।
 अजवार दे० अजवाराह।
 अजवाराह ती २१६
 अजसिध प ३२२, ३२४
 अज सीहोजी रो ती. २६
 अजादित्य प. १०

अजीत मोहिल ती १५८, १५९, १६०,

१६७

अजीतसिध महाराजा ती २१३

अजीत हाडो मालवे त ती २१६

अजु रावळ प. ७८

अजू हू ३८, १०७

अजैचद ती १८०

अजैदेव प २६१

अजैपाळ प. २६१, २८०, २९२

अजैपाळ गध्रपसेन रो प ३३८

अजैपाळ चकवै प २९२

अजैवध प २९२

अजैराव प २५१

अजैवाह प. १२३

अजैसी प १४, १५, १६३, १६४

अजैसी अजैपाळ रो प ३३८

अजो प ५१

,, हू ७७, ८०, १००, ११७

अजो किसनावत हू. १४४

अजो चूढावत ती ३१

अजो (जाम) हू २०४, २४०

अजो प्रथीराव रो प २४३

अजो राजा रो हू २६२

अजो सांवतसीओत प २३५

अटेरण हू १, ११, १७

अम्माळ ती १३८

अम्मान रिणमलोत हू ३३८

अम्मराज ती ४९

अम्मवाल प ३९१, ३९२

अम्मवात्र घोहळ प २२५

अम्मान सोढो प ३६१, ३६२

अम्ह प १६

अम्पद हू १४३

अम्पसिध प ३१९

अम्पसिध ती २२६, २३०

अम्पसिध अम्पसिधोत ती. २०८

अम्पसिधो राजो रायगो रो प. ३४६, ३५२

अणघो हू. १०.

अणतसिध ती २२९

अणदो राव प २८१

अणपाल भाणव हू ५८

अणहल प १०१, १३५, १७२, २३०,
२५०, २५८

अतर प १२३

अतिथ प ७८

अतिथ ती १७८

अतिरथ प २८८

अत्रि हू ९

अहू प १६

अदो वाघेलो प १३७

अनगपाल ती १८७, २३८

अनगराव प १०१

अनतपाळ प २८९

,, ती १८७

अनतसो प १४

अनदराज प. ७८

अनरण्य ती. १७८

अनळ सोची प. २९४

अनादि प २९१

अनाभि प ७८

अनिपो (अनो) भाटी हू ५८

अनिरुद्ध (अनुरुध) हू ९

अनिरुद्ध गोड प ३३०

अनिरुध प २१२

अनुरुध हू १५

अनुरुध राजा गोड प ३३०

अनूपराम प. ३०८

अनूपसिध प ३०९

अनूपसिध जुम्भारसिध रो प २९८, ३१०

अनूपसिध महाराजा ती ३२, १७७,
१८०, १८१, २०८, २०९

अनूपसिध मूरसिध रो प ३२२

अनेकसाह ती. १८६

अनेकसिध राजा ती १८६

अनेना प २८७
 „ ती. १७७
 अनेरण प ७८
 अनोपसिध प १३३, ३०६, ३२४
 „ ती २२३, २३६
 अपर डोडियो दू २०५
 अवडुला खा प १३१
 अवडुलो प ५६, ५७, ५८
 अवावकर सुलताण ती १६१
 अवुल फजल प १३०
 अभंगमसेन प ७८
 अभग सेन प. ७८
 अभीहड प. ३५२
 अभेकरन प. ३०१
 अभेचद ती १८०
 अभेमल पिथो रो ती १६०
 अभैराम प ३०७, ३१०, ३२३
 अभैराम ती. २०८
 अभैराम अखैराज रो प ३०२
 अभैराज धुधमार रो ती २१८
 अभैसिध ती २३३
 अभैसिध भाटी दू ११०
 अभो ऊदावत दू १४१
 अभो नेतनी रो प. २४०
 अभो भोजा रो प ३५४
 अभो साखलो दू १८१
 अभो सेखा रो प ३२७
 अमर प ३४३
 अमर जाडेचो दू २०६
 अमर तेज प. २६२
 अमरमाण प ३२४
 अमरवण प २८६
 अमरसिध प १६०, ३२२, ३२४
 „ दू. १६१
 „ ती ३६, ३७, २२३, २२४,
 २२८, २३३, २३५, २३६
 अमरसिध अणदसिधोत ती २०८

अमरसिध करणसिधोत ती २०८
 अमरसिधजी दू १४६, १५७, १६०,
 १६३, १६५, १६७, १६८, १६९,
 १८३, १८८, १९३
 अमरसिधजी कुवर प. २०६, २३८, २४०
 अमरसिध राणो प ६, १५, २४, २८,
 २९, ३०, ३१, ४८, ५३, ५६, ५७,
 ५९, ६२, ६३, ६४, ६२, ६५
 अमरसिध रामदास रो प ३०३
 अमरसिध राजा प १३३
 अमरसिध राजावत ती ३५
 अमरसिध राव ती १८२, २१४
 अमरसिध रावळ दू ६३, ६५, १०८,
 १०९
 अमरसिध सवळसिधोत ती ३५, २२०
 अमरसिध हरिसिधोत ती २४६
 अमरसी रावळ प. ७६
 अमरसी सोमावत प ३४१
 अमर सीहड रो प. ३४३
 अमरो प ६८, १५७, १५९, १६४,
 १६६, १६७, १७२, १७३, १६५,
 १६७, २१२
 अमरो दू. ३८, ८८, ६२, १२२, १७५,
 १७७
 अमरो अहीर प. ३१८, ३१९
 अमरो कल्याणमलोत ती २०६
 अमरो केतोवासोत दू १६८
 अमरो खगारोत प ३०६
 अमरो पिराण रो प २३८
 अमरो भांगोत दू १८६
 अमरो भाखर रो दू. ७६, १६६, १६८
 अमरो भोजावत प ३५६
 अमरो रतनावत दू १६३
 अमरो राणो दे० अमरसिध राणो ।
 अमरो राणो भालो दू. २५७, २६४
 अमरो रूपसी-भाटी दू १६८
 अमरो सोढो प ३६१

अमीरान पठाण हू २०५, २४०, २४१
 अमीरपाळ प. २८६
 अमीरमान दे० अमीरान पठाण ।
 अमृतपाल ती १८८
 अनेदसिध ती २३०
 अमरपण प २८६
 अमरपण ती १८६
 अमृतायु ती १७८
 अरजन रायमलोत ती ११५, ११६
 अरजन प २७, ३०, १६६, १६८,
 १६०, २६१, २८०
 अरजन हू ११, ८८, १३१
 अरजनदे प २६१
 अरजनदेव ती ५१
 अरजन भीरु रो प ३३५
 अरजन राणो मोहिल ती १७३, १६६
 अरजन, राय मालदे रो दोहीती हू ६८
 अरजनसिध प. ३२२
 अरजुण मूरमिघोत ती २०८
 अरजुन पाडव हू ३५, ३६
 अरठकमल प २०५
 अरठकमल कायलोत ती १५
 अरठकमल वडावत प ३४८, ३४९
 " " हू ३१२, ३२४,
 ३२६, ३२७, ३२८
 अरठकमल वडावत ती ३०
 अरघविष व १, ६
 " ती ३७
 अरमी प २२५
 अरमी राणो प १५, १७, ३२, ६८
 अरमी रायज प ७६
 अरमीह ममरमी रो प २०३
 अरराउ रायज प ७६
 अरिमरदन प. ७८
 अरमद ती १७८
 अरगेठ भाग्य हू १७
 अरं ती १७६

अर्जुन दे० अरजन व अरजुन
 अर्जुनदे राजा प. १२६, १३०
 अर्जुनपाळ राजा प १२८
 अर्जुनसिध ती. २२८, २२६, २३०
 अर्द्धचित्र वे अरघविष
 अर्घसोम ती १८५
 अर्धुव हू ३
 अलहयो हू. २१५
 अलखा प ३२७
 अलखो चादण रो प. ३१५
 अलण प २४७
 अलघरो काफिल रो प. २६४, ३३२
 अलफखा ती २७४
 अलमखां दे अलफखां
 अलाउदीन खिलजी प. ६, १४, १६३,
 २३०, २३१, २६२, २७६
 अलाउद्दीन दे अलावदीन पातसाह
 अलावदी प १४, २१३, २१६, २२०,
 ३३२, ३३५
 अलावदीन पातसाह ती २८, ५०, ५३,
 १८३, १८४, २६३
 अलावदीन सुलताण ती १६०, १६१
 अलावरदीखा ती २७७
 अलीखां हू १०३
 अलु प ४, ५
 अलंदियो हू २०६
 अल्लट महेन्द्र हू ४
 अयतारदे छीमरा रो प ३५५, ३६१
 अवलफजल प १३०
 अवयमेध राजा ती १८५
 अमकरी कामरा प. ३००
 असमज प ७८, २८८, २६२
 असमजन ती १७८
 अहमद प. २६२
 " ती. १७, १८, ५७
 अहमदगान ती. ५३
 अहमद चाहिल ती १७

अहमदशाह सुलताण ती १६१

अहिजन दू ७५, ७८

अहिनु प ७८

अहिताग प. २८८

अहिपय ती १८७

अहिराव ती २१८

अहीन ती १७६

आ

आनो खीची प २५३, २५४, २५५

आनो वाघेलो ती ५६, ६०, ६३, ६८,
६९, ७०, ७२

आवा मालावत दू १७७

आवो राजसी रो, राणो प ३४६

आईदांन दू ६६, २००

„ ती. २२७, २३३

आईदांन ईसरदासोत दू. १५१

आकडराय ती ५१

आकूतखां ती. २७६, २७६

आजमखां दू २५६

आजमखांन दू. २४०, २४१

आटेरण दू १७

आणंद प ३५२

„ दू ६५

आणदचद ती १८७

आणद जेसावत दू १७८

आणदसिध प २६६, ३०७, ३१८, ३१९

आदित्य राजा ती १८६

आदिसय ती १८५

आशभराय प २८८

आपमल देवडो प १७८

आपमलसूरा रो प २००

आसत्र प. २८६

आयसजी ती २८३

आयोतास प. २८८

आलण प १६२, १८६, २०२, २४७

आलण मादडेचो प २८४

आलणसी कुतल रो राजा प २६५,
२६६, ३३०

आलणमी मेहराज रो प ३४८, ३४९

आल राजा उदेचद रो प ३३६

आलुस रावळ प १२

आलू. दू ४, ५

आल्हण आसराव रो प १३५

आल्हण देवडो प २२५

आल्हण माणकराव रो प १७२, २०३,
२३०

आल्हणसी बीजड रो प १३४

आल्हणसी साखलो मेहराजोत दू ३२७,
३४८, ३४९

आल्हण सोहड प २२५

आल्हो चारण दू ३०४, ३०५, ३०६

आसकरण प २५, १६७, १६५, ३०५

„ दू ६४

„ ती १४७, १४८, २२१

आसकरण ईसरदासोत दू १८६

आसकरण कला रो प १६०

आसकरण खेतसी रो दू १२३

आसकरण जसहडोत दू ४३, ४४, ५१,
५४, ५६, ७४

आसकरण भालो दू २५६

आसकरण भावावत दू १८८

आसकरण भीमावत ती २१४, २१७

आसकरण राणो भालो दू २५६, २५७

आसकरण राजा प २६०, ३०३

आसकरण राव ती. ३६

आसकरण राव कांग्ह रो दू १३६

आसकरण राव चद्रसेनोत प ७५

आसकरण रावत प ११७

आसकरण राव पुगळियो दू १३०,
१३२, १३३

आसकरण रावळ प ७६

आसकरण लाडखान रो प ३२१

आसकरण सत्तावत ती. ३८, ३९

आसथान प. ३३३

आसथान राव दू २७६, २७७, २७८,
२७९

आसवान राव ती. २६, १७३, १८०

आसपन्ना प ३३०

आसमक राज प २८८

आसराव प १३४

„ ती २२१

आसराव कालण रो दू ३८

आसराव जिंदराव रो प १०१, ११६,

१३५, १७२, १८६, २०२, २०३,

२२६, २३०, २४७, २५०

आसराव धारावरोस रो प. ३५५

आसराव रतनू-चारण दू ५६, ७२, ७४

आसराव गिणमलोत ती ३०

आसराव सोढो प ३६३

आमल प. ३४३

आमल मोहिल ती. १५८, १७०

आमल लाखण रो प. २०२

आमादित प ३

आसायुद्धि ती. १८६

आसो प १२५, १६६, २३८, ३४३

„ दू ३८, ६३, १६४, १६५, १८८,

१६१, १६६, १६६

आसो (आसथान) दू २७६

आसो कचरावत प ३५७, ३६०

„ „ दू १७४

आसो बाभी दू २७६

आसो पूना रो प २००

आसो प्रागशासित दू १८४

आसो भीत ती ५३

आसो माना रो दू २६४

आसो रामचवोन दू १७६

आसो रायगानोत दू १४५

आसो वरजान रो प २३२

आसो परमिघोत दू १७३

आसो मदन रो प २८३

आसो मांवादासो प ३४६

आसो मोहिल ती १५८, १७०

आहूठमा नरेश प. ६

आहेड ती १५४

इ

इंदराव मोहिल दे इंदवीर राणो ।

इंद ती. १७७

इंदर किलग रो प ३३६

इन्द्रचंद प ३१६

इंदजीत प १२६, ३१०

इंदपाळ प २६०

इंदभाण प ६८, ३२१, ३२४

„ ती २३३

इंदभाण केसरीसिघोत दू १५७

इंदभाण जैतसी रो प. ३१५

इंदभाण पवार प ४४

इंद राजा परमार ती. १७५

इंदराव दे० इंदवीर राणो ।

इंदवीर राणो ती. १५३, १६६

इंदरसिंघ ती २२१, २२४, २२६, २३५

इंदरसिंघ मानसिंघ रो प. १३३

इंदरसिंघ राणावत ती. ३२

इंदरसिंघ रागर रो प २४

इंदरसिंघ प० २८७

इंदवाकु प. ७८, २८७

„ ती १७७

इंदुका प ७८

इंदवार प २८८

इंदमाइलगा दू १०४

ई

ईंदो प. १५३

„ दू. ३१४

ईतपाळ सोलकी प. २८०

ईलियो घावढो दू २०५

ईसर प. १६८, ३५१

„ दू ७८, १४४, १७८

ईसर कपूर रो प १२१

ईसर जेसा रो प १६६

ईसरदाम प. ६६, १६०, २८१

„ दू. १२०, १२३

„ ती ११८

ईसरदाम श्रवैराज रो प ३५४

ईसरदास उर्वेसिघोत दू. १३०, १३६

ईसरदास कल्याणदासोत दू. १५६

ईसरदास कूपावत प ३१८

ईसरदास खेतसीघोत दू. ६३, ६४

ईसरदास जीवा रो प २४१

ईसरदास जैमलोत प ३२८

ईसरदास भोपतोत दू. १६०

ईसरदास मानसिघोत दू. १६३

ईसरदास मोहिल ती. ३१

ईसरदास राणावत दू. १५१

ईसरदास राणो भोजराज रो प. ३५५,

३५६

ईसरदास रायमलोत दू. १८२, १८६

ईसरदास लूणकरण रो प. ३१६

ईसरदास धीरमदेओत दू. १६६

ईसरदास वैरा रो प २८१

ईसरदास सूजावत दू. १६१, १६२

ईसरदास सोढो प. ३६१

ईसरदास हरदासोत दू. १७६

ईसर पता रो दू. २००

ईसर वारहठ प. १५२

„ „ दू. २२३, २३६, २४६

ईसर रायपाळ रो प. ३५१

ईसर धीरमदेओत प ३२

ईसर सीसोदियो प १११

ईसरीसिघ ती. २२०, २३३

ईससिघ प. २६०

ईसो बांभण दू. ३५, ३६

ईहठ राणो प १२४

ईहठ सोळंकी ती. २५७

उ

उगमणसीह सिखरावत ती ३०

उगरसेन प ३२५

उगरो प १६३, १६८

„ दू. १२२, १६८

उगरो लिखमीदासोत प २३६

उग्रसिघ प २६६

उग्रसेण चन्द्रसेणोत प २३५, २३६

उग्रसेण नरमिघदास रो प ३१६

उग्रसेन प १६५, ३०४, ३०६, ३१७,

३२५

उग्रसेन भ्रजैवंधोत प २६२

उग्रसेन केसोदास रो प ३१४

उग्रसेन छत्रसिघ रो प २६६

उग्रसेन रावळ कल्याणमलोत प ७४,

७५, ७६, ७७ ८७, १२०

उद्यरग ती २२१

उणंगराव ती. २२२

उत्तम रावळ प ५, ७६

उत्तमरिख प १६३

उत्तमसिघ ती. २२४

उदग भोहा रो प. ३३६

उदग सीहठ रूपेचा रो प ३४२

उदतराज रावळ प १२

उदयसिघ करणसिघोत ती २०८

उदयसिघ महाराणा ती. १७३, २०७

उदयसिघ दे० उर्वेसिह मोटो राजा

उदयसेन ती १८७

उदयादित्य राजा ती १७६

उर्वेकरण राजा प ३१३, ३२६

„ दू. ६३

उर्वेकरण खवास रो प. ३२३

उर्वेकरण (जवणसी) जुणसी रो प २६०,

२६५, २६६, २६७, ३२६, ३३०

उर्वेकरण फरसरांमोत प. ३१६

उर्वेकरण रांमनारणोत प ३५८

ચર્વકરણ વેળીવાસ રો પ ૩૧૩
 ચર્વકરણ રાજા પ ૩૧૮, ૩૨૬
 ચર્વકરણ રાજા તી ૧૭૫
 ચર્વકરણ રાયમલોત તી ૧૦૨
 ચર્વકર પપ્રનેત્ર પ ૭૮
 ચર્વચ્ચ રાજા પ ૩૩૬
 ચર્વભાંણ પ. ૩૨૪, ૩૨૭
 „ ઢૂ ૧૬૦
 „ તી ૨૨૮, ૨૨૬, ૨૩૦
 ચર્વભાંણ ફેસરવાસોત ઢૂ. ૬૪, ૧૦૬
 ચર્વભાંણ દેવડો પ ૩૨, ૧૫૭, ૧૫૮
 ચર્વભાંણ ફરસરાંમ રો પ ૩૧૬
 ચર્વભાંણ રાયલ પ ૮૭
 ચર્વમલ પિયોરો તી ૧૬૦
 ચર્વરામ પ ૩૦૮
 „ તી ૨૩૬
 ચર્વરામ ગ્રાહ્ય તી ૨૭૬
 ચર્વસિંધ પ ૧૬૬, ૩૧૩, ૩૨૮
 „ ઢૂ ૮૦, ૮૧, ૧૬૫, ૧૮૪, ૨૦૧
 „ તી ૨૨૬, ૨૨૭, ૨૨૬, ૨૩૧
 ૨૩૭
 ચર્વસિંધ ઘલેરાજોત પ ૨૦૭, ૨૧૧
 ચર્વસિંધ ફીરતસિંધોત તી ૨૧૭
 ચર્વસિંધ કૂમા રો પ ૩૧૩
 ચર્વસિંધ લગાગોત પ. ૩૦૬
 ચર્વસિંધ ગોવાલ્લવાસોત પ. ૩૪૩
 ચર્વસિંધ જગમલ રો ઢૂ. ૬૮
 ચર્વસિંધ જૈમલ રો પ ૩૧૨
 ચર્વસિંધ ઢૂવોત પ ૧૬૬
 ચર્વસિંધ પજાદળ રો ઢૂ ૧૨૦
 ચર્વસિંધ ભગવાંનવાસોત ઢૂ ૧૭૨
 ચર્વસિંધ માવાયત ઢૂ. ૧૮૮
 ચર્વસિંધ મેરવવાસોત ઢૂ ૧૬૬
 ચર્વસિંધ માસદેધોત ઢૂ ૬૨
 ચર્વસિંધ મોટો રાજા પ ૧૪૨, ૧૭૦,
 ૨૦૮, ૨૧૦, ૨૩૨, ૨૩૩, ૨૩૮,

૨૪૧, ૨૪૨, ૨૬૭, ૩૦૦, ૩૦૩,
 ૩૧૨, ૩૨૬
 „ મોટો રાજા ઢૂ ૧૨૧ ૧૨૮
 ચર્વસિંધ મહારાજા જોધપુર તી ૧૮૨,
 ૨૧૪, ૨૧૭
 ચર્વસિંધ રાળો પ ૬, ૧૫, ૧૬, ૨૦, ૨૧,
 ૨૨, ૨૩, ૨૫, ૨૬, ૨૮, ૩૨, ૩૪,
 ૩૬, ૪૮, ૪૯, ૫૦, ૫૧, ૫૨, ૬૦,
 ૬૨, ૭૦, ૭૬, ૮૭, ૮૩, ૧૦૩,
 ૧૦૪, ૧૦૮, ૧૦૯, ૧૧૦, ૧૧૧, ૧૧૨,
 ૧૫૦, ૧૫૭, ૧૬૦, ૨૦૭, ૩૪૨
 „ રાંળો તી ૩૧
 ચર્વસિંધ રાયમલ રો ઢૂ ૧૨૩
 ચર્વસિંધ રાવ પ ૧૬૧, ૧૬૪
 „ „ તી ૩૬
 ચર્વસિંધરાવ રાયસિંધ રો પ ૧૩૫, ૧૩૮,
 ૧૩૮, ૧૩૯, ૧૪૧
 ચર્વસિંધ રાવલ પ ૭૬
 ચર્વસિંધ રાવ ઘાઘોત ઘીકૂપુર ઘણી ઢૂ.
 ૧૩૦, ૧૩૧, ૧૪૧, ૧૪૪
 ચર્વસિંધ ઘિજા રો પ. ૩૫૮
 ચર્વસિંધ ઘીઠલવાસ રો પ ૩૦૮
 ચર્વસિંધ સાહિબ રો પ ૩૫૮
 ચર્વસિંધ સુરજમલ રો પ ૧૦૬
 ચર્વસી તી. ૧૨૪, ૧૨૬, ૧૨૭
 ચર્વસીહુ અરસી રો પ ૨૦૩
 ચર્વોતસિંધ તી ૨૧૭
 ચર્વરણ રાજા પ ૨૬૭
 ચર્વરણ ઢૂ ૧૦૩, ૧૦૪, ૧૨૧, ૧૨૬
 ચર્વરણ અનયી પ ૧૨૩, ૧૨૪
 ચર્વરણ મેહલોત પ ૨૦૦
 ચર્વરણ મોજદેધોત પ ૨૩૧
 ચર્વરણ વળવીર રો પ. ૨૬૦, ૩૧૩
 ચર્વરણ સારગ રો પ. ૩૫૧
 ચર્વરણ પ. ૩૨૨
 ચર્વરણ પ ૩૩૭

उपल राजा ती. १७५
 उरक्रिय प २८६
 उरजण नरवद रो प. ५०, १०६, ११०
 उरजन प १६४, १६७, ३६२
 ,, हू ८०, ११६, १६६
 उरजन कचरावत हू १८५
 उरजन गोपालदास ऊहड रो हू. ६६
 उरजन नरवद रो दे० उरजण नरवद रो
 उरजन पचाइणीत प २३७
 उरजन महेसदासोत हू. १७०
 उरजन विहळ प २२४
 उरजन सत्तावत हू. १४५
 उरजन सोढो प ३६२
 उसै राजा प. २६३

ऊ

ऊगम प ३६१
 ऊगमडो ई दो प ३४६
 ऊगमडो ई दो हू ३४२
 ,, ,, ती २५१, २५६, २६६
 ऊगमसी रांणो दे० ऊगमडो रांणो ।
 ऊगो यिरा रो हू ३८
 ऊगो मेहवचो हू १६४
 ऊगो वरसी रो हू २, ८१
 ऊदळ भाटी हू ६६
 ऊदो प १६, १७, ३६, ५१, ५२, ६८,
 १०१, २३६, २८१, ३५१
 ,, हू ८०, ८४
 ,, ती २३५
 ऊदो ऊगमणावत ती २५२, २५६, २५७,
 २५८, २५९, २६१, २६२, २६३,
 २६४, २६५
 ऊदो करण रो प ३४३
 ऊदो कू भावत प ३६, ५१
 ऊदो गोगादेश्रोत हू. ३१७, ३१९, ३२०
 ऊदो घांद रो प. ३३१
 ऊदो जेंता रो हू. १४१

ऊदो जेंता रो प १६६
 ऊदो हू गरसीओत हू १७८
 ऊदो त्रिभुषणसीओत हू. ३१४, ३१५
 ,, ,, ती २४
 ऊदो भैरवदास रो प २४०, २४१
 ऊदो मांना रो प ३६०
 ऊदो मूजावत प ३४६, ३४७, ३५२
 ऊदो मूळावत हू ३००, ३०१
 ऊदो रांमावत प. १६६
 ऊदो रांमावत हू १६४, १७३
 ऊदो रायपाल रो प. ३५१, ३५३
 ऊदो रायमलोत प ३५६
 ऊदो राव लाखा रो प १३६, १४२,
 १५८
 ऊदो लाला रो प ३१८
 ऊदो सुरतांण रो सोळकी प २८१
 ऊदो सोळकी हू १०७
 ऊदो हमीर रो प ३५६, ३६०
 ऊदो हिमाळा रो प. २४४
 ऊवो साला रो प ३४१
 ऊनड जाम हू २१५, २१६, २३६, २३७,
 २३८
 ऊनड भाटी हू ३
 ऊनड मूळराज रो हू ५४, ६६, ६७
 ऊमजी ती. २३३
 ऊहो हू ६६

ऋ

ऋतुपर्ण ती. १७८

ए

एलविल ती १७८

ओ

ओभळ प १४
 ओठो हू. २०६
 ओढो वू २०६
 ओढो रांवण दोदो दे घोढो रावण दोदो ।
 ओसत राजा ती. १८७

औ

श्रीरगजेव पातसाह प २६
 ,, ,, ती १६२, २१४,
 २३८
 श्रीरगसाह आलमगीर दे श्रीरगजेव
 पातसाह ।

क

कँवरपाळ सोळकी प २६०, २६१
 कँवळ दे कमळ
 कँवरसाल भँखं रो प ३२५
 कँवरसी प ३५२
 कँवरसी ऊहडू दू १००
 कँवरसी राणो खोंवसी रो प. ३४६
 कँवळसी प. १२४
 कॅसेन प ७८
 कउकुस्त प २६२
 ककड प १४
 ककुत्थ प ७८
 कचरदास प. २७
 कचरो प. २००, ३४३
 कचरो दू ८८, १३१, १४३
 कचरो उर्वेसिध रो प. ३१२
 कचरो गोपदासोत दू. १८०
 कचरो जंसा रो प. २८, ६८ १६५, ३५७
 कचरो जंसेधवे रो प २३२
 कचरो देईदास रो प २३३
 कचरा पोयापत दू १६०
 कचरो मेहानळोत दू. १७४
 कचरो सतारचद रो दू १८४
 कचरो मागा रो प ३१५, ३१७
 कचराय राणो प. १२३
 कनकसिध प ३०६
 कनकमेन प ७८
 कनोदाग प ३०८
 कनोदाग ती २३३
 कनोदाग दलपतोत प २३५

कन्हू प. २८, १६२
 कन्हू पचायणोत प २१
 कन्हीदास (कान्हीदास) दू १२०, १५१
 कविल मुनि दू २१६
 कपूर प. १२१
 कपूरचद दासा रो प ३१८
 कपूरो मरहठोदू. ४७, ४८, ४९, ५०, ६७
 कमघज घुंघमार रो ती २१८
 कमरो प. ३००
 कमळ प ७७, १२२, १८६, २८०,
 २८७, २६२
 ,, दू. ६
 ,, ती. १७५
 कमलादित्य प १०
 कमालवी दू. ४६, ४७, ४९, ५०, ५१,
 ५२, ५४, ६६, ६७
 कमालवीन ती ३३
 कमालुदीन दे कमालवी
 कमो प. २७, ६८, ६९, १५६, ३४३
 ,, दू २१५
 कमो कल्याणदास रो प ३४३
 कमो केलण रो प १६८
 कमो घोरघार दू १२
 कमो बुध रो दू. १४०
 कमो भैरव रो प. १६६
 कमो मदा रो प १६७
 कमो रूपसी रो प. ३५६
 कमो सीसोदियो रतनसी रो प ५०
 कमो सोळंकी दू १०७
 कारण प. ५, १३, ३०३, ३१५, ३५३
 ,, दू. ६६, ८२, ८४, ९०, ११६,
 १२२, १२५, १८२
 ,, ती २२१
 कारण अखैराज रो प. ३५३
 कारण कान्हायत दू. १७७
 कारण गिरघरदासोत प ३०५

करण गेहलो प २६१
 ,, ,, ती. ५०, ५३, १८४
 करण वेईदासोत दू. १६६
 करण घोघो दू. २०६, २१०
 करण मानसिघोत दू. १६१
 करण रणमलोत ती. २२६
 करण रतना रो प. ३४३
 करण रामचंदोत दू. १५८, १६६
 करण राजा दू. १३६
 करण राव (वीकानेर) दू. १३२
 करण रावळ प. ३५२
 ,, ,, दू. १०, १४, ३६, ७५,
 ६६, १२१, १३०
 करण वरसल रो प. १६६
 करण सकतसिघोत दू. १५५
 करणसिघ महाराजा त. १८, ३१, १८०
 १८१, २०८, २१०
 करणसिघ राव ती. ३७
 करण सूरजमल रो प. ३६०
 करणादित प. ५, १२
 करणादित्य प. १०
 करणो डहरियो प. १३२
 करन प. १४, २१, ६३, ६६, ७०, १२८,
 १४२, १५६, १६१, १६४, १६६,
 १६७, १६८, १६९, २०६, २३८,
 २६०, २८०, ३०३
 करन कान्हा रो प. ३५२
 करन गेहलो प. २६१
 करन चतुरभुज रो प. ३४३
 करन पतावत प. ६७
 करन महाराजा प. १२८
 करन, रतनसी रो भाई प. २१
 करन राणो प. ६, १५, ३०, ३१
 करन रावळ प. ५, १३, ७६
 करन बीसावत प. १६८
 करम (करमसी) रावळ प. ७६

करमचंद प. २१, १०६, १२२
 ,, दू. ६६, ७६, ६१, ६६, १२४,
 २०१
 करमचंद अचळा रो प. ३२६
 करमचंद कल्याणोत ती. २०५
 करमचंद केलण रो प. २०५
 करमचंद जगन्नाथ रो प. ३०१
 करमचंद दासा रो प. ३१४, ३१५
 करमचंद नरहरदासोत दू. १६६
 करमचंद रावत ती. १७६
 करमचंद धरसिघ रो दू. १२७
 करमसिघ ती. २२५
 करमसी प. २६, १५६, २२६, ३२६
 ,, दू. १२४, २६४
 करमसी अचळावत दू. १८६
 करमसी आसियो खोवसरोत प. १६१
 करमसी अहड दू. १००
 करमसी कल्याणदास रो प. ३११
 करमसी खोदा रो प. ३४१, ३४२
 करमसी चहुवाण प. ६७
 करमसी बीवो प. १५६, १५७, १६८,
 १७४, १७६
 करमसी जसबीर रो प. २०३
 करमसी राजसी रो प. ३४६
 करमसी रायसिघोत दू. १६३
 करमसी रावत दू. ८६, ८७, ८८
 करमसी रावळ प. ७६
 करमसी लूणकरणोत ती. २०५
 करमसी बीकावत दू. १७३
 करमसी सहसमल रो प. ३२५
 करमसी सांखलो, हरिभक्त प. ३४२
 ३४६
 करमसेन प. २६, ३२४
 ,, दू. १२३, १५२, १८६, १६३
 ,, ती. २२३
 करमसेन राव दू. ६५

करमो प ६६, २४७

„ दू ८०, ८१

करमो सेखावत प १६५

करहीरो दू २२६, २३०

करहो घु घमार रो ती. २१८

कर्ण प २१, २८, १६०, १६२

कर्ण चाचगदे रो ती. ३३

कर्णदेव ती ५१

कर्मादित्य प १०

कलकी राजा ती १८७

कलकरण केलहन रो दू ११६, १४४

कलकरण केहर रो दू २, ७६, ७७, १५२

„ „ ती २०, ३४, १०४,

२२१

कलमव राजा प. २६२

कलस सर्मा प. ६

कलादित्य प १०

कलिकर्ण दे कळकरण

कलो प. ६७, १६७, १७१, १७२,

२३६, ३२६, ३४१

„ दू ७७, ८५, १४३, १६६

कलो छलैराज रो प ३२७

कलो केसोदासोत दू. १६८

कलो गांगावत दू १६१

कलो ठाकुरसी रो दू १६२

कलो भाटो दू ६६, ७७, ६६

कलो भुजयळ रो प १६४

कलो रतनावत दू १३८

कलो रामसिंघ रो प ३६१

कलो रामावत प १६६

कलो राममसोत दू. १८२

कलो राव मेराजळ रो प १४५, १४६,

१४७, १४८, १६०, २४६

कलो रावळ दू. ७७, ६३, ६६, ६८, १०४

कलोसिंघ ती १६०

कलो वरसिंघ रो दू १२७

कलो वीदावत ती १२४

कलो वीसळ रो प. २०१

कलो ससारचंद रो दू १८४

कलो सांवतसीप्रोत प. २३५

कलो साहरण रो प १०१

कलो सिवराज रो प ३५६

कल्याण प २७, २६०

कल्याण किसना रो प. ८७

कल्याणदास प २५, २८, ३०७, ३२७,

३४३

„ दू १५०, २६४

„ ती. २२५, २३६

कल्याणदास उग्रसेनोत प ३२०

कल्याणदास करणोत प. ३२०

कल्याणदास किसनदास रो दू १२७, १२८

कल्याणदास नारायणदासोत प. २४६, ३४३

कल्याणदास प्रथीराज रो प ३११

कल्याणदास भाणोत प. २११

कल्याणदास भाखरसीओत प. १६६

कल्याणदास भाटी ती १८

कल्याणदास राजघर रो दू. १७७

कल्याणदास राजसिंघ रो प. ३०३

कल्याणदास रायमसोत दू १७३

कल्याणदास राव दू ८६

कल्याणदास रावळ दू. ७६, ६८, १०२,

१०३

„ „ ती. ३५

कल्याणदास लाडखान रो प. ३२१

कल्याणदे राजादे रो प. २६४, २६५,

२६६, ३०१

कल्याणमल प. १५६

„ दू १००

„ ती. १०१, १०२

कल्याणमल उर्वकरणोत ती. १५१, १५२

कल्याणमल जैतमासोत प. २२

कल्याणमल फर्नासिंघ रो प. ३१८

कल्याणमल राव ती १७, १८, ३१,
 १८०, १८१, २०५, २०६, २०६
 कल्याणमल राव ईडर रो हू २५६
 कल्याणमल रावळ हू. ११
 कल्याणसिंघ प २६ ४५, ३०५, ३०६,
 ३२१, ३२३, ३२४
 „ ती २३५
 कल्याणसिंघ मानसिंघोत प २६१, २६६
 कल्लो प १६६
 कल्लो रायमलोत ती २१४, २२०, २७२
 कवरो प ३६२
 कवाट दे कंवाट
 कस्तूरियो मूघ (विजो ई दो) हू ३४२
 कश्यप प. ७८, २८७, २६२
 कश्यप ती १७५
 कहनी राजा प २६३
 कहवाट दे कंवाट
 कांगडो वलोच हू. ५५
 कातिसेन ती १८६
 कांयडनाथ जोगी हू २१४
 कांयळ प ६६, १६५
 कांयळ आलेचो प २१७; २१८, २१६
 कांयळ आलेचो (आलेचो) ती २६३,
 २६४
 कायळ कचरा रो प. १६५
 कायळजी ती १५, २१, २२
 कांयळ देवडो प २२४
 कांयळ भुजवळ रो प १६५
 कायळ मेहा रो प. ३४१
 कांयळ रिणमलोत हू ३३५, ३४२
 „ „ ती १६१, २२६
 कांयळ सिवदासोत हू १४५
 कान प. २७, ६८, १५६, १६०, १६१,
 १६३, १६४, १६७, २०५
 कान कसनावत हू. १६४, १७३
 कानड प. २८१

कानडदास प ३०६
 कानडदे प १४
 कानडदे भाटी हू. ५२, ५४, ६६, ६७
 कानडदे मेर दे कानो मेर
 कानडदे राव राठोड हू. २८०, २८१,
 २८२, २८३
 कानडदे रावळ प २०४, २१३, २१६,
 २१७, २१८, २१६, २२०, २२१,
 २२२, २२३, २२४, २२५, २३०,
 २३१
 ४०, ४१, ४२
 कानडदे सावतसीश्रोत सोनगरो हू ३६,
 ४०, ४१, ४२
 कानड भाटी दे कानडदे भाटी
 कान राव रायमलोत प २५६
 कान सीतोदियो प. ६६
 कानो प २००
 कानो आलेचो प २२४
 कानो खेतसी रो प ३६०
 कानो गोपाळदासोत हू १८६
 कानो चारण प. ३०७
 कानो मेर हू २७७, २७८
 कानो सोढो हू. १३५
 कान्ह प २१२, ३०७
 „ हू १५, ७७, ८१, ८८, ८६, ६३,
 ६६, ६७, ११६, १२३, १२४,
 २६२, २६४
 „ ती २६
 कान्ह अखैराज रो प. ३२७
 कान्ह कल्याणदास रो प. ३१२
 कान्ह कल्याणोत ती २०५
 कान्ह केल्हणोत ती ३०
 कान्ह तेजमालोत हू १२५
 कान्हड (जंस०) ती. २२१
 कान्हडदे राव ती २३, २४
 कान्हडदे रावळ प १४, १८१
 कान्हडदे सोनगरो ती. २८, १८४, २६३,
 २६४

कान्हू द्वाघत दू १६७
 कान्हू भगवतदास रो प २६१, २६६
 कान्हू भोपतोत दू १६१
 कान्हू राणो भालो दू २६५
 कान्हू राठोइ रायसलोत प ३२२
 कान्हू राय (कनपाल) ती १८०
 कान्हू राय जंसा रो दू १३६
 कान्हू राय पूगळ रो ती ३६
 कान्हू सहसा रो प ३१४, ३१६
 कान्हू सिध जंतसोयोत प. २३७
 कान्हू सिध रो दू. २६४
 कान्हू सूजाघत दू. १५१
 कान्हूदीम प ३२०
 कान्हूदीराम दे. कनोरांम
 कान्हो प. १५, २१, १२०, २३५, २४२
 कान्हो दू १७६, १६३, २००
 „ ती १६, २०, ३१
 कान्हो घांसाघत दू १७७
 कान्हो कोळी दू २५६
 कान्हो चू टाघत प. ३५३
 „ „ दू ३१०, ३१३, ३१४,
 ३३६
 कान्हो घांभणोत प २३६, ३५७
 कान्हो तेजसी रो प. ३५८
 कान्हो पचाइणोत प २०७
 कान्हो मेर दे कानो मेर
 कान्हो सावूळ रो प. ३१५
 कान्हो हमोरोत दू. १८०
 कान्होकाचद राजा ती. १८८
 कान्हो दे. कुपरो
 कान्हो दू. २१५
 कान्हू प ७८
 कान्हू राजा प. २६६, २६४, २६६.
 ३३२
 कान्होमदेव प २६०
 कान्हू प २८७

कान्हू प. २८७, २६२
 कान्हो प ३३७
 कामपति सर्मा प. ६
 कारतन राजा प. ३३६
 कालण रावळ दू १०, ३८, ३६, ६४
 काळमुधो दू. १०३
 काळसेन राजा ती १७५
 काळो गोहिल दू. ३२६, ३२७
 काळो घोर प २७२
 काळो टीघाणो दू. ३१४, ३१५
 काल्हण जेसळ रो दू. २, १५, ३६, ६२
 „ „ ती. ३३, ३४, २२१
 काश्यप प. २६२
 कासिब प. २६२
 किरतो आहिडोत ती. १५४
 किलग प ३३६
 किसन प. २७, १२१
 किसनचव प. ३१६
 „ दू ६२
 किसनचंद राजा ती. १८६
 किसन चू टाघत दू १४४
 किसनदास प १६०, १६४, ३१३
 „ दू ८८, ६०, १२३, १३६
 „ ती. २२६, २३१
 किसनदास अखैराजोत दू. १८७
 किसनदास करमचव रो दू १२७
 किसनदास पचाइण रो प ३०७, ३०६
 किसनदास मेघराज रो प. ३५६
 किसनदास रायमलोत दू. १५२
 किसनदास राव लूणकरण रो प. ३१६
 किसनदास सूजा रो प. ३१३
 किसन भाटी वळुओत दू. १०७, १२४,
 १३४
 किसन साहू प. १२६
 किसनसिध प. २५, ३१, २३५, २४७,
 ३०६, ३११, ३२०, ३२५, ३३०
 „ दू. ६५, ६७, १३३, १३६, १५१,

१६५, १६६, १६८, १७१, १७४
 , ती. २२३, २२४, २२५, २२८,
 २३०, २३१, २३२
 किसनसिंघ उर्वसिंघोत दू १५५
 किसनसिंघ खंगारोत प ३०६, ३०७
 किसनसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 किसनसिंघ जूभारसिंघ रो प. २९८
 किसनसिंघ रामचंदोत दू १५८
 किसनसिंघ राजसिंघ रो प. ३०३
 किसनसिंघ राजा ती. २१७
 किसनसिंघ रायसिंघोत ती. २०७
 किसनसिंघ रावत प ३१६, ३१७
 किसनसिंघ लूणकरणोत ती. २०५
 किसनसिंघ बाघावत प ३१६, ३१७,
 ३२०
 किसनसिंघ सादूळसिंघोत ती २१३
 किसनसिंघ साहिबखान रो प. ३३०
 किसनसिंघ हमीरोत प ३०५
 किसनो प १६, ६६, ८७, १५२, १६७,
 २३५
 ,, दू. ७७, ८०, ६६, १४३, १७४,
 २००, २६२
 ,, ती. ३७
 किसनो खींवा रो प. ३६०
 किसनो जगमालोत दू १६१
 किसनो जांभण रो प ३५२
 किसनो तेजसीओत दू. १६४
 किसनो नींवावत दू १५४, १६१
 किसनो मेहाजळोत दू १७४
 किसनो रांमावत दू १६४
 किसनो बाघावत ती. ३७
 किसनो सिंघ रो दू २६४
 किसोरदास प ३०७
 ,, दू ६६
 किसोरदास गोपाळदासोत दू १५८
 किसोरदास महेसदासोत दू. १५८
 किसोरसाह प. १२६

किसोरसिंघ प. ३१०, ३२६
 कीतपाळ प. २०५, २८०
 कीतू प. १३५, १६६, १८७, २०३,
 २४५, २४७
 कीतो प २८
 कीतो अचतारदे रो प ३५५
 कीतो गोगली दू ३
 कीतो सांडा रो प ३५४
 कीरतखां अलखा रो प. ३१५
 कीरतपाळ राठोड़ ती. २६
 कीरत-ब्रह्म रावळ प. ५, ७६
 कीरतसिंघ प २६८, ३११
 ,, दू. ६१, १६६
 ,, ती २२१, २२३, २३२
 कीरतसिंघ जैसिंघ रो प ३३०
 कीरतसिंघ ताजखान रो प ३२४
 कीरतसिंघ राजा जयसिंघ रो प २६१,
 ३३०
 कीरतसी राणी प १२३
 कीर्त्तिमत ती १८७
 कीर्त्तसेन ती १८६
 कील प १२४
 कीलणदे राजदेवोत प. ३३१, ३३२
 कीलू करणोत प. ३४७
 कुत प १२४
 ,, दू. ३
 कुंतपाळ प. २०३
 कुतल प ३३०
 कुतळ कीलणदे रो प ३३१
 कुतळ केलहणोत ती ३०
 कुतल माला रो प १२४
 कुतल राजा कल्याणदे रो प २६५,
 २६६
 कुतसीह प. १०१
 कुभ प २८७
 कुभकरण प ५४, १८८, ३२८
 ,, दू ६६, ३४३

कुंभकरण ती २३१
 कुंभकरण नाचावत ती ३७
 कुंभकरण खट्ट रो प २१६
 कुंभकन दे कुंभकरण
 कुंभकर्ण दे कुंभकरण
 कुंभो दू ६२, १२०, १२३, १२५, १८३
 १६६, १६६, २०१
 ,, ती २३४
 कुंभो ईसरदामोत दू १७६
 कुंभो कापलियो प २४८, २४६
 कुंभो किसनदासोत दू. १८७
 कुंभो खेराडो प २७६
 कुंभो चाचा रो दू ११७
 कुंभो जगमाल रो दू २८८, २६०, २६१,
 २६२, २६३, २६४, २६५, २६६,
 २६७, २६८
 कुंभो देवीदास रो दू ८४
 कुंभो नरसिंघ रो प १६६, १६७
 कुंभो पतावत दू १७१
 कुंभो मनोहरदासोत दू १६७
 कुंभो रांगो दू १५३, ३३६, ३४०
 ,, ती १, २, १३६, १४६,
 १५० १६१, १६२, २४८
 कुंभो घोरसिंघोत दू १७३
 कुंभो बीसारो प १६६
 कुंभरपाळ ती ५२
 कुंभर माडणोत प ३५४
 कुंभरो प. ३००
 ,, ती १६, १७
 कुंभर दू ३
 कुंभरताळी सुलतान प. २६२
 कुंभरबीन ममारग सुलतान ती १६१
 कुंभरबीन ती ५३, ५४, १६०
 कुंभरबीन दू २२४
 कुंभर तानारगी दे. कुंभरतारता सुलतान
 कुंभरबीन मुबारक गुमान दे कुंभरबीन
 ममारग सुलतान

कुंदाद सुलतान ती १६१
 कुमसी (कुंभरसी) रावळ प. ७६
 कुंभर-सुरथ प ७८
 कुंभर रावळ प १३
 कुंभरो ती २१८
 कुलखत प १२३
 कुळसिंघ रावळ प ८७
 कुवलयाश्व ती १७७
 कुश ती. १७८
 कुस प ७८, २८८, २६२, २६३, २६५
 कुसळचव प ३१६
 कुसळसिंघ प २०८, ३०५, ३०६, ३१०
 ३१७, ३२०
 ,, दू ६४
 ,, ती २२३, २३१, २३५
 कुसळसिंघ रायसल रो प ३०६, ३२४
 कुसळो दू १३३
 कुतळ चूडावत प ६६
 कुतळ सीसोदियो प ६६, ६६
 कूपो ती ८१, ८३, ८४, ६५, ६७, ६६
 कूपो अखेराजोत प २३७
 कूपो ऊवावत प ३६०
 कूपो मालावत दू. २८८
 कूपो मेहराजोत प. २०, २०७, २१२
 ,, ,, दू १७८, १८७, १६२
 कूपो प ३६१
 कूपो कछवाहो पुणसी रो प ३२६, ३३०
 कूपो गोपाळदेओत प ३४८
 कूपो गोपद रो प. २३६
 कूपो चव राजा रो प. ३१३
 कूपो देवराज रो प ३५६
 कूपो राणो प. ६, १५, १६, १७, ५१,
 ५३, ५४, ६१, ३४२
 कूपो रांसिंघ रो प ३४३
 कूपो बीरमदे रो प. ३४१
 कूपो सीहद रो प. ३४१

कूभो सृजा रो प. १६७
 कूभो सेखा रो प ३२८
 कृतंजय ती १७६
 कृपाळदेव ती. २१६
 कृशाश्व ती. १७७
 कृष्णादित्य प. १०
 केलण प. २०५
 ,, ती. ७२, २२१
 केलण तेजसी रो प १६३, १६८
 केलण झुजणसाल रो प. ३५५
 केलण भाटी दू ३१५
 ,, ,, ती. २०, ३४
 केलण राव प २०३, ३५३
 केलण रावळ दू. २, ३, १२, ७५, ७६,
 १००, १०६, ११२, ११३, ११४,
 ११५, १२६
 केलण वीसा रो प. १६८
 केलहण राव ती ३६
 केलहणराव केहर रो दू. ११२, ११४,
 ११५, ११६, १२६, १३७, १४०,
 १४१
 केलहण वीकावत ती. २०५
 कलहो दू ११२, ११३
 केवळदास गोयदोत प. ६७
 केवाघ प २६२
 केसर मिलक दू ४७, ४८, ४९, ५०, ५२
 केसरसिंघ प २०८
 केसरिदेव रावळ दू २८०
 केसरीसिंघ प २७, २८, २९, ४९, ११६,
 १६१, १६६, ३०१, ३०५, ३०६,
 ३०७, ३०९, ३१०, ३१३, ३२०,
 ३२८
 ,, दू ६५, ६७, १७६, २६४
 ,, ती २२६, २२७, २२८, २२९,
 २३०, २३१, २३५, २३६
 केसरीसिंघ अचळदासोत प ३५६
 ,, ,, दू. १५६

केसरीसिंघ करणसिंघोत ती २०८
 केसरीसिंघ ठाकुर ती १७६
 केसरीसिंघ दयाळदासोत दू. १४७
 केसरीसिंघ दूदावत दू १६३
 केसरीसिंघ भाटी सकतसिंघोत दू १०६
 केसरीसिंघ भोजराज रो प ३२३
 केसरीसिंघ राव ती. ३७
 केसरीसिंघ रावळ प ७६
 केसरीसिंघ लाढखान रो प ३२१
 केसरीसिंघ लूणकरण रो प ३१७
 केसवदास ती. २३१
 केसवदास देईदास रो प. २३३
 केसवदास भैरव रो प ३१३
 केसव सर्मा प ६
 केसवादित प. ३, ७८
 केसवादित्य प. १०
 केसो प १६६, १६६
 ,, दू १४३
 केसो उपाधियो प ३४४, ३४५
 केसोदास प २६, २७, ६५, ६८, १२८,
 १६३, १६८, २१२, ३०४, ३१५
 केसोद स दू ८८ १२१, २६४
 केसोदास अखैराजोत दू १५२, १८८
 केसोदास ईसरदास रो प १५२, ३५४
 केसोदास कीरतसिंघ रो प ३११, ३१४
 केसोदास खगारोत प ३०६
 केसोदास जगमालोत दू १७७
 केसोदास जसवत रो प १२०
 केसोदास जोपीदासोत दू ११६
 केसोदास द्वारकादास रो प १६१
 केसोदास नाथावत प. ३११
 केसोदास नारणदास रो प. ३२७, ३३२
 केसोदास नारायणदासोत दू २५६
 केसोदास पंचाइन रो प २३७
 केसोदास पतावत दू १७७
 केसोदास प्रागदासोत दू १८३
 केसोदास भाणोत प २११

केसोदास भाटी भारमल रो दू. ८४
 केसोदास मान रो प. १०६
 केसोदास मानवे रो प. ३१५
 केसोदास रामसिधोत दू. १६३, १६७
 केसोदास राव प. ३१५
 केसोदास बाघावत दू. ६०
 केसोदास सहसमलोत दू. ६७
 केसोदास सूरजमलोत दू. १८६
 केसोदास हमीरोत दू. १७६
 केसोदास हाडो प. ११७
 केसो मूहतो दू. १५८
 केसोराय प. १३१
 केसो लाडवांन रो प. ३२१
 केसोसेन राजा ती. १८६
 केहर दू. ४६, ५०, ११६, १५२
 केहर रांगो भालो दू. २६५
 केहर रावळ दू. १, २, १०, १४, १५,
 १७, ५०, ५३, ६३, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ८२, ११२, ३२५
 .. रावळ ती. ३४, २२१
 केकमरो लमकरी प. ३००
 केमास दाहिमो ती. २६
 केरव ती. १५३, १५४
 केवाट दू. २०२, २०७
 केजो चूटा रो प. ३५१
 केतो गपत ती. १७६
 केळीमिध प. १५१, १५२
 केरव दे केरव
 केमल्य प. ७८
 केमामान ती. २७३, २७४
 केमराय प. २८६
 केमांगराज प. २८६
 केन बानेमवर प. १६१, १६२
 केन प. २७८
 केमगाळ प. २८६
 केन ती. १७६
 केमराज ती. ५०

कुद्रक ती. १८०

कुद्रकराय प. २८६

कुमध्वनि दे कुमधुनी

० ख

खगार प. १५, २७, ३६, ४७, ८६,
 ६२, १५०, १५५, ३१३

.. दू. ८१, १२३, १२४, १४०, २०६
 २१५, २१६, २१८, २१९, २२०,
 २२१, २२२, २२३, २४१

खगार जगमालोत प. ३०४

खगार तेजमाल रो दू. १२५

.. .. ती. ३७

खगार जांभण रो प. २४०

खगार देवा रो प. ३६३

खगार भगा रो, भील प. ४७

खगार भाटी नरसिध रो दू. १०७

खगार राव दू. २०२, २३८, २३९, २५४

खगार रावत रत्नसीधोत प. ३६, ६६

खगार राहिय रो प. ३५८

खगारसिध ती. २३१, २३२

खगारो हमीर रो प. १५

खगारो प. ३५२

खगारो घोरी ती. ५६

खटवांग ती. १७८

खडगल तुवर प. ३२०

खडगसिध ती. २३२

खडगसेन प. ३१२

.. ती. २२३, २२८

खरहय दू. गरीती रो प. ३२६, ३५६

खरहय बाला रो प. ३२६

खलमल घोरी ती. ५६

खवासण धाड भाई प. ७१

खालेराय प. ३३१

खान दू. ३००, ३०१

खान खानो प. ३२५

खान दोरी ती. २७८

खान नापा रो प. ३३१
 खानजिहां प २६६, ३०५, ३२१
 ३२२, ३२६
 खान मिरजो ती ६६, ७०, ७१, ७२
 खान हवीध प ३०७
 खानजहां दे खानजिहां
 खापू थोरी ती ५६
 खाफरो चोर प २७२, २७३, २७४, २७५
 खिजरखां लोदी ती १६१
 खिलचखां ती १६१
 खिलजी प ६, १४
 खींदो प १६६
 ,, ती. १४५, १४६
 खींदो गोयंद रो प. १६५
 खींदो वारहट हू ११८
 खींदो बेरा रो प ३४१, ३४३
 खीमरो दुजणसाल रो प ३५५
 खीवकरण प ३२५, ३२८
 खीवराज प. १६३
 खीवराज खिडियो प. २०, ४८, ६६
 खीवराज घघवाडियो प ६०, १८०
 खीवसी रांगो अणखसी रो प ३४६, ३५०
 खीवसी सुरतांगोत प ३४३
 खीवो प. १६, ६१, ६२, १०१, १४५,
 १५१, १५३, १६०, १६६, १७१,
 १६५, २०७
 ,, हू ८१, ८४, १२२, १२४, १४३,
 १६६
 खीवो करण रो प ३६०
 खीवो जसहट रो प ३४७
 खीवो जेठवो हू २२१
 खीवो राव हू. १८४
 ,, , ती. ३७
 खीवो रावत सेखावत हू. १२१
 खीवो वरजांगोत हू. १६२
 खीवो सोढो प. ३६१
 खीवो सोनगरो हू १२७

खीटवाळ हू १, ६
 खीमपाळ ती २१६
 खीमराज दे. खेमराज
 खीमरो प ३५५
 खीमो ती. २३५
 खीमो ऊदावत ती. १००, १०१
 खीमो मुहतो ती ६५, ६८, ६९
 खीमो राव पोकरणो ती १०३, १०४,
 १०७, ११०, १११, ११२, ११३,
 ११४
 खीर हू.
 खीरथुर प ७८
 खीरज प ७८
 खुधु प ७३
 खुमांगसिध रावळ प ७६
 खुरम प. २४, २६, २८, २९, ३०, ४८,
 ५३, ५६, ५८, ५९, ३०१
 खुरम साहजादो हू १४८, १५२, १५६,
 खुशरो दे खुसरु सुलतांग
 खुसरु सुलतांग ती १६१
 खूंट (चारण) हू २०२, २०३
 खूमांग रावळ बापा रो प. ४, १२, ५६,
 ७८
 खेकादित्य प १०
 खेढो घानर प २५०
 खेतसी प. १५, २३६, ३४३
 ,, हू ८५, १०४, १०५, १०६, १८५
 खेतसी अरडकमलोत ती १६, १७
 खेतसी ऊदा रो प. २४१
 ,, ,, ,, हू. १७३
 खेतसी किसनदासोत हू १८७
 खेतसी जाडेचो हू २०६
 खेतसी जीसघवे रो प ३५२
 खेतसी तेजसी रो प ३५७
 खेतसी घांघू प १५२
 खेतसी नेता रो प. ३५२
 खेतसी मडळीक रो हू. १२१

खेतसी महोरावण रो प ३६०
 खेतसी मालदेघ्रोत दू ६, ६३, ६४, ६५,
 ६६, ६७
 खेतसी मालदेघ्रोत ती. ३५, २२०
 खेतसी राणो प १५
 खेतसी रांम रो दू १४१
 खेतसी राव दू १३२
 खेतसी सादूळोत दू. १६८
 खेतसीह रतनसीहोत प ६७
 खेतसीह रतनसीहोत ती. ४१, ४२, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८
 खेतो प. ६, १५, १६, ५६, २५०
 ,, दू ७५, ७७, ८१, १४३
 खेतो कांपलियो प २४६
 खेतो तेजा रो प ३५२
 खेतो परघत रो दू ८१
 खेतो भाटी दू ६६
 खेतो रांणो प ६
 खेतो रांणो दू ३२५
 खेतो सहसमल रो प ३५२
 खेमघन प. ७८
 खेमघुनी ती १७८
 खेमराज प २५६
 ,, ती ४६
 खेम सर्मा प ६
 खेमादित्य प १०
 खेमो किनियो-चारण ती. ६१
 खेजूजी ती २७६
 खैराज परहय माला रो प ३२६
 खैराज रावत कीलणदे रो प ३३१
 खोगर द ३१०
 खोटोषाळ दू. ६
 खोहराय प १८५

ग

गंग ती १५३
 गग राणा बाह रो दे. घणसूर
 गगादास प ४३, ४६, ३५८
 ,, दू ८०, १६८
 गंगादास वरसल रो प ३५३
 गगादित्य प १०
 गगाधरादित्य प १०
 गजमादित्य प १०
 गद्रपसेन राजा ती. १७५
 गधपाळ प. २६०
 गधंसेन दे. गद्रपसेन राजा
 गध्रपसेन प ३३६, ३६८
 गजनीखान दू ६७
 ,, ती. १२४, १२५
 गजनी पातसाह दू ३३
 गज सर्मा प ६
 गजसिध प. १६, २६, २७, ६८, १३३,
 १६१, १६७, २२७, २३३, २४७,
 २६६, ३००, ३०१, ३०८, ३१५,
 ३२८, ३४२
 ,, दू १३४, २५७
 ,, ती २२१, २२५, २२६, २२७
 गजसिध केसोदासोत प ३१०, ३११
 गजसिध कुवर दू १५५, १६६, १६४
 गजसिध जोषा रो प ३५६
 गजसिध महाराजा (जोधपुर) दू ११०
 ,, ,, ती १८२, २१४
 गजसिध महाराजा (वीकानेर) ती. ३२
 १८०, १८१, २०८
 गजसिध राजा प ३२५, ३४२
 गजसिध राजा दू ८१, ६८, १५६
 गजसिध हरनाथोत प ३२३
 गजू श्रवतारदे रो प. ३५५, ३५६
 गजंसी प. ३४२
 गजो भाभा रो प १६२

गजो रिणमल रो प १३६
 गङ्ग प १६
 गणेशदास राव ती ३६
 गदाकर प २६२
 गयासुदीन तुगलक साह ती १६१
 गयासुदीन बलबड ती १६१
 गयासुदीन बलबड (बलवन) दे० गया-
 सुदीन बलबड
 गरीबदास प ३१, १५८, ३२५, ३२८
 ,, दू. ६२
 गरीबनाथ जोगी दू २०६, २१०, २११,
 २१२, २१४
 गहनपाळ प. १३०
 गहर राव दू २०२
 गहरवार प. १२८
 गांगो प ७६, १३७, १४१, १५६, ३४३
 ,, दू ७५, ८१, ८८
 गांगो किसनावत दू १६७
 गांगो खोर्वे रो दू. १२१, १२२
 गांगो गोयद रो प ३५६
 गांगो चापा रो (बोपा रो ?) प ३५५,
 ३५८
 गांगो डूगरसीओत ती. ८४
 गांगो नरसिंघ रो प. ३४३
 गांगो नौवावत दू. १५४, १६१
 गांगो भाखरसी रो प ३६३
 गांगो भाटी धीरमदेओत दू १००
 गांगो भैरवदास रो प २४१
 गांगो राव ती ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८, ८९, ९०, ९१,
 ९२, ९३, ९४, १८२, २१५
 गांगो रावळ प ७६
 गांगो घरजाओत दू. १६२
 गांगो हमीर रो प ३५८
 गाडण सहजपाळ प. २२५
 गात्रड प. ५, ७६
 गात्र रावळ प १२

गारियो दे० गाहरियो
 गालण राव प २५३
 गालवदेव सर्मा प. ६
 गालव सर्मा प ६
 गालवसुर सर्मा प ६
 गाहड दू २, ३३
 राजा गाहडदेव (गाहडवे) ती. ४६
 गाहर राव दे० गहर राव ।
 गाहरियो दू. २०२, २०६
 गिरधर प २७, ४६, ७६, ३०७, ३०८,
 ३१६, ३२२, ३२५, ३२७, ३२८,
 ३४३
 ,, दू ८८, ६५, ६७, १२२, १२३
 गिरधर अचलदास रो प. ३०७, ३२५,
 ३२७
 गिरधर कूभार प ३५३
 गिरधर चादावत ती. २४६
 गिरधरदास प ३२६, ३४३
 गिरधरदास दू १८५
 गिरधरदास नराइणदासोत प. ३०५,
 ३२६
 गिरधरदास माधोदासोत दू १४६
 गिरधरदास रायसलोत प. ३२१, ४४३
 गिरधरदास सुरजनोत दू १८५
 गिरधर भाटी गोवरघनोत दू १०६
 गिरधर राजा प ३२६
 गिरधर रावळ प ७६
 गौवो प. २५३
 गोगन राणो दू २६५
 गुणरग मंडळीक प. १२३
 गुमानसिंघ ती २२७, २३१
 गुर्गक्रिय ती १७६
 गुरु गोरख दे० गोरखनाथ
 गुर्गप्रिय दे० गुर्गक्रिय ।
 गुलालसिंघ सिरदारसिंघ रो प १२१
 गुहादित्य प ३, ७
 गुहिल प. १

गूगो जगदेव रो प ३३७
 गुंटराज प २५६
 ,, ती. ४६
 गूडो प १२७, १२८, १३१
 गूदळराय खीची, प्रथीराज रो सांवम
 प २५१, २५२, २५३
 गूवडसिध आणवसिधोत ती २०८
 गेचव प. ३३८, ३३९
 गेमल गजसिधोत ती ३०
 गंहलडो प. ३३७
 गोइददास दे० गोयवदास ।
 गोकळ दू० १४०, १७४
 गोकळदास प. २६, ६६, २०८, २०९,
 ३०६, ३१२, ३१६, ३२५
 ,, दू. ६७, १२०
 गोकळ पेंवार प ३४३
 गोकळ पत्तायत दू. २००
 गोकळ रतनू दू. ६, ३१
 गोकळ सोडो प ३६१
 गोग रांणो दू. २६५
 गोगादे ऊगमणोत ती. ३१
 गोगादेजी प ३४७, ३४८, ३४९, ३५०
 गोगादे घोरमोत दू ३०४, ३१२, ३१७,
 ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२,
 ३२३
 गोगादे घोरमोत ती ३०
 गोगाराम प ३२३
 गोगो प १३५
 गोगोजी चतुषाण ती ६२, ७२, ७३, ७४,
 ७५
 गोतम दू ६
 गोतमादित्य प १०
 गोदभ प ३३६
 गोदगोदिय प १०
 गोदमोत तर्मा प ६
 गोदो राजनिघोत ती ३०
 गोराज प. १७, ३२६

गोपाळ दू. ७८
 गोपाळ कांन्हा रो प. ३५२
 गोपाळ खेतसी रो प. ३६०
 गोपाळदास प. २६, ६८, १६१, २३६,
 ३०१, ३१३, ३१७, ३४३, ३६२
 ,, दू. ८१. ६१, ६२, ६३, ६५,
 १०८, १२२, १२८, १६१, १६७
 ,, ती. २३०, २३१, २३२
 गोपाळदास आसावत दू. १४५, १४६
 गोपाळदास ऊहड प. २४३
 ,, ,, दू. ६६, १०० १०२,
 गोपाळदास कल्याणमलोत ती. २०६
 गोपाळदास किसनदासोत प १५२
 गोपाळदास गिरघर रो प. ३२२
 गोपाळदास गोड प ३०१
 ,, ,, ती. २७२
 गोपाळदास जेसावत दू १४६
 गोपाळदास घनराजोत दू. १२२
 गोपाळदास नायावत प. २६०
 गोपाळदास प्रथीराज रो प. ३०६
 गोपाळदास भाटी आसावत प. १६१
 गोपाळदास भोंवांत दू. १६४
 गोपाळदास मांडणोत दू. १६७
 गोपाळदास मेरावत दू. १८८
 गोपाळदास रांणावत दू १६८
 गोपाळदास राठोठ दू २०१
 गोपाळदास सहसमल रो प. ३१४, ३१७
 गोपाळदास सांयतसीघोत प २३४
 गोपादामळ सुवरदासोत दू. १५२
 गोपाळदास सुरताणोत दू ६८
 गोपाळदास सूजायत ती २७४
 गोपाळदे प ३४६
 गोपाळदे मोंघल प २५७
 गोपाळ राय प. १५३, २५६
 गोपाळसिध प ३०१
 गोपाळ सूजा रो प ३२५, ३२६
 गोपिड प. ३३६

गोपीचन्द राजा ती १८६
 गोपीनाथ प १२०, ३०५, ३१५, ३१६,
 ३२६
 गोपो प १६
 „ हू १२, १७४
 गोपो अखैराज रो प २३८
 गोपो गंगादास रो प. ३५३
 गोपो देवडो हू १००
 गोपो रामा रो प ३५७
 गोपो रावळ प १६, ७६, ८६
 गोपो राव धीकू पुर ती. ३६
 गोपो रिणमलोत हू १४१
 गोयद प १२, १७, ७८, १६४, १६५,
 १६६, ३२६
 „ हू ७७, ८०
 „ ती. ११४
 गोयद ऊदा रो प. ३६०
 गोयद ऊहड हू, १००
 गोयद कूपावत ती १२३
 गोयद खगार रो प ६६, ६२, ६३
 गोयददास प ६६, १६४, १६५, १६७,
 २३४, २३८, २३९, २४३, ३०८
 „ ८८, ६४, १२२ १२३, १२५,
 १८३, १८६, १८८
 गोयददास आसकरणीत हू. १३६
 गोयददास ईसरदास रो प ३५४
 „ ईसरदास रो हू १०६]
 गोयददास उग्रसेनोत प २५६, ३२०
 गोयददास किसनावत हू. १६७
 गोयददास जेसावत हू १५०
 गोयददास तेजसी रो प ३५४
 गोयददास देवडो देवीदास रो प १४३
 गोयददास पचाइणीत हू ११६
 गोयददास प्रताप रो प १५६
 गोयददास बलभद्रोत प ३०७
 गोयददास भाटी हू ८१, १००, १५०,

१५५, १५८, १६१, १६२, १६३,
 १६६, १७४, १८६, १८३, १८४,
 १८६
 गोयददास मानावत हू १५४
 गोयददास लखावत हू. १६१
 गोयददास सहसमल रो हू ६६, १५६
 गोयददास सूरजमलोत हू १२८
 गोयददास हमीरोत हू. १८०
 गोयद देवडो हू १००
 गोयद राजघर रो प ३५६
 गोयदराज सोळकी प २८१
 गोयदराव प २५१
 गोयद रावळ प १२, ७८
 गोयद सर्वातसी रो हू ७८
 गोयद हमीर रो प ३५८
 गोरेखदान (कतर) ती २२७
 „ (गंडाप) ती २२७
 गोरेखनाथ हू २११, ३२०
 „ ती ७६
 गोरेखन गिरघर रो प ३२२
 गोरेखन रामसिंघ रो प ३४३
 गोरो प २५२
 गोरो राधावत पडिहार प १५२
 गोरो सोनगरो ती. २८०, २८६, २६०,
 २६१
 गोवद रावत खगार रो प ६२, ६३
 गोवरघन प ६८, १६०
 „ हू ६५, १२२, १२३, १८६
 गोवरघन कूभा रो प ३४१
 गोवरघनदास प ३१६
 गोवरघन सर्मा प ६
 गोवरघन सुंदरदासोत प ११७, १२५
 गोवरघन सोडो प. ३६१
 गोवरघनादित्य प १०
 गोविंद कवियो-चारण ती. २७०
 गोविंदचन्द राजा ती १८६

गोविंददास प ३०४, ३०८, ३१६, ३२६

,, ती २३१, २३२, २३४

गोविंददास उग्रसेनोत्त प. ३२०

गोविंददाम चक्रभद्रोत्त प ३१८

गोविंददास भाटी दू २५३

गोविंदपाल राजा ती. १८८

गोविंद राजा ती. १८६

गोविंद सर्मा प. ६

गोविंदादित्य प १०

गोशील दे० गोसील राणो ।

गोसील राणो ती. १७५

गोतम प २६३

ग्यानसिंघ प ३००

ग्रहादित प ३, ७८

ग्रहादित्य प १०

व

वडसी प २३१

वडसी रतनसीधोत दू, २८८

वडमी रावळ दू १०, १३, ५२, ५३,

५४, ६६, ६७, ६८, ६९, ७०, ७१,

७२, ७३, ७४, ७५, ११२, ११३,

२८५

,, ती. ३४, २२१

वडसी रायमलोत्त दू १८६

वडमी षोकायत ती. २०५

वडसी सोडो प ३६१

वणर दे० वणमूर

वणमूर (गंगा चाहरी येटी) ती. १५३,

१६६

वणादित्य प १०

वाघदे (राजा) ती. ४६

वाघदे ती ४६

वोघो वसतारदे रो प. ३५५

च

चंडो प १६

चंद प २८७

चंद उधरण रो प. ३१३

चंदगिर प. २६०

,, ती. ५०

चंद राणो परमार ती. १७५

चंदराज प ३५८

चंद राजा प. ३१३

चंदराव दू. ७६

चंदेल घुंघमार रो ती. २१८

चंदो प. २६, १४२, १७३

चंदो राव ती. २४८

चंद्रपाल राजा ती. १८८

चंद्रभाण प. ३२७, ३२८

चंद्रभाण जैतसी रो प ३१५

चंद्रभाण दुरजणसाल रो प ३०५

चंद्रभाण परसोतम रो प. ३२३

चंद्रभाण रामसिंघोत्त प. ३२०

चंद्रभाण सावळदासोत्त प १०२

चंद्रभाण हिरवैराम रो प. ३२४

चंद्रमिण प १३०

चंद्र राजा प. १३०

चंद्रराव प २५१

,, दू १६८

चंद्र रावळ प. २०४

चंद्रव रतन-वारहठ दू. ५४

चंद्रशेखर कवि ती. २६६

चंद्रसेन ती. २३०

चंद्रसेन राव प. २३, ७८, १६४, १६८,

२०८, २३७, २३९, २४३, २६०,

३५६

,, राव दू. ६७, ११६, १२७, १३२,

१४५, १६१, १६३, १६७, १६८,

१६९, १७५, १८६, १८४

,, ,, ती. १२८, १८२

चद्रसेण राजा उद्धरण रो प २६७
 चद्रसेण पता रो प ३५५
 चद्रसेन प ७८, २६०
 चंद्रसेन हू १३४
 चद्रसेन भालो हू. २५६, २६३
 चंद्रसेन भालो मानसिध रो हू. २५६
 चद्रसेन द्रुवसेन रो प. २६२
 चद्रसेन भगवतदासोत प २६१
 चद्रसेन भाटी हू ८१
 चद्रसेन राणो रायसिध रो हू २५४.
 २५५, २५६

चप ती. १७८
 चंपक दे० चप ।
 चपतराय प १३१
 चपराय प ११६
 चकतो भोपत रो ती. ३७
 चक्रसेन प. १२७
 चतुरग प २८६
 चतुरभुज जोगीदासोत हू १८५
 चतुरभुज रायसिधोत हू. १६४
 चतुरसिध प. ३२१
 चतुरसिध भगवत रो प. ३२६
 चतुरसिध (रावतसर) ती. २२६
 चतुरसिध रूपमी रो प. ३०६, ३१२,
 ३२१, ३२३
 चतुरसिध हररांमोत प. ३२४
 चतुर्भुज (रगाईसर) ती. २२६
 चत्रभुज प. २८, ६६, १३३, २६०, ३०८,
 ३१८, ३२५
 चत्रभुज दयाळदासोत ती. २१३
 चत्रभुज प्रथीराजोत प. ३११
 चत्रभुज मालदे रो प. ३१५
 चत्रसाल प. ३१५
 चरही ती. १४०
 चरडो चद्रावत हू. ३४२
 चहुवाण प. ११६

चहुवाण ती १५३, १६६
 चादण प ३१५
 चांदण त्रिडियो हू ३३३, ३३४
 चांदण सोढो प ३६३
 चांदराज जोधावत ती ११६, ११७, ११८
 चादराव अरडकमलोत ती १४०
 चाद, राव जोधा रो प ३५७
 चादराव रतनसी रो प ३५८
 चादराव बाघोत हू १४६
 चांदरो भीमसी रो ती २३६, २४०, २४७
 चादसिध प. ३२३
 चांदसिध (लाविया) ती २५३
 चादसिध सूरसिध रो प ३००
 चांदसे (चद्रसेन) प. ७८
 चांदो प १५४, १५५, १५६, १५७,
 १५८, १६४, १६८
 ,, हू ६५, ६६, १४२, १६७
 चांदो खीची हू १८६
 चांदो गांगा रो प ३६३
 चांदो चूडावत ती ३१
 चांदो जगमाल रो हू ६८
 चांदो थोरी ती ५१, ६१, ६३, ६५,
 ६६, ६८, ६९, ७०, ७१, ७५, ७६,
 ७७, ७८, १२१
 चांदो नारण रो प ३५८
 चांदो माडण प. २४३
 चांदो मेहवचो हू ६५
 चांदो रायमलोत हू. १२३
 चांदो रावत हू १२२
 चांदो त्रिहृष्ट प २२४
 चांदो सूजा रो प ३२५
 चानणदास (चांदण) दासा रो प ३१४,
 ३१५
 चानण दासी रो प ३१५
 चांपो प १६३, १६७
 ,, हू १४४

चापो नगादास रो प ३५३
 चापो देतो हू १६
 चापो तेजसी रो प ३५७, ३५८
 चापो पूना रो प २००
 चापो वालो हू २०५
 चापो भाखसी रो प ३५६
 चापो राणो हू. ६
 चापो सामोर चारण ती १६८
 चामडराय प २५२, २५६
 चायडवे हू. ३२
 चाच प २६१, २८०, २८८
 चाच हू १५
 चाचग घासथान रो ती २६
 चाचगदे प ३६३
 चाचगदे करमसी रो, रावळ प २०३,
 २०४
 चाचगदे कालण रो, रावळ हू १०, ३८,
 ३६, ६२
 ,, कानण रो, रावळ ती ३३, २२१
 चाचगदे घेरसी रो हू ११, ४२, ४३
 चाचगदे सोई रो प. ३५५
 चाचग घीरम रो प. ३४०
 चाच राणो प १२३
 चाच मोळकी प. २६१, २८०, २८८
 चाघो प १५, १६
 चाघो हू ३३८, ३३६
 ,, ती १३४, १३५, १३६, १३७,
 १३८, १४६
 चाघो गाना रो प ३५८
 चाघो वेल्लण रो हू ११६, ११७, १२६,
 १३७
 चाघो पूना रो हू. ६६
 चाघो गाय ती ११३
 चाघो राय (पण्ड) ती ३६
 चाघो रायड ती ३४, ३५
 चाघो रायड घेरमो रो हू ११, ८०,

८२, ८३, ६२
 चाघो सिवा रो प ३५१
 चाघो सीसोदियो ती. १३४, १३५, १३६
 चापोत्कट हू २६६
 चामडराज प. २५६
 चामड राजा ती ४६
 चामुडराय ती ५०
 चामडराय दाहिमो प २५२
 चाय प ११६
 चालुक्य हू २६६
 चावडराज प. २६६
 चावडो प २०४, २६०
 चावोटक दे० चापोत्कट ।
 चासळ थोरी ती. ५६
 चाह चहुवाण रो ती. १५३, १६६
 चाहडवे प. १८६
 चाहुवाण प ३६५
 चित्ररथ राजा ती १८५
 चित्रसेन राजा ती १८७
 चित्रागव मोरी ती. २८
 चित्रागव राजा परमार ती. १७५
 चिराई चारहठ आसराय रो हू ७४
 चीगसला हू २०२
 चीवो प. १६६
 चीर सर्मा प ६
 चूटराय प २५६, ३४३
 ,, ती ४६
 चूडराय देला रो प ३४१
 चूडो जसहठ रो हू ३०४, ३०५, ३०६,
 ३०७
 चूडो राय प. १५, १६, ३४७, ३४८,
 ३५०, ३५३
 ,, राय हू ६५, ८४, ११४, ११५,
 २८५, ३०८, ३०६, ३१०, ३११,
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
 ३२४, ३२८, ३२६, ३३६

चूडो राव ती. ३०, १२६, १८०

चूडो लाखावत रांगो प ६६

” ” ” दू ३३१, ३३२,

३३३, ३३४

चूडो हरभम रो प ३५१, ३५२

चूडातमो दू १, १६

चैनसिध (कुभाणो) ती २२८

चैनसिध (गेमल्यावास) ती. २३५

चैनसिध (भेळू) ती. २२५

चोयो रजपूत ती. १२६

चोरंग राव प. २२६

चोरासी-मिलक प ८०, ८१, ८२

चोहथ प. २००

चोहिल सूत्रधार प ३५३

चोहथ इंदो ती. १३३

च्यवन प. ७८

छ

छतरसिध दे० छत्रसिध (कतर) ।

छत्रपति शिवाजी प. १५

छत्रराज प २८६

छत्रसिध प. ३२६

छत्रसिध कछवाहो प. ३१, ३०५

छत्रसिध (कतर) ती. २२७

छत्रसिध माघोसिध रो प २६६

छाजू चदावत ती. २४०, २४१, २४२,

२४३, २४७

छाडो राव ती. ३०, १८०

छाताळ प. ३१०

छाहड़ घरणीवराह रो प. ३५५, ३६३

छाहर दू. २०६

छीकण दू. १, ११, १७

छीतर प ६२

छीतरदास प. ३०७, ३०८

छीतरदास दयाळदासोत दू. १४६, १४७

छीतर नरा रो प. ३१३

छीतर पूरणमल रो प ३१३

छैनो दू. १, ११, १६

छोहिल राजपाळ रो प ३३६, ३४०

ज

जगजीवणदास ती २२४

जगजोत जोसी प १८०

जगतमिण प १३०

जगतसिध प. ६, १५, २२, २५, ३१,

३३, ३५, ४५, ६८, ६९, ११७,

१२१, २०६, २६१, ३१०

” दू १२२, १५७

जगतसिध अचळदासोत दू. १५६

जगतसिध अमरसिधोत प ३०३, ३१०

जगतसिध जसवतसिधोत दू १०६

” ” ती ३६, २२०

जगतसिध (जेसळमेर) ती. २२०

जगतसिध (नीवां) ती २२५

जगतसिध (नीवोळ) ती २३६

जगतसिध (मलकासर) ती २३०

जगतसिध मानसिध रो प. २६१, २६७

जगतसिध (रावतसर) ती २२६

जगतसिध (साखू) ती २२४

जगतसिंह राजा ती २७२

जगतहर प १२७

जगदीशसिंह गहलोत ती २६६

जगदे दू १२४

जगदेव प ३२२

जगदेव पवार (परमार) प ३३६, ३३७

” ” ” ती १७६

जगदेव राव आसकरण रो दू. १३६, १४०

जगदेव राव (पूगळ) ती. ३६

जगधर प १२४

जगनाथ प. २७, ६७, ६९, ११३, १६५,

२३६, ३०६, ३१६, ३६२

” दू ६१, ११६, १२३, १६५,

१७१, १६८

जगनाथ अमरा रो प. ३५६

जगनाथ ईसरदासोत दू ६४, १०६
 जगनाथ उर्देसिघोत प ३०८, ३१४
 जगनाथ कलावत दू १६२
 जगनाथ कल्याणदास रो प ३४३
 जगनाथ किसनदासोत दू. १८७
 जगनाथ गोहददासोत प ३१७, ३२५,
 ३२७

जगनाथ जसवतोत प. २०६
 जगनाथ देवडो प. १६५
 जगनाथ नादा रो प ३५८
 जगनाथ प्रणीराजोत दू १६३
 जगनाथ भातरसीघोत दू १६८
 जगनाथ भारमल रो प २६१, ३००,
 ३०१

जगनाथ भैरवदासोत दू १६६
 जगनाथ माधोदासोत दू १६३
 जगनाथ मुंहतो दू १३१
 जगनाथ राघोदासोत दू १४८
 जगनाथ राजा प २६१, ३१४
 जगनाथ राजा दू १७५
 जगनाथ राव दू १६७
 जगनाथ रुग्मीघोत दू १४७
 जगनाथ विजा रो दू १०४
 जगभाण प ३१०
 जगमाल प. १८६, २३२, ३६३, ३६२
 ,, दू ७७, ८४, ६४, १०७, १२१,
 १०२, १२६, १२८, १५६, १६६
 ,, ती २३४

जगमाल कल्याणदास रो प ३४३
 जगमाल घटमेरोत प २६०
 जगमाल जमिप्रदेघोत प २४२
 जगमाल देवडो प १३६, १८०
 जगमाल नेतमी रो प २४०
 जगमाल पचाइरोत दू १७७
 जगमाल प्रणीराज रो दू ६८
 जगमाल भाटी लोपावन दू १३२

जगमाल भारमल रो प ३१७
 जगमाल मालावत प. २४६, २५०
 ,, ,, दू. १३, १४, २४,
 ५४, ५५, ६८, १०३, २८५, २८६,
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९७,
 २९६, ३००
 ,, मालावत ती ३, ४, २५२, २५३, २५४
 जगमाल राणा उर्देसिघ रो प. २२, २३,
 २४, २८, १६६
 जगमाल रायमल रो प ३२६
 जगमाल रावत प १४३
 जगमाल रावळ उर्देसिघ रो प ७०, ७१,
 ७२, ७३, ७४, ८७
 ,, रावळ उर्देसिघ रो ती २६६
 जगमाल राव लाखावत प. १११, १३५,
 १३६, १६०, १६१
 ,, राव लाखावत दू १६१
 ,, ,, ,, ती २१५
 जगमाल रिणमलोत दू. १२, १४१
 जगमाल वरजागोत प २३२
 ,, ,, दू १६१
 जगमाल वरसल रो दू ११८, ११९,
 १२०, १२७
 जगमालसिघ (भनाई) ती. २२४
 जगमालसिघ (सांडवो) ती. २२४
 जगमाल सीसोदियो उर्देसिघ रो प १५०,
 १५१, १५२
 जगमाल सीसोदियो घाघावत प ६६
 जगमाल हाडो प ५०
 जगराम प ३०२
 जगराम जवणसीघोत मोहिल ती १६५
 जगराम (जुणलो) ती. २३६
 जगराम (नीबाज) ती २३५
 जगराम (नीबोळ) ती. २३६
 जगराम (रात) ती २३५
 जगराम प. २६, ६८
 ,, दू १३४

जगरूप जगनाथ रो प ३०१
 जगरूप प्रतापसिंघ रो प ३१५
 जगरूपसिंघ ती २२४
 जगरूपसिंघ परमार ती. १७६
 जग सर्मा प ६
 जगसी मुघ रो दू ३१
 जगसी सीधल प २२६
 जगहथ खेतसी रो प २४१
 जगहथ घूहडजी रो ती. २६
 जगहथ मेहाजळ रो प ३५१
 जगादित्य प १०
 जगो प ५१, ६७

„ दू. ८८

जगो आसल रो प ३४३
 जगो चूडावत ती ४७
 जगो लाडखान रो प. ३२१
 जगो साळकी दू १०७
 जगो हमीरोत दू. ८०
 जजात राजा दू. ६
 जतहर दे० जगतहर ।
 जट्ट राजा दू ६, १६
 जनकादित्य प. १०
 जनकार सर्मा प ६
 जनमेजय दे० जनमेज राजा ।
 जनमेज राजा प ८ १०

„ „ ती. १८५

जन सर्मा प ६
 जनागर दू २०६
 जन्ह प. ७८
 जबदू प १०१
 जबो सींगटोत मोहिल ती १६५, १६६
 जमलो अहीर दू. २२६, २२७, २२८
 जयचव ती १८०
 जयदेव राजा परमार ती १७६
 जयवत घुघमार रो ती २१८

जय सर्मा प ६
 जयसिंघ (कूदसू) ती २२६
 जयसिंघ (केलणसर) ती २२६
 जयसिंघदेव लघु (अणहिलपुर) ती ५१
 जयसिंघ (पातळासर) ती २३३
 जयसिंघ महासिंघोत प. २६१
 जयसिंघ राजा प. २६१, ३१७
 जयसिंघ (लखमणसर) ती २३३
 जयसिंहदेव (अणहिलपुर) ती ५१
 जरसी, राव कीलणदे रो प. ३३१
 जरसी रावळ प २६६
 जलादित्य प १०
 जलाल जळूको ती ६६
 जलालदीन अकबर पातसाह ती १६२
 जलालदी सुरताण प २०३
 जलालदी सुलताण ती. १६१
 जलालुद्दीन दे० जलालदी सुलताण ।
 जलालुद्दीन अकबर दे० जलालदीन अक-
 बर पातसाह ।

जलालुद्दीन सुलतान प. २०३
 जवणसी कुतल रो प २६०, २६५
 २६६, ३२६, ३३०
 जवणसी मोहिल ती १६५
 जवानसिंघ (रास) ती २३५
 जसकर प. ६
 जसकरण प १५, ३०६
 „ दू ६४

जसकरण (छिपियो) ती. २३७
 जसकरण नरहरदास रो प ३०८
 जसकरण (वासो) ती २३७
 जसकरण भीम रो प १२१
 जसचंद धुघमार रो ती २१८
 जसपाल राणो ती १७६
 जसमाई प २६२
 जसराज (कल्याणसर) ती २२७
 जसराज रावळ कल्याणदे रो प २६५

जसवत प ६, २५, २७, २६, ६७, ७६,
१६३, १६५, १६८, १८७, २०८,
२१२ २८५, ३१३, ३२५
,, दू ७८, ८८, ६१, ६३, ११६,
१२२, १२४, १२८, १२६, १४०,
१७४, २५२, २६४

जसवत फरमती रो प. १२०
जसवत फेमोदाम रो प ३१३
जसवत डूगरसीघोत दू. १५१
जसवत नारणदास रो प ३५८
जसवंत फरसरांम रो प. ३१६
जसवत भाटी दू ७६, १०८, ११६,
१२२

जसवत मदनसिंघ रो प. ३१७
जसवत मोनसिंघोत प २१२
जसवत रावत नरहरोत प ६६
जसवंत रावळ प ७६
जसवंत रूपसीघोत दू १४८
जसवत लूणकरण रो दू ८१
जसवत धीजळ देवडा रो प १३४, १८१
जसवत (जसूत) घोरमदेघोत दू ११७
जसवत घंरसलोत दू ८०
जसवत सायूळोत दू १६१
जसवतसिंघ प २६, १३०, १७२, २११,
२३४, २७६

जसवतसिंघ (फगामर) ती २३०
जसवतसिंघ (पल्लू) ती २२६
जसवतसिंघ (महाजन) ती २२८
जसवतसिंघ महाराजा प २११
जसवतसिंघ महाराजा दू १०५, १०६,
१०८

जसवतसिंघ महाराजा प्रथम (जोधपुर)
तो १८२, २१८, २१६
जसवतसिंघ राजा दू. १५७, २०२
जसवतसिंघ रावळ ती ३६, २००
जसवतसिंघ रावळ समरसिंघोत दू १०६

जसवतसिंघ (साडवो) ती २३२
जसवंतसिंह महाराजा प २३४
जसवत हरीदासोत दू १६२
जसवीर उदैसी रो प. २०३
जसहड प. ३६३
जसहड आसकरणोत दू. ७४
जसहड (जसळमेर) ती. २२१
जसहड जैमुख रो प. ३५५
जसहड पाल्हण रो दू. २, ३६, ४३, ५३,
५४, ५५, ६४, ६५
,, पाल्हण रो ती. ३४, २२१

जसूत नाथावत प ३०६, ३१०, ३१३
जसू प. ६६
जसो प ६६, १६७, २०१, २२६
,, दू ३३, ७६, १६६
जसो अमरा रो प. ३५६
जसो कचरा रो प. १६६, १६७
जसो जगनाथ रो प ३०१
जसो त्रिभणा रो प. २००
जसो नाथावत प ३२७
जसोवहा रावळ प ७६
जसो सोढो दू १०३
जसो हरघळोत जाडेचो दू. २३६, २४४,
२४५, २४६, २४७, २४८, २४९,
२५०, २५६

जहागीर नूरवीन पातसाह ती १६२
जहागीर पातसाह प २४, २६, ३०,
५६, ६३, १३०, २५६, २७६,
२८३, २८८, ३०३, ३३१
,, पातसाह दू १५५, २५६
,, ,, ती २१४, २१७, २३८,
२७२, २७४, २७६, २७६

जांभण दू ३८, १४३
जांभण पूजा रो प ३५२
जांभण वरसिंघ रो दू. १२७
जांभण साजनीत ती. २४७

जानड़दे हणू रो प. २६६
 जानसाखान (जानिसारखां) प. २६
 जाभ बाघोडो प ३५०
 जामणीभाण (यानिनीभानु) प १३३
 जाम रावळ दू २१०, २१३, २१५,
 २१७, २२०, २२१, २३६, २४७,
 २४६, २५०, २५४
 „ रावळ ती. २६
 जामळसिघ (पडिहारो) ती २३३
 जाटव ती १५६
 जाटो डूम ती. १५
 जादम दू ६
 जादूराय ती. २७६
 जान कवि ती २७४, २७५
 जानिसाखा फोजदार प ६६
 (दे० जानसाखान)
 जापाल (प्रजापाल) प ७८
 जाय सर्मा प ७
 जालणसी राव (जोधपुर) ती. २६, ३०,
 १८०
 जालप दू १४३
 जालपदास (सूहडी) ती २३१
 जालपदास वरावत मोहिल ती. १७१
 जालप राणो दू २६५
 जालप सिवदासोत दू १६७
 जालमसिघ (पडिहारो) ती. २३३
 जालमसिघ (वीदासर) ती. २३१
 जालमसिघ (सिघमुख) ती २२४
 जालमालादित्य प १०
 जालाप प. ३५२
 जावदीखां ती २०७
 जिंदराव चहुवाण प ११६, १३५,
 १८५, १८६
 जिंदराव हाडो प १०१
 जितमत्र प. ७८
 जितसत्र (जितशत्रु) प. ७८
 जींदराव प १७२, १८७, २०२, २३०

जींदराव खीची प २५०
 „ „ ती. ५६, ६४, ७५, ७६,
 ७७, ७८, ७९
 जींदराव वोडो प. २४७
 जींदो जोधा रो प ३५६
 जीतमल प १०१, १११
 जीयो ईंदो ती १३३
 जीवन नारण रो प. ३५८
 जीवराज राजा ती १८७
 जीवो प ६८, ६४३, ३५३
 „ दू ७७, ७८, ६०, १४३, १५६,
 १६६
 जीवो गागावत प २४१
 जीवो जगमाल रो दू. १२२
 जीवो जेसा रो प १६६
 जीवो देवराज रो प १५७
 जीवो नरहरदास रो प. ३६१
 जीवो भोजराज रो प. ३५३
 जीवो रतनू घरमदासांणी दू. २५३
 जीवो लूणकरण रो दू ८१
 जुगराज प १२८, १३०, १३१
 जुगलो भांभी ती १२१
 जुणसी कुतल रो दे जवणसी कुतल रो।
 जुघसिघ प ३१०
 जुघिण्डर राजा ती १८५
 जूभारसिघ प. २६, २१२, ३०७, ३२६
 „ ती २२०
 जूभारसिघ चत्रभुजोत प ३११
 जूभारसिघ जगतसिघोत प २६१, २६८
 जूभारसिघ दळपतोत प २३४, २३५
 जूभारसिघ परसोतम रो प. ३२३
 जूभारसिघ राजा परमार ती १७६
 जूभारसिघ (सेलो) ती २३२
 जूभो चौधरी ती २७४
 जेठी पाहू प ३४६, ३५०
 जेठो दू १६६

જેટો ગગાવાસ રો પ ૩૫૩
 તેટો માટણ રો પ ૩૫૭
 જેમલ રાવલ દૂ ૧૦, ૧૫, ૩૨, ૩૪,
 ૩૫, ૩૬, ૩૭, ૩૮, ૬૨
 „ „ તો ૨૬, ૩૩, ૨૨૨
 જેસાવર રાજા તો ૧૮૭
 જેસો પ ૨૨૬
 જેસો કલિકરણ રો દૂ ૧૫૨, ૧૫૩
 „ „ „ તો ૨૧૫
 જેસો જેતા રો દૂ ૨૬૪
 જેસો પતાવન દૂ ૨૦૦
 જેસો ખાટો દૂ ૬૬, ૧૬૫, ૧૮૧, ૧૮૨,
 ૧૬૭
 „ „ તો ૭
 જેમો ભૅરઘવાસોત દૂ ૧૬૪
 „ „ તો ૨૬૬
 જેસો રાયપાલોત દૂ ૧૪૬
 જેસો રાય (પૂગલ) તો. ૩૬
 જેસો લાવા રો દૂ ૨૨૪
 જેમો (લિલમી રો ખાઈ) તો ૧૦૫
 જેસો ઘજોર દૂ ૨૪૦
 જેસો સરઘહિયો દૂ ૨૦૨, ૨૦૬, ૨૦૭,
 ૨૦૮
 જેહો ભારાવત દૂ ૨૧૫, ૨૧૬
 જેકિમન પ ૩૦૮
 જેકિમનમિઘ પ. ૨૬૮
 જેચદ દૂ ૬૬, ૭૪
 „ તો. ૦૨૧
 જેચદ નગમમી રો દૂ ૨, ૩૬
 જેત દૂ ૪૫, ૪૩
 જેતકરણ યેમૂ રો પ. ૩૫૨
 જેતકરણ સોઈટ રો પ. ૩૪૦
 જેત પગાર પ ૧૮૦, ૧૮૧
 જેતમત પ ૨૦, ૦૨૫
 જેતમત સોઈટા દૂ. ૧૪૨
 જેતમાત પ ૬૧, ૦૪૬

„ દૂ ૮૧, ૧૬૫
 જેતમાલ ગોયદોત તો ૧૧૪
 જેતમાલ રાજધર રો દૂ ૮૦
 જેતમાલ સલખાવત દૂ ૨૮૧, ૨૮૪
 „ „ તો ૩૦
 જેતમાલ સોહો તો ૩૧
 જેતરાઘ પ ૧૦૧, ૧૮૫
 જેતલ દૂ ૧૪
 જેતલ મલેસી રો પ ૨૬૪
 જેત લાખણ રો પ ૨૦૨
 જેતસિઘ પ. ૨૨, ૩૦૬, ૩૧૫, ૩૧૬,
 ૩૧૬, ૩૨૬
 „ તો ૨૨૫
 જેતસિઘ ઐપ્રસેણ રો પ ૩૨૦
 જેતસિઘ ઐસકરણ રો પ ૩૦૩
 જેતસિઘ (કરણીસર) તો. ૨૨૪
 જેતસિઘ (છિપિયો) તો. ૨૩૬
 જેતસિઘ (દુસારણો) તો. ૨૩૧
 જેતસિઘ દ્વારકાવાસ રો પ ૩૨૩, ૩૨૫,
 ૩૨૬
 જેતસિઘ રાજાવત દૂ ૮૧
 જેતસિઘ રાય તો ૧૫૨
 જેતસિઘ રાય મોહણવાસોત દૂ. ૧૩૩
 જેતસિઘ (સાંઢવો) તો ૨૩૨
 જેતસી પ. ૨૩૫, ૨૪૩, ૩૨૭, ૩૪૧
 „ દૂ. ૬૨, ૧૦૨, ૧૭૧, ૧૬૧
 જેતસી ઐચઝાવત દૂ. ૧૮૬
 જેતસી ઐદાવત પ. ૨૩૮
 „ „ તો ૮૧, ૮૨, ૮૩, ૬૫,
 ૬૬, ૧૦૦, ૧૦૧
 જેતસી કૂમા રો પ ૩૨૮
 જેતસી જગનાથ દેવઢા રો પ. ૧૬૫
 જેતમી (જેસઢમેર) તો ૨૨૧
 જેતસી નાગાવત પ. ૨૩૭
 જેતમી પીયાવત દૂ ૧૬૪
 જેતસી, રાણા મોજરાજ રો પ. ૩૪૧

जैतसी रांणो प ६
 जैतसी राव दू. ६३, २२१
 „ „ ती १६, १७, ३१, ८०, ९०,
 ९१, ९२, १८०, १८१
 जैतसी रावत प. ६६
 जैतसी राव भाणोत दू १०७, ११६, १२१
 १३४
 जैतसी रावळ प. १३, ७६
 „ „ दू. ११, ८४, ८५, ८६,
 ८७, ८८, ९२, १००, १२१
 „ रावळ ती. ३३, ३४, ३५, २२१
 जैतसी रावळ तेजराव रो दू. ४२, ४३
 जैतसी रावळ वडो दू. १०, १४, ३६,
 ४४, ५१, ६२
 „ रावळ वडो ती २२१
 जैतसी राव (वीकूपुर) ती. ३७
 जैतसी घोरमदे रो प. ३५६
 जैतसी सिध रो प ३१५
 जैत सीसोदियो प ६८
 जैतसी हमीर रो प २३७
 जैतसेन दू ६
 जैतुग दू १०७, ११३, १३४
 जैतुग कोल्हावत दू ७२, ७४, ११२,
 ११३
 जैतुग तणुं रो दू. १, १७
 जैतो प १६४, ३६२
 „ दू ५३, ६६, ७७, २००, २६४
 जैतो ऊदावत दे० जैतसी ऊदावत ।
 जैतो खींवावत घीवो प १५३, १७०
 जैतो खेता रो प ३५२, ३५३
 जैतो जगमालोत दू. १२, १४१
 जैतो जोगावत दू. १८७
 जैतो जोघा रो ती. ३७
 जैतो देवडो प. २२४
 जैतो मेहाजळ रो प १६१
 जैतो रतनोत प. २४३

जैतो रायमल रो प ३६०
 जैतो वाघेलो प. २२४
 जैतो सावळदासोत दू १७६
 जैतो सोढो प ३६२
 जैतू जाट ती. २७३
 जैपाळ प ८६
 जैपाळ राजा ती. १८७
 जैवहा प ३६३
 जैभाण प ३२४
 जैमल प. १११, १६६, ३६२
 „ दू ६६, १६६
 जैमल अखैराजोत प २०८, २१२
 जैमल आसावत दू १७६
 जैमल ऊहड दू १६७, २०२
 जैमल किसना रो प ३५२
 जैमल कूभा रो प. ३२८
 जैमल जेसावत मुहतो प २२७
 जैमल तिलोकसी रो दू १६२
 जैमलदास ती २२७
 जैमल दास रो प. ३१७
 जैमल प्रथोराजोत प. १२५
 जैमल भा० प. १५२
 जैमल भाटी कलावत दू १३२
 जैमल (भेळू) ती २२६
 जैमल मुहतो प २११, २२७
 जैमल रतनावत प १६७, १६६
 जैमल राणो प. २८१, २८२, २८३
 जैमल, राम सोढा रो प ३५८
 जैमल राठोड़ ती १८३
 जैमल रायमलोत प १७, १८
 जैमल रासावत दू १०७
 जैमल रूपसीओत प ३१२
 जैमल घोरमदेओत प. ३२, ११२
 „ „ ती. ११५, ११६
 ११७, ११८, ११९, १२१, १२२
 जैमल घोरमदे सोढा रो प ३५८

जेमल मांगावत प ६६
 जेमल साहणी प. १३८
 जेमल सीतोदियो प २१
 जेमल हरराज रो प १६३, १६४, १६८
 जेमाल प ११७
 जेमुप राजदे रो प ३५५
 जेरांम प ३०७
 जेरिण प १२२
 जेघराव प १३५
 जेसा ती १८७
 जेसिघ प १२४, २७७, २७८, ३२१
 ३२२
 ,, दू १२३, १३३, १७६, ३०४,
 ३०५
 ,, ती २२०
 जेसिघ करमचव रो प २०५
 जेमिघदे प १४२
 जेसिघदे ऋदावत प ३४६, ३५२
 जेसिघदे जोघा रो प. ३५६
 जेसिघदे रावळ दू. ८५, ८७, ८६
 जेसिघदे घरजांग राव रो प २३२
 जेसिघदे सिघराव प २७२, २७७, २७८
 ,, ,, दू ३३
 ,, ,, ती २६
 जेमिघ महर्जासिघ रो प २६७
 जेमिघ राणो प १२०
 जेसिघ राजा प २५, ३०६, ३०६, ३१०,
 ३११, ३१५, ३१७, ३१६, ३२०,
 ३३१, ३३२, ३५६
 जेमिघ राव प १६६, १६७
 जेमिघ राव मोहणदासोत दू १०७
 जेमिघ राव (गोबू पुर) ती ३६, ३७
 जेमिघ घेरमनी रो ती ३०
 जेमिघ तिमार रो प १८४
 जेमो गीदा रो प. १६५, १६६
 जेमो ललमायोत प ३०६

जेसो भैरवदासोत प. २१, २०७
 ,, ,, दू ६६
 जेसो माडण रो प ३५७
 जेसो मालदे रो प २०५
 जेसो राव दू १२०, १२२, १२७
 जेसो राव घरसिघ रो दू. १३७, १३८,
 १३६
 जेसो लखावत प. ३६०
 जोगराज प. ५, २५६
 ,, ती. ५०
 जोगराज रावळ प. ५, १२, ७६
 जोगराव प २५६
 जोगाहत दू. १२३, १२८
 जोगाहत वैरसल रो दू ११८, १२०
 जोगादित प ७८
 जोगी प. ३५३
 जोगी दू १६, २०, २३, २४, २५
 जोगीदास प. १६६, ३१८, ३५६
 ,, दू. ८०, ८८, १२३
 जोगीदास ऋदावत प. ३५६
 जोगीदास कचरावत दू १७४
 जोगीदास कांघळोत ती. १८
 जोगीदास गोवददासोत दू. ११६
 जोगीदास ठाकुरसी रो प ३६०
 जोगीदास मेदावत दू १७२
 जोगीदास घेरसीमोत दू १८५
 जोगीदास सीतोदियो प, ६२
 जोगी दूहा रो प ३५३
 जोगो प. १२४, १६०
 जोगो अर्खराजोत दू. १८७
 जोगो आसावत दू १७६
 जोगो गोड ती. २६७
 जोगो जोधावत ती. १६४, १६५
 जोगो बारहूठ दू. ७४
 जोगो मयुरोत दू १४५
 जोगो मोटण रो प ३५७

जोजड प २६३

जोजळ लाखण रो प २०२

जोध प १०१, २०६, १२

जोन गोपाळ रो प ६२, ६७

जोध गोयदोन प ६७

जोध मानसिधोत हू १८८

जोधरय राजा ती १८६

जोध विहारी रो ती ३७

जोधसिध प ३०६

जोधसिध (जीळी) ती. २३३

जोध तीसोदियो प २७, ६३, ६४, ६५

जोधो प ३५६

,, हू १७७

जोधो कवर राव रिणमल रो प १७

जोधो करमा रो हू ८०

जोधो कावळ रो प ३४१

जोधो तेजसी रो प. ३५४

जोधो नारण रो प ३५८

जोधो भाटी हू १५३, १६४

जोधो मानसिध रो प ३५६

जोधो मेहराज रो प ३४८

जोधो मोकल रो ती ११६

जोधोजी राव ती. ५, ६, ७, १२, २१,

२२, २८, ३१, ३८, ४०, १४०,

१५८, १५९, १६०, १६१, १६२,

१६३, १६४, १६६, १६७, १८०,

१८१, १८२, २३१, २३५

जोधो राव प. २०७, ३४६ ३५१, ३५३

,, ,, हू ६६, ८८, ३३५, ३३६,

३४०, ३४२

जोधो लाडखान रो प. ३२१

जोधो लोलावत प. २३८

जोधो सहसा रो प. ३५६

जोधो सांगावत प ३६०

जोधो सिधावत प. २४३

जोपसाह राठीड ती २८०

जोधनारथ प २८७

जोरावरसिध ती २२०

जोरावरसिध महाराजा (वीकानेर) ती. ३२,

१८०, १८१, २११

जोवनजीत राजा ती १८७

जोवनार्थ प २८७

जोवनाव प. ७८

ज्ञानपति ती १८०

झ

झरडो वूडावत ती ७६

झाभण पडिहार प. २२५

झाभण भडारी प २२५

झाभण भुणकमळ हू २

झाभणसी चद्रावत ती २३६

झाभो प १६२, २००

झाभण वीठू-चारण प. ५५

झालक राजा ती १७६

झूटो आसियो ती. ८६

झूलो भाण प ८६, ८८

झूलो वरदास प ८६, ८८

झूलो सांडियो प ८६, ८८

झेरडियो खूम प. २२८

ट

टांड कर्नल ती. १६८, १६९

टोडरमल ती २७६

ठ

ठाकुर कचरा रो प १६६

ठाकुरजी प. २८६

ठाकुरसी प. १६७, १६४, २४८, ३२८

,, हू ७७

ठाकुरसी आसावत हू १४८

ठाकुरसी करण रो प. ३६०

ठाकुरसी करमसीओत हू. १८६

ठाकुरसी करमा रो हू ८०

ठाकुरमी जगनाथ देवडा रो प १६५
 ठाकुरमी जगमालीत दू १६२
 ठाकुरमी जंतसिघोत ती १७, १८, १५२,
 २०५
 ठाकुरमी तेजमाल रो दू १२४
 ठाकुरमी घनराज रो दू. १२२, १२३
 ठाकुरमी राणावत दू १७२
 ठाकुर सेला रो प. २००

ड

डहघर ती १८७
 डटपाल ती १८६
 डाघियो ती. ७५, ७६
 डाघो घोरी ती ७५, ७६
 डाभ रिष प ३३७
 डाहलराय प ५
 डाहलियो सिसपाळ रो ती १५४, १५५
 डाह्याभाई पीतांबरदास देरासरी ती. २६३
 डूगर देवडो प १३६
 डूगर भील प ८२, ८३
 डूगर मांता रो प २०१
 डूगर रिणमल रो प १६२
 डूगर घोमा रो प ०३१
 डूगर सिवा रो प ३५१
 डूगरती प. ६८, ७०, १५६, १६७,
 १६६, ३२८, ३८२
 " दू १६८
 डूगरमी ग्रामावत दू १४८, १७५
 डूगरमी पर्याणमलीत ती २०६
 डूगरमी जगनाथ देवडा रो प १६५
 डूगरमी घनराज रो दू १०४
 डूगरमी घाला रो प ११६, १२०, १२१
 डूगरमी मालदेघोत दू. ६२
 डूगरमी मेला रो प. ३५६
 डूगरमी गाय बुजणमल रो दू. १२८,
 १२६, १३०, १३३
 डूगरमी रायल प ७६

डूगरमी (लखमणसर) ती २३३
 डूगरमी लूणा रो प ३६१
 डूगरमी साकर रो प १६४, १६६, १६६
 डूगरमी (सांखू) ती २२४
 डूगरमी सूरवत दू. १७८
 डूगरमी हरदासोत दू १६५
 डूगरमीह ती ३६
 डूगो प २०५
 डेल्लो आसकरणीत दू ७४

ढ

ढाहुर जाडेचो दू २०६
 ढील रवारी ती ७१
 ढेडियो मगरियो दू ३२
 ढोलो नळ रो प २८६, २६३

त

तक्षक ती १७६
 तगो प २२३
 तणु केहर रो दू. १०, १५, १७, ७८
 तणुराव ती २२१
 ततारखान प ३२५
 " ती ५३
 ततारसिघ जगतसिघ रो प २६१
 तप प ११६
 तपेसरी चहवाण रो प ११६
 तपेसरी घुघ रो प. ११६
 तमाइची जाम रायसिघ रो दू २२४
 तमाइची जाडेचो रायघण रो दू २०६
 तमाइची घोरमदे रो प ३६१
 ताजवान रायसल रो प. ३२३, ३२४
 ताडजघ प ७८
 तातारयां प ३२५
 तानसेन फलावत प १३३
 तारसिघ अणदसिघोत ती. २०८
 तिरमणराय रायसल रो प. ३२३
 तिलोकचव प. ३१६

तिलोकदास प ३०४
 तिलोकराम प ११७
 तिलोकसी प. २३६
 ,, दू ८६, १२२
 ,, ती २२१
 तिलोकसी कलावत दू १६२
 तिलोकसी जंतमिघोत ती. २०५
 तिलोकसी परवतोत दू १६२
 तिलोकसी करसराम रो प ३२३
 तिलोकसी भाटी दू ३६, ४३, ५३, ५४,
 ५५, ५६, ५७, ५८, ६०, ६१, ६५
 तिलोकसी रूपसी रो प ३१२
 तिलोकसी वरजांगोत दू १८०
 ,, ,, ती १०१
 तिलोकसी वंसलोत दू. १२०
 तिलोकसी वंरागर रो दू ११८
 तिलोकसीह ती. १८४
 तिहुणपालदेव ती. ५१
 तिहुणपाळ राणो ती ५२
 तीडो राव दू २८०
 ,, ,, ती २३, २४, ३०, १८०
 तीहुणराव द्वारहठ रतन रो दू ७४
 तुंगनाथ ती १८०
 तु वर (दूल्हदेव रो भाणेज) प २६०
 तुगलकशाह ती. १६१
 तुगलसाह सुलताण ती. १६१
 तुळछोदास प १०१, ३२३
 तृदसत प २८७
 तेजपाळ माह प १५६
 तेजमाल प ६१, १६३, १६६
 ,, दू ६१, ६५, १२३
 तेजमाल अमरावत दू १८६
 तेजमाल किसनावत दू १२४, १२५, १३२
 ,, ,, ती ३७
 तेजमाल गोयद रो प २४०
 तेजमाल घना रो प २३६

तेजमाल (रोहीणो) ती. २२६
 तेजमाल सूरजमलोत दू १२८
 तेजराव चाचगदे रो दू ३६, ४२, ४३,
 ६२
 ,, चाचगदे रो ती ३३
 तेजल दू १४
 तेजमिघ जसवतसिघोत दू १०६
 ,, ,, ती ३६
 तेजसिघ (जंसलमेर) ती २२०
 तेजसिघ भाघोसिघ रो प २६६, ३०५
 तेजसी प ६०, ६१, ६६, १६२, १६३,
 १६८, ३४१, ३४२, ३५८
 ,, दू. ३८, ५३, ६६, ७३, ७४, ११२,
 १६७
 तेजसी कसोदास रो प ३१४
 तेजसी चहुवाण प १८३, २२७
 तेजसी चूडावत प ७०
 तेजसी दूगरसीओत प ६२
 तेजसी भाटी केहर रो दू. ७८
 तेजसी भोजा रो प ३५४
 तेजसी रांमावत दू १२०
 तेजसी रायमल रो प ३२६
 तेजसी रावळ प ७६
 तेजसी रावळ देवीदास रो ३५
 तेजसी राव वरजांग रो प २३२, २४१
 तेजसी लूणकरणोत ती २०५
 तेजसी घणवीरोत दू. १६२
 तेजसी विजड रो प १८१, १८३, १८४
 तेजसी सेखा रो प. २०१
 तेजसी सोढो बीसा रो प ३५५, ३५७
 तेजसीह प १८८
 ,, ती १४०
 तेजसीह राव ती. ३७
 तेजस्वी विजड रो प १३४
 तेजो प ६६, ६६, १०१, १६५
 तेजो जाळप रो प. ३५२

तेजो प्रताप रो प १५६

तेजो भाटी हू ६६

तेजो रायमल रो प. ३६०

तेजो वानर हू ३२१, ३२२

तेलोचन हू. ५६

तैस्सितोरी डाँ० ती १७३

तोगो प २००

„ हू ८४, १४३

तोगो कचरा रो प १६५

तोगो किसनाघत हू १६७

तोगो बीघाण प २०६

तोगो मिवा रो प ३५१

तोगो सूरामल प १५३, १६७, १७०

तोडरमल भोजराज रो प. ३२२

त्रभवणो प २८५

त्रिदस प २६२, २६३

त्रिदस ती १७८

त्रिदस्यु दे० त्रिदस ।

त्रिधानव प २८७

त्रिधन ती १७८

त्रिभणो करण रो प १६६, २००

त्रिभुवणसी कान्हडोत ती २४

त्रिभुवणसी, राव तीडा रो हू. २८०,

२८३, २८४, ३१४

त्रियारोन प २८७

त्रिलोचन हू ५६

त्रिमकु प ७८

त्रिस्ता प २८७

थ

थानसिध प. ३१३

थानसिध पाटोगाव रो प ३३१

थाहा प ६१

थाहा मोरो बारहठ प ५६

थिरो हू ३८

थिरो यमनारदे रो ३५५, ३६०

द

दडपाल ती १८६

दत सर्मा प ६

दधीच प १२३

दधीचि ऋषि प १२३

दधीचि ऋषि ती. १७३

दयाच हू २०२

दयाळ प ३२७

„ हू ७७, ७८, १२४, २०२

दयाळ डोड ती. १३१

दयाळदास प २३६, ३०६, ३२७

„ हू. ६०, १२३, १२४, १६२,

१७०, १७५, १६७

दयाळदास खेतसीओत हू ६३, ६४, १०४,

१०६

„ खेतसीओत ती. ३५, २१७

दयाळदास गोवाळदासोत हू १४६, १४७

दयाळदास (छिपियो) ती २३७

दयाळदास (जैसलमेर) ती. २२०

दयाळदास तेजसी रो प. ३४२

दयाळदास देईदासोत हू १६६

दयाळदास वळभद्रोत प ३०७

दयाळदास भाटी प १६१

दयाळदास (भादलो) ती. २२५

दयाळदास भोल प ४६

दयाळदास माधोदासोत हू १४६

दयाळदास (रायपुर) ती २३६

दयाळदास रायसल रो प ३२४

दयाळदास राव हू १२१, १३०

दयाळदास रावत हू २६४

दयाळदास राव (वरसलपुर) ती. ३७

दयाळदास लिप्यमीदासोत हू १८०

दयाळदास सिढायच ती २०६

दयाळदास सिलरावत प २३३

दयाळदास सूजा रो प २३१

दयाळ सोढो प ३६१

दयास रा' हू २०२
 दरमादि तर्मा प. ६
 दरियाखान प. ३२८
 दळकरण राव ती ३५
 दलजी ती २३१
 दळयभन दे० गजसिंघ महाराजा ।
 दळपत प. २७, ६७, १६०, १६७, १८३,
 १८७, २३३, २३५, २४१, २८५,
 ३०६, ३०८, ३३१
 „ हू. ६०, ६३, १०७, १२१, १३१,
 १३४, १३६, १५७, १८७, १८६
 दळपत अळखा रो प ३१५, ३२७
 दळपत कवर प. ३५४
 दळपत केसोदासोत हू १६५
 दळपत जगनायोत प २०६
 दळपत जमवत रो प २८५
 दळपत नेतावत हू १६६
 दळपत पंवार प १८३
 दळपत रामदास रो प ३३१
 दळपत राम रो प. ३५८
 दळपत राजसिंघोत प २१२
 दळदत राव प २८१
 दळपत लिखमीदामोन हू १८०
 दळपतसिंघ (कणवारी) ती २३२
 दळपतसिंघ (महाराजा वीका०) ती ३१,
 १८१
 दळपतसिंघ रायसिंघोत ती २०७
 दळपतसिंघ राव हू. १४८
 दळपत सीसोदियो प १४८
 दलगाव प १३५
 दर्लसिंघ (अजीतपुरी) ती २२३
 दर्लसिंघ (भेळू) ती २२५
 दलियो गहलोत हू ३०३
 दलीप प २८८
 दलू प १६६
 दलो प २०५, २६४, ३५२, ३६०, ३६१

दलो हू २०६
 दलो आमियो प १७१
 दलो जोईयो प ३४७
 „ „ हू २६६, ३००, ३०२,
 ३०३, ३१७, ३१८
 दलो भुजवळ रो प. १६५
 दलो राजघर रो प २०५
 दलो राजादे रो प २६४
 दलो विजा रो प ३५८
 दशरथ दे० दसरथ ।
 दसमतखान प ३०४
 दसरथ प ७८, १७८, २८८, २६२
 दससक्त माघो ती १६०
 दमसेन ती १८६
 इमार्क हू ३
 दान (देवीदान) हू ७८
 दानसिंघ (पडिहारो) ती २३३
 दानसिंघ (पातळासर) ती २३३
 दानसिंघ (साडवो) ती २३२
 दानो भाटी हू ५७
 दामो नेता रो प ३५२
 दाऊदखान प २२३, २६२
 दाश्रोजी हू २३७
 दामोदरसेन ती १८६
 दाराशाह दे० दारासाह ।
 दाराशिंजोह दे० दारासुकर ।
 दारासाह ती. १६२
 दारासुकर ती. १६२
 दासू वहुणीवाळ ती. १५
 दासो प. १६३, १६८, १६६
 दासो नरु रो प ३१३, ३१४, ३१५
 दासो पातळोत हू १७६
 दिनकर रांणो प ६
 दिनमिणदास प ३३१
 दिलराम प. ३२१
 दिलीप प. ७८, २८८, २६२

दिलीप ती १७८
 दिवाकर प १६२
 दीत प १०
 दीत ब्राह्मण प. १०
 दीपचंद नाराणदास रो प ३२६, ३२७
 दीपसिध प ३१४, ३१६
 दीपसिध (अजीतपुरी) ती. २२३
 दीपसिध (कणवारी) ती २३२
 दीपसिध (बुसारणो) ती. २३१
 दीरघबाहु प २८८, २६२
 दीर्घबाहु ती. १७८
 दुजण जोधावत हू. १६४, १७४
 दुजणसल प. १६६, ३६३
 „ हू. ६३, ६५, ६६
 दुजणसल धारावरीस रो प ३५५
 दुजणमल राव घरासिघोत हू. १२७, १०८,
 १२३
 दुरजणसल लूणकरणीत हू ८६, ६०
 दुरगदास दे० दुर्गादास (साहोर)
 दुरगदाम भाटी हू ६०, ६६, १०८,
 १०२, १२३, १३१, १३२
 दुर्गदाम (भादळो) ती २२५
 दुर्गदाम मेघराजोत हू १४५
 दुर्गादास सहगमल रो प. ३१४
 दुरगो प ६२, ६५, १०१
 „ हू ८६, ६१, २००
 दुर्गो राव ती २४०, २४६, २४८
 दुर्गो सेना रो प ३२७
 दुर्गो हमीर रो प ३४३
 दुर्जनगाम राव (घोकूपर) ती ३६
 दुर्जनगाल प २८१, ३२५, ३२६
 „ ती० २०६
 दुरजणगाम नाराहणदामोन प ३०४
 दुर्जनगाम बडभडोत प ३०७
 दुर्जनगाम मल्लि रो प २८१
 दुर्जनगाम प २८२, ३०४

दुरजणसिध मानसिघोत प २८१, २६८
 दुरजणसिध (सांखू) ती २२४
 दुरजनसिध प २१, २५
 दुरजो हू. ६५
 दुरजो ठाकुरसी रो प. ३६०
 दुरजोधन प १३३
 दुरधासा प. १२२
 दुरसदास प ४०
 दुरसो आढो प १७०
 दुर्गादास राठोड ती. २१३, २२६
 दुर्गादास (वीणातो) ती. २३१
 दुर्गादास (साहोर) ती २३०
 दुर्जनमल राजा ती. १६०
 दुर्जनशाल दे० दुर्जनसल व दुरजनसल ।
 दुर्लभराज ती ५१
 दुलराज प. २६३
 दुलह प १६
 दुलहराम प १२६
 दुलेराय काराणी हू. २१४, २३७
 दुसाभ जैतकरण रो प. ३५२
 दुसाभ रावळ हू. १, १०, १५, ३१, ३२,
 ३३, ३४, ३५
 „ रावळ ती २२२
 दूगडजी ती ४६
 दूदो प १५०, १६६, ३१६, ३४३
 „ हू ८१, १२४, १६८
 दूदो अडवाल रो प ३६१
 दूदो आणवोत हू १५४, १५६, १६२
 दूदो बागहावत हू १८१
 दूदो चौधो प. १५६
 दूदो जैमल रो प १६७
 दूदो जोधावत ती ३८, ३६, ४०
 दूदो नीवावत हू १६७
 दूदो प्रयोराजोत हू १६३
 दूदो प्रागदासोत हू. १८३
 दूदो भागा रो प ३६०

दूदो भीष रो प ३२७
 दूदो माना रो प. २०१
 दूदो मेहरावत प १६८, १६९
 दूदो राजघर रो प २०५
 दूदो राव अर्जराज रो प. १३५, १३७,
 १४०, १६१
 दूदो रावत प ५०, ६६
 दूदो रावत जगघर रो प १२४, १२५,
 १२६
 दूदो राव नगा रो ती २४९
 दूदो रावळ दू ३९, ४३, ४४, ५१, ५३,
 ५४, ५५, ५६, ५७, ५९, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५
 „ रावळ ती. ३४, १८४, २२१
 दूदो राव सुरजन रो ती २६६, २६७,
 २६८, २६९, २७०, २७१, २७२
 दूदो लकड़घान रो प १११, ११२
 दूदो वीरसल रो प ३५३
 दूदो सकनसिघोत दू १६५
 दूदो सहममल रो प ३१४
 दूदो सागावत प ६८
 दूदो सुरजन रो प ३१५, ३१६
 दे० दूदो राव सुरजन रो ।
 हूलहदेव प. २९०
 हूलहराव सोठल रो प २९५
 दूर्लराव लूनकरण रो प ३१९
 दूसळ दू ५८
 देईदाम प २४२, २४३
 „ दू. १६६, १६८
 „ ती २३४
 देईदाम कानावत दू. १६५
 देईदास जैतावत दू १६२, १६३
 देईदास तेजा रो प ३५२
 देईदास पतावत मेहवचो दू. १७५
 देईदास भानीदास रो दू १०४
 देईदास भायल प १९४, १९८, २४०,
 २४१

देईदास भोपत रो प ३१७
 देईदास मनोहरदासोत दू १७०
 देईदास महकरणोत प २३३
 देईदास माधोदासोत दू १८८
 देईदास घीरावत दू १७७
 देईदास सहसमल रो प ३१४
 देव दू १५
 देवल दू १४
 देवो प १६८
 देवो दू १०७, १२४
 देवो चहुवाण वागडियो प ११९, १७२
 देवो भैरवदासोत दू १७८, १९०
 देवो रतनू-चारहठ दू ७४
 देवो रावळ प ७९
 देवो वणवीरोत प २४२
 देवो सीहठ घनराज रो दू १०४
 देवो सोलकी दू १०७
 देवो हमीर रो प २३७
 देपाळ प. २३२, २६१, २८०
 देपाळ जोईयो दू ३०४
 देपो प ३६३
 देभो प २०५
 देलण काकिल रो प. २९४, ३३२
 देलो प ३४१, ३४३
 देल्हो दे० देलो ।
 देवकरण दीवाण गोपाळ रो प ३१०
 देवकरण राजा ती १७५
 देवनीक ती १७८
 देवराम घीदावत ती १५७
 देवराज प १५७, १६८, २३९, २६१,
 २८५, ३६०, ३६१, ३६२
 „ दू ५८, ६३, १०४, १९९,
 २०१, ३०४
 देवराज आसराव रो प ३६३
 देवराज काधळ रो दू. १४५
 देवराज मूलराज रो दू १०, ५३, ७३,
 ७५, ९२, १४४

देवराज मूळराज रो ती ३४, २२१

देव राजघर रो प ३५६

देवराज भोहा रो प ३३६

देवराज माढण रो प ३५६

देवराज घाघेलो प २६१

„ „, ती ५०

देवराज विजैराव चूडाळा रो

दे० देवराव विजैराव चूडाळा रो ।

देवराज घोफा रो ती० २०५

देवराज वीरमोत ती ३०

देवराज घोसा रो प १६६

देवराज साखलो प ३५३

देवराज सातळोत हू ८४

देवराज सीहट रो प. ३४०

देवराजादित्य प १०

देवराव विजैराव चूडाळा रो हू १०,

१८, १६, २०, २१, २२, २३, २४,

२५, २६, २७, २८, २९, ३०, ३१

देव सर्मा प. ६

देवसिंघ प ३०४

देवानी प २६३

देवाहत हू १६

देवाणिक प ७८

देवादित प ३, १०

देवादित्य दे० देवादित ।

देवानोक प २८८

देवापर प १६२

देवियो घोरो ती ५६

देवीदान हू १०८, १६८

देवीदान गोम-भाटी हू ७७

देवीदान सायतमी-भाटी हू ७७

देवीदाम प १६, ३३, १४३, १६३, २११

„ हू ८२, १००, १२३, १६०, १६७

देवीशम (बगवारी) ती २३२

देवीशम नासा रायळ रो हू ११, ८३, ८४

„ „, „, „, ती ३५

देवीदास चूडासमा रो हू १

देवीदास जेतावत प ६१, ३५४, ३५७

देवीदास (जंस०) ती. २२१

देवीदास भाटी हू ८५

देवीदास सकतसिघोत हू ६५

देवीदास सूजावत राव प ५०, २५६

देवीसाह प. १२६

देवीसिंघ प ३०६

देवीसिंघ (ऊडसर) ती. २२६

देवीसिंघ करणसिघोत ती. २०८

देवीसिंघ (जंतपुर) ती २३०

देवीसिंघ (भनाई) ती. २२४

देवो ऊदावत प १५२

देवो त्रिभणा रो प २००

देवो विक्रमादीत रो हू १४४

देवो हाढो (वांगा रो) प ६७, ६८, ६९,

१००, १०१

देवो हिमाळा रो प. २४४

देसपाल ती १८८

देसळ हू १०, ३२

देसावर राजा ती. १८६

देसावळ माघो ती १६०

देहू मडळीक प. १२३

देहु राणो प १५

देहुल विजैराव रावळ रो हू ३३

देहो हू १२६

दोदो सूमरो ती ६२, ६७, ६९, ७१,

७२, ७३

दोगव गंणो प १२३

दोलतपान प १०१

दोलतपान भाटी हू २, १०, १२२

दोलतपान भोजू हू १८६

दोलतपान कवि ती २७५

दोलतपान ती ६०, ६१, ६३, २३०

दोलतपान दहियो ती २६८, २६९,

२७०, २७१

दोलतसिंघ प. ३२२
 दोलतसिंघ (कल्याणसर) ती. २३४
 दोलतसिंघ (खनावडी) ती २३६
 दोलतसिंघ गजसिंघोत भाटी ती २१३
 दोलतसिंघ (तिहाणदेसर) ती २२७
 दोलतसिंघ (नीवाज) ती २३५
 दोलतसिंघ (वाप) ती २२३
 दोलो गहलोत हू ३१४
 द्यास हू २०२
 द्रढहास प. २६२
 द्रढाद्व ती १७७
 द्रोण दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।
 द्रोणगिर प २६०, २८०
 द्रोणाचारज दे० द्रोणाचार्य महर्षि ।
 द्रोणाचार्य महर्षि ती. १५३, १५४
 द्वारकादास प ३०६, ३२२, ३२३, ३२७
 द्वारकादास गिरधरदास रो, राजा प.
 ३२१, ३२७
 द्वारकादास नरसिंघदास रो प ३२०
 द्वारकादास नाथा रो प. ३११, ३१२
 द्वारकादास पतावत हू १७१
 द्वारकादास भाटी हू ६४, १०६, १३१,
 १३२, १६७, १८८, १९७
 द्वारकादास मनोहरदासोत हू १२०
 द्वारकादास मेडतियो हू. १७७
 द्वारकादास मेहाजळ रो प १६०

ध

धणसूर दे० धणसूर ।
 धनपालसेन ती १८६
 धनकपाळ प २८६
 धनराज प. १६७
 ,, हू. ८१, ६३, १२१, १२२,
 १२४, १२८, १३८
 ,, ती २३१
 धनराज खेतसीओत हू ६६

धनराज गोपदासोत हू. १८८
 धनराज जैतोवत हू २००
 धनराज नेतावत हू. १०७
 धनराज बीकावत हू १७३
 धनराज सांवळदासोत हू १८१, १८२,
 १८४
 धनराज सीहड उधरणोत हू १०३, १०४
 धनराज हरराज रो प १६३, १६४
 धनालसेन ती १८६
 धनुर्द्वर प ७८
 धनो आसावत हू १७७
 धनो गौड ती २७०
 धनो जोगा रो प ३५७
 धनो माडणोत प २३६
 धनो बीसा रो प. १९६
 धरण सा प. ३६
 धरणीवराह प ३३७, ३३८, ३५५, ३६३
 ,, ती १७५
 धरमचंद प. ३२६
 धरमदेव प ३३७
 धरमागद प. २७
 धरमो हू. १४३
 धरमो धोटू प ३४७
 धरमोस प २६२
 धर्म सर्मा प ६
 धर्मागद राजा ती १७५ (दे० धरमागद)
 धर्मादि प. २८८
 धवळ जाडेचो हू २२५
 धवळोजी राय इंदो हू. ३१०
 धावळ ती २६, ५६
 धाघू प ३३७
 धाऊ भेछळो हू. ६०, ६१
 धारगिर राजा ती १७५
 धारदे दे० धीरदे जोईयो ।
 धारदे मदीत जोईयो ती. ३०
 धार धवळ दे० धीर धवळ ।

घाराघरीम सोमेसर रो प ३५५, ३६३
घान् घानळोत प. २५३, २५४, २५५,
३४०

„ घानळोत ती २८६

घारो देवडो प. १५६

घारो सोढो प २२५

घाहड राजा ती १७५

घियनाश्य प ७८

घियताश्य दे० घियनाश्य ।

घोरजदे दे० घोरवे जोईयो ।

घोरतसिघ (साढयो) ती २३२

घोरतसिघ (सिरगसर) ती २२४

घोरतसिघ (हरदेसर) ती. २३२

घोरवे जोईयो दू ३१७, ३१८, ३१९,
३२०

घोरमघळ ती ५३

घोर राठोड ती २१९

घोरमेन राजा ती. १७५

घोरो जैसिघदेवोत प २३२, २३६

घोरो वेधराज रो दू. २०१

घोरो मासक रो प ३३१

घुनाळक परमार ती १७६

घुष प ११९

घुषमार प ७८, ७८७, २९२

घुषळ प १७२

घुषळियो साहणी प. २२६

घुषुमार ती १७७ २१८ (वे० घुषमार)

घुषगघ प २८८

घुषळीमल जोनी दू २०९, २१०, २१२

घुमरिग ती १७५

घुमरुपि वे० घुमरिग ।

घुमरुवातक वे० घुभाळक ।

घुमरुजी राय ती २९, १८०

घुमरुवद ती. १८५

घोषाशम दू ८१

घोषो दू ८०

घोम ऋषि प ३३७

घोमरिख प २८०

घोमरिष प. २६१, ३३७

घोमारिखल प. ३५४

घुवसघ ती. १७९

घुवसघि ती १७९

घुवसिन्घु ती १७९

न

नदराय प ४७

नदराय बालनोत प २७९

नदियो प. १७४

नवो प. २७९

नकोवर पांडे रो ती १४, १५

नगजी राव चंदे रो ती. २४८, २४९

नगराज खोवे रो प. ३४१

नगो प १७, २२, २७, ६७, १६६,
१९८, २०५

„ दू. ७७, ७८, २६४

नगो भारमलोत ती ११७, ११८, ११९,
१२०, १२१

नगो सवरा रो प १६७

नदी सोढो दू. २२१, २२३

नयपाल राजा ती १८८

नरदेव प. ५, २९०

नरनाथ सर्मा प ९

नरपत जीम दू २०९

नरपति राणो प. ६

नरपाळ प. २८९

नरखद प ४९, ५०, १०९, ११०, १२५,
१२६

„ दू. १९७, १९९

नरखद मेघावत मोहिल ती १६१, १६२,
१६३, १६४, १६६

नरखद सत्तावत दू. १३६

„ „ ती. ३८, १३०, १३१, १३२,

१३३, १४०, १४२, १४३, १४४,
१४५, १४६, १४७, १४८, १५०

नरविष रावळ प. १२

नरव्रम रावळ प. ७६

नरव्रह्म रावळ दे० नरव्रम रावळ ।

नरवाहण प. १२३

नरवाहण रावळ प. ७६

नरवाहन रावळ प. ५, १२

नरवीर रावळ प. ७६

नर सर्मा प. ६

नरसिंघ प. १२६, १६३, १६६, १६७,
२००

„ दू. ६६, ८१, १०७, १२०, १६०,
२००

नरसिंघ उदैकरणोत्त प. २६०, २६५,
२६७

नरसिंघ ऊदावत दू. १७३

नरसिंघ खोदावत ती. १४१

नरसिंघ गोयबदासोत्त दू. १८०

नरसिंघदाम प. २३६, ३०४, ३०५,
३२०, ३२४, ३२५

„ दू. १८४

नरसिंघदास ईसरदास रो प. ३५४

„ „ दू. १६१

नरसिंघदास कल्याणदासोत्त दू. १५८

नरसिंघदास छोतरदास रो प. ३०८

नरसिंघदास जाट ती. १४, १५

नरसिंघदास देवीदासोत्त दू. ८५, ८७, ८६

नरसिंघदास (नींबोळ) ती. २३६

नरसिंघदास फरसराय रो प. ३१६, ३२४

नरसिंघदास भाखरसीश्रोत दू. १५२

नरसिंघदास (भेळू) ती. २२५

नरसिंघदास मानसिंघ रो प. ३२६

नरसिंघदास मुहूर्तो जैमलोत्त प. ७७

नरसिंघदास रावत प. ४६, ६५, ६६

नरसिंघदास (रोणवो) ती. २२६

नरसिंघदास लूणकरण रो प. ३१६, ३२०

नरसिंघदास सावळदासोत्त दू. १७४,
१८२

नरसिंघदास सीधळ ती. ३८, १४१,

१४३, १४४, १४५, १४६

नरसिंघ देवडो तेजा रो प. १६५

नरसिंघ बापा रो प. ३४३

नरसिंघ भाणोत्त दू. १५१

नरसिंघ राजा ती. १६०

नरसिंघ बाधावत दू. १६२

नरसिंघ सीधळ प. २२६ (दे० नरसिंघ-
दास सीधळ)

नरसिंघ सोढो प. ३६१

नरहर प. १२, १३३

„ दू. ८८, ९०, ९४, १२३, २००

नरहरदास प. २७, ६७, १०२, १११,

१२५, १५६, १६१, १६५, १७८,

२१२, २३४, २३८, ३०८, ३१६,

३२५

„ दू. १७४, २६४

नरहरदास ईसरदासोत्त दू. १५५, १५६

नरहरदास केसोदासोत्त दू. १७

नरहरदास गोयबदासोत्त दू. १५०, १५५

नरहरदास दुरगावत प. ३४३

नरहरदास पंचाङ्ग रो प. ३०७

नरहरदास भाणीदासोत्त दू. १६६

नरहरदास भैरवदासोत्त दू. १६६

नरहरदास रामोत्त दू. १२०, १२२

नरहरदास रायसिंघोत्त दू. १६४

नरहरदास सावळदासोत्त दू. १७६

नरहरदास सोढो प. ३६१

नरहर रावळ प. १२

नराङ्ग जोधावत दू. १७३

नराङ्गदास प. ६७, ६६, २१०, २११,

३२०

नराङ्गदास आसावत दू. १४७

नराहणदास मगारोत प ३०४

नराहणदास हाटो प. १०४

नर प १५, ३१८

नर मेहराज रो प ३१३

नरो प २०७, २७७

„ दू ८१

नरी भ्रजावत दू १४४

नरी राजा घद रो प ३१३

नरी बीकावत ती. २०५

नरी भ्रजावत ती १०३, १०५, १०६,

१०७, १०९, ११०, १११, ११२,

११३, ११४

नर प २८९, २९३

„ ती १७८

नलनाभ प. २८८

नवगट रायळ प १३

नवघण प २४६, २४७

„ दू २०२

नवग्रह प. ११७

नवलमिघ (गूहडी) ती २३१

नवलमिघ (गोरीसर) ती २३१

नवलमिघ (सांगू) ती २२४

नवमहो दे० मालदेव राघ।

नवमेनीमान प २५७

„ दू २६२

नवा (नर) रायळ प ७९

नवा दुअणमाल रो प ३५५

नवद प ६६

नांदो दिजा रो प ३५८

नाम नावती दू ३११

नामदे प १३०

नामदे प १२९

नामना रांगो प ६, १७

नामादिन प ८, १०

नामादिन दे० नोमादिन।

नामारजन गूट रो दू २०२, २०३

नागार्जुन दे० नागारजन।

नागोरीखान ती. १२९, १३२

नाटो प १५९

नाडीजघ प ७८

नाथ ती १०८

नाथू प २०५

नाथू माला रो दू १७८

नाथू रतनसी रो प. ६७

नाथू रिडमलोत दू ११६, १४३

नाथो प. १२१, २३६, ३१६, ३२१

„ दू ७५, ७९, ८८, ९०, १२३,

१२५, १८४, १८७, १९१, १९९,

२६४

नाथो खगारोत ती ३७

नाथो गोपाळदास रो प ३१०

नाथो घाय-भाई दू १८०

नाथो पतावत दू १७१

नाथो भाटो किसनावत दू. ७८

नाथो रूपमी रो दू १९६, १९७, १९८,

१९९

नाथो लिखमीवासोत दू १६६

नाथो लूणा रो प ३२७

नाथो बीरम रो प १९७

नाथो सिध रो प ३१५

नादो दू १४३

नादो रायचंदोत भाटो दू. ९९, १००

न वो प १०१

„ दू. १४३

नारो घीरा रो प. ३३१

नापो माणकराय रो प ३४६, ३५३,

३५४

नापो गिणधीरोत ती. १३०

नापो घरजाग रो दू १९८

नापो माखलो ती ५, ८, ९, ११, १९,

२०, २१

नाभगराय प. २८८

नाभ प ७८

,, ती १७८

नाभमुख (नाभमुख) प ७८

नारण प १०१, २३५

,, हू १४३, २६४

नारण जोधावत हू १६४

नारणदास प २७, ६३, १६५, ३०७

,, हू. ८१, ६६, १६२, १७६

नारणदास श्रवैराजोत हू. १८८

नारणदास ईसरदासोत हू १८६

नारणदास पातावत प ३१

नारणदास भांडा रो प १०२

नारणदास भानीदास रो प. ३४३

नारणदास मारुसिध रो प ३२६

नारणदास माधोदास रो प. ३५८

नारणदास मालदेओत हू. ६२

नारणदास रायसिधोत हू २५५, २५६

नारणदास रावळ जैतसी रो हू ८५

नारणदास साईदास रो हू १७६

नारणदास सावळदासोत हू. १७६

नारणदास सुजावन हू. १६०

नारुसिध ती २२८

नाराइण गोयद रो प ३५८

नाराइणदास प ३२०

नाराइणदास जैमलोत प ६६

नाराइणदास पचाइणोत प ३०६

नाराइणदास भाणोत प २१०

नाराइणादित्य प. १०

नाराणदास घोड़ी प. २४६, २४७

नाराणदास घाघावत प २४७

नारायण प १६७, १६६, २३७, २४२,

३३१

नारायण ती २२०

नारायणदास आसकरणोत हू १३६

नारायणदास (करेभुडो) ती २२७

नारायणदास (तिहाणदेसर) ती २२७

नारायणदास (भेळू) ती. २२५

नारायणदास भैरवदास रो प २४१

नारायण मुहणोत प १६६

नारायणदास (मेदसर) ती २२८

नारायणदास रावत प ६२, ६४, ६५

नारायण रायमलोत हू. १२३

नारायणसेन राजा ती १८६

नाल प २८८

नाल्हो सीहड रो प. ३४१

नासरदीन सुलतान ती १६१

नासर सैद ती २७३, २७५

नासिर सैयद दे० नासर सैद ।

नासिरुद्दीन दे० नासरदीन सुलतान ।

नाहडराव पडिहार ती. २८

नाहर हू ६५

नाहरखान प २७, ६५, ६६, ११७,

१४२, १५४, १५५, १५८, ३२५

नाहरखान हू १०८, १३०, १५६,

१८८, २६३

नाहरखान गोकळदास रो प २०६

नाहरखान नाराणदास रो प ३५८

नाहरखान राधोदास रो प २८३

नाहरसिध (जाकरी) ती. २३३

नाहरसिध (रावतसर) ती. २२६

निकुभ प १२२

,, ती १७३, १७७

निकुभ ऋषि दे० निकुभ ।

निखध प ७८

निगम राजा ती १८६

निर्जाम साह ती २७६

नित्यानंद सर्मा प ६

निरघोस प ६

निषगराह प. २८८

निषध ती १७८

नीवो प ७०

नीवो आणवोत हू १५४, १६०

नीचो कांघळोत ती. १६, २१
 नीचो जैसिघवे रो प. २३२
 नीचो जोधावत ती ३१
 नीचो म्हतो दू. १३५
 नीचो राय महेसोत दू. १८२
 नीचो सिधदास रो दू. १६७
 नीचो सीमाळोत दू. ४१, ४२
 नीभट पोहड दू. १३
 नीतपाळ प. २८६
 नीत राजा ती १८६
 नीत प. ७८
 नूरदीन जहांगीर बादशाह वे० जहांगीर
 नूरदीन पातसाह ।
 नेतसी प. १६६
 „ दू. १६२, १७४
 नेतसी अजावत दू. ८०
 नेतसी दुजणोत दू. १७५
 नेतसी भा० प. १५२
 नेतमी मालदेघोत दू. ६६
 नेतसी मेहरांघण रो प. ३६१
 नेतसी रामोत दू. १२०
 नेतमी राय दू. १२१
 नेतसी घीरमोत प. २४०
 नेतसीह राय (घरसतपुर) ती. ३७
 नेतो दू. १६८
 नेतो चाचा रो प. ३५१
 नेतो जैमसोत दू. ६६, १६६
 नेतो परवत रो दू. ८२
 नेतो पिजा रो दू. ११७
 नेमजादिाय प. १०
 नेमसी मुहो प. ८८, १७२, २७६
 नेमसी मुहो ती. ४६, १६८, १७३,
 १७४, १७७, २१४, २१६, २६४
 नेमसी सिधराज रो प. ३५६
 नागन रा' दू. २०२
 नागनरा' कवि ती २७४

प

पंच दे० चप ।
 पचाइण प. २२, २५, १०६, १६५, ३०६
 „ दू. ६६, १२०, १४२, १५१
 „ ती ६६, ६७, २२०
 पचाइण कचरा रो प. १६५
 पंचाइण खेतसी रो दू. ६३, ६५
 पचाइण जैतसीओत दू. १६६
 पचाइण जोधावत दू. १६४, १७७
 पचाइण पवार प. १४१
 पचाइण प्रथीराजोत प. २६०, ३०७,
 ३०६
 पचाइण भगवानदासोत दू. १५२
 पचाइण मूळावत दू. १६०
 पचाइण मेहाजळ रो प. १६१
 पचाइण राणा भोजराज रो प. १७२
 पचाइण रूपसी रो प. ६७
 „ „ „ दू. १४८
 पचाइण हमीर रो प. २३७
 पचायण दे० पचाइण ।
 पचायण रावत ती १७६
 पजुन सामत प. २६०
 पजू प. २२०, २२१
 पजू पायक दू. ४१, ४२, ६१
 पडरिण्य प. २८८
 पड्यो प. १६
 पवार प. ३३६
 पतार्ई राधळ ती. २५, २६
 पताळसिध दे० पातळसिध राजा ।
 पतो प. २७, ११६, १६८, १६८, ३३०,
 ३५८, ३६२
 पतो दू. ८१, ८८, १३२, १३३, १४४,
 १६७
 पतो गांगा रो प. ३५५, ३५६
 पतो चारण प. १३६
 पतो जीबो प. १४८

पतो जैमल रो दू. १४५
 पतो जोगीदास रो दू. १६६
 पतो दहियो प. २२६
 पतो देवड़ो सावतसीश्रोत प. १५३
 पतो नगावत दू. १८१
 पतो नींवावत दू. १५४, १६०
 पतो मदा रो प. १६७
 पतो महणसी रो प. १३५
 पतो महिपा रो प. ११६
 पतो मूळावत दू. १६०
 पतो राणावत दू. १५१, १७१
 पतो रांणो प. ३५८
 पतो राजघर रो दू. १७७
 पतो रायमल रो प. १६
 पतो राव कला रो प. १६०
 पतो रूपसी रो दू. १६६, १६७
 पतो सिंघावत प. २४३
 पतो सिखरा रो प. १६५
 पतो सींघल प. २२५
 पतो सीसोदियो प. ३२, ६७, १११,

११२

„ „ ती. १८३
 पतो सुरतांणोत दू. ६६, १०८
 पतो सूजा रो प. २३६
 पतो सूर देवडा रो प. १७०

पत्रनेत्र प. ७८

पदमपाळ प. २८६

पदम राणो दू. २६५

पदम रिख दू. ६

पदमसिंघ दू. ६३

पदमसिंघ करणसिंघोत ती. २०८

पदमसिंघ (जीळी) ती. २३३

पदमसिंघ (जेसळमेर) ती. २२०

पदमसिंघ (जैतपुर) ती. २३०

पदमसिंघ भाटी दू. ११०

पदमसिंघ (भादळो) ती. २२५

पदमसी प. १६३

पदमसी कानडदेश्रोत दू. २८३, २८४

पदमसी रावळ प. ७६

पदमसी धिजैसी रो प. २३०, २३१

पदमादित्य प. १०

पदमो सेठ ती. २१५

पदारथ ती. १८०

पद्य ऋषि दू. ६

पद्यनाभ कवि प. २०४, २१५

„ „ ती. २६३

पवो जाड़ेचो दू. २५३, २५४

पमार डाहळियो ती. १५४

पमो घोरघार ती. ५८, ६०, ७८, ७९

परताप प. ११७

परतापसिंघ मार्णसिंघोत दू. १६३

परतापसी लूणकरणोत ती. २०५

परपाळ राजा ती. १८५.

परवत प. ३६१, ३६२

परवत आणंदोत दू. १५४, १६२

परवत केहर रो दू. ७८

परवत गांगा रो दू. ८१, ८२

परवत रावत प. ७१, ७२

परवतसिंघ प. ४०, १७४

परवतसिंघ मेहाजळ रो प. १६१

परवतसिंघ सीसोदियो प. १५५, १५६,

१५७

परवत सेखा रो प. १६८

परमपथ राजा ती. १८६

परमार प. ४

परवेज साहिजादो प. ३२१

परसराम प. ६८

परसराम भारमलोत प. २६१

परसरांम रायसलोत प. ३२३

परसरांम (हरदेसर) प. २३२

परसोतम प. ३२३

परसोतमसिंघ प. २६८, ३२२, ३२३

पराधित ती. १८६
 परिपाल ती १८५
 परियत्राह प. २८८
 परीष्ठादित हू ६
 परीक्षित ती. १८५
 परीक्षत प ८, १०
 परीक्ष्यत राजा प. १०
 परुषत प. २८७
 परुरष पेंवार रो प. ३३६
 परुराई ती. १७५
 पवन्य प ७८
 पसायत गाडण हू ११८
 पसो प २१
 पहपलकराज प २८८
 पहलादमिघ प ३११
 पहाडसिघ ती. २२४
 पहाडो ती २३४
 पहोड हू १७ वे० पाहोड
 पांचो हू ८१, १६६
 पांचो नगा रो प १६७
 पांचो माना रो प १६८
 पांचो घीसा रो प. १६६
 पांउग्र ती १५३, १५४
 पांठो गोदा रो ती. १५, १४
 पांणराज प. २८८
 पातळ किमनायत हू १६४
 प नठ तोगायत हू. ८४
 पातळ धरमिघ रो हू १२७
 पातळमिघ राजा ती १७६
 पातो सीपो प १४६
 पातो प्रभषणा रो प. २८५
 पातो फरास प १४५
 पातो भरमा रो प १७२
 पातो रागन हू ६७
 पातो दीरमसी रो प २३१
 पातो मांगा रो प १७२

पावूजी ती ४०, ५८, ५६, ६०, ६१,
 ६२, ६३, ६४, ६५, ६६, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७१, ७२, ७३, ७४, ७५,
 ७६, ७७, ७८, ७९
 पायक प. २८८
 पारजात प ७८
 पारारिख प १२२
 पारियात्र ती १७६
 पाल उदैचद राजा रो प ३३६
 पालण काल्हणोत वे० पाल्हण काल्हणोत
 पालण पवार प १८१
 पालणसी छोहिल रो प ३४०
 पालदेव सर्मा प ६
 पाल्हण काल्हणोत हू २, ३६, ५४
 „ „ ती ३४, २२१
 पासेनजित प. २८७
 पाहडसिघ प १३०
 पाहुण ती २२१
 पाहु बापा राव रो हू. १, १०, ३३
 पाहु जेठी प ३४६, ३५०
 पाहोड हू १ वे० पहोड
 पियुराव हू ७७
 पिथोरो राजा ती १६०
 पिराग जाळणोत प. २३८
 पिरागदास प ३२३
 „ हू. १३३
 पिरागदास घोरमदेवोत हू. १७१
 पिराग भाटी हू ६६
 पिरोजशाह वे० पोरोसाह ।
 पोच सर्मा प ६
 पोत सर्मा प ६
 पोताम्बरदास देरासरी ती २६३
 पोषड घूहड रो ती २६
 पोषम राव प ३६२
 पोषमराव तेजसीयोत प २३२, २४१
 पोषळ वे० प्रिथोराज कल्याणमसीत ।

पीयळसिंघ दे० पातळसिंघ राजा
 पीथो प १६४, १६६, १६९, ३१६,
 ३२६, ३३०
 पीथो हू ६६, ७७, ९०, ९२, ९५,
 १२८, १७५, १९८
 पीथो आणवोत हू १५४, १६३
 पीथो कान्हावत हू १८१
 पीथो जसूतोत हू. १७०
 पीथो देवावत हू १९०
 पीथो वीसावत हू, १९४
 पीथो तीसोदियो घाघावत प ६४, ९६
 पीरजादो हू. ४५
 पीर ब्रह्मान चिसती प. ३१८
 पीरो आसियो हू. १०१
 पीरोज हू ३४२
 „ ती १८
 पीरोजशाह पातसाह हू १
 „ „ ती १८४
 पीरोसाह पातसाह हू १, १०, ५०
 पीरोमाह सुलताण ती. १९१
 पुजन राजा प. २९३, २९४, २९६
 पुज राजा ती १८०
 पुढरीक प ७८
 „ ती १७८
 पुणपाल रांणो प १५
 पुण्यपाल दे० पुनपाळ ।
 पुषन्वा (सुघन्वा) प ७८
 पुनपाळ ऊदा रो प. ३४६
 पुनपाळ जागळघो प ३५४
 पुनपाळ रांणो प ६
 पुनपाळ रावळ लखणसेन रो हू ४२,
 ४३, ११४
 पुनपाळ रावळ लखणसेन रो ती. ३३
 पुनराज हू ३२
 पुनसी हू ८६
 पुनसी, रावळ जैतसी रो हू ८५

पुरस बहादर प ३२२
 पुरुकुत्त ती १७८
 पुररवा हू ९
 पुरुषा दे० पहराई और पुररवा ।
 पुरुषोत्तमसिंह प ३२३
 पुष्कर ती. १७९
 पुष्पसेन दे० पोहपसेन ।
 पुष्य ती. १७९
 पूजो हू ८९
 पूजो चूडा रो प ३५१
 पूजो पाता रो प १७२
 पूजो राजा रो प. ३५२
 पूजो रावळ प ७७, ७९, ८७
 पूनो प १९९, २००
 पूनो ईवो हू. ३४२
 पूनो चवई रो हू. ३१०
 पूनो दोला गहिलोत रो हू. ३१४, ३१५
 पूनो भाटी रांणावत हू. ६६
 पूरणमल प १०४, १०८
 „ हू १२५
 पूरणमल कावळोत ती १६
 पूरणमल गोपाळदासोत हू १८९
 पूरणमल जैतसिंघोत ती २०५
 पूरणमल दासा रो प ३१८
 पूरणमल प्रताप रो प २८
 पूरणमल प्रथीराजोत प. २९०, ३१३
 पूरणमल माडणोत हू. १८६
 पूरणमल मालदेश्रोत हू ९२
 पूरणमल राजा हू. ३३५, ३३६
 पूरो प १०९, १९९, ३१६, ३४२
 „ हू १२९, १३०, २६२
 पूरो जैमलोत प ६९
 पूरो भाणोत प २६
 पूरो रांणावत हू १७२
 पूरो सिंघ रो हू. २६४
 पूथीप प. ६

पृथ्वीराज प. २८८

पृथ्वीराज कुवर ती. २४७

पृथ्वीराज चौहान प २६६

पृथ्वीसिंघ (लोचो) ती. २३२

पेचह प ६, १४, १५

„ दू. १००

पेमलो घोरी ती ५६

पेमसिंघ प ३०८

पेमसिंघ छत्रसिंघ रो प २६६

पेमसिंघ (नीचा) ती. २२५

पेमसिंघ (लाबिया) ती २३५

पेमसिंघ (घाण) ती २२३

पेरजमान जोगा रो प. १२४

पेरोसा सुरताण दू. ५०

पैजारखान प. ४६

पैरोज प. ३२८

पैह्लाद प. ३२१

पोलस्त अगस्त रो प १२२

पोलियो नाई ती. २१४

पोहट दू. ११, १२, १३, १४

पोहपसेन प. १२४

„ ती. १७५

प्रद्येमधन्या पी. २८८

प्रजापाल प. ७८

प्रणय ती. १७८

प्रतक प्रवेस प २८६

प्रतविष प २८६

प्रताप (चटापी) ती २३४

प्रतापचंद प ३१६

प्रतापमल राम रो प. ३१४

प्रताप राजी प ६, १५, २१, २८, ३०,

३६, ३६, ४८, ७४, १०६, २०८

प्रताप राखळ प. ७३

प्रताप रिणघोर रो प. १४२, १५६

प्रतापदंड प. १२६, १३०

प्रतापसिंघ प ६८, ३०५, ३११

प्रतापसिंघ कछवाहो दू. १५२

प्रतापसिंघ कल्याणमलोत दू २७६

प्रतापसिंघ कुवर ती १५२

प्रतापसिंघ (गोरीसर) ती. २३१

प्रतापसिंघ (छिवियो) ती. २३७

प्रतापसिंघ जसकरण रो प. १२१

प्रतापसिंघ भगवतदासोत प २६१

प्रतापसिंघ भगवानदास रो प. ३००

प्रतापसिंघ भाटी सुरताणोत दू १००

प्रतापसिंघ मनोहरदासोत प ३०५, ३११

प्रतापसिंघ (महाजन) ती. २२८

प्रतापसिंघ मालदे रो प ३१५

प्रतापसिंघ राजा (किशनगढ) ती २१७

प्रतापसिंघ राखत प ६६

प्रतापसिंघ (सिंघमुख) ती २२४

प्रतापसी प १११

„ दू. ८८, २५६

प्रतापसी चहुवाण, राख ती. १८३

प्रतापसी राखत दू. २६४

प्रतापादीत प १३३

प्रतापी राखळ प ७६

प्रतिष्ठीम ती. १७६

प्रतीक प २८६

„ ती. १७६

प्रथम राणो प. ६

प्रथसका प २८८

प्रथीचंद मनोहर रो प. ३१६

प्रथीदीप भारमल राजा रो प. २६१

प्रथीमल प १८५, १८६

प्रथीमाल प. १८६

प्रथीराज प. १७, १६, ५५, ५६, ६६,

१२५, १२६, १३०, १४४, २०६,

२४१, २५२, २८६ ३०७, ३११,

३१३, ३२४, ३२८, ३४१, ३४४

प्रथीराज दू. ८६, ६२, ६५, ६७, ६८,

१२३, १२४, १४७, १६१, १६५,

१८२, १९७, २०२, २६४
 प्रथोराज ती. ११६, ११७, ११८, ११९,
 १२०, १२१, १४०
 प्रथोराज उदणो-प्रणो प १७, १९
 प्रथोराज कचराघत हू १७४
 प्रथोराज करमचंद रो प ३१५
 प्रथोराज राव, कल्याणमलोत बीकानेरियो
 प २५६
 प्रथोराज कान्हावत हू १९३
 प्रथोराज गोयददासोत हू १५५, १५६,
 १५७
 प्रथोराज चंद्रसेणोत प. २९०, २९७
 प्रथोराज चहुवाण राजा प. १८०, १८१,
 २९६, ३३९, ३४४
 प्रथोराज जूझारसिंघ रो प. २९८
 प्रथोराज जैतावत हू. २०१
 प्रथोराज भालो मानसिंघ रो हू २५६
 प्रथोराज देवढो सूजावत प १५४, १५५,
 १५६, १५७, १६१, १६२, १६५,
 १६६
 प्रथोराज (भूकरी) ती. २२३
 प्रथोराज पातावत हू १४९
 प्रथोराज बल्लभोत हू. १७३
 प्रथोराज भोजराजोत हू १२२, १३८
 प्रथोराज राजा कछवाहो ती. १५२
 प्रथोराज रायमल रो प ९१, ९२,
 २८१, २८४
 प्रथोराज रावत, जैतावत प. ६०, ६६
 प्रथोराज राव दलपतोत हू. १३१, १३२,
 १४४
 प्रथोराज रावळ प ७०, ७१, ७२, ७३,
 ७९
 प्रथोराज रावळ उर्वसिंघोत प. ८७
 प्रथोराज राव (चैरसलपुर) हू १२१
 प्रथोराज हरराजोत प २५६
 प्रथोराज हाडो केसोदास रो प ११७

प्रथीसिंघजी कवर प. ३२२
 प्रथीसिंघ परसोतम रो प ३२३
 प्रथु प २८७
 प्रदमन दे० प्रदुमन ।
 प्रदुमन प. ७८
 ,, हू. १, १५, १६, २०९
 प्रद्युम्न हू. ९, १५, २०९
 प्रयागदास ती. ११९, १२०
 प्रशस्तनु दे० प्रसयतु ।
 प्रसयतु ती १७९
 प्रसेनजित प २८७, २९२
 ,, ती १७९, १८०
 प्रसेनघन्वा प २८८
 प्राग हू ९
 प्रागदांन ती २३३
 प्रागदास प २१२
 ,, हू १२०
 प्रागदास करमसीओत हू. १६३
 प्रागदास कलावत हू १६२
 प्रागदास दयाळदास रो हू. ९४
 प्रागदास सांवलदासोत हू १८३
 प्राद्यित राजा ती १८६
 प्रासेनजीत प. २८९ (दे० प्रसेनजित)
 प्रिधीचव प ३१९
 प्रिथोराज कल्याणमलोत ती. २०६, २०७
 (दे० प्रथोराज कल्याणमलोत)
 प्रिथोराज चैरसलपुर राव ती ३७
 प्रिथु प. ७८
 प्रेतारथ हू. ९
 प्रेमचंद प ३१९
 प्रेम मुगल प. २४४
 प्रेमसाह प १३१
 प्रेमसिंघ प ३२१, ३२८
 फ
 फर्तसाह ती २७६

फर्नसिघ प २५, १३३, ३०६, ३११,

३१८

„ दू ६५

„ ती २२३, २२४, २२५, २३१,

२३२, २३३, २३४, २३५

फर्नसिघ फिसोरदासोत प ३०७

फर्नसिघ लाहलान रो प ३१८

फर्नसिघ विर्जसिघोत दू ११०

फर्नसिघ हररांमोत प ३२४, ३३५

फदनखां ती. २७५

फरसरांम प ६६, ३०७, ३२३

फरसरांम उर्वसिघोत प. २१, ३०८

फरसरांम फचरावत प ३१६

फरसरांम बिदावन रो प ३०७

फरसो प १२१

फरसो सूजा रो प ११६

फरीद शेख ती २७६

फरेजान (फरेवान) प २६२

फार्यंस ती. १७३

फिरोजशाह भावशाह दू १०

„ „ ती. १८४

फूदो कांचय प २०३

फूल दू २२२, २३३

फूल जाहेंचो छाहर रो दू. २०६

फूल जाहेंचो घबळ रो दू. २२५, २२६,

२२७, २२८, २२९, २३०, २३१,

२३३

फुनांणी दू २३३

व

वध प ३३८

वध राजा प ३३६

वधदत्त प ३३८

वध दू २१५

„ ती. १८०

वभणियो जाम दू २२४

वभ राजा (मारवणी रो बाप) प. २६३

वभेसर दू २१५

वडुवै राजा ती. १८६

वद्री तिरमणोत प ३२३

वद्रीदास प. ३०६

वळ प ११६, १३५, २४७

वळकरण प १०१

„ ती. २२१

वळकरण जगनाथ रो प. ३०२

वळकरण नरहरदास रो प ३०८

वळकरण पूरा रो प. ३४२

वळभद्र प. २१२, ३१०, ३१८, ३२७,

३२६, ३५६

„ दू. ६०, २६४

„ ती. २२८

वळभद्र नरसिघदास रो प. ३२०

वळभद्र नारायणदासोत प. ३२४, ३२६,

३२७

वळरांम प. २८, ३०६

„ ती २३६, २३७

वळराज प. १००

वळराज तेजसी रो प ३५७

वळ राजा प. १६०

वळ लाखण रो प २५०

वळधीर प. १२६

वळसोही राव लाखण रो प १७२, २०२

वलाहक राजा ती. १८७

वळिकरन पूरावत दू. १७२

वळिपाळ प २८६

वळिभद्र प्रधीराज रो प २६०

वळिभद्र पांफडो राजा प्रधीराज रो

प ३०७

वळिरांम फरसरांमोत प ३१६, ३२३

वळिरांम भगवंतदासोत प ३००

वळि राजा प. १६०

बलि राव लाखण रो प. २३०
 बली प. १०० (दे. बलि राव लाखण रो)
 बलीराम नरसिंघदासोत हू. १८३
 बलू प. २५, ६८, ३०७, ३०८, ३१२,
 ३२५, ३२६, ३४१
 , हू. ६४, १२४, १२८, १२६, १३१,
 १३२, १४३, १४४, १७४
 बलू उदैभाणोत देवडो प. ३२
 बलू कान्हावत
 बलू फेसोत हू. १८८
 बलू घट्टवाण प. ६३
 बलू जसवंतोत हू १४८
 बलू जेमल रो प. ३१७
 बलू राव प २२७, २२८
 बलू सकतावत प २७
 बलू सावतसीश्रोत प. २३४
 ,, ,, ती २१७
 बलू सांवळदासोत हू १७६
 बलू साडूळोत हू १६४
 बलू सुरजनोत हू १८५
 बलू सुरताणोत हू १५०
 बलू हुल प २७६
 बहलीम प २२८
 बहलोल लोदी पातसाह ती. २७३
 बहलोल सुलताण ती. १६०
 बहवन मोखरा रो प. ३३३
 बहादर प ६२ दे० बाहदर
 बहादर पातसाह प २०, ४६, १०६
 ,, ,, हू. २६२
 ,, ,, ती. ५५, ५६
 बहादर राजा प. २०, २६८
 बहादुर प २६२
 बहादुरशाह घादशाह दे० बहादर
 पातसाह ।
 बहादुरसिंघ ती २२३, २२७, २२६
 बहादुरसिंघ राजा (किशन०) ती. २१७

बहिराम सुलताण ती. १६२
 बट्टवे राजा ती. १८६
 बांगण ती. २२१
 बांगण जसहडोत हू ३६, ४३, ५४
 बागो हाडा रो प. १०१
 बाकळियो हू. २५७
 बागण दे० बागण ।
 बागुल घुधमार रो ती. २१८
 बाघसिंघ (नींवां) ती. २२५
 बापो जगा रो प. ३४३
 बापो राव ती. २२२
 बापो रावळ प. ३, ४, ७, ८, ११, १२,
 ७८
 बापो रावळ हू १, १०, ३३
 बाघर पातसाह प १६
 ,, ,, हू २६२
 ,, ,, ती १६२
 बायूराम रायसल रो प. ३२४
 बाळग चाच रो प २६१, २८०
 बाळनाथ जोगी प ३५१
 ,, ,, ती १०३, १०७
 बाळप सोळंकी प २८०
 बाळवष सालवाहन रो ती ३७
 बाळव ती. ३७
 बाळवष नी. ३७
 बाळव भाट प ३६३
 बालहराव रांणो मोहिल ती १७०
 बालो प ५०, ६७, ११६
 बालो उदैकरणोत प. २६५, २६६,
 ३१३, ३१८
 बालोजी प २६४
 बालोजी जगनाथ रो प ३०२
 बालो भोजा रो प ११६
 बालो राव हू ६५
 बालो सेलहथ प. १५३
 बाहड घरणीवराह रो प. ३३७, ३३८

वाहदर प. ३२८ दे० बहावर
 वाहक ती १७८
 वाहेली गूजर दू ५५
 विघपसाव रावळ प. १२
 विजठ प १३५
 बीका राव } दे० बीकी राव ।
 बीकाजी राव }
 बीज प २५८, २६३ २६४, २६७,
 २६८, २६९
 बीज राजा ती १८५
 बीबी प १२४
 बीन्नी जाम दू २५४
 बीरसीह रावळ प. १२
 बुधण भाटी-अभोहरियो दू. ३०२
 बुद्धसेन राजा ती १७५
 बुध दू १, ६, ११, १५, १६, १४०
 बुध ईष (बुधईस) ती. १७६
 बुधराम प. ३०८
 बुधनिघ प ३०८
 ,, ती २३२
 बुधसिघ जगतसिघ रो दू १०६
 ,, ,, ती. ३६, २२०
 बुधसेन प २६२
 बुनाकी प २६८
 बजो धारहठ दू. ३८, ७४
 बजो धाण्डोन ती. ५६, ६२, ६४, ६५,
 ६६, ७१, ७६, ७७, ७८, ७९
 बुयगो दू २५४, २५५
 बह मरछीक प १२३
 बीजो घूटा रो प ३५१
 बाटी दू ६
 बीडी भागरीत प २४५, २४७
 बीबी रानो ती. १५८, १७१
 बीहट बीट दू ६३
 बीनड मोलकी प. २८०
 ब्रह्मदेव रानो दू. २६४
 ब्रह्मरिप प २६१

ब्रह्मान्य प ७८
 ब्रह्मदस (बृहदश्व) प २८७
 ब्रह्मनखा ती ५७
 भ
 भईया दू. १, ११
 भगवतदास प. ३२६
 ,, ती २२६
 भगवतदास राजा भारमलोत प. ११२,
 २६१
 भगवत राय प. १३१
 भगवतसिघ प १४, १५
 भगवतसिघ ती २२५, २३३
 भगवान प २६
 ,, दू. ७७, ८१, ८६, १२२, १२८,
 १७७
 भगवान किसनावत दू १६१
 भगवान मेघराज रो प. ३५६
 भगवान सोढो प ३६१
 भगवानदास प १३०, १६०, १६३,
 १६७, २३८, ३२१, ३२७, ३२९
 भगवानदास दू. ६८, १२६
 भगवानदास अखैराजोत दू. १५२
 भगवानदास कल्याणमलोत ती. २०६
 भगवानदास गोपाळवासीत दू. १८६
 भगवानदास दयाळदासीत दू १४७
 भगवानदास नारणदासीत दू १८७
 भगवानदास फरसराम रो प ३१६
 भगवानदास (भूकरी) ती. २२३
 भगवानदास रामचवोत दू. १५६
 भगवानदास राजा कछवाहो दू १४५
 भगवानदास राजा भारमलोत प २६१,
 २६७, ३०२
 भगवानदाम रायसिघोत दू १२५, २५५,
 २५६
 भगवानदास लूणकरणीत प ३२०
 भगवानदास बीरमवेणीत दू. १६६

भगवानदास सीहावत द्व. १२४
 भगवान सकतावत प २७
 भगवान हरराजोत द्व ६६
 भगीरथ प २८८
 भड लखमसी राणो प १५
 भडसी कुतल रो, कछवाहो प २६५,
 २६६, ३३०
 भडसूर रावळ प ७६
 भदो पंचायणोत प २१, २०७
 भदो सावतसी रो प. २००
 भरत ती. १८०
 भरथरी प. ३३६
 भरमो आढो द्व २४२
 भरमो चहुवाण प १७२
 भरह राणो प. १२३
 भरुक ती. १७८
 भव ती. १७६
 भवणसी जांभण रो द्व ३८
 भवणसी भूवर रो प १६
 भवणसी (भीमसी) राणो प. १५
 भवणसी राणो ती. २३६, २४७
 भवनो रतनू द्व १४
 भवसी राणो प १५
 भवानीसिघ ती २२३, २३२, २३७
 भांडो जंतावत द्व. ६६
 भांडो बैरा रो प. १०२, १०६
 भाण प. २२, १२०, १४१ १८६, २३५,
 २३७, ३६०
 ,, द्व १२२, १४३
 ,, ती. ८७, ८८
 भाण अखैराज रो प २०७, २०६, २१०
 भाण अभाउत पडिहार प १५२
 भाण कल्याणमलोत ती २०६
 भाण खीवा रो प ३६०
 भाण जेसावत द्व. १५०, १५१
 भाण झूलो-चारण प ८६, ८८

भाण तेजमालोत द्व १२४
 भाण दुजणसाल रो प ३५५
 भाण दूदा रो प ३६१
 भाण नारणोत द्व ६६
 भाण (भेळू) ती. २२६
 भाण मनोहरदासोत द्व. १६७
 भाण मोटल रो प ३४१
 भाण रायमलोत द्व. १८६
 भाण रायसिघोत द्व. १६४
 भाणराव भोजराजोत द्व १३७
 भाण रिणधीर रो प १४२, १५८
 भाणल द्व ६१
 भाण वाढेल द्व २२०
 भाण सकतावत प २६
 भाण सहसावत द्व १८६
 भाण साईदासोत द्व १७६
 भाण सिघोत द्व १६३
 भाण सीहावत द्व. १२४
 भाणो घावळ प. २२५
 भाणो मीसण-चारण प १०५, १०६
 भाणो सीसोदियो प. १११
 भान प्रतविब रो प. २८६
 भांनीदास प २७६
 ,, द्व ११, ८०, ६२, ६३,
 १३६, १६३
 ,, ती. २२०
 भांनीदास कांन्ह रो द्व ८८
 भांनीदास दुजणसलोत द्व १२८, १२६,
 १३२
 भांनीदास घरजांगोत द्व १६१
 भांनीदास घोरमदेशोत द्व १६८
 भांनीदास (भवानीदास) वैरसलपुर-राव
 ती. ३७
 भांनीदास हरराजोत ती ३५
 भांनीदास हमीर रो प ३४३
 भांनीसिघ ती २२३, २२८, २३७

भानो दू १६६
 भानो खेतसी रो प ३६०
 भानो जोगा रो प ३५७
 भानो रावत प २७, ६४, ६५
 भानो सोनगरो ती. ४१, ४२, ४३, ४४,
 ४५, ४६
 भानो साह ती १२३
 भाखर प. २४१, २४७
 ,, दू ७६, १६८
 भाखर राणो प १५, २३१
 भाखरसिंघ ती. २३६
 भाखरसी प २७, १५६, १६६, ३६१,
 ३६३
 ,, दू. ११, १७८, १६६
 ,, ती २३६, २४०, २४१
 भाखरसी कल्याणमलोत ती. २०६
 भाखरसी खगारोत प. ३०६
 भाखरसी जसवत रो प २०८
 भाखरसी दासावत प. १६३, १६६, २३७
 भाखरसी दूदावत दू १६७
 भाखरसी भानीदास रो दू. १६८
 भाखरसी महिकरन रो प. ३५६
 भाखरसी रायपालोत दू १५२
 भाखरसी वंदसल रो प. ३६३
 भाखरसी सादूखोत दू १६६
 भाखरसी हग्राज रो दू ६८
 भागचंद दू ८०, १२४, १४२, २०१
 ,, ती २२८
 भागचंद जैताउन दू २००
 भागचंद हाटी प १०१
 भागम मरता रो प. १६८
 भागादित्य प १०
 भागीचंद प ७८, २६२
 ,, ती. १७८
 भाटी दू ६, १६
 भाटी मातव हग रो ती. ३७

भादू रावळ प. ५, १२
 भादो मारणबासोत दू १८८
 भादो भोजा रो प ३५४
 भादो मोकळ रो ती. ११६
 भादो रावळ प ७८
 भाद्रावळ जोगी दू २१६
 भानु ती. १७६
 भानुमान ती. १७६
 भामाशाह दे० भामो साह ।
 भार्यसिंह ती. २२६, २२८, २३०
 भारतसिंघ ती. २२६, २३५
 भारथचंद्र राजा प १२६
 भारथसाह प. १२६
 भारथसिंघ प २६८
 भारथी प. ३०७
 भारद्वाज ती १५४
 भारमल प १५६, १६६, १७१, २०५,
 ३०६
 भारमल दू. ६६, ८४, ६१, १५६
 भारमल जगमालोत ती ३, ४
 भारमल जोगावत ती. ३१
 भारमल प्रथीराजोत प २६०, २६१,
 २६७
 भारमल भैरु रो प ३२५
 भारमल राजा ती. २१७
 भारमल राजा प्रथीराज रो प. २६१
 भारमल रावळ प. ३५६
 भारमल घीकावत प. २००
 भारमल सागावत प ३६०
 भारमल सेखा रो प. ३२८
 भारमल सोम रो प १६६
 भारो दू २०६, २१५
 भारो साहिब रो दू. २५३, २५५
 भालो रावळ प ७६
 भावसिंघ प. २७, १०२, ११३, १६०,
 ३०४, ३२४

भार्वसिध दू. ६३, १६६, २६३

„ ती २३७

भार्वसिध कान्होत दू. १५०, १८४

भार्वसिध भार्वसिध राजा रो प २६१,

२६७, २६८, ३१०

भार्वसिध राजा दू १४७

भार्वसिध सेखा रो प ३१७

भासादित प ७८

भौदो प १६२

भौव प. २६, २७, ३२६, ३४१, ३४३

„ दू. १, ७७, ८१, ६६, ११६, १५१

भौव करणोत प २३५

भौव करमा रो प १६५

भौव कल्याणदासोत दू १६६

भौव कूभावत प २३६

भौव जगमाल रो प ३२६

भौवङ्ग पुजन रो प. २६४, २६६, ३३२

भौव डोडियो प. ६२

भौव दूदावत दू १६३

भौव देवडो प १६६

भौव पचाइण रो दू २५५

भौव प्रथीराज रो प ३१५

भौव प्रागदासोत दू १८३

भौव भगवतदासोत प २६१

भौव राणावत प. १६६

भौवराज दू. १२४, १२८, १७८ /

भौवराज प्रथीराज रो प ३०२

भौवराज सेलावत दू १६६

भौवराज सादा रो प ३६२

भौवराय प १३१

भौव रावळ दे० भीम रावळ ।

भौव रुघनाथोत दू १६०

भौव वाघ रो प २०८

भौव सावतसीओत प २३४

भौवसिध परसोतम रो प ३२३

भौवसी प २६०

भौवसी राणो दे० भवणसी राणो ।

भौव सीहड़ रो प ३४३

भौव सुरताणोत दू १७१

भौव हमीरोत दू. २०६, २११, २१२,

२१३, २१४, २१५, २१६, २१७

भौवो दू ७८, १६६

भौवो साडावत प २४३

भौवो साहणी दू. १६६

भौवो प २०५, २६०

भीम प ५७, ५८, ५९, १०६, १५६,

२६०

„ दू. २११

भीम ईसर रो प १२१

भीम खगार रो प ३६३

भीमचद राजा ती १८८

भीम चवंडोत (चूंडावत) दू ३१०, ३४२

„ „ ती ३१

भीम जसहडोत दू ७३

भीम जेठवो दू २२०

भीमदे प २६१

„ ती. २२१

भीमदे आसकरणोत दू ५७, ५९, ६०

भीमदे नानग सुत प २६०

भीमदेव लघु ती. ५१

भीमदेव वृद्ध ती ५१

भीमपाल प २६०

भीमपाल छत्रमणोत ती. २१३

भीम मेघराज रो प ३५६

भीम राणो भालो दू २६४

भीमराज ती २२५

भीम राजा प ३०

„ „ ती ५२

भीमराव जैनसिधोत ती २०५

भीम रावळ हरराजोत दू १, ६, ११,

१४, १५, ६४, ६८, ६९, १००,

१०१, १०२

મીમ રાવળ હરરાજીત તી ૩૫
 મીમ ઘડો દૂ ૨૦૬
 મીમસિઘ તી ૨૨૫, ૨૨૮
 મીમસિઘ મહારાજા તી. ૨૧૩
 મીમસિઘ રાવળ પ ૮૭
 મીમસી રાણો દે૦ મઘણસી રાણો ।
 મીમસોઝલી પ ૨૮૦
 મીમો દૂ ૩૪૨
 મીમો રાવત દૂ ૮૬, ૮૭
 મુહસાજઝ સાહજી પ ૧૪
 મુજવઝ રતના રો પ ૧૬૪, ૧૬૫
 મુજો સઢાયચ દૂ. ૩૩૬
 મુટો દૂ ૨૧. ૨૨
 મુળગસી રાણો પ ૬
 મુળકમઝ દૂ ૨ ૩૮, ૩૯
 મુઘનસિઘ પ. ૬
 મૂઘર દૂ ૧૬૮
 મૂપમીઘ પ. ૨૮૬
 મૂમાન પ ૨૮૬
 મૂઘઢ રામ તી ૫૧
 મૂઘર પ ૧૬
 મેટો દૂ. ૮૧
 મેરય પ ૨૩૨, ૩૧૩
 મેરય દૂ. ૬૬, ૬૭
 મેરય કવિ પ ૭
 મેરયદાસ પ. ૨૧, ૧૧૧
 „ દૂ. ૮૮, ૧૨૪, ૧૮૨, ૨૦૦
 મેરયદાસ જૈતાવત દૂ ૧૫૩, ૧૭૮, ૧૬૨
 મેરયદાસ દેવદો પ ૧૫૩ ૧૫૪, ૧૫૫
 મેરયદાસ મરોટવાઝી દૂ ૧૨૦
 મેરયદાસ મેઝાવત દૂ. ૧૬૬
 મેરયદાસ રાણો દૂ. ૬૪, ૬૮, ૬૯
 મેરયદાસ યેજીદાસીત દૂ ૧૬૮
 મેરયદાસ મોઝી માવાવત પ ૫૦
 મેરય દેવદો પ ૧૬૬
 મેરય જાના રો પ. ૩૬૦

મેરવ રાવ પ ૨૩૨
 મેરુ પ ૩૧૩
 મેરુવાસ જૈસિઘદેવોત પ. ૨૩૮
 મેરુ સૂજા રો પ. ૩૨૫
 મોસલા શાહજી દે૦ મુંહસાજઝ સાહજી ।
 મોમ્રો નાઈ પ ૨૪૮, ૨૪૯
 મોગાદિત પ ૩, ૧૦, ૭૮
 મોગાદિત્ય દે૦ મોગાદિત ।
 મોજ પ. ૨૮, ૭૬, ૧૧૧, ૧૧૨, ૧૧૬,
 ૧૫૩, ૧૬૦, ૨૦૫, ૩૬૨
 મોજ દૂ. ૧, ૩
 „ તી. ૨૨૧
 મોજદે પ ૨૩૧
 „ દૂ ૮૨, ૮૩
 મોજદે ગાગા રો પ ૩૫૬
 મોજદે રાવળ વિજેરાવ રો દૂ ૩૩, ૩૪,
 ૩૫
 મોજ પવાર પ ૨૬૩
 „ „ તી ૨૮, ૧૭૫
 મોજ પવાર સિઘલસેન રો પ ૩૩૬
 મોજરાજ પ ૨૧, ૧૬૩, ૩૦૬, ૩૨૩
 „ દૂ ૧૩૮, ૧૮૬, ૧૬૬, ૨૦૬,
 ૨૧૫, ૨૫૬
 „ તી ૨૨૫, ૨૨૬
 મોજરાજ ઘર્ણરાજીત પ ૨૦૮, ૨૧૨
 મોજરાજ ઉર્દસિઘ રો પ. ૨૧
 મોજરાજ ફાન્હ રો પ ૩૫૩
 મોજરાજ ચદ્રસેન રો પ ૩૫૫, ૩૫૬
 મોજરાજ જગનાથોત પ. ૨૦૬
 મોજરાજ જસૂતોત દૂ ૧૭૦
 મોજરાજ જીઘા રો પ ૨૪૧
 મોજરાજ જૈતસિઘોત તી ૨૦૫
 મોજરાજ નૌવાવત દૂ ૧૫૪, ૧૬૨
 મોજરાજ પચાઢણ રો પ ૨૩૭
 મોજરાજ માલદેવોત દૂ ૧૭૮, ૧૬૩
 મોજરાજ રાજવે રો પ ૨૬૪, ૨૬૬,
 ૩૩૨

भोजराज बाघोत दू १७६
 भोजराज राणो प १७२
 भोजराज रायल्लोत प ३२१, ३२२
 भोजराज रूपसी रो प ३०५, ३१२
 भोजराज सावळदासोत दू १७४, १७६
 भोजराज साला रो प ३४१
 भोजराज सिघोत दू १६४
 भोज राव दू १७१
 भोज विजैराव लाजा रो ती २२२
 भोज सुरजन रो ती २६६, २६७, २६८,
 २६९, २७२
 भोजादित प ३, ७८
 भोजा दत्त प १२
 भोजो प ११६, २४०
 ,, द ८०, ६६, १६४
 भोजो कूभा कांपळिया रो प. २४६, २५०
 भोजो जोघाघत दू १७७
 भोजो देवावत प २८४, २८५
 भोजो साडा रो प ३५४
 भोजो सोढो प ३६१
 भोपत प २७, २८, ६६, १४२, १५६,
 १६४, २३७, २३८, २४२, २६१
 ,, दू. ८१, ८२, १२३, १६६, २६४
 भोपत ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६
 भोपत कचरावत प. ३१६, ३१७
 ,, ,, दू १८५
 भोपत चकतो ती ३७
 भोपत जसवत रो (जसूतोत) दू ८०, १७०
 भोपत पतावत दू १६०
 भोपत भारनल रो प २६१, ३०२
 भोपत माडणोत प ३५४
 भोपत मानावत दू १७६
 भोपत राम रो प ३५८, ३६०
 भोपत राघोदासोत प. ३२७, ३२८
 भोपत रायसिघोत दू १०७
 ,, ,, ती. २०७

भोपन राहडोत दू ३२
 भोपत लिखमीदासोत दू १६६
 भोपत सहसावत दू १७६
 भोपत सावळदासोत दू. १७४
 भोपतसिघ प ३२२
 ,, ती २२७, २३०
 भोपत सिघोत दू. १६३
 भोपत सोढो प ३६१
 भोपाळ प ६८
 भोपाळ दू ६१
 भोमपाळ राजा ती १८८
 भोमसिघ ती. २२५, २२६, २३२
 भोमसिघ साडूळसिघोत ती. २१३
 भोवड प २५६
 भोवडराज प २५६
 ,, ती. ४६
 भोवो नाई प २४८, २४९
 भोहो तेजपाळ रो प. ३३६

म

मंगलराव मन्मतराव रो दू ६, ११, १५,
 १६, ३१
 मंगलराव, रावळ बछु रो दू १४०
 मन्मतराव दू १, ६, ११, १५, १६,
 १४०
 मडलीक दू ८८, २६३
 मडलीक घुवाण ती ३
 मडलीक जगमालोत ती ३, ४
 मडलीक राव (वैरसलपुर) दू १२१,
 १२६, १३०
 मडलीक राव (वैरसलपुर) ती. ३७
 मडलीक सरवहिधो दू. २०२, २०३,
 २०४, २०५, २०६
 मक रांगो दू. २६५
 मजाहिदखा प १३६
 मथुरादास प. ३०८
 मदनपाळ राजा ती. १८८
 मदनसिघ प. २१, ३१०

,, ती २२३
 मदनसिध करणसिधोत ती २०८
 मदनसिध करसराम रो प. ३२३
 मदनसिध सेला रो प. ३१७
 मदनो प १४६
 मदनफरमान ती. ५३
 मदी रामदास रो प. १६७, १६८
 मधु दू ३
 मधुकरसाह प्रतापरुद्र रो प १२६, १३०
 मधुकीटभ प. ४७
 मधुकैटभ दैत्य दे० मधु कीटभ
 मधु राणो परमार ती १७५
 मधु राजा परमार ती. १७६
 मधुवनदास प ३१०
 मधुसूदन प १३३
 मनदेव प २८६
 मनभोलियो ठूम दू २३२, २३३, २३४
 मनरदास ती २२३
 मनराम (मनावडी) ती २३६
 मनरप जगनाथ रो प. ३०१, ३०६
 मनरूपसिध प ३००
 मनरूप (हरदेसर) ती २३२
 मनहरदास (कल्याणसर) ती २३४
 मनहरदास (जीळी) ती २३३
 मनहरदास (जैतपुर) ती. २३०
 मनहरदास (लक्ष्मणसर) ती. २३३
 मनहरदास (गाडवी) ती. २३२
 मनु प २८७
 मनोरदास मरहरदासोत प. २३८
 मनोहर प २३, २७६, ३१६, ३४३
 ,, दू ७८, ८५, ८८, ९०, ९६.
 १२२, १७६ १७८
 मनोहरदास प ६, १६५, ३१८, ३२७,
 ३४२
 मनोहरदास दू. १२०, १२६, १६१,
 १६७ १८६, १८४
 मनोहरदास ती २०३

मनोहरदास अखैराजोत दू १५२
 मनोहरदास उर्वेसिधोत दू. १८८
 मनोहरदास कलावत दू ६, ११, ६३,
 १०२, १०३, १०४, १८२, १८४
 मनोहरदास खगारोत प. ३०५
 मनोहरदाम जसूतोत दू. १७०
 मनोहरदास नायावत प. ३१०
 मनोहरदास पातळोत दू. १६४
 मनोहरदास पिरागदासोत दू. १७१
 मनोहरदास रावळ प ३५६
 ,, ,, ती ३५
 मनोहरदास रुद्र रो प ३१६
 मनोहरदास सांघळदास रो प. ३४२
 मनोहर राव प २७६, ३१६
 मनोहर रावळ दू ७७, ८०
 मनोहर रूपसी रो प. ३४३
 मनोहर (सिधराव-भाटी) दू १०७
 मनोहर सोढो प ३६१
 मनोहर प २३७
 ममारखसाह सुलतान ती. १६१
 ममूसाह अमराव प २१८, २१९
 मयणसी रावळ प ७६
 मरीच प ७७, २८७, २६२
 मरीच राणो दू. २६५
 मरीचि ती. १७५
 मरु राजा ती १७६, १८५
 मरुदेव ती १७६
 मर्दनादित्य प. १०
 मलकवर ती २७६, २७८, २७९
 मलिक दू ४८
 मलिक अवर दे० मलकवर ।
 मलीनाथ रावळ ती २७, ३०, २५१,
 २५२, २५५, २५६
 मलूकचंद राजा ती १८८
 मलूखां राजा प १३०
 मलेसी डोडियो ती. १३४, १३५

मलेसी पुजनराव रो प २६०, २६४,
२६६, ३३२
मलो सोळकी प. ३४२
मलो सोळकी हू १५३
मल्लिनाथ दे० मलीनाथ रावळ ।
मल्लीनाथ राव हू २४८, २८१, २८२,
२८३, २८४, २८५, २८७, २८८,
२८९, २९०, २९१, २९६, ३००,
३०७, ३०८, ३०९
मल्लीनाथ रावळ हू १३० (दे० मली-
नाथ रावळ)
महंदराव प १७२, २३०, २४७, २५०
महकरण रणावत प. २३३
महड हू २१५
महडू ऊनड हू २३८
महणसी प १३४, १३५, १६९, १८७
महदराव प. १०१
महदसी प ३४३
महपाळ राणो (परमार) ती १७५
महपो पमार (परमार) हू ३३८, ३३९,
३४०, ३४१ (दे० महिपो पवार)
महपो पमार (परमार) ती १७६
(दे० महिपो पवार)
महमद प. २६२
" हू ३४३
" ती ५४, ५५, ५७
महमंद झालो हू २५८
महमद पातसाह ती १, २, २८
महमद वेगडो प २६२
" हू २०२, २०३, २०४, २०५
" ती २५, ५६
महमदअली सुलतान ती १६२
महमदखान ती ५३
महमदसाह ती १६१
महमदी श्रादल सुलतान ती १६१
महमूद प. २६२
महमूद वेगडा वादशाह-दे० महमद वेगडो

महरं जाडेचो हू २०९
महरावण प ३६१ (दे० सहिरावण)
महरावण तिलोकसी रो हू. १६२
महाजोघ राजा ती. १८७
महानद प ७८
महाबळ राजा ती. १८७
महामति प ७८
महायश ती. १७८
महारिख रिखेस्वर प १६३
महासिध प. २८, ६६, ६६, १२५, ३२३,
३२८, ३२९
" हू ६३, २६३
" ती २२०, २३६
महासिध ईसरदासोत हू ६५
महासिध उग्रसेन रो प ३१६, ३२२,
३२४
महामिध कछवाहो मानसिधोत हू. १३३
महासिध जगतसिधोत प २६१, २६७
महासिध राजसिधोत प २०६
महामिध राव प २८१
महिद्वराव प २०२ (दे० महेंद्रराव)
महिकरण प ३५७
महिकरन कूभा रो प ३५६
महिपाळदे ती ५२
महिपाळ राजपाळ रो प ३४४
महिपाळ राजा ती १८८
महिपाळदे वोडो लखा रो प २४७
महिपो केल्हा रो हू ११२
महिपो केहर रो हू. ७७, ७८
महिपो चहुवाण प ११६
(दे० महिपो चहुवाण ?)
महिपो पंवार प १६, १७
(दे० महपो पमार)
" " हू- ३३८, ३३९, ३४०, ३४१
(दे० महपो पमार)
" " ती १, २, १३४, १३५, १३८,
१३९, १४०, १७६ (दे० महपो पमार)
महिपो भूवर रो प. १६
महिमडल-पालक ती १८०
महियो चहुवाण प. १७२
(दे० महिपो चहुवाण ?)
महियो सीसोदियो प. ६२
(दे० महिपो सीसोदियो ?)

महिरावण दू ८८ (दे० महिरावण)
 महिरावण घोघा रो दू ११७
 महिरावण घाघेलो प. २२६
 महिलू प २८१
 महीकरण नारण रो प. ३५८
 महीदास प ७८
 महीपाळ प. २८६
 महीपाळ राजपाळ रो प ३३६
 महीपिंड प. ३३६
 महीराव प १३५
 महीरावण वरसल रो प. ३६०
 महेंदर प ४
 महेंद्रराव प १८६ (दे० महिंद्रराव)
 महेंद्रादित्य प. १०
 महेंस प ८, २२, १६४, २०१, २३५,
 २४०, ३६०, ३६१, ३६२
 महेंस दू ८४, १००, १०४, १८३, १६७,
 १६६
 महेंस करमा रो दू. ८०
 महेंस कलावत प. ३५४
 महेंस घडती रो दू. १८६
 महेंम जोधा रो प २४१
 महेंम ठाकुरती रो प ३६०
 महेंसदास प. १३५, १७६
 " दू ६५, १८४, २६३,
 महेंसदास अचळदासोत दू १५६
 महेंसदास घाढो किसनावत दू. १५, २६५
 महेंसदास कलावत दू १८४
 महेंसदास पोतती रो दू १२३
 महेंसदास गोपबदासोत दू १५०
 महेंसदास जगदेवोत दू १४०
 महेंसदास वळपतीत प. २३४, २४६
 " " दू. १७७
 महेंसदास पीया रो प. ३३०
 महेंसदास राव मूरजमलीत दू. ६०
 महेंसदास रुपतीतोत दू. १४८

महेंसदास लखावत दू. १६१
 महेंसदास लूणकरणोत दू ६०
 महेंस प्रतापसिधोत ती १५२
 महेंस भैरव रो प १६६
 महेंस मानसिधोत प. ३५६
 महेंस साईदासोत दू १७६
 महेंस सेखावत दू १७३
 माखण सेंद प २७, ६५
 मांगळ प. २६३
 मागळराय प. २८६
 माजो चूडावत प. ६६, ७०
 माडण प २४३, ३६१, ३६२
 " दू १४३, १७०, १७२, १८२,
 १८४
 मांडण ऊहड प २४३
 मांडण ऊहड गोपाळदासोत दू. ६६
 मांडण कूपावत दू १८१, १८७, १८६
 " " ती १२३, १२४, १२५,
 १२६, १२८, २७४
 मांडण खांट ती. ५६
 मांडण जोधा रो प. ३५७
 मांडण रांणावत प. २३६
 मांडण रणावत साखलो ती. ३१
 मांडण वीरती रो प. ३५६
 मांडण सकतावत प २७
 मांडण सोहड रो प. ३४१
 मांडण सोढो दू ८२, ८३, २६२, २६३
 " " ती. ३४, ३५
 मांडो प. ६६
 मांडो जंतती रो, रांणो प. ३४१
 मांडो मुहतो दू १३५
 मांडो हरमम रो प ३५२
 मांणकराव भासराव रो प. १०१, १७२,
 २०३, २३०, २५०, २५१
 मांणकराव पुनपाळ रो प. ३४६, ३४७,
 ३५३

माणकराव रांगो मोहिल हू ३२२, ३२३,
३२५

„ रांगो मोहिल ती १५८, १७१

माणकराव सिवराज रो प ३५६

माणकराव सोढो प ३६३

माणल देवाइत हू १६

मांघाता चक्रवै ती १७८

मांघाता चक्रवर्ती ती. १७८

मानं प १०१

मानं खीमावत हू ६, १३६, १६१

मानं चहुवाण प ७४, ७५, ७६, ७७

मान तुवर, राजा ती. १८३

मानघाता प ७८, २८७

मान पूरा रो प. १०६

मान राणो प २३१

मान लणबायो प. २२४

मान वीरभाण रो प १२०

मान सांवळदासोत प. ७३

मानसिध प १६०, ३१६, ३२८, ३२६

„ हू ८८, ६५, १२२, १२६, १७०,
१६२, १६४

„ ती २३०, २३१, २३२

मानसिध अखैराजोत प २०७, २०८

मानसिध ऊदावत हू १७३

मानसिध कछवाहो प ३०, ३६, ४०,

४८, १३३, २५५, २५६, ३०८,
३१३

मानसिध करणोत प ६५

मानसिध कान्ह रो हू. १३६

मानसिध गागावत प ३५८, ३५६

मानसिध जंतसिधोत ती २०५

मानसिध जैमलोत प ६६

मानसिध भालो हू २४५, २५६, २५६

मानसिध तेजसी रो प ३२६, ३५४

मानसिध दुरगावत प ३२७

मानसिध भगवतदासोत प २५५, २५६,
२६१, २६७

मानसिध भांणोत प २६

मानसिध भाखरसी रो प. ३५६

मानसिध मेहकरणोत हू १६३

मानसिध राजा प. २६१, ३०८, ३१३,
३४२

„ „ हू. १४७

„ „ ती २१७

मानसिध राव प. १४२, १४३, १४४,
१५०, १६१, १६५, १६६

मानसिध रावत, सोसोदियो प ६६, ६७,
६८

मानसिध राव हुदा रो प. १३५, १३७,
१३८, १३९, १४०, १४१

मानसिध रावळ प. ७३, ७४, ७५, ७६
७७

मानसिध राव (वैरसलपुर) ती ३७

मानसिध राव सीरोही प० २२, २३, २४

मानसिध लखावत हू १६१

मानसिध सांवळदासोत हू १७४

मानसिध हाडो प. ११७

मानो प २६, १४६, १५६, १६३,
२३८, ३६२

„ हू ६६, ७७, १४३, २६४

मानो केसोदासोत हू. १८८

मानो जोगा रो प ३५७

मानो हुगरसीओत हू १७६

मानो देवराज रो हू. २०१

मानो नरवद रो प २४८

मानो नीवावत हू १५४

मानो मदा रो प १६८, १६६

मानो महियड हू ६२

मानो राव प १४३

मानो रूपावत ती. ८४

मानो लखमण रो प ३४१

मानो वीसळ रो प २००, २०१

मानो साईदासोत हू १७६

मानो सिखरा रो प १६५

मानो सिधदासोत दू. १४४
 मानो हमीर रो प ३५८
 माखनसा संघद दे० माखण सैद ।
 माघ राजा परमार ती. १७६
 मायुर दू ३
 माघवदास केसवदासोत प २११
 (दे० माघोदास केसोदासोत)
 माघवदे प. ३३६
 माघघ ब्राह्मण प. २६२, २७७
 " " ती. ५०, ५१, ५३,
 १८४
 माघव मायो राजा ती १६०
 माघवमेत ती. १८६
 माघवादित्य प १०
 माघू भाटी दू ५८
 माघो प. १६६, १६७, २४२, ३४३
 माघो फाना रो प. ३६०
 माघो गिरघर रो प. ३४३
 माघोदास प. ३१३, ३२५
 " दू. ६०, ६२, ६६, १२२,
 १२३, १२५, १७०, १८४, १६१,
 २६३
 माघोदास फलावत दू १६२, १८४
 माघोदास फान रो प ३१४
 माघोदास फेगोदासोत दू. १६३
 (दे० माघवदास केसवदासोत)
 माघोदास गोपाळदासोत दू. १४६
 माघोदास छीतरदास रो प ३०८
 माघोदास नारणदासोत दू १८८
 माघोदास राघोदास रो प ३२८
 माघोदास राफीदास रो प ३५८
 माघोदास मुरताणोत दू. १७२
 माघो रिणमलोत दू. १६१
 माघो साठ्यानि रो प ३२१
 माघोतिघ प. २२, २५, ६८, ३०६,
 ३२६

माघोतिघ ती. १७६, २२८, २३३
 माघोतिघ कछवाहो दू. १५१
 माघोतिघ जसवत रो प. २०८
 माघोतिघ जोधा रो प ३५६
 माघोतिघ भगवतदासोत प. २६१, २६६
 माघोतिघ मालदे रो प. ३१५
 माघोतिघ सीसोदियो दू. २६३
 माघोसेन राजा ती. १८६
 मारू राणा रावळ रो प. १६६
 माल प ३४३
 माल दू २१५
 मालक खैराज रो प. ३३१
 मालण कचरावत प ३५७
 मालण जेसा रो दू. १८१
 मालदे दे० मालदेव राव
 मालदे कचरावत प. ३१५, ३१६
 मालदे जैतसिधोत ती २०५
 मालदे नाराइणदासोत प. २११
 मालदे (जोळी) ती. २३३
 मालदे पमार ती १८३
 मालदे (पल्लू) ती २२६
 मालदे भाटी दू ६०, ६२, १०२, १३३
 मालदे मूछाळी साधतसी रो प. २०४, २०५
 मालदे राघ (राघ मालदे राठोड) प.
 ६०, ६२, १६८, २०७, २३३,
 २३८, २६७, ३१६
 " राघ (राघ मालदे राठोड) दू. १३, १४,
 ५३, ५४, ६८, ६८, १४५, १६१,
 १६२, १६३, १६४, १७४, १७७,
 १८०, १६०, १६२, १६४
 " राघ (राघ मालदे राठोड) ती २८, ८६,
 ८७, ८३, ८४, ८५, ८७, ८८,
 ८९, १०१, १०२, ११४, ११५,
 ११६, ११७, ११८, ११९, १२०,
 १२१, १२२, २१५
 मालदे राघळ लूणकरणोत दू ११, १३,
 १४, ८६, ८१, ८७, १०६

मालदे रावळ लूणकरणोत ती ३५
 मालदे राव (वैरसलपुर) दू १२१, १२२
 १५४
 ,, राव (वैरसलपुर) ती ३७
 मालदेव राजा परमार ती १७६
 मालदेव राव गांगावत दू १३७, १३८,
 १५४
 मालदे सोढो प ३६१
 माल पंवार प २८०
 मालीदास करणसिधोत ती २०८
 मालूजी ती. २७६
 मालो प. २७, ५०, १६८, १६९
 ,, दू. १४, ७७, ७८, ८६, १४२
 मालो किसनावत दू १२४, १२५
 मालो घारण प १८४
 मालोजी रावळ दे० मलीनाथ रावळ
 मालो जोधावत दू १७७
 मालो देवराज रो दू १०४
 मालो रतनू-वारहठ दू ५४
 मालो रावत दूदा रो प १२४
 मालो रावत हांमा रो प. १४६
 मालो रावळ दे० मल्लीनाथ रावळ
 मालो सिध रो दू २६२, २६४
 मालो सिलार रो प. १६५
 मालो सुजावत प १४४
 मालो सेखा रो प १६५
 माल्हण सूर दू १५३
 माधल धरसङ्गो दू २३२, २३३
 माहंगराव गोंदा रो प. २५३
 माहप प. ५, १३, १४, ७०, ६०
 माहिसिध प. ११६
 मित्रावरण प. १२२
 मिरजो खान दे० खान मिरजो
 मिलक केसर दे० केसर मिलक
 मिलक खान प १४६, १४७
 मिलक खान हेतावत प २४६

मिलक वेग दू. २६०
 मिलक मोर प. २३१
 मोया प. १०१
 मोर गाभरु प. २१८, २१९
 मोर मलिक प २३१
 मुगदराय प १३३
 मुंजपाळ हेमराजोत ती. ३०
 मुघ प. ११६
 मुघपाळ प ११६
 मुघ राणो दू २६५
 मुघ रावळ देवराज रो दू १०, १५,
 ३१, ३२
 मुकद प. १६, २०
 ,, दू ६६, १२३, १८० १६६
 मुकद ईसरदासोत दू ६४
 मुकददास प १२५, २११, २१२, २३३
 ३०८, ३२०
 ,, दू ८८, १७०, १६०
 ,, ती २३५, २३६
 मुकददास कचरावत दू, १७४
 मुकददास जैतसिध रो प. ३०३
 मुकददास नरसिधोत दू १८३
 मुकददास भोपत रो प ३१७
 मुकददास माघोदासोत दू. १४६
 मुकददास सांघळदासोत दू १७४
 मुकददास सीसोदियो प १४८
 मुकददास सुरताणोत दू १६०
 मुकददास हरदासोत दू १६५
 मुकरवखां ती २७७
 मुकुदसिध प. ११५
 मुकुंद सुरताण रो प ३५६
 मुक्तपाळ प २६०
 मुगटमिण ताजखान रो प. ३२४
 मुगलखान इसमाइलखां रो दू. १०४
 मुघरावास प २५, ३१०
 मुघरो दू. १३२, १४२

मुयरो रांगा रो दू १०४
 मुयरो रायमसोत दू १४४
 मुयरो हरावत दू १४४, १४५
 मुवकर प २६२
 मुवकरखान प २२३
 मुदाफर प. ११६, २६२, ३०२
 „ दू २४१
 „ ती ५५
 मुराद प. ३०५
 मुरादवगस प ३१
 मुरारदास प. ३०६
 „ दू १४६
 मुहमुद्दीन आदिल ती १६१
 मुहम्मदशाह ती १६१
 मूजो प ३४६, ३४७, ३५२
 मूलक ती १७८
 मृच्छदेव प २६१, २६०
 मृच्छदेव लघु ती ५२
 मृच्छपसाव दू. २, ३६ ४३
 „ ती २२२
 मूलराज दू. ६२, १०६, १४४
 मूलराज चालुक्य दू २६६
 मृच्छराज चावटो दू. २६७, २६८
 मृच्छराज रावळ दू १०, १४, ३६, ४३,
 ४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ४९, ५१,
 ५२, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८,
 ७३, ७५, १०२, ११०, ११२
 मृच्छराज रावळ ती ३३, ३४, १८३,
 २२०, २२१
 मृच्छराज लघु ती ५१
 मृच्छराज पाषनाघोत ती. २६
 मृच्छराज वृत्त ती ५१
 मृच्छराज मोलकी प २६०, २६१, २६५,
 २६७, २६८, २६९, २७१, २७८,
 २८०
 मृच्छराज मोलकी दू २५८

„ „ (मूलदेव) ती. ४६
 मूलघो दू २१५
 मूलू सांगमरावोत ती. २८५, २८६,
 २८७, २८८, २८९, २९०, २९१,
 २९२, २९३
 मूलू सेपटो प २२६
 मूलो दू. १६८, २०१
 मूलो नीवावत दू १५४, १६२
 मूलो प्रोहित ती. ६७
 मूलो रावत रिणधीर रो दू. ११७
 मूलो वेंणावत दू. १६०
 मूसाखान दू. २५३
 मेघ दू २०६, २६४
 मेघनाद प. १०५, १०६
 मेघराज प. १५६, ३५६, ३६०
 „ दू १२०, १६७, १७०, १८८
 १८९, २०१
 मेघराज अखेराजोत दू. १६२
 मेघराज गागावत प. ३५८, ३५९
 (दे० मेघो गागावत)
 मेघराज भालो-मकवाणो दू. २५६
 मेघराज दूदावत दू. १६२
 मेघराज राणो दू २५७
 मेघराज रावळ दू ६७
 मेघराज धीरवासोत दू. १४५
 मेघराज हमीरोत दू १७६
 मेघ रावत दे० मेघो रावत ।
 मेघधीसो ती २०५
 मेघादित्य प. १०
 मेघो प २०५
 मेघो फचरा रो प. १६६
 मेघो गागावत दू १००
 (दे० मेघराज गागावत)
 मेघो नरसिंघदासोत ती. ३८, ३९, ४०
 मेघो भैरवदास रो प. २४१
 मेघो महेश रो दू १०४
 मेघो राणा रो दू. १०४, १७२
 मेघो रावत प. ६२, ६३, ६४, ६५, ६६

मेघो राव षड् रो ती. १६१, १६६, १७१
 मेड़ कछुवाहो प. २६४
 मेढारि राजा ती १८५
 मेवनीमल प १२६, १३०
 मेर प. १७२
 मेरादित्य प १०
 मेरो प १५, १६, १६७, १८३, २२५,
 ३५७
 ,, दू ३३८, ३३९
 ,, ती १३५, १३६, १३८, १४९
 मेरो अचलावत दू १८७, १८९
 मेळो दू ८०
 मेळो गजू रो प ३५६
 मेळो सांगावत दू १९६
 मेळो सेपटो ती २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
 मेवादित्य प १०
 मेहकरण प. ३२०
 मेहकरण तेजसीप्रोत दू १९३
 मेहदो पालनसी रो प ३४०
 मेहर तुरक दू ३१
 मेहराज प २०
 मेहराज अखैराजोत दू. १७८
 मेहराज गोपलदेओत प ३४७, ३४८,
 ३४९, ३५०
 मेहराज मांगलियाणी रो प. ३४७
 मेहराज बरसिघ रो प ३१३
 मेहराज सांखलो दू ३१२, ३२६, ३२७
 मेहराज सोढो प ३६१
 मेहरो प. १६६, २००
 मेहाजळ प. १४५, ३६०
 मेहाजळ केहर रो दू. २, ६, ३८, ७८,
 ८१, १०७
 मेहाजळ जगमाल रो प. १६०, १६१
 मेहाजळ नारणोत दू. १७४
 मेहाजळ रायपाळ रो प ३५१

मेहो प. ३४१, ३४२, ३५३
 मेहो तेजसीओत दू १९४
 मेहो भागसु रो प १९८
 मंगळ प १६८
 मंगळदे देवडो दू. ६७, ६८
 मंगळदे भाटी दू. ५२
 मंदो घीदा रो प ३४२
 महदप्रली (महदप्रली) दू. १५१
 महपो राणो ती २३९
 महारांण कांन्हावत प २३९
 महाराण साईदासोत दू १७६
 मोकळ प १०६, २०३
 मोकळ (जेसळमेर) ती २२१
 मोकळ वालै रो प. ३१८, ३१९
 मोकळ राणो प. ६, १५, १६, ६१, ६२,
 ३४२
 ,, राणो ती १२६, १३०, १३४,
 १४१, १४९
 मोकळ लाखा राणा रो दू ३३४, ३३५,
 ३३७
 मोकळसी जाड़ेचो दू २०६
 मोकळ सोभ्रम रो दू १००
 मोखरो राजा प ३३३
 मोजदीन सुलतांण ती. १६१
 मोजदे जैसिघवे रो प. ३५२
 मोटल प. ३४१
 मोटो राजा प
 मोटो राजा दू ६०, ६३, ६६, १२४,
 १२६, १३०, १३२, १४५, १४६,
 १५४, १५५, १५७, १६३, १६४,
 १६५, १६६, १७६, १७९, १८०,
 १८१, १८२, १८४, २५६
 (दे० उदैसिघ महाराजा)
 मोटो दू ६६, १२३
 मोड नाम दू. २१४
 मोडो रावत कुंतल रो प १२४

मोडी मूळवाणी ती ५, ६
 मोवांसिघ ती २२७
 मोरी प ८, १२
 मोहकमसिघ प. २४, २६, २६६, ३०५,
 ३०७, ३१०, ३१६, ३२२, ३२४
 ,, ती २३०, २३२, २३३
 मोहण प १७, १६५
 ,, दू ८८, ८९
 मोहण जोगा रो प ३५७
 मोहण दहियो ती २७०, २७१
 मोहणदास प ६९, १२५, १६७, ३०७,
 ३१६, ३२५, ३२७
 ,, वू ६१, १२०, १३३, १६८,
 १७४, १७५, १७७, १६८
 ,, ती ३६
 मोहणदास ईसरदासोत दू ६४, १०६
 मोहणदास फल्याणदास रो प. ३१२
 मोहणदास गोयदासोत दू १५५
 मोहणदास चतुरभुजोत वू. १८५
 मोहणदास जंतसी रो वू १६४
 मोहणदास नरहरदास रो प ३०८
 मोहणदास भगवानदास रो प. ३०२
 मोहणदास राजाघत दू ८२
 मोहणदास रुपसीघोत वू १४८
 मोहणदास मुरताणोत प ३०४
 मोहणसिघ प २५, २८, ६७
 मोहणसिघ करणसिघोत ती २०८
 मोहणसिघ मुक्ते रो प ३१
 मोहणगाम प. ३१०, ३२०, ३२६
 मोहणतगानि (मोहणतगा) प २५, ३१,
 २३४, २४३, ३१०, ३११, ३१४,
 ३२१, ३२५
 ,, दू ८०, ११६, १३१
 ,, ती. २६६, २७७, २७९
 मोहिन रायळ प. ७८
 मोहिन प ४५, ८६

,, ती २५०
 मोहिल सुरजनोत ती १५३, १५५, १५८
 मोजुद्दीन सुलतान दे० मोजदीन सुलतान

य

यमादित्य प. १०
 ययळ दू १२४
 ययाति दू. ६
 यशपाल रांणो परमार ती. १७६
 याकूतखां ती. २७६, २७९
 यादव दू ६
 यामिनीभानु प १३३ (दे० जांमणी भाण)
 युधिष्ठिर प १६०
 ,, ती. १८५
 युवनाश्व प. ७८
 युवनाश्व ती. १७७
 ,, द्वितीय ती १७७
 योगराज ती. ४६
 योगी दू. २४

र

रघु प. ७८, २८८, २६२
 ,, ती. १७८
 रघोस प. २६२
 रजमाई प २६२
 रजा बहादुर प ३०४
 रठ रावण इन्द्रराव ती. १६६
 रणजय ती. १७६
 रणजोतसिघ ती. २३२
 रणधीर प १४२
 ,, दू १७७, १६६
 रणधीर गाजणियो दू २२१, २२२
 रणधीर घवटे रो दू ३०६
 रणधीर घाघा रो दू. ११७
 रणधीर नायू रो दू. १६८
 रणधीर मूळाघत दू. १३६
 रणमत जांम दू २२४

रणमल नीवा रो दू. १६१
 रणमल बाघेलो दू. २५३
 रणसिंघ राजा ती १६०
 रणसिंह दे० रंणसी राणो ।
 रणसीह दे० रंणसी रांणो ।
 रतन प. ११२, ३०५, ३१६, ३२१,
 ३२३, ३२६
 ,, दू. १४, ६०, ६५, ६७, १५७,
 १६६
 रतन चारण दू. ३८, ७४
 रतन जैसिंघदे रो प. २३२
 रतन दासे रो प. ३१५, ३१७
 रतन महेसदासोत प. २४६
 रतन राघ प. ११३, २४६, २५६, २८३
 ,, ,, दू. १५८, १५९
 रतन लूणोत बांभण दू. १६, २५, २६
 रतन सांखलो सीहड रो प. ३४२
 रतनसिंघ ती १८३, २२०, २२८, २३५
 रतनसिंघ भाटी दू. ११०
 रतनसिंघ महाराजा ती १८०
 रतनसी प. २७, १६५, १६६, १७२
 ,, दू. ८०, ६३, ६८, १२४,
 १२६, १८५, १८८, २६३
 ,, ती २२१
 रतनसी अर्जैराज रो प. २०८, २१२
 रतनसी अर्जैसी रो प. १४, १६, २०
 रतनसी आसावत दू. १७६
 रतनसी कमा रो प. ३५६
 रतनसी गांगा रो प. ३५६
 रतनसी चहुवाण ती १८३
 रतनसी जैतसी रो दू. १८६
 रतनसी नरहरदासोत दू. १५०
 रतनसी नाढावत सींघल ती. ४१
 रतनसी भींवराज रो प. ३०३
 रतनसी भींवसी रो प. २६०
 रतनसी भींवोत दू. १८३

रतनसी महकरणीत प. २३५
 रतनसी माला रो दू. १७८
 रतनसी राणो प. १६, २०, २१, १०४,
 १०५
 रतनसी रांणो ती ३४
 रतनसी राणो अमरा रो प. ३१
 रतनसी रांणो जैतसी रो दू. ३, १०,
 ३६, ४३, ४४, ४५, ४७, ४८, ५१,
 ५३, ५४ ५५, ६६, ६७, ६८
 रतनसी राजा प. २६०
 रतनसी राव प. ६२, २६७
 रतनसी राव काधळोत प. ६६, ६७
 रतनसी रावळ प. ७६
 रतनसी रावळ पदमणीबाळो प. १३
 रतनसी राव लाखण रो पोतरो प. १७२
 रतनसी लूणकरणीत ती. २०५
 रतनसी बीजा रो प. ३५८
 रतनसी सांगावत प. १०२, १०३
 रतनसी सिवराज रो प. ३५६
 रतनसी सीसोदियो प. ५०, ७४
 रतनसी सीहड रो प. ३४०
 रतनसी सेखा रो प. ३२७
 रतनसी सोढो प. ३६१
 रतनसेन प. १२६
 रतनसेन रांणो ती १८४
 रतन हमीरोत प. ३०५
 रतनो दू. १४५, १६६
 रतनो गांगा रो प. ३४३
 रतनो पीयावत दू. १६३
 रतनो वीरम रो प. १६४
 रतनो बीसा रो प. १६६
 रतनो बेंणा रो प. १६६, १६७
 रतनो संकरोत प. २४३
 रतनो सांखलो प. १८, २८२, २८३
 रतो दू. १४३
 रतो थिरा रो प. ३५६

रत्नसिंघ महाराणा प ६, १४
 रत्नसिंह राखत प ६
 रत्नादित्य ती. ४६
 रत्नजीत प १२६
 रत्नधीर प. १२६
 रत्नादित्य प १०
 रत्नादित्य ती ४६
 रत्नवंत प २६२
 रत्नो सुरताणियो वारहठ दू २०२
 रत्नसद्विज राजा ती. १८७
 रांगदे राख दू. ११४, ११५, १३८,
 ३१२, ३१३, ३१८, ३१९, ३२०,
 ३२४, ३२७
 रांगफ राय प. २८६
 रांगदे प ३४८, ३४९, ३५०
 रांग वरजाणोत ती. ३०
 राणादित्य ती ४६, ५०
 राणो प २४०
 „ दू ६४, १०४, १२८, २५६
 „ ती २२१
 राणो घर्षराजोत प. २१
 राणो तेजमालोत दू. १२४
 राणो दूबाधत दू ६५
 राणो नरयव रो दू १६७
 राणो नौवायत प २३३
 राणो नेता रो प. ३५२
 राणो भौयायत प. २४३
 राणो रांमायत दू १६४, १७१
 राणो रायपाणोत दू १५१
 राणो रायज रो प. १६६
 राणो राह्योन राह्य पोधो दू ३२
 राणो महमायत दू १७६
 रांम प १३०, १४२, १५४, १५५,
 १५८, १७२, २३७, ३६४
 „ दू ७७, ८६, १४१, १६०
 रांम उरजण रो प ३१३

रांम उरजण रो प ११०
 रांम कवर प. ३१५
 रांम कवरावत ती. २१५
 रांम कूभाधत दू. १७६
 रांम खेराडो प. २७६
 रांमचद प. २७, ६३, १११, ३०७,
 ३०८, ३०९, ३२८
 „ दू ७७, ८८, ६२, १०५, १२१,
 १२२, १२४, १२८, २००
 „ ती. २२५
 रांमचद इंदो ती २८२, २८३, २८४,
 २८५
 रांमचद करमसी रो प. ३२५, ३२६
 रांमचद गोपालदासोत दू. १०६
 रांमचद गोयंददासोत दू १७५
 रांमचद जसवत रो प २०६
 रांमचद नरहरदासोत दू १६६
 रांमचद फरसरांम रो प. ३१६
 रांमचदर प. २६८
 रांमचद राजा वीरभाण रो प १३३
 रांमचद राय प १०१
 रांमचद राय जगनाथोत प ११३
 रांमचद रायळ दू २००
 रांमचद रूपसी रो प ३१२
 रांमचद घाघायत दू १६२
 रांमचद वेणाधत मोहिल ती १७२
 रांमचद सिधोत रायळ दू. ६३, १०३,
 १०४, १०५, १०८
 „ „ रायळ ती. ३५
 रांमचद सुरताणोत दू १५८
 रांमचद वसरथजी रा प. ७८, १२६
 (दे० श्रीरामचंद्रजी श्रवतार)
 रांमचद राजा ती. १८८
 रांमचद रायमलोत प. ३१८
 रांम चघट रो दू. ३१०
 रांम जगमालोत दू. १६१

राम जादव ती १८३
 रामण प १६०
 रामदास प. १२४, १२५, १६४, १६६,
 ३१७
 ,, दू ८०, ६६, १२३, १४७,
 १८१, १८४, १८६, १६६
 रामदास ईसरदास रो प ३५४
 रामदास ऊदावत प. ३०२, ३३१
 रामदास केसोदासोत दू १८८
 रामदास छांदावत दू १५८, १६६
 रामदास देवा रो प १६८, १६६
 रामदास नाथा रो दू. ७५
 रामदास भाखरसीओत दू १५२
 रामदास माल्हण रो दू. १५३
 रामदास मेहाजळ रो प. ३५१
 रामदास राजसिध रो प. ३०३
 रामदास राजसी रो प. १६७
 रामदास व्रणवीर रो प ३३१
 रामदास सूजावत दू १६०
 रामदे पीर प ३५०, ३५१
 रामदेव राठोड़ ती १६६, १६७
 राम नारणोत प ३५८
 राम पंचाङ्गण रो दू ११६
 राम मालदेश्रोत दू १६७
 राम रतनसीओत प. १५१
 राम राणो दू २६५
 राम राव प. २१२
 राम रावळ जैतसी रो दू ८५
 राम रावळ देवीदास रो दू. ८४, ८५
 राम लूणकरणोत ती २०५
 राम वरजाग रो प २३२
 राम सहसमल रो प. ३१४
 रामसा (रामस्या) दू ४८, ४९
 रामसाह प ३०८, ३१०
 रामसाह नाथावत प ३१०
 रामसिध प ६६, १५६, १६३, १६४,

१६५, २००, २११, ३०७, ३२४,
 ३२७, ३२६, ३६१
 , दू ८५, ८८, ६२, ६५, ६६,
 १२२, १२३, १२४, १६५, १७०,
 १७१, २६३
 ,, ती २२३, २२५, २२७, २३०
 रामसिध अखैराजोत प ३६०
 रामसिध अर्भराम रो प. ३०२, ३०७
 रामसिध अर्भसिधोत दू. ११०
 रामसिध आसावत प ३४३
 रामसिध उपसेण रो प ३१६, ३२०
 रामसिध कवर जैसिधोत प २६८
 रामसिध करमसेनोत प ६६
 रामसिध कल्याणमलोत ती २०६
 रामसिध कान्ह रो दू. १३६
 रामसिध चीवो प १७४
 रामसिध जगमाल रो प २३
 रामसिध तेजसी रो प ३२६
 रामसिध नरसिधदासोत दू. १८३
 रामसिध पचाइणोत दू. १०५, १०८
 रामसिध वलू रो प ३२६
 रामसिध भोंवोत दू. १७०
 रामसिध भोपत रो प. ३२८
 रामसिध महसिधोत प २६१
 रामसिध मानसिध रो प ६८
 रामसिध मेहाजळोत दू. १७४
 रामसिध राजा प १३०
 रामसिध रावळ प. ७६
 रामसिध बाघेलो प. १७२
 रामसिध धीकावत दू १७३
 रामसिध धीरमदेश्रोत दू १६७
 रामसिध सिखरावत प २३३
 रामसिध सूरजमलोत दू १८६
 राम सूजावत प ३५६
 राम सोढो प ३६४
 रामेस्वर राजादे रो प २६४, २६६

रामो प १६, २४२
 ,, दू. ६६, १२६, १६७
 रामो चारण प १११
 रामो जाभुण रो प २३६
 रामो जोधावत दू १६४
 रामो देवडो प १५५, १५६, १५७,
 १६५, १७६
 रामो नाथू रो दू. १६६
 रामो नारण रो प ३५८
 रामो भाखरसी रो प. ३५६
 रामो साटण रो प ३५७
 रामो साधा रो प ३६०
 रामो लूणावत प. २३५
 रामो सोहड ती १०६, ११०
 रामो हाडो प ११८
 रावण प ४७, ११६, १६० (दे० रामण)
 रा' दयास दू २०२
 रा' नोंघण दू. २०२
 राइती (रांसी) रावळ प ७६
 राताइच दे० रातायच सोळकी ।
 राताइत दू. २६६, २६६, २७०, २७१,
 २७२, २७३, २७४
 रातायच सोळकी प २६५, २६६,
 २६६, २७०, २७१
 रातो दू १०४
 राघवदास प. ११७
 राघवदाम दू. १२८
 राघवदास वल्ग्यामलोत ती २०६
 राघवदे प १६
 ,, दू. २६४
 राघवदे घरजांग रो प २३२
 राघवदे सीतोदिघां-लातावत प. ५३, ५४
 राघो प २०५
 ,, दू ८५, १६०, १६७, १६६, २१५
 राघो विमना रो प ३५२
 राघोदाग प १६०, १६७, २३३, ३२७,
 ३२८

राघोवास दू. ८६, १२२, १७७, १८८
 ,, ती २२६
 राघोदास अखैराजोत दू १५२
 राघोदास उदैसिघ रो प ३१२
 राघोदास खगारोत प ३०५
 राघोदास डूंगरसीओत दू. १४८
 राघोदास तिलोकसी रो दू. १६२
 राघोदास देवडो जोगावत प. १५७
 राघोदास धीरावत दू २०१
 राघोदास फरसराम रो प. ३१६
 राघोदास महेसोत प. २०१
 राघोदास राम रो प. ३१४
 ,, ,, ,, दू. १६१
 राघोदास धीठळदास रो प. ३०८
 राघोदास धीरमदेओत दू. १७१
 राघोदास साडूओत प. २८३
 राघो नाथू रो दू १६८
 राघो वाली ती. १२६
 राघो भाखरसी रो प ३६१
 राज प. २५८, २६१, २६३, २६४,
 २६५, २६७, २८०
 राजकुळ प. २६०
 राजचद्र प. १२६
 राजडिघो सूर-माल्हण रो दू. ४२
 राजदे प. ३३२
 राजदे चाचगदे रो प. ३५५, ३६३
 राजदेय प २६०
 राजघर प. १६६
 ,, दू. २
 ,, ती २२१
 राजघर घवडे रो दू ३१०
 राजघर जोघा रो प. ३५६
 राजघर भोजावत दू. १७७
 राजघर मानसिघोत प. ३५६
 राजघर रिणधीर रो प. २०५
 राजघर लखमण रो दू ७६, ८०

राजघर वैरसी रो प. ३५६
 राजपाण भाट प. २८७
 राजपाळ प. २६०
 ,, ती २२१
 राजपाळ रांगो बल्लु रो दू. १४०
 राजपाळ रांगो सागा रो दू. १, ११,
 १२, १३, १६
 राजपाळ वैरसी रो प. ३३६, ३४२, ३४४
 राजमल उदैसिघ रो प. ३१३
 राज रावळ दू. ३
 राजरिख प १२२
 राज सर्मा प ६
 राजसिघ प ३१, ३२, ४६, ५२, ५३,
 ३०६, ३१६, ३१७
 ,, दू. ८८, ६३, १२२, १४०,
 १६५, १७६, १८१, १८४, १८५,
 २६४
 ,, ती १८१, २२६, २३६, २३७
 राजसिघ श्रासकरण रो प. ३०३
 राजसिघ करनोत प ६८, ७०
 राजसिघ खोंवावत दू १८२, १८४
 राजसिघ गोपाळदासोत दू १०६
 राजसिघ जसवतोत दू १४६
 राजसिघ दयाळदासोत दू १४७
 राजसिघ म० कुवार दू ११०
 राजसिघ राणो प ६, १५, ३१, ३२,
 ४६, ५२, ५३
 राजसिघ रामसिघोत प ३२६
 राजसिघ राघोदास रो प ३१४
 राजसिघ राजा ती. २१७
 राजसिघ रावत प. ६६
 राजसिघ राव सुरताण रो प १३६,
 १५३, १५४, १५८, १६१, १६३,
 १६४
 राजसिघ लखावत दू १६१
 राजसिघ वेणीदासोत दू १५७, १६८,
 १६९

राजसिघ हमीरोत प ३०५
 राजसिघ हररामोत प. ३२४
 राजसी प. १६५, १६८, ३४३
 ,, ती २२२, २३६
 राजसी कवरसी रो, रांगो प ३४६
 राजसी तेजसी रो प ३४२
 राजसी देवढो प. १५७
 राजसी नाथा रो प. १६७
 राजसी भैरवदासोत दू १६६
 राजसी राधावत प. १५३
 राजसी होंगोळ रो प. १७२
 राज सोळकी प २६१, २६५, २८०
 राजादित प २५६
 ,, ती ४६
 राजादे बीजळदे रो प २६४, २६५,
 २६६
 राजा सर्मा प ६
 राजो प ३०८, ३०६, ३१०, ३११
 राजो ती २२६
 राजो ऊगमणावत ती. २५२
 राजो करण रो प. ३५२, ३५३
 राजो काधळोत ती. २१
 राजो (वाहडमेरी रो) दू. ८८
 राजो रांगो दू. २६२, २६५
 राजो बीकाजी रो ती. २०५
 राज्यसिघ राजा ती. १६०
 रामनारायण झुगड प १३४
 रामशाह दे० रामसा ।
 रामादित्य प. १०
 रायकवर प ३१५, ३१७
 रायकरन दू. १२३
 रायचंद भाटी दू. ६६, १००
 रायचंद मनोहर रो प ३१६
 रायघण दू १, २०६, २१५, २१६,
 २५४
 रायघण हमीर रो २०६, २११

रायधवल ऊगमणावत ती. २५२
 रायपाळ तेजसी रो प. ३४१
 रायपाळ नापा रो प. ३५४
 रायपाळ राव ती २६. १८०
 रायपाळ साहणी ती. ८४
 रायपाळ सिधा रो प. ३५१
 रायपाळ सोहावत हू १४५
 रायभाण हाडो रायसिध रो प. ११७
 राय भूवळ ती. ५१
 रायमल प. १११, २०५, २८५, ३१३,
 ३२६, ३२७
 ,, हू ७८, ८१, १२८, १४३,
 १४५, २००, २६३
 ,, ती ८०, ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८
 रायमल अचळावत हू. १८५
 रायमल उर्देसिघोत हू १४६
 रायमल कछवाहो ती. १५१, १५२
 रायमल करमा रो प. १६५, १६६
 रायमल किसनावत हू १९४, १२५
 रायमल गोयवदासोत हू १७५
 रायमल दासा रो प. ३१८
 रायमल दुरजणसलोत हू ६६
 रायमल देवावत हू ७६
 रायमल घनराजोत हू. १२२, १२३
 रायमल महकरणोत प. २३५
 रायमल मालदेवोत ती. १५२
 रायमल शंणावत हू १५१
 रायमल राणो प. १५, १७, १८, १९,
 ५१, ५२, ५५, ६१, ६२, २४१,
 २८१, २८४, ३५२, ३५६
 रायमल राव ती २४६, २४७, २४८
 रायमल सिवराज रो प. ३५६
 रायमल सूरु रो प. ३६०
 रायमल सेखावत प. ३१६
 रायसल प. ३२२, ३२३, ३२४, ३५८
 ,, हू. ६६

रायसल खीची प. २५५, २५६
 रायसल दूवावत ती. ८४, ६७, ६८
 रायसल राजा परमार ती १७६
 रायसल गुजा रो प. ३२०, ३२४
 रायसिध प. २२, २३, २५, ३१, ४७,
 ७४, १०१, ११७, १४२, १४६,
 १५१, १५२, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५८, १८६, १८१, १८२,
 १८४, १८६, २३७, २५६
 ,, हू ६५, ७७, १२४, १४३
 ,, ती २३३, २३६
 रायसिध कछवाहो ती. ३२
 रायसिध कल्याणदास रो प. ३१२
 रायसिध किसनावत हू. १२५
 रायसिध गोयवदासोत हू १५५, १५६,
 १५७
 रायसिध चद्रसेनोत (चद्रसेनोत) प. १५१
 १५२
 ,, ,, हू. १७५, १८६
 रायसिध जाम लासा रो हू. २२४
 रायसिध जाळपोत हू. १६७
 रायसिध जेसावत हू १५०
 रायसिध झालो हू २४४, २४५, २४६,
 २४७, २४८, २४९, २५०, २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६,
 २५८
 रायसिध ठाकुरसी रो प. ३६०
 रायसिध पधार हू २६०
 रायसिध पोथावत हू. १६३
 रायसिध भीमावत हू. १०३
 रायसिध भैरवदासोत हू. १६६
 रायसिध महाराजा ती. १८, ३१, १८०,
 १८१, २०६, २१०, २२४
 रायसिध माडण रो हू २८३, २८४, २८५
 २८७
 रायसिध मालवे रो प. ३१५

रायसिंघ राजा दू ६४, १२८, १३२,
 १३६, १४६
 रायसिंघ राव अखैराल रो प १३५,
 १३६, १३७, १४१, १६१
 रायसिंघ वणवीरोत य. २४२
 रायसिंघ बीसावत दू १६४
 रायसिंघ सूजावत प २४२
 रायसिंघ हरदास रो दू. २६३
 रायसी राणो महिपाल रो प ३४४,
 ३४५, ३४६
 रालण फाकिल रो प २६४, ३३२
 रावत प. ६५, ६६
 ,, दू ६१, १४३
 रावत देवडो सेखावत प १४३, १५८,
 १६३, १६४
 रावत महकरणीत प २३५
 रावतसिंघ प ६३, ६५, ६६
 रावत हामावत प १४६
 रावळ खूमांण वापा रो प ४, १२,
 ५६, ७८
 रावळ वापो प ३, ४ ७, ८, ११, १२,
 ७८
 रावळो राणो, सजन रो प १६३, १६४
 रासो दू ८६, १६२, २००
 रासो उदैसिंघ रो दू. १३०
 रासो घनराजोत दू १००
 रासो नरसिंघदास रो दू १८३
 राहुड़ रावळ विजैराव रो दू २, ३२,
 ३३
 राहुप राणो, रावळ करण रो प ५, ६,
 १३, १५, १६, ७०
 राहुप रावळ प ७६
 राहिव दू २०६, २३६
 राहिव हमीर रो प ३५८
 राहुड़ राजसी रो ती. २२२
 रिखीदवर प. १०

रिखी समी प. ६
 रिड़मल सारगोत दू १७४
 रिणछोड गगादासोत ती २२०
 रिणघवळ प ३३६
 रिणधीर प २०, १५८, १५९, २०५,
 २०७, ३४८
 रिणधीर चूडावत ती १२६, १३०,
 १३२, १४०
 रिणधीर सूरावत ती. १४०
 रिणमल प ३५७
 रिणमल केलणीत दू १२, ११६, १४०,
 १४१
 रिणमल चहुवाण प १२१
 रिणमल देवडा सलखा रो प १३५,
 १३६, १६२, १८८
 रिणमल नींवावत दू १५४
 रिणमल भाटी दू. ३, ७७
 रिणमल राव राठोड़ (राव रिड़मल)
 प. १५, १६, १७, २१, ५३, ५४,
 २०६
 ,, राव राठोड़ (राव रिड़मल)
 दू. ३८, ६६, ८४, १४५, ३०६,
 ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६,
 ३२६, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४,
 ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३४०,
 ३४१, ३४२, ३४३
 ,, राव राठोड़ (राव रिड़मल)
 ती १, २, ३, ४, ६, ८, ३१, ८४,
 ६०, १२६, १३०, १३२, १३३,
 १३४, १३५, १३६, १३७, १३८,
 १३९, १४०, १४१, १४६, १८०,
 २२६, २२६
 रिणमल लाला रो प ३५२
 रिणसिंघ प ३१८
 रिणसी प १६६
 रिष राजा ती. १८५

रिसाळू राजा सालवाहन रो दू ६

„ „ „ „ ती. ३७

रुकनदीन सुलताण ती. १६०, १६१

रुकनुद्दीन दे० रुकनदीन सुलताण ।

रुपमागदजी चद्राघत दे० रुपमागदजी
चद्राघत ।

रुखमांगद चांदाघत ती २४६

रुखमागदजी चद्राघत ती ३२

रुघनाथ प ६६, ३२३, ३२५

„ दू ६०, ६२, ६६, ६७, १०५.

११६, १२३, १२८, १३०, १६८,

१८५, १८८

रुघनाथ ईसरदासोत दू. ६४, १०७,

१३१, १३२

रुघनाथदास प २५

रुघनाथ पतावत दू १७१

रुघनाथ भाणोत दू १०४, १०८

रुघनाथ भोजराज रो प. ३२३

रुघनाथ राव दू १२१

रुघनार्थसिध प ३०६, ३१४

„ ती. २२३, २२४, २२५, २२६,
२२८ २२९

रुघनार्थसिध उपसेण रो प. ३२०

रुघनाथ सुरताणोत दू १६०

रुघनाथ सेखाघत दू १७३

रुणक ती. १८०

रुणकराय प. २८८

रुदो प १७२

रुदो चवंडे रो ती ३१

रुदो देवडो तेजसी रो प. १६२, १६३,
१६४

रुदो राणा लाखा रो प, १६

रुद्रकवर प ३१६

रुद्रदास झूलो-चारण भाण रो प. ८६,
८८

रुद्रनाग प १६०

रुद्रसिध प २१, २३

रुद्र ती. १७८

रुद्रक प. २६२

रुद्रक ती. १७८

रुपचव भारमलोत प. २६१, ३१४

रुपठो रांणो पछिहार दू. १२, ५३, ७३,
१४०, १४२

रुप राघोवास रो प. ३१६

रुपसिध प. २३, १०१, ३२०

„ ती. २२४, २३०

रुपसिध भारमलोत प. २७६

रुपसिध राजा (किशनगढ) ती २१७

रुपसिध राघ भारमलोत दू. १०४, १०५,
१०६

रुपसिध रुखमागदोत ती. २४६

रुपसी प ३१२, ३१३, ३१८, ३१९,
३२६

„ दू ११६, १७६, १८२, १८७

„ ती. २२१

रुपसी आसावत प ३४३

„ „ दू. १४७

रुपसी जसवत रो प. ३१७ ३१८

रुपसी जोधा रो प ३५६

रुपसी प्रथोराज रो प ६७, १११, १६५
३१२

रुपसी रायमल रो दू. १४५

रुपसी रायसिधोत दू. १६८

रुपसी लक्ष्मण रो दू. ७६, १६६

रुपसी लूणकरणीत ती २०५

रुपसी वेरागो प. ३१३

रुपसी सोमोत दू ७५, ७६, ७७

रूपो प १६७, २०१

„ दू. १४३

रुमीखां करमसीघोत ती २१४

रेडो घायभाई ती. ८३

रेवकाहीन प. २६०

रैणसी रांणो ती १५८, १७०
 रोमोखान ती. ५५
 रोह राणो प. १२३
 रोहिताक्ष ती १७८
 रोहितास प. ७८
 रोहितास राजा हरिचंद रो प २८७,
 २६२, २६३

ल

लकडखान प १११
 लक्ष्मणमिह प ६
 लक्ष्मीदास ती २२८, २३१
 लखण हू. २१५
 लखणमेन हू २, ३६, ४०, ४१, ४२,
 ४३
 लखणसेन राव ती १५८
 लखणसेन रावळ हू ११४
 „ „ ती ३३
 लखधीर प १८६
 „ हू २४१
 „ ती ३७
 लखधीरसिंघ ती. २२६
 लखमण प ११७, १६१, २२६
 „ हू १४, ५२, १८८
 लखमण ईसरदासोत हू १७६
 लखमण केहर रो हू. २, १०, ११, ७५,
 ७६, ७८, ७९, ८०, ८२, ११२
 „ ती ३४, २२१ -
 लखमण(लछमण)डोला रो प. २८६, २६३
 लखमण नारणोत हू १६०
 लखमण भादावत प ६१
 लखमण रावत रिणधीरोत हू ११७
 लखमण रावळ हू १६६
 लखमण सातळ रो प. ३४१
 लखमणसी भट्ट प १४
 „ „ ती १८४
 लखमणसेन रायपाळजी रो ती. २६
 लखमसी कालण रो हू २, ३६

लखमसी राणो प. ६, १४, १५
 „ „ ती १७६
 लखमसेन प्रेमसेनोत चहुर्बाण ती २६
 लखमीदास हू १२८, १३०, १६१,
 १७०, १८३, १८५, २००
 लखमीदास धनराजोत हू १२४
 लखसेन राजा ती १७५
 लखो प १८७
 लखो हू १८७
 लखो थमरा रो हू. १२२
 लखो खेतसी रो प
 लखो जगनाथोत हू १६६
 लखो नरखंद रो प १२५
 लखो घोडो प २४७
 लखो मुहत्तो हू ६
 लखो धीजड रो प १३४
 लखो वीरमदेवोत हू. १६१
 लछपाल राजा ती १८८
 लछमणसेन राजा ती १८६
 लछपाळ राजा ती. १८८
 लपोड हू १, ११, १७
 ललाखान प. ५६
 लल्ल भाट प २७७, २७८
 लव रांमचंद्रजी रो प २६३
 लसकरी कामरा प. ३००
 लहुधो हू १, ११, १६
 लागल ती. १८०
 लाघा-वलाय प ६१
 दे० पृथ्वीराज उडणो।
 लांय थांभण हू १६, २५, २६
 लाखण पुजन रो प. २६६
 लाखण राणो परमार ती १७६
 लाखण राव प ६७, १००, ११६,
 १३४, १३५, १७२, १८६, २०२,
 २३०, २४५, २४७, २५०, २५१
 लाखणसी हू. १२४
 „ ती. २३२

लाखणसी मलेसी रो प २६४
 लाखाइत प २६६
 लाखो प. १८६, ३६१
 लाखो अजा रो दू २२४, २२५, २४१
 लाखो ऊगमणावत ती. २५२
 लाखो गोपावत प २३८
 लाखो जमला रो दू. २२८, २२९, २३०
 २३१, २३२, २३३, २३४, २३५
 लाखो जाडेचो प २६४, २६५, २६६,
 २६६, २७०, २७१
 „ „ दू. २५८
 लाखो जाम दू २१७, २१८
 लाखो जाम मारु दू २६६, २६७
 लाखो डूगरसी रो प १२१
 लाखो फूलाणी दू २०६, २१६, २१७,
 २१८, २३६, २६८, २६९, २७०,
 २७१, २७२, २७३, २७४
 लाखो रांणो प ६, १५, १६, ३४
 „ „ दू ३३१
 लाखो राव प १३५, १३६, १४२,
 १४४, १५८, १६०, २८४
 लाडक वजीर दू २१६
 लाडखान प. २७, ३६१
 „ दू १२४, १७४, १८३, २०१
 „ ती ३७, २२७
 लाडखान ऊदा रो प ३१८
 लाडखान किसनावत प ६६
 लाडखान जेमल रो प ३१७
 लाडखान भैरवदासोत दू १६६
 लाडखान रायसल रो प ३२१
 लाडखान रायसिघोत दू. १६४
 लाडखान वाघावत दू १६२
 लाडखान स्यामदासोत प ३०६
 लाघो प १६८
 लालचद दू ६२
 लाल डूगरसी रो प. १२०
 लालरग प २८६

लालसिघ प ५६, ११६
 „ ती. २२३, २२४
 लालो प १०१, २२६
 लालो चवडैजी रो दू ३१०
 लालो जेमल रो प. ३५२
 लालो नरु रो, राव प. ३१८
 लालो नाथा रो दू ७५
 लालो साहणी दू. १६६, १६८
 लिखमण सोभत (-सोभावत ?)
 प २२४
 लिखमसी दू ८८
 लिखमीदास गोयददासोत दू १८०
 लिखमीदास देईदासोत दू १६६
 लिखमीदास वाघोत दू १६१, १६२
 लिखमीदास सेखावत प २३६
 लिखमीदास हाडो मानसिघोत प ११७
 लिलाट सर्मा प ६
 लीलामाघो राजा ती १६०
 लूको ती १०८, ११३
 लूढो सेलोत प २२५
 लूभो प. १८७, १८८, ३४८
 लूभो चवडैजी रो दू ३१०
 लूभो पता रो प १३५
 लूभो धिजड़ रो प १३४, १६२, १८१
 लूणकरण प २२४, ३०२
 „ दू. ८१, ८६, ६१, ६२,
 १०३, ११०
 „ ती २२०, २२७
 लूणकरण मदनसिघ रो प ३१७
 लूणकरण राव दू. ८५
 लूणकरण „ ती. ३१, १८०, १८१,
 २०५, २२८
 लूणकरण रावळ प. २२
 „ „ दू ११, ८७, ८८, ८९
 „ „ ती ३५, १५१, १५२
 लूणकरण राव सुरताणोत प १५२
 लूणकरण राव सूजा रो प ३१६

लूणकरण राव हमीर रो दू १४५
 लूणकरण सीहड रो प ३४०
 लूणग भाटी ऊदल रो दू. ६६, ७०, ७१,
 ७४

लूणराव दू २, ३६, ४३
 लूणो प. १५, ६६, १४६, १६१, १८३,
 १८७, ३१६

लूणो अजा रो दू २६२
 लूणो उदैसिघ रो प २२
 लूणो बहियो प २२६
 लूणो प्रोहित दू १८, १९
 लूणो माणकराव रो प. ३६३
 लूणो मेहरावण रो प ३६१
 लूणो राणावत प २३५
 लूणो राम रो प ३१३
 लूणो रायसिघोत दू १६८
 लूणो रावत ती ७, ८
 लूणो राव भोजा रो प ३५४
 लूणो राहिव रो प. ३५८
 लूणो विजड रो प १३४, १८१, १८२,
 १८३

लूणो विजा रो प १६३
 लूणो साईदास रो प ३२७
 लूणो सीसोदियो प ६६
 लूणो सूजावत दू १५१
 लूणो हरराज रो प. १६४
 लेख सर्मा प. ६
 लोढचद ती १८६
 लोढचद ती १८६
 लोदी जनागर रो दू. २०६
 लोलो गोपावत प २३८
 लोलो चवडंजी रो दू ३१०
 लोलो राणा रो प २०६, २०७
 लोलो सोनगरो ती १३३
 लोहचद राजा ती १८६
 लोहट प १०१

लोहट रांगो मोहिल ती १५८, १७०,
 १७१

लोसल्य प ७८

व

वसीदास प ३०८
 वखतसिघ ती २२५, २२८, २३२, २३५
 वखतसिघ परमार ती. १७६
 वखतसिघ महाराजा ती २१३
 वच्छो प ३५३
 वछराज रांगो मोहिल ती १५६, १६०,
 १७१
 वछराव दू ६
 कछवधराज प २८६
 वछु, राणा सीहड रो प ३४३
 दे० वछो सीहड रो ।
 वछु राव ती १६१
 वछु रावळ मुघ रो दू १, १०, १५,
 ३१, ३२, १४०
 वछो जवड रो प. १०१, १०२
 वछो माला रो दू १७८
 वछो सीहड रो प ३४०, ३४१
 दे० वछु, राणा सीहड रो ।
 वजरदीप दे० वज्रद्वीप
 वज्रद्वीप प. २६३
 वज्रधर प ७८
 वज्रधाम बालरथ रो प २८८
 वज्रधाम लखमन रो प २८६
 वज्रनाभ प ७८
 वज्रनाभ ती १७६
 वज्रनाभ प्रदुमन रो दू १, ६, १६
 वडगच्छो जती ती १६
 वडसीस रावळ प १२
 वणराज चावडो ती २६, ४६, ५०
 वणवीर प १७, २०, २१, १६३, २७६,
 २६०, ३१३, ३३१
 ,, दू १६
 वणवीर उधरण रो प ३१३
 वणवीर कांहा रो प. ३५८

वणवीर जेसा रो दू. १५३, १६२
 वणवीर भांनीदास रो प. २७६
 वणवीर मालदे रो प. २०५, २०६, २२२
 वणवीर मेर रो प. १७२
 वणवीर राव साकर रो प. १६४
 वणवीर वरसी रो दू ८१
 वणवीर सिंघावत प.
 वणवीर हरराज रो प. १६४
 वणसूर ती १५३
 वत्स ती १७५
 वत्स वृद्ध ती. १७६
 वनमाळीदास भगवतदास राजा गो
 प २६१
 वनराज चावडो प २५८, २५९
 „ „ दू २६६
 (दे० वणराज चावडो)
 वनसर्मा प ६
 वनसिंघ ती २३५, २३६, २३७
 वनो प ३६१
 वनो गोड ती. २७०, २७१
 वनो भाटी दू ६६
 वयरसीह चावडो ती ५०
 वरजाग प १६८, २४४, ३६२
 „ दू ८६, १७२, १७७, १७८, १६८
 वरजाग चूडावत ती. ३१
 वतजांगदे प २४४
 वरजाग पोकरणो ती ११३
 वरजाग भीमावत दू. ३४२
 वरजांग भैरु दासोत दू १६०, १६२
 वरजांग राव दू ११७
 वरजांग राव पाता रो प २३१, २३२
 वरजाग हमीर रो प. ३५६
 वरदायीसेन ती १८०, १६३, २०४
 वरदेव सर्मा प. ६
 वरसिंघ प १०१, १२७, १२८, १६५,
 २५६
 „ दू ७६, ७७, १४३, १६१, १७७

„ ती. ३६, २२७
 वरसिंघ उदैकरणोत प. २६५, ३१३
 वरसिंघ खेतसीओत दू १७३
 वरसिंघ जोधावत ती २८
 वरसिंघदे द्वारकादास रो प ३२२
 वरसिंघदे घीरावत प २३६
 वरसिंघदे मधुकरसाह रो प १३०
 वरसिंघदे वाघेलो प १३२, १३३
 वरसिंघदे वीसळदे रो प ११६
 वरसिंघ राणो दू २६५
 वरसिंघ रावळ प. ७६
 वरसिंघ राव हरा रो दू १२१, १२६,
 १२७, १२८, १३७
 वरसो खाट ती ५६
 वरसो हरदास रो दू. २६३
 वरही प २८६
 वर्त तेजस राजा ती. १८५
 वर्हो ती. १७६
 वलभराज सोळकी प २६०
 „ „ ती ५१
 वल्लभराम ती २३६
 वल्लभराज प २८०
 वशिष्ठ ऋषि (दे० वसिष्ठ रिखीस्वर)
 वसिष्ठ रिखीस्वर प १३४, ३३६
 „ „ ती १७५
 वसुदान राजा ती १८६
 वसुदेव दू ६
 वसुदेव बांभण लूणोत दू १६
 वसु सर्मा प. ६
 वस्तपाळ इद्रपाळ रो प २६०
 वस्तो दू. १३०
 वस्तो लाला रो प ३५२
 वह ती १७६
 वाकीदास दू २०१
 „ ती २२०
 वांकीदास जसावत दू. १०३
 वाकीदास जैमल रो प. ३५८

वाकीवेग मोहवतखा रो प ३०१
 वाको दू. ६०
 वांदर ती २२१
 वांनग देव दू १४
 वानर दू २
 वाक्पतिराज प १००
 वाक्ष्य सर्मा प ६
 वाघ प. २८ ६४, ६७, १४२, १५६,
 १६५, १६७, १६८, ३४४
 ,, दू ८६, ६१, ६३, १२१, १२२,
 १३१, २६४
 ,, ती २३०, २३१
 वाघ अमरा राणा रो प ३१
 वाघ कान्हावत दू १६३
 वाघ खीची प २५६
 वाघ छाहड़ रो प ३६३
 वाघ जसवत रो प २०८
 वाघजी प ३०८
 वाघ ठाकरसीओत ती १८
 वाघ तिलोकसीओत दू १६२
 वाघ पवार प ३३८
 वाघ प्रथीराज रो प. ३१२
 वाघ फरसराम रो प ३१६
 वाघ भारमल रो प ३२८
 वाघमार घूहड़जी रो ती २६
 वाघ रतनसीओत दू १७६
 वाघ राणो दू २६५
 वाघ राजा परमार ती. १७६
 वाघ रावत प ६१, ६२, ६३, ६४
 वाघ रिणमलोत दू १६१
 वाघ बीदा रो दू. २६३
 वाघ साखलो प ३३८, ३४४
 वाघ सावळदासोत दू १६६
 वाघ सिरग रो दू. १२२
 वाघ सुरतांगोत प ३०४
 वाघो प १६, २०, ५१, २४१, ३५६
 ,, दू ६०, २०१

वाघो काघलोत राठोड ती २१, १६२,
 १६३
 वाघो कान्हा रो प ३५८
 वाघो जीवा रो प २४१
 वाघो प्रथीराज रो प २४२
 वाघो राठोड सूजावत ती ८६, १०५
 वाघो राव दू ११६
 ,, ,, ती. २१५
 वाघो रावत सूरमचंद रो प ५०
 वाघो विजा रो प २४७
 वाघो सूजावत प. ३२०
 वाघो सेखावत दू ११६, १२०, १२१,
 १२४
 ,, ,, ती ३७
 वाट्सन ती १७३
 वादळ सोनगरो ती २८०, २८६, २६०,
 २६१
 वाय सर्मा प ६
 वालद ती. ३७
 वालग प २८०
 वालहर राणो ती. १५८
 वालाववध ती ३७
 वालो (दे० वालो)
 वालो प १२१
 वासत सर्मा प ६
 वाहड़ प्रोहित ती. २४
 वाहनीपति ती १७६
 विकुक्षि प ७८
 विकुथ प. ७८
 विक्रम प १६०
 विक्रमचंद राजा ती १८८
 विक्रम चरित राजा ती १७५
 विक्रमपाल राजा ती १८८
 विक्रमाजीत प. १३०, १३१, १३३
 विक्रमादित प २०, ५०, १०३, १०४,
 १०८, १०९, ३०३, ३३६
 विक्रमादित्य प १०, ३१६

विक्रमादित्य राजा ती. १८८
 विक्रमादित्य सागा रो, रांणो प. ४६
 विक्रमादीत राव केल्हण रो दू ११६,
 १४३, १४४
 विक्रमादीत राव मालदेओत दू. ६०
 विक्रमायत भालो ती ११
 विक्रमायत राजा प ३१६
 विक्रसाज प २८८
 विजड प १८३
 विजड प्रोहित ती २४
 विजपाळ दू १५
 विजय ती. १७८
 विजयमल राजा ती. १६०
 विजय राजा ती १८६
 विजयसिंघ महाराजा ती २१३, २१५
 दे० विजसिंघ महाराजा ।
 विजयादित्य प १०
 विजलादित्य प १०
 विजै प ७८
 विजैचद ती. १८०
 विजैदत्त प २, ३
 विजैनित्य प ७८
 विजैपान प. ६
 विजैपाळ प. १०१
 ,, ती २६
 विजैपाळ राणो दू. २६५
 विजैरथ प ७८
 विजैरांम प ३२३, ३२६
 ,, ती २३५, २३६
 विजैराम अखैराज रो प ३०२
 विजैराम उर्वैसिघोत प ३०८
 विजैराज दहियो प. २२६
 विजैराय प २८८
 विजैराव दू ६, ११
 विजैराव चूडालो दू १, १०, १७, १८
 विजैराव रावळ घल्लु रो दू १४०
 विजैराव लाजो (—लजो) दू २, ३१,
 ३२, ३३, ३४
 ,, ,, ती २२२

विजैराव लूणकरण रो दू ६१
 विजैराव घोरमोत ती. ३०
 विजैवाह प १२३
 विजै सर्मा प. ६
 विजैसिंघ प ३२४
 ,, ती ३६, २२०, २२६
 विजैसिंघ गिरधर रो प. ३२२
 विजैसिंघ महाराजा दू ११०
 दे० विजयसिंघ महाराजा ।
 विजैसी प २२५, २३१
 विजैसी आल्हण रो प २२६, २३०
 विजैसेन राजा ती. १८६
 विजो प २२, २३, २७, २८, ३०,
 १६३, २००
 ,, दू ७७ ७६, १०४, २००, २०८
 ,, ती २२१
 विजो ईंदो (कस्तूरियो मूग) दू ३४२
 विजो ऊदावत ती ११
 विजो करमा रो प. २४७
 विजो पूजा रो प १७२
 विजो भानीवास रो दू १६१
 विजो भाटो दू ३४२
 विजो रूपसी रो दू १६६
 विजो घोरमदे रो दू ११७, १२०
 विजो सीहूह रो प ३४१
 विट्ठलनाथजी गोस्वामी ती. २०६,
 २७५
 विथक दे० विइवक ।
 विहूरथ ती १८१
 विहूण राजा ती १८६
 विनिर्जघि प ७८
 विमळ राजा प १२३
 विरदसिंघ राजा ती २१७
 विरसेह (घोरसेन) रावळ प ७६
 विराज सर्मा प ६
 विराट सर्मा प. ६
 विराम साह ती १६१

धिलापानस प ७८
 धिल्हण प. १२२, १२४
 धिवसत प. २६२
 धिवसान प २६२
 धिवस्वत दे० धिवसत ।
 धिवस्वान दे० धिवसान ।
 धिशक दे० विश्वक ।
 विश्व प २८६
 विश्वक ती १७६
 विश्वनि (विश्वजित) प ७८
 विश्वसक्त ती. १७६
 विश्व सर्मा प ६
 विश्वसह ती १७८
 विश्वसिक्त ती १७६
 विश्वस्त ती १७६
 विश्वस्तक ती १७६
 विश्वावसु प ७८
 विष्णु द्व ३
 विसनदास प. ३१७
 ,, द्व १६४
 ,, ती. २८१, २८२, २८५
 विसनदास राम रो प ३१४
 विसनसिध रामचंदोत द्व १५६
 विसनो द्व ८०
 विसरजन द्व ३
 विसोढो चारण ती २८६, २८७, २८८,
 २८९, २९०
 विस्वसेन प २८८
 विस्वावसु प ७८
 विहारी प. १२५, २३५, २४६, ३२७
 ,, द्व १२३
 विहारी कुर्म रो ती ३७
 विहारीदास प २०८, ३०५
 ,, ती २२०
 विहारीदास उपसेण रो प ३२०
 विहारीदास दयाळदासोत द्व ६४, १०६
 विहारीदास नाथावत प ३१०

,, ,, द्व १६६
 विहारीदास रायसल रो प ३२४
 विहारीदास सूरसिध रो द्व १३३
 ,, ,, ती ३६, ३७
 विहारी प्रागदासोत द्व १८४
 वीजो वेणीदासोत द्व १६८
 वीकम प १६०
 वीकमचित्र प. ३३६
 वीकमसी प २३१
 वीकमसी केलुणोत द्व २, ३६
 वीकमसी मीहड द्व ४३, ४४, ४५, ५०
 वीकाजी जोधावत प. ३५३
 वीकादित्य प १०
 वीको प ३२७
 ,, द्व ७६, १७०, १७४, १७८, १६२
 वीको ईडरियो द्व २५४
 वीको कल्याणदास रो द्व ६३
 वीको खेतसीओत द्व १७३
 वीको जयसिध रो प १६४
 वीको दहियो प २२६
 वीको भदा रो प. २००
 वीको राव द्व ८५, ८६, ८४, १२०,
 १४५
 ,, ,, ती १३, १४, १५, २०,
 २१, २२, २८, ३१, १६५, १८०,
 १८१, २०५
 वीको रावत प. ६२, ६३
 वीको वरसिध रो प २३६
 वीजड प १३४, १६२, १८१, १८३,
 १८७, १८८
 वीजळ प २६०
 वीजळ जगनाथ रो प. ३०१
 वीजळदे मन्नेसी रो प २६४, २६६
 वीजळ राघ ती २२१
 वीज सोळकी प २६३, २६४, २६५,
 २६७, २६८, २६९
 वीजो प. २४०

वीजो गोयद रो प ३५८

वीठळ प. १६५

„ दू ७८, १९६

वीठळ गोयदोत दू ७९

वीठळदास प २५, ३१४, ३१६, ३१७,
३२३, ३२७

„ दू ३, ८८, १०८

वीठळदास केसोदासोत दू १६३

वीठळदास गोपाळदासोत दू १५०

वीठळदास गोड प ३०४

वीठळदास नारणदासोत दू १८८

वीठळदास पचाइणोत प ३०८

वीठळदास प्रागदासोत दू. १७१

वीठळदास राजा प ३०४, ३०६

वीठळदास राठोड जैमलोत प ३२१

वीठळदास लखावत दू १९१

वीठळदास सहसमलोत दू ९६

वीठळदास सावळदासोत दू १८४

वीठळदास हरदासोत दू. १६५

वीणो जाळपदासोत मोहिल ती १७२

वीदो प १९८, २४१, ३४१

„ दू १४३, २६३

वीदो खालत दू १०७

वीदो भालो प ४०

„ „ दू २६३

वीदो तेजसी रो प. ३५७

वीदो भारमलोत ती. ९५, १००

वीदो राव ती २८, ३१, १६५, १६६,
१६७, २३१

वीदो रावत दू. १२१

वीदो राहड दू १०७

वीदो वीसळ रो प २०१

वीदो साह दू ११३

वीदो हरावत दू १२६

वीर ती १७९

वीरघन ती. १८७, „

वीरचरित प २९२

वीरड रावळ प. ७९

वीरदास दू ७८ ८०, ८१, ८८, ९१

वीरदास नीसळोत दू ७९

वीरदास मांना रो दू. २०१

वीरदास रांमा रो प ३५७

वीरघन राजा ती १८७

वीरघवळ श्रवतारदे रो प. ३५५

वीरघवळ चारण लागडियो दू २०६,
२०७ २०८

वीरघवळ (रांजा) ती ५३

वीरनरसिंघ रांणो प ३४१

वीरनाथ राजा ती १८७

वीरनारायण प १८७

वीरनारायण पवार प २०३

वीरनारायण भोज पवार रो ती. २८

वीरवलसेन राजा ती १८६

वीरभद्र प १३३

वीरभाण प ११९, १२०, १३३

„ ती २३१

वीरम प १५, १६, १९९

„ दू १७०

वीरम ऊदावत प २४०

वीरम कूभा रो प १९७, १९८

वीरम खाबडियांणी रो प ३४७

वीरमजी राव ती ३०, २१५

वीरमदे प १६७, २६१ २८५, ३४१

„ दू. ३२, ८८, ९४, ९६, १००,
१२१

„ ती २२८

वीरमदे श्रवतारदे रो प ३५६, ३६१

वीरमदे उर्दोसघ राणा रो प. २२

वीरमदे कवरांगुर, काहडदे रावळ रो

प २०४, २०६, २२१, २२२,
२२३, २२४, २२५

„ „ „ „ दू ४०

„ „ „ „ ती २८,
१८४

वृहसत प २८७
 वृहस्थल ती १७६
 वेगड राणो दू. २६५
 वेगडो भील प. ३३५
 वेग सर्मा प ६
 वेगू भोजदे रो प. ३५२
 वेगो राणो मोहिल ती १५८, १७१
 वेण राजा प. २८७
 वेणादित्य प. १०
 वेणीदास प. ६७, ३०७, ३०८, ३१३,
 ३२७, ३३०
 „ दू. ६२, १२०, १४६, १८३,
 १९६, १९६
 वेणीदास केसोदासोत दू १६८
 वेणीदास गोयददासोत वू १५५, १५७
 वेणीदास जोगावत दू. १७७
 वेणीदास ठाकुरसीओत दू. १४८
 वेणीदास दूदा रो प ३६१
 वेणीदास पूरणमलोत दू. १५१, १६०
 वेणीदास बलुओत प. २३४
 वेणीदास सहसमल रो प ३१४
 वेणीदास सिंघ रो प ३१५
 वेणो देवावत दू १६०
 वेणो रायमलोत दू १२३
 वेद सर्मा प ६
 वेन प. ७८
 वेरड दू ११८
 वेळावळ प. १२१
 वेलो प १६६
 वेहाद्रभाज प. २८६
 वैजल रावळ ती. ३३
 वैजल सालघाहन रो दू ३७, ३८
 वैणो प. १६६
 वैणो अमरा रो प ३५६
 वैणो मोहण रो प ३५७
 वैणो राजधर रो प. १६६
 वैरड रावळ प. ५, ६

वैरसल प २४३
 „ दू ८८, ११८, १२०, ३४२
 वैरसल कूपा रो प ३६०
 वैरसल खगारोत प ३०५
 वैरसल गागा रो प ३५६
 वैरसल गोपाळ रो प ३१०
 वैरसल जसा रो दू ३३
 वैरसल जैता रो प. ३५२, ३५३
 वैरसल प्रथीराजोत दू. १६७
 वैरसल बलू रो प ३४१
 वैरसल भीम रो प ३६३
 वैरसल भोजावत दू. १७७
 वैरसल मारु रो प १६६
 वैरसल राणावत दू १५२
 वैरसल राणो ती १५८, १६१, १६२,
 १६३, १६४, १६६, १७०, १७१
 वैरसल राठोड प्रथीराजोत प. १५३
 वैरसल राव घाचा रो दू. ११७, ११८,
 ११९, १२०, १२६, १३७
 वैरसल राव (पूगळ) ती ३६, ३७
 वैरसल रूपसी रो प ३१२
 वैरसल साकरोत दू. १८०
 वैरसल हमीर रो प. १५
 वैरसिंघ राजा ती ४६
 वैरसी प ३१८
 „ दू ८२, ६२
 „ ती २२७, २२८
 वैरसी नारणोत प ३५८
 वैरसी राणो प. १२३
 वैरसी रायमलोत दू १८२, १८५
 वैरसी रावळ प ५
 „ „ दू २, ८१
 „ „ ती ३४, २२१
 वैरसी लखमण रो दू ११, १४, ७६, ८०
 वैरसी लूणकरणोत ती १५२, २०५
 वैरसी घाघावत प ३३८, ३३९, ३४४
 वैरसी हमीरोत प. ३५६

चैरागर हू. ११८
 चैरागी प. ३१३
 चैरीसाल प २५
 „ हू २२८, २३२, २३६
 चैरो प. १०१, १०२, १०६, २८१,
 ३४३
 चैरो भीव रो प ३४१
 चैवस्वत प. ११६
 चैवस्वत मनु प ७८
 चोटो हू १
 चोढो-रावण, दोदो दे० दोदो सूमरो ।
 च्चद्रीत प. २८८
 च्चहदा प २८६
 च्चहांन चिसती पीर प. ३१८
 च्चहान्य (ब्रह्मान्य) प ७८
 च्चिदावनदास प ३०७

श

शभुपाल राजा ती. १८८
 शत्रुजय राजा ती १८६
 शत्रुघ्न राजा ती- १८७
 शत्रुजित दे० सलाजीत ।
 शम्सखां दे० समसखां ।
 शम्सुद्दीन दे० समसदीन सुलताण ।
 शलादित्य ती ४६
 शहरयार दे० साहयार पातसाह ।
 शहरयार शाहजादा दे० सहरियाल
 साहिजादो ।
 शादमां प. ३००
 शालिवाहन दे० सालवाहन ।
 शालिवाहन परमार राजा ती १०५
 शावस्त ती १७७
 शाह आलम प ५६
 शाहजहा दे० साहजहा पातसाह ।
 शाहजहा शहाबुद्दीन दे० साहजहा
 सायबदीन ।

शाहजी भोंसला दे० भुहसाजळ साहजी ।
 शाहबुद्दीन वादशाह दे० साहिबदी
 पातसाह ।
 शिवधन प २६२
 शिवन्नह कछवाहा प ३२६
 शिवाजी छत्रपति प १५
 शिविर राजा ती. १७५
 शिशुपाल ती. १५४
 शीघ्र ती १७६
 शुद्धोद ती १७६
 शुद्धोदन ती १७६
 शेख पीर दुरहान चिसती प ३१८
 शेख फरीद ती. २७६
 शेरशाह सूर वादशाह हू १५४
 श्यामदास प. १४४, १५६
 श्राव ती १७६
 श्रावस्त दे० शावस्त ।
 श्रीकरण रावळ ती २३६
 श्रीपाल प २८६
 श्रीपुज रावळ प. ५
 श्रीमोर ती. १५५
 श्रीय ती १७६
 श्रीबल्ल प. २६२
 श्रीवत्स ती. १७७
 श्रुत ती १७८

ष

षट्ग प २८८
 षट्वांग प २८८
 „ ती १७८

स

सकर हू ८४, ८८
 सकरदास प १२१
 सकरदास रामोत हू. ८४, १२०
 सकर माधो ती १६०
 सकर लाखा रो प. १३६

सकर सिधावत प. २४३
 , , द्व. १००
 सकर हींगोळ रो प २३५
 सकमाघो ती १६०
 सग्रामसाह प १२६
 सग्रामसिध ती. २२६
 सग्रामसिध हररांमोत प. ३२४
 सग्रामसी दुरजणसाल रो प ३५५
 सघदीप प २८८
 सजय ती. १७९
 सडोव राजा ती १८६
 सतन घोहरो ती १५७
 सतोष प २६२
 सभराण प. १०१
 सभूसिध ती २३५, २३६, २३७
 समत प. ७८
 ससाद प. २८७
 ससारचद प २०५
 , , ती २३१
 ससारचद अचळावत द्व. १८१, १८२,
 १८४, १८५
 सडयो वाकलियो ती २५, २६
 सकत प ७८
 सकतकुमार रावळ प ५, १२
 सकतसिध प १११, १३१, २११, २३४,
 ३०३, ३११, ३१४, ३२०
 सकतसिध द्व. १६६
 सकतसिध आसकरण रो प ३०४
 सकतसिध उर्दसिधोत प. २१२
 सकतसिध खेतसीओत द्व. ६३, ६५
 सकतसिध तेजसी रो प ३२६
 सकतसिध मानसिधोत प २६१, २६८
 सकतसिध राघ द्व. १६४
 सकतसिध वेणीदासोत प २३४
 सकतसिध विंदावन रो प ३०७
 सकतसिध सुरताणोत प ३०४

सकतसिध हमीरोत प. ३०५
 सकतसिध हरदासोत द्व १६५
 सकतो प. २६, ६२, १६७, २३८
 , , द्व. १७४, २६४
 सकतो गोयद रो प. १६६
 सकतो रायमलोत द्व १४५
 सकतो वीरमदेश्रोत द्व १७०
 सकतो वैरसल रो द्व ८०
 सधितकुमार रावळ प. ७८
 सगण ती १७६
 सगतसिध ती २२०, २२२
 सगतो द्व. १८०
 सगर प ३०, ७८, २८८, २६२
 , , ती १७८
 सगर राणो प. ६२, ६५
 सगर राणो उर्दसिध रो प २२, २३,
 २४, २५, २७
 सगरामसिध प. २६८
 , , ती. २२३
 सगरो वालीसो प. ६७
 , , ती ४१, ४३, ४७, ४८
 सजन भायल प १६३
 सजो राजा रो द्व २६२
 , , , ती २१४
 सजोसराय (सुजसराय) प २८६
 सभो राजावत दे० सजो राजा रो ।
 सत राजा परमार ती. १७५
 सतीदांन रूपावत ती २२५
 सतो प. ६६
 , , द्व २, ५३
 , , ती २२१
 सतो खीमराज रो प ३५५
 सतो चूडावत द्व ३००, ३०६, ३१०,
 ३३६, ३३७
 सतो चूडावत ती. ३०, १२६, १३०,
 १३२, १३३

सतो जांम हू २०५, २३७, २४०, २४१,
 २४२, २४३
 सतो जोषावत प २४३
 सतो तमाइची रो प. ३६१
 सतो देवराज रो प ३६२
 सतो भाटी लूणकरणोत ती. १४०
 सतो रांगो हू २६५
 सतो रांमावत प १६६
 सतो राघ प १५, १६
 सतो रावत रतनसी रो प ५०
 सतो रिणमलोत हू २२३, ३४२
 सतो लूणकरणोत हू १४५
 सतो लोला रो प २०७
 सत्यव्रत ती १७८
 सत्यव्रत हरिश्चंद्र ती १७८ दे०
 हरिश्चंद्र ।
 सत्रजीत प १२६
 सत्रसाल (शत्रुशत्रु) प. १२०, २०६
 „ „ हू १५६, १६५,
 २६४
 सत्रसाल नराइणदासोत प ३०५
 सत्रसाल राव हू १२३
 सत्रसाल सूरसिघोत ती. २०८
 सत्रसिघ हू. ६६
 सत्राजित दे० सलाजीत
 सत्वात हू ३
 सदरयराज प २८८
 मन्न राजा ती १८५
 सवळसिघ प २५, ३१, ६८, ६९, ७०,
 २३५, ३०५, ३०६, ३१६, ३२०,
 ३०५, ३२८,
 सवळसिघ हू १, १२०, १३१, २००
 „ ती. २३०
 सवळसिघ ईसरदासोत हू. १८६
 सवळसिघ कवर प. ३०८
 सवळसिघ किसनसिघ रो प ३०६

सवळसिघ चतुरभुजोत पूरवियो प ६६
 सवळसिघ पूरावत प २६
 सवळसिघ प्रयीराजोत हू १५७
 सवळसिघ प्रागदासोत हू १८३
 सवळसिघ फरसरांम रो प ३२३
 सवळसिघ मानसिघोत प. २६१, २६८
 सवळसिघ राजावत हू. १५०, १७०
 सवळसिघ रावळ दयाळदासोत हू. ६३,
 ६७, १०४, १०५, १०६, १०७,
 १०८, १०९
 सवळसिघ राघळ दयाळदासोत ती ३५,
 ३६, २२०
 सवळसिघ त्रिदावनदास रो प ३०७
 सवळो प १५८, २०६
 „ हू ८८, १२१, १६६, १७१, २६४
 सवळो सादूळोत प ३६०
 समपू प २८६
 समरसी प. १०१
 समरसी कीतू रो प १६६, २४७
 समरसी रावळ प १३, ७६, ८०, ८१,
 ८२, ८७, २०३
 समरो प १३४, १६५, १८७
 समरो देवडो प १४४, १४५, १४६, १४७,
 १५१, १८१
 समरो नरसिघ रो प १६६
 समसखां ती २७४
 समसदी हू ६६, ७१
 समसदीन सुलताण ती. १६०
 समसुद्दीन दे० समसदी ।
 समुद्रपाळ राजा ती १८८
 समो वलोच हू १३०, १३६
 सरखेलखां ती ८५, ८८, ९०, ९१
 सरदारसिघ ती २२०, २३१
 सरदारसिघ महाराजा (वीकानेर) ती. १८०
 सरफराजखां ती २७७
 सरवासु प. २८७

सराजदी द्व ४८, ४९

सराजुदीन दे० सराजदी ।

सरूपसिंघ प. १३३

„ ती. २२८, २३०

सरूपसिंघ श्रनोपसिंघोत ती २०८

सर्वकाम ती १७८

सलखो प १६

„ द्व. २८०, २८१, २८४

सलखो देवराज रो प. ३६३

सलखो राव तीड रो ती. २३, २४, २६,

२७, ३०, १८०

सलखो लूभावत देवडो ती. २९

सलराज प २८८

सलाजीत (सत्राजित = शत्रुजित) प ७८

सलूणो प २२५

सलमखा द्व. ११५

सलमसाह पातसाह ती. १९२

सलेहदी राजा भारमल रो प. ३०२

सलदी सुरताणोत द्व १५२

सलो राठोड प २२५

सलो सेपटो प. २२५

सलहदी प. २९१, ३३१

सलहदी गिरधर रो प ३२२

सलहदी रतनसी रो प ३५६

सलहदी राजावत प ३२१

सलहदी सागा रो प ३२५

सघरो प १६६, १६७

सवीर प ७८

सवाईसिंघ ती २२३, २२४, २२५, २२६,
२२९

सवाईसिंघ रावळ द्व. १०९

सहस राजा प ३३६

सहजइद्र राजा प १२८

सहजग प. १३०

सहजपाळ राजा प १२८

सहजपाळ गाडण प २२५

सहजसेन द्व ९

सहणपाळ ती २९

सहदेव प. २८९

„ ती. १७९

सहदेव सफतावत प ३०४

सहरियाळ साहिजादो द्व १५६

सहबाजखा प २१०

सहवण (सहवर्ण) प. ७८

सहसमल प. ६७, ६९, १३६, १७४,

१८८, १८९, २३१, ३६१

„ द्व ९२, १४३

सहसमल चवडे रो द्व. ३१०

सहसमल चांनण रो प. ३१४

सहसमल चूडावत ती ३१

सहसमल दुसाभ रो प. ३५२

सहसमल देवडो ती २९, ३१

सहसमल मालदेवोत द्व. ९६, ९७

सहसमल रायमल रो प. ३२५

सहसमल रायसिंघोत द्व. १२५

सहसमल राव प १३५, १३६

सहसमल रावळ प. ७४, ७९

„ „ ती २६६

सहसमल वीसळ रो प २०१

सहसमल सोम रो द्व ७६, ७७, ११६,
११९

सहसमल हाडो प ११०

सहसमान प. २८९

सहसो प २४३, ३६१

„ द्व. १२०, १३०, १७०, १९८,
२००

„ ती. २२०

सहसो ऊदावत द्व १७९

सहसो खरहण रो प. ३५६

सहसो ठाकुरसीघोत द्व १८९

सहसो वयाळदासोत द्व १६६

सहसो प्रताप रो प २८

सहसो मोकल रो प ६२
 सहसो सूजा रो हू १६१, १६२
 सहस्रार्जुन हू. ६
 सहस्वान ती. १७६
 सहावुद्दीन गौरी प १८०
 सहिमो ती. ६५
 साइयो भूलो-चारण प ८६, ८८
 साईदाम प १११, १४०, २७६, ३२५
 साईदास अभा रो प ३२७
 साईदास तिलोकसी रो हू १६२
 साईदास प्रथीराज रो प २६०
 साईदास भाटी हू ६६
 साईदाम राजसीश्रोत हू. १७६
 साईदास रावत प ६६
 साईदास हरदासोत हू १६०
 सांकर चापा रो प. २००
 सांकर पीयावत हू १६३
 सांकर प्रथीराजोत हू १६३
 साकर भुजवळ रो प १६४
 साकर सूरवत हू १८०
 साखलो प १८, ३३७, ३६३
 सांगण प १६६
 „ हू ३६, ४३, ५४, ८४
 „ ती २२१
 सांगम मगळराव रो हू १६
 सांगमराव खीची प. २५१
 सांगमराव राठोड़ ती. २८०, २८१,
 २८२, २८३, २८४, २८५, २६०
 सांगी रबारी हू. १६, २०
 सांगो प. २८०
 सांगो हू. ८१, ८८, १४४
 „ ती. २३१
 सांगो ऊदावत प ३६०
 सांगो करमा रो प १६५
 „ „ „ हू ८०

सांगो खडेर हू. १०३
 सांगो खोंवा रो हू १२१
 सांगो गोयदोत हू. १७६
 सांगो पीयावत हू १६०
 सांगो प्रथीराजोत प २६०, ३०७, ३१४
 सांगो वोहड़ सोळकी रो प. २८०
 सांगो भाटी ती १७
 सांगो भैरव रो प. १६६, ३२५
 सांगो मभूमराव रो हू. १, ११
 सांगो रांगो प ४६, २८६
 „ „ हू २६२, २६४
 „ „ ती. २४८
 सांगो राणो माणकराव रो ती. १५८,
 १७१
 सांगो रांगो रायमल रो प. ६, १५, १८,
 १६, २०, २१, २३, १०२, १०३,
 १०४, ११६ १५०
 सांगो रावळ वड्डु रो हू १४०
 सांगो वडवज प १५६
 सांगो वणवीर रो प १७२
 सांगो बिजावत हू १६६
 सांगो सिधोत प ६८
 सांगो सुलतान राजा ती १६०
 सांगो सेलार प २२५
 सांगो हिमाळा रो प २४४
 साघण रावत ती १७६
 साडो डोडियो प ३६
 सांडो पुनपाळ रो प ३५४
 सांडो रायपाळोत ती २६
 साडो साखलो ती ८४
 सांडो सिधावत प २४३
 सांदू प. १११
 सांमंतसिध ती. २२६
 सांम हू १, ६, १६
 सांम उर्देसिधोत प २२
 सांमतसी रावळ प ७६

सांमदास दू ७८, ९०, १२६
 सांमदास अमरा रो दू १२२
 सांमदास खेतसीओत दू ६५
 सांमदास गोपाळदासोत दू. १०७
 सामदास जोगा रो प ३५७
 सामदास जोगीदासोत दू १८५
 सांमदास नाथावत प. ३११
 सांमदास भाणोत दू १६४
 सांमदास मेघराज रो प ३५६
 सांमपत जाम दू. २०६
 सामसिध प. २६, ३२४, ३२७
 सांमो प ३६१
 सांमो दू ८०, २००
 सांम्ब दे० सांस ।
 सांवत प २४७
 सांवत करमचद रो प. २०५
 सांवतसिध प ३२८
 सांवतसिध ती २२६, २३२, २३५,
 २३७
 सांवतसिध चावडो दू २६७
 सांवतसिध सेखावत ती ३२
 सांवतसिध सोनगरो ती २६१, २६२,
 २६३
 सांवत सिढायच-चारण ती २८०, २८१
 सावतसी प १६७, १८७, २१३, २८५
 ,, दू २, ४, ७७, ७८, १०३
 सांवतसी केहर रो दू ७७
 सावतसी वीबो प १३८, १३९
 सांवतसी महकरणोत प. २३३
 सांवतसी रांणो ती १५८
 सांवतसी रायमल रो प २८४, २८५
 सावतसी रावळ चावगदे रो प २०४
 सावतसी वीकावत दू १७३
 सांवतसी वीसा रो प. २००
 सावतसी साडूळ रो प. १६४
 सांवतसी सुरा देवडा रो प. १७०

सांवतसी सोनगरो रावळ ती. २३
 सावळ प २६, १६५, ३३६
 ,, दू. ७७, ८४, १६६
 सांवळदास प २७, ६७, ७०, १०१,
 १०२, ११५, ११७, १२०, १२५,
 १६८, २०८, ३०६
 ,, दू १२५, १२६, १६१, १६१,
 २६४
 ,, ती २२७
 सांवळदास फलावत दू. १६२, १७४
 सांवळदास डूंगरसीओत दू १७५, १७६
 सावळदास देवकरण रो प. ३१०
 सांवळदास नारणदास रो प. ३५८
 सांवळदास पचाइणोत प ३०६
 सांवळदास वळकरण रो प ३४२
 सावळदास भानीदासोत दू. १६६
 सावळदास भाटी गोपाळदासोत दू. १०७
 सावळदास मेहकरणोत दू. १६३
 सांवळदास रायमल रो दू १२३
 सावळदास रावळ प ७०
 सावळदास लूणकरण रो प ३१६, ३२२
 सांवळदास संसारचंद रो दू १८१, १८२
 सावळदास हमीरोत प ३४३
 सावळ माडणोत प २३६
 सावळ साधवदे रो प ३३६
 सावळसुध रोहडियो-चारण दू २३६, २३८
 सावळो प १६४
 सांसतघ प २८७
 सागण ती. २२१
 सागर राणो दू १५८
 साजन ती. २३६, २४७
 साड जाम दू. २१४
 सातळ प. १६३, २२५
 ,, ती १८४
 सातळ अखा रो प ३४१

सातळ केहर रो दू ७७
 सातळ चहुषाण दू. ५८
 सातळ माटी दू ८४
 सातळ राणो दू. २६५
 सातळ राव जोधावत ती. ३१, १०४,
 १८२
 सातळ वरसिध रो दू. १२७
 सादमत प. ३००
 सादमो सुलतान प. ३००
 सादूळ प २२, २७, ११७, १६४, ३०६,
 ३१३, ३२८, ३४३
 ,, दू ७८, १६८, २००, ३२७, ३२८
 सादूळ कचरावत दू १८४
 सादूळ किसनावत दू १६४
 सादूळ छेतसी रो प ३६०
 सादूळ गोपाळदासोत दू १०५
 सादूळ गोयदोत दू १७५
 सादूळ जगह्य रो प. २४१
 सादूळ जांभण रो प. २४०
 सादूळ कुजणसल रो दू. ६०
 सादूळ हुदावत दू १६७
 सादूळ नरहरोत प ६६
 सादूळ भांनोदास रो दू. १२८
 सादूळ भाखरपीओत दू १६६
 सादूळ भारमलोत प. २६१, ३०२
 सादूळ मनोहर रो प ३४३
 सादूळ मानावत दू १६०
 सादूळ मालदे रो प. ३१५
 सादूळ राणावत दू. १५२
 सादूळ राणो सूजा रो प. २३१
 सादूळ रांमावत प १६६
 सादूळ रावत परमार ती. १७६
 सादूळ राध महेसोत प १५२
 सादूळ वीठळदासोत प. ३०६
 सादूळ सांकर रो प. १६४
 सादूळ सांवतसीओत प. २३४
 सादूळसिध ती २२५, २२६

सादूळ सिधोत दू. १७६
 सादो दू. ३२७, ३२८
 सादो कुवर दू ३१२, ३२५, ३२६, ३२७,
 ३२८
 सादो देवराज रो प ३६१, ३६२
 सादो राणगदेवोत ओडोत प ३४८,
 ३४९
 सावर ती २७८
 सायवसिध ती २२३, २२८, २३०
 सायव हमीरोत दू. २४४, २५०, २५१,
 २५२, २५३, २५४, २५५, २५६
 सायर प ३६२
 सारंग ईसर रो प. ३५१
 सारगखान ती. २१, २२, १६३, १६४
 सारगदे जैमल रो प. २१२
 सारगदेव वाघेलो ती ५१
 सारग नारणोत दू १७४
 साल काहण रो दू. २
 सालवाहण प. ६६
 ,, दू. १५, ३८
 सालवाहण राजा परमार ती १७५
 सालवाहण रावळ प ७८
 सालवाहन प. १२३, १३५, २५६, ३३६
 ,, दू. २, ३६, ३७
 सालवाहन श्ररघाविव रो ती ३७
 सालवाहन चपतराय रो प १३१
 सालवाहन राजा प २५६
 सालवाहन राजा दू ६
 सालवाहन रावळ प ५, १२
 ,, ,, दू. १०
 ,, ,, ती ३३, २२१
 सालो सीहड़ रो प ३४०, ३४१
 साल्ह दू ३६
 साल्हो सोभ्रम रो प २३०, २३१
 सावंत हाडो प ११७

सावटू भाटी दू ३१६
 सावर प १२२
 साहजहा पातसाह प. ४८
 " " दू. १०५
 " " ती १८, १६२, २३८,
 २४६, २७७, २७८
 साहजहा सायबदीन पातसाह ती १६२
 साहजी ती २७७
 साहणपाळ रांगो मोहिल ती १५८, १७०
 साहणमल दे० साहणपाळ रांगो मोहिल ।
 साहबखान प २२
 " दू १३४
 " ती. २७७
 साहयार पातसाह ती १६२
 साहरण जाट ती १३
 साहरण बछा रो प १०१, ३३८
 साह, राणा उर्वसिघ रो प २२, २५
 साहिजहां पातसाह दे० साहजहां पातसाह
 साहिब प २७
 " दू २०६, २१६, २२२, २२३
 साहिबखान प १५७, २७६
 साहिबखान बेणीदास रो प. ३३०
 साहिब गागा रो प० ३५८
 साहिबदी पातसाह ती० १८३
 साहिल प ११६
 साहुर अमरा रो प १६५
 सिघ प २३, १६०, २१२, २५६, ३०४,
 ३२८
 " दू ११, ६०, १००, १०३, १०४
 सिघ भालो, अजा रो प. ५१
 " " " " दू. २६२, २६३,
 २६४
 सिघ करमचव रो प ३१५
 सिघ कांधळोत प. ६७
 सिघ कांन्हावत दू १६३
 सिघ खेतसीओत दू ६५

सिघ जंतमालोत दू १८७
 सिघ ठाकुरसीओत दू. १८६
 सिघ देवकरण रो प ३१०
 सिघ भानीदामोत दू ६३
 सिघ रतनसिघोत दू १७६
 सिघ राय प ११६
 सिघ राव प १३५
 " दू १, १०
 " ती २२२
 सिघ रायत प ६५
 सिघ रूपसीओत दू १४७
 सिघलसेन राजा परमार प ३३६
 " " " ती १७५
 सिघसेन राजा दे० सीहोजी राय ।
 सिघो घाघावत प. २४२
 सिघराज प २८६
 सिघ राजा ती १७६
 सिधु ती १७६
 सिधु प्रसयतु का पुत्र ती १७६
 सिहवल राजा ती १८५
 सिहल कवि दू ७५
 सिकदर प. २६२
 " ती. ५५, १७१
 सिकदर लोदी ती १६२
 सिखर प १६
 सिखरो दू. ३०७
 सिखरो ऋगमणावत दू ३१४, ३१५, ३१६
 " " ती. २५०, २५२,
 २५३, २५४, २५५, २५७, २६०,
 २६१, २६२, २६३, २६४, २६५
 सिखरो बोडो प. २४७
 सिखरो भुजबल रो प १६५
 सिखरो महकरण रो प. २३३
 सिखरो रतना रो प. १६७
 सिद्धराज सोळकी प २७८
 सिद्धराव प ४, २७२, २७८, ३३६

सिद्धराव जैसिघदे ती २६, ५१
 सिधगराय प २८८
 सिधराज प २८६
 सिधराव प. २७५, २७६, २८०
 (दे० सिद्धराव)
 सिधराव जैसिघदे प. २६०, २७४, २७७
 (दे० सिद्धराव जैसिघदे)
 सिधराव सोळकी करन रो प २८०
 सिरग खेतसीश्रोत हू १२२, १२३
 सिरगजी ती २२३
 सिरग जैतसिघोत ती २०५
 सिरंग डूगरसीश्रोत हू १०७
 सिरदारसिघ प १००
 सिरदारसिघ प्रतापसिघ रो प १२१
 सिरपुज रावळ प १३
 सिरवान भाटी ती. ५७
 सिलादत प ३
 मिलार रावळा रो प १६४, १६५, १६७
 सिधदांनसिघ ती २२३, २२८
 सिधदास हू ८०, १५१
 सिधदास नायू रो हू. १६७, १६६
 सिधधान प २६२
 सिधब्रह्म प २६५, २६६
 सिधब्रह्म कछवाही राजा उदैकरण रो
 प ३२६
 सिधर प १२३
 सिधर राजा परमार ती. १७५
 सिधरांम प. २६, ३०७
 सिधराम उदैसिघोन प ३०८
 सिधराज हू ३४२
 सिधराज राजा प. २६२
 सिधसिघ प २६८
 ,, ती २३७
 सिधसेन राजा ती. १८६
 सिधो प १५, १६०, १७२, १६७, १६८,
 २००

सिधो हू १४३
 सिधो कैलवेचो हू. १००
 सिधो गोहिल प. ३३५
 सिधो पूजा रो प ३५१
 सिधो राव छाजू रो ती. २४१, २४२,
 २४३, २४४, २४५, २४६, २४७
 सिसपाळ प. २८६
 सोंगट मोहिल जगरामोत ती. १६५
 सोंघळ नीवावत प. २०७
 सोंघो प ३२७
 सोंघो नाथा रो प ३२७
 सोगळ कव दे० सिहल कवि
 सोमाळ हू ४१, ४२
 सोयळ पवार हू ६
 सोल प ७८
 सीहड हू ३६, ४३
 सीहड कात्हण रो हू २
 सीहड चाचण रो राणो प. ३४०, ३४२,
 ३४३
 सीहडदे रावळ प ७६
 सीहड भाटी हू ६४
 सीहड रावळ प १२
 सीहड साखलो प २५३
 ,, , ती. १४०, १४२, १४३
 सीहपातळो प. २१७
 सीहमाल ती १२५
 सीहा राठीड प ३३३
 सीहेंद्र रावळ प १२
 सीहो प १, २४८
 ,, हू १०८, १२२, १८६
 सीहो गोविंद रो हू ७७, ७८, १०६, १०७
 सीहो जगमाल रो हू ८४
 सीहोजी राव हू २५८, २६६, २६७,
 २६८, २६९, २७१, २७२, २७३,
 २७४, २७५, २७६
 ,, ,, ती २६, १७३, १८०
 सीहो घनराज रो हू १२३

सीहो रामदासोत द्व १६६
 सीहो राजादे रो प २६४
 सीहो रायमल रो प. ३२७
 सीहो रायळ प ५, ७८
 सीहो रुदा रो प १७२
 सीहो सीधळ द्व १८७
 " " ती १२३, १२४, १२५,
 १२६, १२७, १२८
 सुदर प ३४३
 " द्व ८६, ६५, १२३, १७७, १६६,
 २००
 सुदर कचरावत प ३५७
 सुदरचंद राजा ती. १८८
 सुदरदास प. २६, ६६, १२५, १७३,
 १६७, १६८, ३०६, ३२७, ३३१,
 ३४३
 सुदरदास द्व ८१, ८८, ६०, ६३, १२६,
 १५८, १५६, १६४, १८३, १६२
 सुदरदास ती ३७, २२५, २२६, २२७
 सुदरदास गोयददासोत द्व १५०
 सुदरदास गोड प ११७
 सुदरदास देवराज रो द्व. १०४
 सुदरदास भगवानदासोत द्व १५२
 सुदरदास भारमल रो प. ३०२
 सुदरदास भीवोत द्व. १७२
 सुदरदास मुहणोत प १६७
 सुदरदास लाडखान रो प. ३२१, ३२५,
 ३२७
 सुदरदास सुरतांग रो प ३०४, ३१२
 " " " द्व १५६
 सुदरदास सूरजमलोत द्व. १८६
 सुदर भारमलोत प २६१
 सुदर सहसावत द्व १७६
 सुदरसी मुहतो ती. २१४
 सुदर सोढो प. ३६१
 सुकर सोळकी प २६१, २८०

सुकव प. ७८
 सुकायत राजा ती. १८७, १८८
 सुकृत दे० सुकव ।
 सुकृत सर्मा प ६
 सुखचंद माधो ती १६०
 सुखरामदास ती. २२६
 सुखसिध ती २२४
 सुखसिध सूरजमलोत ती २१७
 सुखसेन राजा ती १८६
 सुगणो मुहतो प ३३८
 सुचंद माधो ती १६०
 सुजत प ७८
 सुजन अर्जुनोत मोडिल ती. १६६, १७०
 सुजय प. ७८
 सुजाण प २७
 " द्व. ६२, १२३
 सुजाणराय प १३१, २७८
 सुजाणसिध प २२, ३०, ६७, १३०,
 २०६, ३०१, ३०४, ३०६, ३०८,
 ३१०, ३२८
 सुजाणसिध द्व. ६५, ६६, २६४
 " ती. २२४
 सुजाणसिध परसोतम रो प. ३२३
 सुजाणसिध महाराजा (वीकानेर) ती ३२,
 १८०, १८१, २११
 सुजाणसिध माधोसिध रो प २६६
 सुजित प. ७८
 सुदरसण प ३२७
 " द्व ८८
 " ती. ३६
 सुदरसण भाटी मानसिधोत द्व १३२
 सुदरसण राव जगदेव रो द्व १३६
 सुदर्शराज प. २८८
 सुदर्शन प ७८
 सुदर्शन ती १७६
 सुदर्शन प २८८, ३२७

सुदास ती १७८
 सुदेव ती १७८
 सुद्रसेन ती २३०
 सुधन राजा ती १८६
 सुधन्व प २८८
 सुधन्वा दे० पुधन्वा ।
 सुधानेव प. २८७
 सुधिव्रह्मा प. २६३
 सुधोम प. २८६
 सुनुगराय प २८८
 सुप्रतिकाम दे० सुप्रतिकाश ।
 सुप्रतिकाश ती १७६
 सुवाहु प २८८
 सुवृद्ध सर्मा प ६
 सुभकरण प. १२७, १३१
 सुभराम ती २३५
 सुभाट्य सर्मा प ६
 सुमत दे० संमत ।
 सुमल प. १२३
 सुमित्र ती. १८०
 सुमित्र मांगल रो प २६३
 सुमेधा प ७८
 सुरचंद माधो ती. १६०
 सुरजण प. ११०, १११, ११२
 सुरजन प ३०६, ३१५, ३२८
 सुरजन आसावत द्व १४६
 सुरजन ऋगा रो द्व ८१
 सुरजन कचरावत द्व १८४
 सुरजन जंतसिधोत ती २०५
 सुरजन रांणो ती १५३, १५५, १५८
 सुरजन रायपाल रो प. ३५४
 सुरजन राव ती. २६६, २६८
 सुरजन सीहड़ रो प ३४०
 सुरतराज प २८६
 सुरतसिध प. ३०८
 सुरताण प. १७, १८, २२, २३, ७०,

१०६, ११०, १३५ १३६, १४१,
 १४२, १४३, १४५, १४६, १४७,
 १४८, १४९, १५०, १५१, १५२,
 १५३, १५८, १६०, १६६, १६७,
 १६८, १७१, २००, २१०, २३६,
 २८१, २८३
 ,, द्व ११, ८०, ८५, ८८, ८९, ९८
 ९९, १०४, १०८, ११६, १२४,
 १३६, १४३, १५८, १५९, १६१,
 १६५, १६७, १६८, २००
 ,, ती २८७
 सुरताण कल्याणमलोत ती २०६
 सुरताण कोटडियो द्व. १००
 सुरताण गांगा रो प. ३५६, ३५८
 सुरताण चवडे रो द्व ३१०
 सुरताण जांभण रो प २४०
 सुरताण जैमलोत ती १२०
 सुरताण भालो प्रथीराजोत द्व २५६
 सुरताण भालो सिध रो द्व. २६२, २६३
 सुरताण ठाकुरसी रो द्व १६२
 सुरताण दुरगावत प ३४३
 सुरताण प्रथीराजोत प ३०४
 सुरताण भाखरसीधोत द्व १५२
 सुरताण मानावत द्व १५४, १५७, १७६
 सुरताण रतनसीधोत द्व १८६
 सुरताण राणावत द्व १७१
 सुरताण रायमल रो प ३२७
 सुरताण रायसिधोत द्व १५०
 सुरताण राव प २८१
 सुरताण राव भाणोत प. २४६
 सुरताणसिध प ३२३
 ,, ती २२४, २२७, २३५
 सुरताणसिध ठाकुर परमार ती. १७६
 सुरतो प. ३१
 सूरथ प ७८
 ,, ती. १८०

सुरपुज रावळ प ७६

सुवचद ती. १६०

सुविधि राजा ती. १८५

सुसिध प. २६२

सुस्तराज प. २८६

सुश्रो प. १६

सुजो प. ५०, ६०, ६१, ६२, १०१,
१०२, ११६, १२१, १२४, १६१

२४२, ३२०, ३२५, ३२६, ३६२

,, हू. १६६

सुजो आसावत प. ३४३

सुजो करणोत प १६८

सुजो खेतसी रो प ३६०

सुजो जगमालीत हू. १६१

सुजो जसूतोत हू. १७०

सुजो जैसा रो प १६६

सुजो देईदास रो प ३१७

सुजो देवढो प १५६, १६४

सुजो पतावत हू १५१

सुजो पूरणमल रो प ३१३

सुजो प्रागदासोत हू. १८३

सुजो भाटी हू ६६

सुजो भारमलोत प २००

सुजो भुजवळ रो प १६५

सुजो महीकरण रो प ३५६

सुजो माडणोत प. २३६

सुजो राणो प २३१, २३५

सुजो रांमावत हू १६१

सुजो रायमलोत प ३१६

,, ,, हू २००

सुजो राव प ३६१

,, ,, हू १५३, १७८

सुजो राव, जोषावत ती ३१, ८१, १०५
११४, १८२, २१५, २१६, २३५

सुजो रिणधीर रो प १४२, १४३, १५८

सुजो षणवीर रो प २४२

सुजो घीजा रो प. ३५८

सुजो वेणावत हू १६०

सुजो सिलार रो प. १६७

सुमरो हू २३८

सूर प १७८, १८८, १६०, २६२

(दे० सूर मालण)

सूरज प ७८, १२५, २६२

सूरजमल प ५०, ५६, ६८, ६९, ७३,

७४, ७५, ७६, ७७, ८१, ८२, १०२,

१०३, १०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, १०९, ११०, १२०, २०६,

२११, २१२

सूरजमल हू ७८, ८०, ८०, ८४, १२३,

१२४, १२८, १३६, १५६

सूरजमल ती. २२७

सूरजमल ग्रमरा रो प. ३०, ३५६

सूरजमल कितनावत हू. १६६

सूरजमल केसोदास रो प. ३१४

सूरजमल गोपाळदासोत हू १८६

सूरजमल चांपा रो प ३५६

सूरजमल बालासो ती. ४१

सूरजमल लूणकरणोत हू ६०

सूरजमल हाडो प. २०

सूरजसिध प. ५३, २४७

सूरजसिध राजा हू. ८१, ८६, ११६,

१५५, १५८

सूरजसिध राव हू १३१, १३२

सूरतसिध प १२०, २६६, ३०७, ३०८

,, ती २२१, २२४, २२६, २२६

सूरतसिध महाराजा (वीकानेर) ती ३२,

१७७, १८०, १८१, २०८

सूरदास प. २३२

,, हू. १६४

सूरदेव ती. २१६

सूर नरसिधोत प १५३

सूर नाहरखान रो प. ११७

सूर पातसाह द्व १७७, १८०, १९०,
 १९२
 सूरपाळ प. २८६
 सूरमचद प ५०
 सूर माधवदे रो प. ३३६
 सूरमालण (सूरमाल्हण) द्व ४०, ४१,
 ४२, १५३, १७८
 सूर राणो द्व २६५
 सूरसिंघ प २५, २६, २८, १५३, १६१,
 ३०३, ३०५, ३०६, ३०९, ३११,
 ३२०, ३२२, ३२६, ३२८
 सूरसिंघ द्व १५८
 सूरसिंह ती २३०
 सूरसिंघजी राजा प. ३२३
 सूरसिंघ फरसरांम रो प ३२३
 सूरसिंघ भगवतदास रो प २९१, ३००
 सूरसिंघ महाराजा (जोवपुर) ती. १८२,
 २१४
 सूरसिंघ महाराजा (बीकानेर) द्व. १११
 सूरसिंघ मानसिंघोत प ३२७
 सूरसिंघ रायसिंघोत महाराजा (बीकानेर)
 ती ३१, १८०, १८१, २०७, २०८,
 २१० (दे० सूरसिंघ महाराजा
 बीकानेर)
 सूरसिंघ राव द्व १३०, १३१, १३२,
 १३३, १३६, १४४
 सूरसिंघ रुद्र रो प ३१६
 सूरसिंघ बीकूपुर राव ती ३६
 सूर सुरतांण रो प १५८
 सूरसेन द्व. ३, ६
 ,, ती. २३१
 सूरसेन उग्रसेन रो प २९२
 सूरसेन राजा ती १८६
 सूरु प. ७०
 ,, द्व ८४, ८८, १७८, १८९
 सूरु कलावत प. १९९

सूरु काषळोत ती. २१
 सूरु काना रो प ३६०
 सूरु डूगरसी रो प. १२०
 सूरु देवडो प. १४५, १४६, १४७, १५४,
 १७०
 सूरु नरवद रो प. २४८
 सूरु नरसिंघ देवडा रो प १६५, १६६,
 १६७
 सूरु भैरवदासोत द्व. १७८
 सूरु माधा रो प. ३२१
 सूरु लोलावत प २३८
 सूरु वेगू रो प. ३५२
 सूरु सोढो प ३६२
 सूर्यपाळ पदमपाळ रो प २८६
 सूर्यपाळ भीमपाळ रो प. २९०
 सेख फरीद ती २७६
 सेखो प ६७ ३२७
 ,, द्व. १४२, १४३, १९८
 सेखो खारवारा रो राव ती. ३७
 सेखो खेतसीग्रोत द्व १७३
 सेखो चहुवांण भाभणोत प १५२, २३९
 सेखो प्रताप रो प २८
 सेखो मोकळ रो प. ३१८, ३१९
 सेखो रतना रो प ३१७
 सेखो राणो दोला रो द्व २६५
 सेखो रांमावत प १९८
 सेखो राव द्व. ११०, ११८, ११९, १२०,
 १२४, १२६, १३७
 ,, ,, ती १९, ३१, ३६
 सेखो रुदा रो प १६५
 सेखो सावत रो प २००, २०१
 सेखो सूजावत प २४१, २४२, ३६०
 ,, ,, ती. ८६, ८८, ८९, ९०,
 ९१, ९२
 सेतरांम द्व २६८

सेतरांम वरदायीसेनोत ती १८०, १८३,
१८४, १८५, १८६, १८७, १८८,
२०१, २०२, २०३, २०४

सेनजित ती १७७

सेन राजा ती १८५

सेरखान रतनसी रो प. ३५६

सेरमर्दन राजा ती. १८७

सेरसाह पठाण पातसाह ती. १८२

सेरसिध ती २२६, २२८, २२९

सेवो साखलो दू ०६१

सेहराव देवा रो प. ११९

सेहसो चानणदास रो प. ३१४

सेहसो प्रथीराज रो प. २९०

सेसमल रावळ प ३९

सोढ उर्से राजा रो प २९३

सोढ देव प २९०

सोढल राजा प २९५

सोढो छाहड रो प ३६३

सोढो बाहड रो प ३३७, ३३८, ३५१

सोनग सीहोजी रो ती. २९

सोभत सलखा रो दू. २८१, २८४, २८५

„ „ „ ती ३०

सोभ हरभम रो प ३५३

सोभो रामा रो प. ३५७

सोभो रावत प १९६

सोभो राव लाखा रो प. १५८

सोभो रिणमल रो प १३५, १३६

सोभो हीमाळा रो प २४४, २४५

सोभ्रम प. १६९, २३०, २३१

सोम प ११९, १६९, १९३

„ ती. १८४

सोम केहर रो भाई दू. ११६

सोमचव व्यास प २२५

सोम चहुवाण दू

सोम चूडावत प. ३४१, ३४३

सोमदत्त प. ३

सोम भाटी दू ७५, ७६, ७७

सोम रावळ केहर रो ती. ३४, २२१

सोमसी दू ३

सोमेस प. २८९

सोमेसर जसहड रो प. ३५५, ३६३

सोमो प. ३४३

सोमो राकसियो दू ३१२

सोहड प. ११९

सोहड साल्ह सूरवात ती ३०

सोहित प. १००, १०१

सोही प ११९, १३५, १८६, २३०,

२४७, २५०

सोहर जाट ती. १५

स्याम प २७, १२५, १२६

स्याम कूभावत दू. १७९

स्याम जगावत दू. २६३

स्यामदत्त ती. २२५

स्यानदास प. ३०७, ३२५, ३२७, ३२८

„ द. ६२, ६३, १८८, १९०,

१९७, १९८, २६४, २६८

„ ती २२५

स्यामदास भगवानदासोत दू १५२

स्यामदास रावळ प ७९

स्यामदास वीठळदासोत प ३०९

स्यामदास सीसोदियो प १४८

स्याम देवा रो दू. २६३

स्यामराम प ३२३

स्यामराम अखेरराज रो प. ३०२

स्यामसिध प २३, १९७, ३०६, ३०८,

३१६, ३२२

स्यामसिध दू ६३, १७०

„ ती २३२

स्यामसिध जसवत रो प. २०९

स्यामसिध पता रो प. ३३०

स्यामसिध परसोतम रो प. ३२३

स्यामसिध मनोहरदास रो प. ३४२

स्यामसिध मानसिधोत प २९१, २९९

स्यामसिंघ मानसिंघोत्त दू. १६३

स्यामसिंघ राजा रो प ३०८

स्यामसिंघ राव प. २८१

त्ततनख प ३३६

ह

हृदायळ दे हंदाळ ।

हंदाळ प. ३००

हसन घसु प. ७८

हसपाळ पडिहार प. ३३३, ३३४

हसपाळ मेहुदा रो प. ३४०

हंस राजा परमार ती. १७६

हस रावळ प ५, १२. ७६

हंसो तीहुड रो प. ३४०

हईहय प ७८

हठीसिंघ ती. २२६, २२७

हठीसिंघ राव ती २४६

हनुमान प २६०

हणूतसिंघ ती २३१

हणू राजा, प २६३, २६४, २६६

हणू राजा, काकिल रो प ३३२

हदनेत्र प ७८

हदो दू १७८

हदो गागा रो प. ३५६

हदो मानारो प. ३४१

हनु प. ७८

हवीवखान प. ३०७

हवीव पठाण दू २५४

हमाऊ पातसाह प. २०, ३००

” ” दू ८०

” ” ती. १६, १८३, १८२

हमीर प ६६, १८६, २२१, ३५६

” दू ३, ८०, २१५, २१७, २१८

हमीर अघतारदे रो प. ३६०

हमीर आसावत दू १७६

हमीर एको दू १३१, १३२

हमीर करमा रो प. १६५

हमीर कुतल रो प २६५, २६६, ३३०

हमीर खगारोत्त प ३०५

हमीर खोंदावत प ३४१, ३४३

हमीर गोयदरो ती ११४

हमीर गोहिल प ३३५

हमीर धिरा रो प ३५६

हमीर दहियो प ११७, १२५

” ” ती. २६७, २६८, २६९,

२७०, २७१, २७२

हमीरदे चहुवाण प. २२०

” ” दू ५८

” ” ती. १८४

हमीर देवराजोत्त दू. ५३, १४४, १४५

हमीर बीजो दू २०६

हमीर भीम रो प ३३५

हमीर, रतनसी राणा रो दू ३६

हमीर राणो प. ६, १४, १५

हमीर राव ती. २८

हमीर रावत, परमार ती. १७६

हमीर लाखारो प. १३६, १६१

हमीर घडो दू. २०६, २१३

हमीर वणवीरोत्त प ३५८

हमीर वीकावत प. २३७

हमीर सांक्रोत्त दू १८०

हमीर सोढो प ३३८

हमीर हरा रो दू १२१, १२६

हयनर राजा ती १८६

हर प. ११

हरकरण प ३१६

हर करमसीओत्त प ३५१

हरख सर्मा प ६

हरचंद दे० हरिचंद्र

हरचंद रायमलोत्त दू. १४५

हरजस प. २८७, २६२

हरणनाभ प. २८८

हरवत्त राणो, मोहिल ती १५८, १७०

हरदास प. २२, २०५, ३२५, ३४१
 " दू ७७, ७९, १०७, १२३,
 १९२, १९६, २६३
 हरदास अजा रो दू. ८०
 हरदास ऊहड़, मोकळोत ती. ८५, ८७,
 ८८, ८९, ९०, ९२
 हरदास कानावत दू १६५
 हरदास डूगरसीओत दू १७८
 हरदास पतावत दू. १९७
 हरदास भगवतदासोत प. २९१
 हरदास भाटी दू. १७६
 हरदास महेसोत प. २३७, ३४१
 हरदास लूणकरणोत दू ९०
 हरदेव प. ३२२
 हरधवळ प १२२
 " दू २२०, २३९
 हरनाम प. २९२
 हरनाथ प ३०८, ३२०, ३२२
 " दू ९०, ९६, ११९
 " ती ३७
 हरनाथसिंघ ती २३२
 हरनाथसिंघ तोडरमलोत प ३२२
 हरपाळ प २९०
 हरपाळ राणो दू. २६५
 हरभम दू. १५३
 हरभम केलहणरो दू. ११६, १४३
 हरभम राव दू ११६
 हरभम साखलो मेहराज रो प ३५०,
 ३५१
 हरभाण प ३२२, ३२४
 हरभीम राजा ती १८९
 हरभू पीर प ३४८
 हरभौ मेहराजोत सांखलो ती. ७, १०३,
 १०४, १०५ (दे० हरभम सांखलो
 मेहराज रो)
 हरराम प २७, ३०६, ३०८, ३१२,
 ३२०, ३२७

" दू. १२२, १५१, १८७
 हरराम जसवंत रो प. ३१७
 हररांम रायसल रो प. ३२४
 हररांमसिंघ ती. २२५
 हरराज प. २२, ९९, १००, १६३, १६४,
 २८१
 " दू १७८
 " ती २२०
 हरराज करमसी रो दू. १९०
 हरराज जैतसी रो प ३१५
 हरराज ठाफुरसी रो प. ३६०
 हरराज देवडो प. १४५
 हरराज नरवद रो प १०९
 हरराज नारण रो प. ३५८
 हरराज मालवेवोत, रावळ दू. ९२, ९७,
 १०२
 हरराज रावळ दू. ११, ९२, ९७, ९८,
 ९९, १०२
 " " ती. ३१, ३५
 हरराज समरसी रो प. १०१
 हरराज सोळकी, डुरजणसाल रो प. २८१
 हर सर्मा प. ९
 हरसिंघदे प १२९
 हरसिंघ राव (पूगळ) ती. ३६
 हरसूर राणो प १५
 हर हारीत प ११
 हरिशिव ती १७७
 हरि कान्हा रो प ३५२
 हरिचंद (हरीचंद, हरिस्चंद्र) दे०
 हरिश्चन्द्र राजा ।
 हरिजस प ३१६
 हरित प. २८८
 हरिताश्व दे० हरिशिव, हरियश
 हरिदास प १६६, २३३, ३२९
 हरिदास अमरा रो प. ३५९
 हरिदास फरसरांम रो प. ३१६
 हरिदास धीठळदास रो य. ३०८

हरिदास सिखरावत प २३३
 हरियश ती १७७
 हरियो थोरी ती ६२, ६३, ६७, ६८,
 ६९, ७०, ७५
 हरिवश राजा ती. १७६, १८७
 हरिश्चंद्र राजा प ४२, ४७, १६०,
 २८७, २६२, २६३
 " " ती. १७८
 हरिसिंघ प. २११, ३१५, ३२०, ३२५
 " दू ६५, ६६, ११६, १२४
 हरिसिंघ अमरसिंघोत दू १०६
 हरिसिंघ किसनसिंघोत दू. १७५
 हरिसिंघ गिरधर रो प ३२२
 हरिसिंघ चांदावत ती २४६
 हरिसिंघ नारणदासोत दू. ६२
 हरिसिंघ परसोतम रो प ३२३
 हरिसिंघ भीमसिंघोत दू १०७
 हरिसिंघ रतनसीओत दू १८३
 हरिसिंघ राजा ती १६०
 हरिसिंघ राव प ३०६
 हरिसिंघ सकतसिंघोत दू १०६
 हरिसेन राजा ती. १८६
 हरिहर प ७८
 हरीदास प. १६१
 " दू १०५
 हरीदास कलावत दू १६१
 हरीदास गोपाळदासोत दू. १६८
 हरीदास जोगीदासोत दू. १८५
 हरीदास दलावत दू ३०४
 हरीदास पता रो प १६०
 हरीदास पेरजखान रो प. १२४
 हरीदास भगवानोत दू १६१
 हरीदास भांणोत दू. १६४
 हरीदास माधोदासोत दू. १७२
 हरीदास मोहण रो प ३५७
 हरीदास रतनसी रो प ३५६

हरीदास रामचंदोत दू. १८३
 हरीदास रायमलोत दू १७५
 हरीदास बाघोत दू. १७६
 हरीदास सुरतांगोत दू १६०
 हरीदास सोढो प ३६२
 हरी नाया रो दू ७५
 हरीपाळ राजा ती १८८
 हरी भाखरसी रो दू १६७
 हरी रांगो दू २६५
 हरिराम प २५
 हरिराम रायमलोत ती २१७
 हरीसिंघ प २४, ३०२
 " ती. २२१, २३६
 हरीसिंघ जसवर्तसिंघोत ती २१७
 हरीसिंघ राघवदास रो प. ११७
 हरीसिंघ रावत प ६४, ६६, ६७
 हरीसिंघ वीरमदे रो प २०८
 हरो दू १५, ८१
 हरो राठोड दू ५८
 हरो सेखा रो दू १२०, १२१, १२४,
 १२६, १२७, १३७, १४१
 हर्षमादित्य प १०
 हर्जनकार सर्मा प ६
 हर्जनर सर्मा प ६
 हर्यश्च ती १७८
 हांमो प. १०१
 हांमो काठीलो दू. २४०
 हांमो रतनावत प. १६५
 हांस रावळ प ७६
 हांसू ती २२१
 हांसू पडोहियो दू ३१७
 हाजीखान प ६०, ६१, ६२
 हाजो प. २४७
 हाजो काठी दू २२०, २३६
 हाडो प १०१
 हाथी प. २६, १०१

हाथी अभा रो दू. १४१
 हाथी ईसरदास रो दू. १३०
 हाथी भाटी दू. ६६, ११६
 हाथी घाळा रो प. १२१
 हाथी सुरताण रो दू. २६३
 हापो प. ११६, २३१
 हापो रावत परमार ती. १७६
 हापो रावळ दू. ८४
 हारस चारण दू. २३७
 हारीत ऋखीश्वर प. ३
 हारीत ऋषि वे हारीत रिख ।
 हारीत रिख प. ३, ७, ११, १२
 हालो हमीर रो दू. २०६, २१५, २१६
 हावसिद्ध प. ७८
 हिंगोळी आहाडो प. १११
 हिंदाल प. ३००
 हिंदुसिध प. ३०६
 हिंदुसिध माघा रो प. ३२१
 हिमतसिध प. ३०६, ३११, ३१७, ३२६
 हिमतसिध कछवाहो ती. ३१
 हिमतसिध परसोतम रो प. ३२३
 हिमतसिध मानसिधोत प. २६१, २६६
 हिरण्यनाभ प. २८८
 हिरण्यनाभ ती १७६
 हिरदैनारायण प. ३०४, ३१०
 हिरदैराम प. ३०८, ३२४
 हिरदैराम अखैराज रो प. ३०२
 हिरन प. ७८

हींगोळ प. १७२, २३५
 हींगोळदास दू. ८१, १०४
 हींगोळदास सुरताणोत दू. १७२
 हींगोळो पीपाडो ती. १२०
 हीमतसिध ती. २२४, २२६, २३०, २३३
 हीमतो दू. ६५
 हीमाळो, राव धरजांग रो प. २३२, २४४
 हीरसिध ती. २३६
 हुमायू बादशाह दे० हुमाऊ पातसाह ।
 हुमायू पातसाह प. १६ (दे० हुमाऊ
 पातसाह)
 हुरड घनो दू. २०
 हुसग गौरी पातसाह ती. २४३, २४७
 हुन राजा प. २५५
 हुफो सांदू दू. ६२
 हुदैनारायण ती. २३६
 हुवे सर्मा प. ६
 हुडाऊ दू. २१६
 हेमराज दू. १२३, १६६
 हेमराज खोदावत प. १६६
 हेमराज पढिहार दू. १४०, १४२
 हेमवर्ण सर्मा प. ६
 हेमादित्य प. १०
 हेमो सीमाळोत दू. २८५, २८६, २८७,
 २८८, २८९, २९०, २९१, २९२,
 २९३, २९५, २९६, २९७, २९८
 हैहय प. ७८
 होरसराउ प. १२६

[२] स्त्री - नामावली

[स्त्री नामावली में पुल्लिङ्ग-रूप स्त्री नाम तथा स्त्री नामों के साथ पुल्लिङ्ग जैसे विशेषण रूप, मध्यकालीन राजस्थानी संस्कृति और स्त्री-समाज की प्रतिष्ठा के प्रतीक रहे हैं । उनकी स्त्रीलिङ्ग-रूप विलक्षण व्यञ्जना के, राजस्थानी भाषा के कुछ स्त्री-परक प्रत्ययादि और कुछ अन्य विशिष्ट शब्द, नाम ढूँढने के पूर्व सहज परिचय के लिये, अर्थ सहित यहां दिये जा रहे हैं ।]

आणी — कतिपय प्रदेश और जाति आदि नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाला एक प्रत्यय । जैसे—खावडियाणी, जोईयाणी इत्यादि । पुरुष नामों के अन्त में यह प्रत्यय 'आत्मज' अर्थ में बदल जाता है । जैसे लाखो फूलाणी ।

ओळगण, ओळगाणी — १. गायिका । यह प्रायः ढाढी जाति की होती है । राजस्थान के साचोरी प्रदेश में और उत्तर गुजरात में महतरानी को 'ओळगाणी' और महतर को 'ओळगाणी' कहते हैं ।

कंवराणी — कुवरानी ।

कंवर, कुवर — कुवरि, कुवरी । जैसे—आसकवरवाई, उमेदकुवर इत्यादि ।

खवास — १. राजा की दासी २. रखेल ३. सेविका ।

खवास-विणियांणी — बनिया जाति की स्त्री जो खवास बन गई हो ।

खालसा — १. राजा की एक विशेष दासी. २. एक रखेल ।

खीचण — खीची-क्षत्री वंश में उत्पन्न स्त्री ।

चहुआण, चहुवाण (-जी) — चौहान-क्षत्री कुल में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम तथा संबोधन ।

चारण — चारण-स्त्री, चारण जाति की स्त्री । चारणी भी कहा जाता है ।

ची — कतिपय नगर या प्रदेश नामों के अन्त में लगने से स्त्री नाम बनाने वाली एक विभक्ति ।
जैसे—ईडरची, कोटेची इत्यादि ।

चूडावत (-जी) — चूडा के वंश में उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम और संबोधन ।

छोकरी — दासी ।

जोगण, जोगणी — १. योगिनी. २. योगी (जोगी) की स्त्री ।

ठकराणी — ठाकुरानी ।

झंमणी — ढाढिन, गायिका ।

दे — देवी का संक्षिप्त रूप । जैसे—अंतरगदे, उछरगदे इत्यादि में । पुरुष नामों के अन्त में यह 'देव' शब्द के संक्षिप्त रूप में भी प्रयुक्त होता है । जैसे—कान्हडदे, गोगादे इत्यादि में ।

नाचण — नाचने वाली, नृत्यकी ।

पंवार (-जी) - पंवार (परमार) क्षत्री कुल मे उत्पन्न कन्या के ससुराल का उपनाम या संबोधन ।

पासवान - राजा की एक पर्दायित दासी ।

पूतल छोकरी (-छोरी) - दासी ।

वा - १. माता. २. राजरानी ३. राजमाता ।

वाई - १. स्त्री नामान्त प्रत्यय रूप एक शब्द । जैसे—इद्रावतीवाई, रामीवाई इत्यादि ।

२. पुत्री. ३. बहिन ४. बच्ची, कन्या ।

घैर - १. पत्नी. २. स्त्री ।

भुआ (-घा) - फूफी ।

माजी - १. राजमाता २. माता. ३. वृद्धा । (प्रायः विधवा स्त्री)

राठोड़ (-जी) - राठोड़ क्षत्री कुलोत्पन्न कन्या का ससुराल पक्षीय संबोधन और उपनाम ।

राठोड़णीजी, राठोड़णीजी, राठोड़णीजी (राठोड़िनजी) नाम भी कहे जाते हैं ।

राय - १. स्त्री नामान्त एक प्रत्यय रूप शब्द । जैसे—गुमानराय पातर, गुलाबराय खवास इत्यादि । पुरुष नामों के अंत में भी इसका प्रयोग होता है । जैसे—चामुंडराय, रामराय इत्यादि ।

वजीरण - १ वजीर (गोले) की स्त्री । २. ठाकुर की दासी । राजस्थान में जागीरदार के दास को वजीर भी कहते हैं ।

वडारण - ठाकुर की एक दासी ।

सगत, सगती - १. शक्ति, देवी २. देव्याशी स्त्री. ३. करामात वाली स्त्री ४. भोपी ।

सहेली - १. साथिन. २. दासी ।

सेखावत (-जी) - १. सेखावत कुलोत्पन्न क्षत्री कन्या का ससुराल पक्षीय उपनाम तथा संबोधन ।



स्त्री - नामानुक्रमणिका

अ

अतरगदे तुंवर ती. २०६
अतरगदेजी पवार ती. २०६
अखैकुवर देरावरी ती. २११
अजबदे धनराजोत-भटियाणी ती २१०
अजादे दहियाणी प ३४४
अजंदे दहियाणी प २५२
अजमाळा पातर ती. २१०
अतभागदे राणी (वज्रवरजी) ती ३२
अनारकली पातर ती २०६
अभैकुवरजी ती २११
अमोलकदे भटियाणी ती. २१०

आ

आचानण ती २८१, २८२, २८३, २८४,
२८५
आछी शाहजादी ती. १६१
आसकवर बाई, (राजा भावसिंघ री राणी)
प. २६६
आसकवर बाई, (राजा मानसिंघ री राणी)
प २६७
आसारण प. ६३

इ

इंद्रकुवर (कस्तूरदे राणी) ती. ३२
इंद्रावती बाई, (आसकरण री राणी)
प ३०३

ई

ईंदी ती. १०७ १०८
ईडरची हू ८७
ईहडदे ती २५८

उ

उछरगदे इंदी ती. २६
उदैकुंवर चहुवाण ती. २१५
उमादेवी भटियाणी ती. २१५
उमेदकुवर तुंवर, राणी ती. २११, २१२

ऊ

ऊधल (कान्हूदे री वेंदी) हू. ४१
ऊमादे (कान्हूदे री राणी) प २२५

ओ

ओलगाणी हू ३३६
" ती. २५८

क

ककाली प. ३३६
कंवळदे राणी प. २२५
कंवळावतीबाई, (गोरघन री पत्नी) प. ३०३
कवळावती, (धीवा री वर) प १२४
कनकावतीबाई, राणी प २६७
कनकावती (राव भोज री पत्नी) प १११
कपूरकळी खालसा ती. २०६, २१२
कमोदकळा खवास ती. २११
कमोदी खवास ती २०६
करणा री मा प. १६२
करमा खवास प. ३१२
करमेती बाई (मेहराज री पत्नी)
हू. १७८
करमेती हाडी राणी प २०, ४६, ५०,
६६, ६७, ६१, १०२, १०३, १०४,
१०८, १०९
करमेती हाडी राणी हू २६२
" " " ती. ५५

कल्याणदे (राजा गजसिंघ री रांणी)

प ३०१

कल्याणदे वेवडी ती. २६

कसतूरवे राणी (द्वद्रकुवर) ती. ३२

कसमीरवे राणी ती. ३१

कांमरेखा पातर ती. २१०

कांमसेना पातर ती. २१०

किसनवाई प. १६७

किसनराय ती २११

किसनाई खवास ती २११

किसनावती बाई प. ३१२

कुजकळी पातर ती. २११

कुमरवे दू २८०

फूभारी दू. २६६

केर बा दू. २१६

केसर हंडी ती. ३१

केसरदे फछवाही ती. २१४

केसरदे नरुकी प ३१५

कोटेची ती २५०, २५१, २५२

कोडमदे वीकूपुरी ती. २११

ख

खवास (गोकळदास री मा) प ३१६

खातण (मेरा री मा) प. १५, १६

खावडियांणी प. ३४७

खेतूबाई (राव सूजा री वेटो) प. १०२

खेतू राठोड, माजी प. १०७

ग

गगाजी रांणी (सोभागदे) ती ३१

गरुडराय पातर ती २११

गवरां ती २११

गांगे री मा ती. ८०

गायडदेवी सीसोदणी ती २१४

गाहिडदे राणी ती. ३२

गोंदोली दू २८७

गुणकळी पातर ती. २१०

गुणजोत घटारण ती. २१२

गुणजोत सहेली ती २०६

गुणमाळा खवास ती. २११

गुमानराय पातर ती. २११

गुमानी पातर ती. २१२

गुलाबराय खवास ती. २०६

गुलाबराय पासघान ती. २१३

गुलावां पातर ती. २११

गोकळदासरी मा, खवास प. ३१६

गोट रांणी प २६८

गोपाळवे सोंघळ प २५७

गोरज्या गोहिलांणी ती. ३०

गोरां पातर ती. २११

च

चद्रकुवर, राणी (जोधपुर) दू ११०

चद्रकुंवर, रांणी (वीकानेर) ती. ३२

चपाकळी ती. २११

चपावती पातर ती. २११

चतुरसिंघरी मा मैणी प ३१२

चहुआणजी ती. ६३

चहुवाण } ती. ३
चहुवांणी }

चादजी प १३३

चांदण ती ३०

चांद वा सोढी दू २०६

चांद बीबी ती. २७२

चांपा बाई प. १३७, १४१, १६३, १६७

चांपादे, (राठोड पृथ्वीराज री पत्नी)

ती. २०६

चावडी राणी दू. २७४, २७५, २७६

चावोढी (मूलराज री मा) प. २६४,

२६५

चैनसुखराय खालसा ती २११

चोघरण ती १४, १५

चोहान रानी ती. ३

ज

जसमादे, (महाराजा रायसिंह की रानी)
ती. २०७

जसमादे हाडी (राघ जोधा री रांणी)
प १०१

जसमादे हाडी (राघ जोधा री रांणी)
ती ३१

जसमादे हाडी ती. २१६

जसवंतदे राणी ती ३१

जसहडवाई मागळियाणी हू. ३०४, ३०६

जसोदा (जैसा भैरवदास री बेटी) प १११

जसोदावाई (मोटा राजा री बेटी) प. ३००

जसोदा (भाटी भानीदास री बेटी)

हू १३२

जाणदे राणी ती ३०

जाणादे हुलणी ती. ३१

जाटणी (बाबूराम री मा) प ३२४

जाड़ेची (राखाइच री मा) प २६५,
२६६

जीऊ पातर ती २१०

जीवी, जीवू ती २१०

जेळू प १२४

जेसळमेरी राणी, रतन कवरजी ती २०६

जैतळदे, कानडदे री राणी प २२५

जैमाळा पातर ती. २०६, २१०

जोईयांणी, (सलखेजी री राणी) ती ३०

झ

झाली कवराणी, (कु० जोगे री वहू)

ती १६५

ड

डगली खवास ती. २०६

डाही डूमणी हू. २३०, २३१

डाही घाय हू १८

डोकरी ती १०१, १२६

डोड गेहली ती ६४, ६५, ६६, ६७, ७६

त

तनतरंग पातर ती. २११

ताज बीवी ती २७५

तारावे राणी, चहुवाण (तीडे रो अतेवर)
ती ३०

तारावे, (राघ सुरताण री बेटी। प्रथीराज-
उडणे रो अतेवर) प. १७, २८१

तारावे (हरिचंद री राणी) प. २६३

तुवरजी अंतरंगदे ती. २०६

तुरकणी ती. २७८

द

दसयतीवाई प. ३१२

दमतेवाई (मोटा राजा री बेटी)
प ३१२

दुरगावती वाई (राजा भगवानदास री
रांणी) प. २६७

दूडी नाचण प. ६६

देवडी (चापा सोंघळ री वर) प. १६३

देवी सोनगरी प. १५

द्रोपदा चहुवाण ती. २६

द्रोपदा तुंवर ती. २१०

ध

धण (जाड़ेचा फूल री राणी) हू २२८,
२२९, २३०

धनाई राठोड (राणा सागा री राणी)
प १६, २०, १०२

धायजी ती ६६

धारू पातर ती. २१६

धारू री मा प. २५४

धीरवाई प. २२

न

नवरंगवे साखली, राणी ती ३१, १६५

नाई री वर प ३२१

नागही चारण हू. २०२, २०३, २०४

नारगी पातर ती. २०६

नैणजवा पातर ती. २१०

नैणजीवा दे० नैणजवा पातर ।

नैणसुखराय पातर ती. २११

प

पगळी वेंटी प. ३४०

पघार राणी प १०७, १०८

पत्ती, (जंतमाल री वेंटी) प. २४६

पदमणी प १३, १४

” हू ४२, २०२, २०३, २०४,
२६६

पदमणी ती. २५८

पदमां देवडी (मालदेवजी री मा) ती. २१५

पदमा विणियांणी, खवास प ७३

पदमां (भांतीवास री मा) हू. ६२

पदमावती पातर ती. २१०

पदमावती राणी दे. परमावती राणी ।

पदमावती राणी, (राणा सागा री कन्या)

ती २१५

परमावती राणी ती १८६

पागळी वेंटी प २५३, ३४०

पातसाह री सहेली हू. ७०

पारवती भटियाणी हू ६६

पुष्पकुवर दे. पोहपकंवर माजी

पूतळ छोकरी प. २०

पूरांवाई महेश्वी हू. १५६, १५७

पेसाबाई ती. ५६

पेसावती पातर ती. २११

पोहपकवर (अजीर्तसिधजी री माजी)
ती, २१३

पोहपराय श्रोळगण ती. २१०

पोहपावती, (मोटा राजा री राणी)
हू. १२८

प्रतापदे सेखावत, राणी ती. २११

प्रेमकळी ती २११

प्रेमकुवर भटियाणी, राणी ती. २१०

प्रेमलवे हू १२७

फ

फत्तू पातर ती. २११

फत्तू सहली ती. २१२

ब

बहुळी जोगणी प. २०४

बाबूराम री मा जाटणी प. ३२४

बालबाई बीकानेरी प. २६०

बाहडमेरी प. १४३, १४८

बाहडमेरी हू. ८६, ८८

बिरवडी, चारण-काछेली ती. ७६, ७७

बुधराय पातर ती. २१०

बूट पदमणी (राजा मोखरा री वेंटी)

प. ३३३, ३३४

भ

भगतांदे रांणी ती. ३१

भटियाणी (जोधाजी री रांणी) ती १५८

भटियांणी राणी ती. ३१

भांणवती ती २१०

भांणवदे ती २१०

भांणीवाई (भाण जेसावत) हू. १५१

भाटियांणी (रावळ केहर री वेंटी) हू ३२

भानुदेवी ती. २१०

भानुमती ती. २१०

भारमल आधी प ३४६

भारमली प. ३४६

भावळदे, (कान्हडदे री रांणी) प २२५

म

मनरगदे भटियाणी, राणी ती. २१०

मनसुखदे वीकूपुरी, रांणी ती. २११

मलकी वैहणीवाळ ती. १३, १४

महताब पातर ती. २१२

महेश्वी हू. ८४

मांगळियांणी, (ऊवे की वेंर) प ३४७

मांगळियांणी (घोरमजी की स्त्री)

हू ३०३, ३०४

माणल देवाइत हू १६

माणवती पातर ती. २१०

मांणवदे सोढी, रांणी ती २१०
 मारवणी प. २६३
 मालवणी प २६३
 मीराबाई प. २१
 मृदगराय पातर ती. २११
 मेघमाळा खवास ती. २११
 मेलणदे राणी, खीचण प. २६४
 मैणी, चतुरसिंघ री मा प ३१२
 मोतीराय सहेली ती. २०६
 मोहनी पातर दू ८१
 मोहिल कुवरानी दे० मोहिल राणी ।
 मोहिल राणी दू. ३१२, ३१३, ३१४,
 ३२५, ३२८, ३२९
 मोहिलांणी (बीदे री ठकराणी) ती १६६
 मोहिलानी दे० मोहिल राणी ।
 अघावतीबाई (राजा जैसिंघ री राणी)
 प. २६७

य

यशोदा (राजा रायसिंह की रानी)
 दू. १३२

र

रगनिरत पातर ती २११
 रंगमाळा पातर ती २१०
 रगराय पातर प ६१
 ,, ,, ती २०६, २१०, २११
 रंगादे भटियांणी ती ३१
 रभा दू. ३७
 रभावती (मोटा राजा री बेटी) दू ६३
 रतनकंवर जेसळमेरी ती २०६
 रतनकुवर रांणी ती ३२
 रतनादे (किसनदास री बेटी) दू ६०
 रतनादे भटियांणी, रांणी ती २६
 रतनावत रांणी ती. ३१०
 रतनावती (पोहणसेन री पत्नी) प. १२४
 रघाय दू. १६, २०, २३, २५
 रांणादे, जसहङ्ग-भटियांणी ती. ३०

रांणीबाई (राव मालवे री रांणी) दू. ६१
 रामकवर (कला री बेटी) दू. ६८
 रायकंवर भटियांणी, रांणी ती. २०६
 रामजोत खालसा ती. २१२
 रामीबाई ती. १३३, १३४
 रामोती खवास ती. २११
 राईकंवरबाई (राजसिंघ री रांणी)
 प. ३०३

राजकवर, मोटा राजा री बेटी प. ३६
 राजबाई दू. ७२, ८५
 राजबाई भटियांणी प २६
 राजां पातर ती २१२
 राठवड़ दे० राठोड सती ।
 राठोड़ (राठोड़जी) ती. ६३
 राठोड सती दू ३२४, ३२५
 रायकवरबाई (सबळसिंघ री बँर) प २६८
 राही ब्राह्मणी ती. २१२
 राह सहेली ती. २१२
 रखमावती बाई, राजा महारसिंघ री राणा
 प. २६७

रूठी राणी दे० उमादेवी भटियांण
 रूपकळी खालसा ती २०६, २११
 रूपमजरी पातर ती. २१०
 रूपरेखा सहेली ती २०६, २१०
 रूपादे रांणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मीदेवी ती २१५
 लखां मांणलियाणी रांणी, दू ६१
 लजसी (तेजसी री बँर) प. १८३
 लवगकवरजी ती २१०
 लाग सगती ती २२२
 लाछ सगती ती २२२
 लाछाई दी ती ३०
 लाछां देवडी दू. ७५, ७६, ७७, ७८
 लाडां भटियांणी, रांणी ती. ३०
 लालादे ती. २०६

लालां देवढी, रांणी ती. ३१
 लालां मांगळियांणी, राणी ती. ३०
 लिखमादे भटियांणी ती. २१५
 लिखमी ती. १०४, १०५
 लिखमी रांणी प. ३६१
 „ „ दू १५३
 लीलादे मेहवची दू ७५, ७८
 लूंगकवर, रांणी ती. २१०

व

वडकवार वेटी दू. २२७, २२८
 वडकुंवार ती. २५०
 वनां पातर ती. २११
 वहूजी ती ८०
 वाघेली ती. ६३, ६६
 वारू पातर प. २१६
 विजनां ती २१२
 विजी पातर ती. २१२
 विजैकुवर दू ११०
 विनैकुवर दू ११०
 विसळादे रांणी दू. ५३, ७३, ७४, ७५,
 २८५

वीरा हुलणी, राणी ती. ३०
 वेणीबाई दू १५१
 वजवर (रांणी अतभागदे) ती. ३२

श

शेखाघतची ती ६३
 शेखाघत रानी प. ३२३

स

सकामी सहेली ती २१२
 सजन भटियांणी दू. ६०, ६८
 सजनांबाई दू ६८
 सजनां (राव मालदेव री बेटी) दू. ६२
 सतभामाबाई दू २५६
 सदां खवास ती. २११
 सदांमी ती २१२

सदाकवर ती. २७०, २७१
 सरकसळी ती. २०६
 सरसकळी पातर ती. २०६
 सरूपदे (कछवाही) ती. ३१
 सरूपदे गोहिलांणी, रांणी ती ३०
 सरूपदे भाली ती २१४
 सरूपदे रांणी दू २६४
 सरूपा पातर ती. २११
 सांखली, सांघळवास री बर दू १८१
 सांखली ती. १४५
 सांखली, आना री वहू प २५४
 सांखली, सुरतांण री बर प. २८२
 साहमती कछवाही ती २१४
 साहिबदे तुंवर, रांणी ती. २११
 साहिबदे (दलपत री मा) दू १३४
 सिणगारदे जेसळमेरी, रांणी ती. २१०
 सींघळ, खीची बाघ री मा प २५६, २५७
 सींघलियांणी प. २५६
 सीताई प. २२१
 सीताबाई बाहडमेरी दू. ८६, ८८
 सीसोदणी ती ८०, ८३, ८६
 सीसोदणी (राव मडळीक री बर) दू २०३
 सीहा री डोकरी ती १२७
 सुंदर भुवा (गेंचंद री भुवा) प ३३८
 सुखविलास पातर ती. २११
 सुगणांदे सोढी, राणी ती २११
 सुघडराय खवास ती. २०६
 सुजांणवे (राजा सूरसिंघ री रांणी) दू. ११६
 सुपियारदे ती ३८, १४१, १४२, १४३,
 १४४, १४५, १४६, १४७, १४८
 सुभविलास ती २११
 सुरतांणवे देरावरी रांणी ती २११
 सुवळी सीसोदणी ती. २३
 सुहवदे जोईयांणी प २५१, २५२
 सुहागण रांणी प १३
 सूरजवे (राजा गजसिंघ री रांणी) प. २६६

सूरमदे सांखली ती. ३०
 सेखावत प. ३२३
 सेखावत मोहल दू. ११०
 सैणी चारणी देवी प. २०४
 सोडी दू. ५८, ५९
 सोड (कूभा री वर) दू. २६७
 सोडी, पावूजी री ठकराणी ती. ७२, ७६,
 ७९
 सोडी रांणी दू. ६०
 सोडी (रावल तखणसेन री रांणी) दू. ४०
 सोडी (लाप्ता री वर) दू. २३२, २३३,
 २३४, २३५
 सोनगरी प. २०६
 सोनगरी ती. ७, ८
 सोनगरी (कान्हडदे सोनगरा री बेटी)
 दू. ४०, ४१, ४२
 सोनांवाई ती. ५८, ५९, ६३, ६९
 सोना (मोहिल ईसरदास री बेटी)
 ती. ३१
 सोभागदे चावटी (सीहोजी री अतेवर)
 ती. २९
 सोभागदे भटियाणी, रांणी (गंगाजी)
 ती. ३१
 सोभागदे (दुरजनसाल री रांणी)
 प. ३२५
 सोळकणी (ऊर्दे री वर) ती. २५८,
 २५९, २६१

सोळकणी (जगमालजी री वर)
 दू. २८७, २८८
 सोळकणी (साधर्तसिध सोनगरा री वर)
 ती. २९१, २९२
 सोळकणी (सीहोजी री अतेवर) ती. २९
 सोहड़ रजपूताणी दू. १४२
 सोहड़ा भटियाणी, रांणी दू. ११९
 स्वाळल री जाटणी प. ३२४

ह

हंसवाई, (राणा लाखा री राणी) प. १५,
 १६
 हसवाई (राव लूणकरण री पत्नी)
 प. ३१९
 हसावळी रांणी प. १२३
 हरखरेया ती. २०९
 हरखां (मोटा राजा री राणी) दू. १३२
 हरजोतराय बडारण ती. २११
 हरमाळा सहेली ती. २०९
 हररेखा ती. २०९
 हसती (हसणी, हसणी) खालसा ती. २११
 हासांजी गहलोत, राणी ती. २०९
 हाडी करमेती प. ५०
 हाडी, कला जगमालोत री बेटी प. ५०
 हाडीजी रांणी ती. १३५
 हाडी ठाकराणी प. ७५
 हरड़ दू. १९, २०, २४, २५

[३] अश्वादि पशु नाम



अमोलक घोडो दू. २०३
 अरवी घोडो प. ६६
 उचासरो घोडो (उच्चैश्वा) दू. २०३
 उजाळो-घछेरो प. २४६
 एकलगिड-घाराह प. १७०
 एकलवाडचर प. १७०
 एकल-सुकर प. १७०
 ऐराकी घोडो प. ६६, १०४
 " " दू. ७०
 " " ती. ४४, ११६
 कच्छी घोडी दू. २५७, २५६
 करहो-भीणो दू. २३३
 काछण-घोडी ती. २५७, २५६
 काछी खानाजाद (घोडी) ती. २५६
 काछी घोडो दू. ६६४
 काळवी घोडी ती. ६४
 कोडीघज घोडो प. २७२, २७३, २७४,
 २७५
 " ती. ११०, १११
 खानाजाद काछी दे० काछी खानाजाद ।
 खासो ऊठ ती. १०६
 छुरीकार घोडो ती. ६६
 जूह बाकरो ती. २६०
 जेठी घोडी दू. ३१४, ३१५, ३३५
 भाभो-घोडो प. २०६
 भीणो करहो दे० करहो भीणो ।

तेजल-घोडो ती. ६४
 दरियाई घोडो ती. २८०, २८१
 दरिया-जोइस हाथी ती. ६१
 नीली घोडी प. २६३
 नीलो (घोडो) ती. १२०
 पट-हसती दू. ४८
 पट्टाभरण दू. ५०
 पडोहियो घोडो दू. ३१८
 पाणीपयो-घोडो दू. ५५
 पाटहडो-महुवो (घोडो) प. २७१, २७२
 बच्चियां रो घोडो प. २८१
 वाडो ऊठ ती. ७१, ७२
 वोर घोडी ती. २८१, २८३, २८४
 भुवर घोडो ती. १५
 मृग घोडो (अग घोडो) ती. २६६, २७१
 मेघनाद हाथी प. १०४, १०५, १०६
 मोर घोडो प. ३४६
 " " दू. ३२५, ३२७
 लाप घोडी प. ३५०
 लाछ घोडी दू. २०३
 लाल लसकर घोडो प. १०४, १०५, १०६
 लिखमी घोडी दू. २०३
 घडी घोडी प. २६३
 वेल भेंस दू. १३
 साहुलो भेंसो प. २१८
 सूपेद हाथी दू. ७०

२. भौगोलिक नामावली

[१] ग्राम, नगर, देश, आदि

अ

अजार हू २५५
 अतरगढी दे० आंतरगढी ।
 अतरवेध प ३३२
 अवली रोडूक प ६६
 अवाव प ४६
 अकेली प. १७६
 अखासर हू १११
 अचलगढ प १७७
 अजमेर प २४, ३७, ३८, ५२, १८६,
 १६८, २५२, २८०, २६६, ३०३,
 ३६२
 „ हू १०२, १५१, १५५, १६२,
 १६३, १६७, १७१, १७४, १८०,
 १८८, १८९, १९३
 „ ती ६५, ६६, ६७, १७४, १८४,
 २१५
 अजमेरगढ ती. १७४
 अजमेरपुर प. १८६
 अजीतपुर दे० अजीतपुरी ।
 अजीतपुरी ती २२३
 अजैपुर ती २१६
 अजोद्या प. २६२
 अटक प. ३००, ३१४
 „ हू. १६८
 अटवडो हू. १४५
 अटरोह प ११६
 अटाल चारणां री प. १७६
 अटाल-भाटा री प १७६
 अटाली प. १८, २८२
 अणखलो (सिवाने का गढ) प

अणक्षोर प. १६२, १७७
 अणघार प. १७६
 अणवांणो हू. १५७
 अणहलनगर प. २६१
 अणहलनगर दे० अणहलपुर-पाटण ।
 अणहलपुर पाटण प. २५८, २५९, २६०,
 २६१, २७१
 „ हू २६६
 „ ती २६, ४६, ५०, ५१,
 ५२, १७३
 अणहलवाडो दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहलवाडो-पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहिलपुर पट्टन दे० अणहलपुर पाटण ।
 अणहिलपुर पाटण दे० अणहलपुर पाटण ।
 अभैपुर ती २१८
 अभोहर हू १०
 अमनेर प ३४०
 अमरकोट दे० ऊमरकोट ।
 अमरपुर प. ३१६
 अमरसर प २८७, ३१८, ३१९, ३३२
 अमरा अहीर री ढाणी प ३१८, ३१९
 अरजणियारो हू ४
 अरजणी हू० ३६
 अरजियाणो प. १६५, ३३५
 अरटवाडो प १६२, १७७
 अरटियो हू. १६३
 अरणो प. ५२
 अरणोद प १२८
 अरवह प. १८७, १८८, १८९
 अरोड़ हू २८
 अरुव प. १८७

अषाइनो प १२८

अषाह हू १४२

अषेळ प. १७७

अहनला दे० एहनळा ।

अहमदाबाद दे० अहमदाबाद ।

अहमदनगर प ३२६

,, हू. १८४

,, ती. २७२

अहमदपुरी हू २४१

अहमदाबाद प ३७, ६७, २०८, २६२

,, हू. २०२, २०३, २०७, २०८,
२५३, २६०, २६१

,, ती. ५३, ५६

अहवा हू १२

अहाड प. ३३

अहिचावो प १७६

अहिचावो-खुरद प. १८०

अहिलांणी हू १५३

अहुर प. २४०

आ

आतरगढो हू १२, १४२

आतरवो प ११०

आंतरी प. ४२

,, ती. २३६, २४०, २४१, २४२,
२४३, २४५, २४६, २४७,
२४८

आनापुर प १७६

आनावास हू. १६७

आनो प २८५

आषथळो प. १७४

आवरी प. ३२

आवलो हू. १७६

आंबार हू १८५

आवाच प ४६, १५६

आवेर दे० आमेर ।

आवेरी प. ४४

आवेलो प. १७७

आंबो हू. ८४

आंमरण हू. २४०

आउओ प. १७८

,, हू. ८६

,, ती. २१५

आउर नयर प. ५

आउवो दे० आउओ ।

आऊठ कोड़-वभणवाड हू. २३६

आऊठ कोड सामई हू. २३८

आऊठ लाख सामई हू २३७

आकडसावो प. २८२, २८३

आकटावास हू. १८०

आकळ हू ४

आकुवाई हू. ४

आकेली प. १७६

आकेवळो हू. १११

आकोलो प. ४७, ५६

आखुता प १७६

आगरियो प २८५

आगरो प. १८, ११२, ३३७

,, हू १४७

,, ती २८, १६२

आघाट दे० आहाड ।

आघाटपुर दे० आहाड ।

आचीणो हू १७२

आजोर हू २५४

आभारी प १७६

आभारी-वांभणा री प. १७४

आठकोट प. २७१

आठांणो प ६६

आणंदपुर प. ७

आधीसर प. ३४६

आपुरी प. १७७

आवू प १३४, १३५, १४१, १४४, १५१,
१७३, १७७, १८०, १८१, १८२,
१८३, १८४, १८७, २५८, २७३,
२७४, ३३६

,, हू. ३४, ३८, ६८
 ,, ती १७४, १७५
 ग्रामंद ती. २४०, २४५
 ग्रामेर प. २८७, २९०, २९३, २९४,
 २९५, २९६, २९७, २९८, २९९,
 ३२९, ३३०, ३३१, ३५६
 ,, ती २७२
 ग्रारखी प १७६
 ग्रारम हू. ६
 ग्रालमपुर-रो-मैडो प. १२८
 ग्रालवाडो प १७५, २४८
 ग्रालासण प २४८
 ग्रालियो प १७७
 ग्रालोपो प १६२
 ग्रारठ कोड दे० ग्रारुठ-कोड-सांमई ।
 ग्रारवड-सावड प. ३६
 ग्रारळ प १५८
 ग्रामणीकोट हू ४, ८, ९, १०, ३८,
 ११२, ११३
 ग्रारणीकोनीट हू ४
 ग्रारसपुर प ३८
 ग्रारसरानडो हू १९०
 ग्रारसलकोट प २०२
 ग्रारसलवासी ती ५३
 ग्रारसलोई हू ४
 ग्रारसादस प १८०
 ग्रारसा-रो-नाडो दे० ग्रारसरानडो ।
 ग्रारसावाडो प १८०
 ग्रारसेरगढ ती १७३
 ग्रारसो हू. ४
 ग्रारसोप प २४०,
 हू. १५५, १५६, १५७, १७०
 ग्रारहप हू. ४
 ग्रारहाड प ९, ३२, ३३, ४३, ८०, ८१
 ,, ती. १७३
 ग्रारहाळो हू ४
 ग्रारहुर प. २४०

ग्रारहोर प. ५, ७, ३९, ४२, २४०
 ग्रारहोरगढ ती २१८

इ

इछापूर हू. १७२
 इद्रवडो हू १७८
 इद्राणो प २३६
 इकुदरडा प १७८
 इटावो (मेडता रो) हू १८९
 इणगार प. ३३१
 इसलामपुर-कोसीयळ प ५२
 इसलामपुर-मोही प. ५२

ई

ईदावाटी हू. ३०८
 ईकड हू ४
 ईडर प १, ३७, ३८, ३९, ४३, ४७,
 ५१, ८६, १४५, १४६, १५६, २४८,
 २८४
 ईडर हू ५०, ८९, ९२, १७०, १७२,
 २५६, २७६
 ईडरगढ प ३७
 ईडवो हू. १७९
 ,, ती. ११५
 ईसवाळ प ४१

उ

उटालो प २७
 उडवाडियो प १७५
 उडवाडो प २४७
 उगरावण प ९५, ९६
 उगरास ती. ११०
 उजेण दे० उजेण ।
 उजेण प. ३७, ९७, २०९, २११, ३४३,
 ३६०
 ,, हू ९०, १५९, १६०, १६१,
 १६३, १६७, १८०, १८३, १९१

उज्जैन दे० उज्जैन ।

उड प. १७४, १७६

उडछो प. १२७, १२८, १२९

उतोसा प. १७७

उत्तर-गुजरात दू. २६६

,, ती. २६

उत्तर प्रदेश प. २१०

उदयपुर दे० उदयपुर ।

उदरा प. १७३

उदलियावास दू. ३६

उदीवस दू. १७०, १७१

उदयपुर प. १, ५, ८, ११, १४, २१,

२४, २८, ३०, ३१, ३२, ३४, ३५,

३६, ३७, ३८, ४०, ४१, ४२, ४३,

४४, ४५, ४६, ४७, ४८, ५२, ५६,

५७, ६१, ६३, ६४, ८६, ८१, ८४,

८६, १२७, १५४, ३२२

,, दू. ६५

,, ती. १७३

उदही प. २८७, ३०२, ३०६, ३११,

३२०

उनावो प. ४, १५

उनो दू. ८

उपसणो प. १७७

उमर प. ३३६

उमरकोट दे० ऊमरकोट ।

उमरणी प. १७८, २७२

उमरलाई दू. १८८

उरमाळकोट दू. २६२

ऊ

ऊच-देरीवर दू. १८

ऊटाला दे० उटालो ।

ऊटालाव प. ५६

ऊटाली प. ६६

ऊटोलाव प. ३७

ऊटाला दे० ऊटालाव ।

ऊडसर ती. २२६

ऊदारो प. २४०

ऊदाघतां-री देवली ती. २३७

ऊपरमाळ परगनो प. ४४, ५२

ऊमरकोट प. ३३६, ३३८, ३५५, ३५८,

३५६, ३६०, ३६१, ३६३,

३६४

,, दू. ६, ११, ३१, ३२, ३८,

४०, ७८, ७९, ८२, ८३,

८४, २२१, २६२, २६३

,, ती. ३४, ३५, ७२, ७५, ११०,

१११, २५०

ऋ

ऋषिकेश (आवू, राजस्थान) प. १७८

ए

एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२, ३४,

३५, ४४

एलछ प. १२७

एवा-रो-परगनो प. ११५

एहनळा प. २१०

ऐ

ऐवही-भाटा-री प. १८०

अहमदाबाद दे० अहमदाबाद ।

अहमदनगर दे० अहमदनगर ।

ओ

ओईसा प. २३३

,, दू. ६६, ६७, १५६, १७०,

१७१, १७४, १८८

ओगरास ती. १०८

ओगो-भीम-रो प. ३६

ओडवाडियो-चारणां-रो प. १८०

ओडवाडो दू. ६१

ओडीट दू. ३२५

ओडीसो प. ८

ओझ प १७७
 ओडो ह. ६
 ओयसां दे० ओईसा ।
 ओरीसो प १७८
 ओरु प ४१
 ओळघो ह १४६, १४६
 ओळो ह ६, ६७
 ओसिया प ३३७, ३३६
 ओहलाणी-इद्रवडो ह. १७८

क

कयकोट दे० कांयडकोट ।
 कांयडकोट दे० कांयडकोट ।
 कांधार प १८७, ३११
 „ ह २, १०२
 कवळपुर ती. २१६
 ककु ती २३३
 कच्छ प. ३६१, ३६४, ३६५
 „ ह. ३७, २०२, २०६, २१२,
 २१४, २१७, २३०, २३७, २४२,
 २४३, २५२, २६६
 „ ती १७४
 कछ दे० कच्छ ।
 कछडवो प १२७
 कटक प १८७, २२७
 कटखडो प ११०
 कटहड प ३०६
 कठाड प ४७
 कणवण-देवडांवाळो ह. ३
 कणवार ह. १८७
 कणवारी ती २३२
 कणवारो ती २३२
 कणवीर प. ५३
 कणावद प २४७
 कणियागिर (जालोर) प. १८७
 कतर ती. २२७

कनकगिरि (जालोर) प १८७
 कनड ती २७६
 कनवज प ८
 „ ह २६६, २६७, २६६, २७४
 „ ती. १७३, १६३, २०३
 कनवजगढ दे० कनवज ।
 कनोडियो प ३५७
 कझीज दे० कनवज ।
 कपडवज दे० कपडविणज ।
 कपडविणज ती. १७४
 कपासण प ३७, ५३
 कपासियो प १७५
 कपिलकोट प. २६६ (दे० कैलाकोट)
 „ ह २१६
 कपूरियो ह १५१
 कमळपुर ती २१६
 कमळां-पावा ती १२३
 कमळो ह १२
 कमा-रो-घाडो ह १८७
 कमोल प. ४२
 करडो-सत्तां-रो ह. ३३
 करणाट प २२१
 करणावटी ती. १५४
 करणीसर ती २२४
 करणू ह. १३८
 करनवास प. २८५
 करनेचगढ ती. १७४
 करमसीसर प २३६
 „ ह. १६४
 करमावस प. २८, १६६
 करलो (?) प १०६
 करहर प १२८
 करहुटी प १७५
 करहेडो प. ३७
 करहेडोगढ ती २१८
 कराडी ह १६७

करेभडो ती. २२७
 करोली हू. १, १६
 कर्णटक प २२१
 कलडवा प ३२
 कळसकी हू १११
 कळहटगढ ती १७४
 कलाधी प. १७६
 कला-री-कोटडी हू. १२७
 कलासर ती २३०
 कळभो प. ४२
 कल्याणसर ती २२७, २३४
 कवरला प १७८
 कवळो हू १५६
 कवीथो प ३२
 कसमीर प. ८ दे० कासमीर ।
 कसूवी ती. १५७
 कागडो प ३१६
 कागणी प. ३५६
 कांगळ हू १७६
 कांभरी हू. १८८
 काणाऊ हू. ४
 कांणाणो ती. २२६
 काणावद हू ४
 कायडकोट हू २१४
 कांनासर हू. ६, १२
 कांप हू १
 कापलो प. २४८
 कावो ती. २१७
 कांभडो हू १६२, १६६
 कामसकराही प ४७
 कामा-पहाडी-रो-सूवो प. ३१८
 फाकरवो प ४२
 फाका हू. ३२
 फाचाखेडो हू. २२१
 फाछ दे० कच्छ ।
 फाछ-फालवर हू. २४३

फाछो हू २, ४, ७६, १८६, १६८,
 १६९
 फाछोली प १७४
 फाठसी हू १६६
 फाठासी हू १६३
 फाठियावाड़ हू. २०२, २६६
 फाठीवाह हू. २६०, २६१
 फाठो हू ३०७
 फाणाणा ती. २२६
 फाबल दे० फाबुल ।
 फाबिल दे० फाबुल ।
 फाबुल प. १३०, १६५, ३१०, ३३०
 ,, हू. १५८, १६४, १६८
 फाभडो हू १७४, १६२, १६६
 फायलाणो ती १४८, १४६
 फारोली-भाटा-री प १८०
 फालजर प १३२
 फालद्री प १३६, १४३, १४७, १५८,
 १६७, २४६
 फालधरी दे० फालद्री ।
 फालवर हू २४३
 फालधरी दे० फालद्री ।
 फालवास ती. २२८
 फालाणो हू १२५
 फालाऊ हू ३०६
 फालिया-ठडो हू १७६
 फालो-डुंगर हू. ४, १३, २७
 फाशी प २१६
 ,, ती २६६
 फाशमीर दे० कासमीर ।
 फासधरा प १८०
 फासमीर हू १५६ दे० कसमीर ।
 फासो दे० फाशी ।
 फाहूनी हू ३१४
 ,, ती. ५
 फिडाणो हू. १३६

किणसरियो प १२३
 किणसरियो ती १७३
 किरडो हू. ६८, ११४, १२७, १५२
 किरतावटी ती १५४
 किरवाड़ ती २६८
 किराडू प ३३७
 किलाकोट दे० केलाकोट ।
 किवाजणो प. २०
 किसनगढ हू १७०, १७१, १७२
 ,, ती. २१७
 कीभरी हू १७४
 कीठणोद (कीटणोद) हू, १८२, १८३
 कीसेर प ४२
 कुकण प ८
 कुच प १२८
 कुंड हू २३८
 कुंडणो प २११
 कुडळ प १६६, २००
 ,, हू १०६, १२१, १२६, १५४,
 १६४
 ,, ती ७८, २८१, २८३, २८४,
 २८५
 कुवीरोह प. ३४६
 कुभळमेर प १६, २०, ३२, ३५, ३६,
 ३७, ४१, ५१, ५३, ५५, ५६,
 १३८, २०७, २१०, २८४
 ,, हू १६६, १६४
 ,, ती. ४७
 कुभाणो ती. २२८
 कुभाघत प. २४८
 कुभार-रो-कोट हू ५
 कुछाऊ हू ४
 कुडकी प ३०३
 ,, हू १४७
 कुडळ गुळाई हू २३८
 कुरडो प २५

कुराज प ४७
 कुळथाणो प १६३
 कुळदहो प १७६
 कुळचर हू ८
 कुसमळो हू. १०४
 कुहड़ हू १५१
 कुहाडियो प. ४२
 कुंछडी हू. ३६, ४३
 कुजावाडो प. १७६
 कुडळ दे० कुडळ ।
 कुडांणो हू. १८३
 कुडाळ प ४५
 कुडोरो हू २६३
 कुंपडावास हू १५०
 कूपावास हू. १८२, १८३, १८४
 कूपासर हू. ७६, १३६
 कुंमळमेर दे० कुभळमेर ।
 कुंवोरो प. ३४६
 कुचमो प. १७६
 कुडणो प २०६
 कुडी प. ११६
 ,, हू १६५
 कुवसू ती २२६
 केकडी प. २७६
 केदार प ८
 केदार (केदारनाथ) हू २०४
 केरभड दे० करेभडो ।
 केरभडो दे० करेभडो ।
 केरडू ती ११०
 केराकोट प. २६६ (दे० केलाकोट)
 ,, हू. २१६
 केलणसर ती २२६
 केलवाडो प ४२
 केलवो हू. २२०
 केलाकोट हू. २१६, २२५, २२६, २२८,
 २२९, २३१, २३३, २६६

केलावो दू. १५७, १५८, १५९

केवडो प. ३५

केसली प. २८५

केहरोर दू. १०, १७, ११५, ११७,
१२०

कैर प. १७४

कैरलो प. २३५

कैरु दू. १४२

कैलवो प. ९, ४०, ६९

,, दू. २२०

कैलावो दू. ८० दे० कैलावो ।

कैलाहकोट प. २६९

कोजडो प. १७९

कोटडी दू. ४, ७७

कोटडो प. ३२, १७८, ३३४

,, दू. ५, ६, ८, ११, १३, ९७, ९८,
९९, १२६

,, ती. ३, ४

कोटहडो दू. ११

कोटा दे० कोटो ।

कोटो प. ४४, १०१, ११०, ११४,
११५, २५३

कोठारियो प. ३७, ४४, ४७

कोठमदेसर ती. १९, १८१

कोडियावास दू. ८

कोडियासर दू. ९८

कोडीवास दू. ६

कोठणावाटी प. २४२

कोठणो प. २४२

,, दू. ९९ १००, १०२

,, ती. ८७, २५९, २६१

कोवमियो प. १०५

कोरटो प. १६२, १७७

कोरणो प. २३९

कोलर दू. ३३०

कोलियासर दू. १३६

कोलीसिध प. १५१

कोळू दू. ४

,, ती. ५८, ६६, ७५, ७६, ७७

कोसीथळ प. ५२

कोसीथुर प. १००

कोहर दू. ३२

,, ती. २२१

क्षीरपुर दे० खेड ।

ख

खडरगढ प. ४७

खडेलो प. ३२०, ३२१, ३२२, ३२३,
३२७

,, ती. २१७

खडेलो-रैवासो प. ३२०

खडोखळी दू. १३६

खघार दे० कघार ।

खभणोर दे० खमणोर

खखर-भखर प. २९, ४९

खजवाणो दू. १२२

खजूरी प. ११७

खटखट प. ११३

खटोडो दू. ९६, १९३

खडबळोदो प. १८०

खडाळ दे० खाडाळ ।

खडीण दू. ४, ५

खडोरा-रो-गांध दू. ४

खत्रियावाळो दू. ४

खनावडी ती. २३६

खमण प. ४१

खमणोर प. १५, ३५, ४०, ४७, ४८

खरणो दू. ८

खरड दू. ३, ११, १२, १६, ११३,
११६, १४०, १४१, १४३

खरड-केल्हणां-री दू. १६, १४२, १४३

खरड-बुधरो दू. ११, १६

खरडी दू. ९०

खरदेवळो-भाट-रो प ६१
 खवास-रो-गाव हू. ४
 खाडप हू १८७
 खाढापत-वाभणां-री प १८०
 खांडार हू. ८
 खाण प १३६
 खाणां प १८०
 खाभळ प. १७६
 खाखरवाडो प. १७४
 खाटहडो हू ३१
 खाहू प २५१
 खाडाळ हू ३, ४, ८, १७, १८, २६,
 २७, ३१, ३२, १०३, २६१
 खाडाळो प १६४
 खाडाहळ दे० खाडाळ ।
 खाताखेडी प. ११५, २५२
 खावड हू. १२६
 खारडी प २४२
 खारवारो हू १११
 „ ती ३७
 खारवो हू १२५
 खारियो प. ३६१
 „ ती २३६
 खारींग हू ८६, ८७
 खारी प २४८
 „ हू ४, ३१, १७४, १८६
 खारी-खावड प ३३७
 खारो हू. १०८, १४८
 खिणियो प, ६०
 खिराळ प. २३६
 खोंदासर हू ३६, १२३
 खोंवलसर हू ४
 खोंवलो हू ८४
 खोंवसर प. ३४१, ३४७
 „ हू ६२, १४५, १४८, १६०
 खोंवो हू ५

खीचवद हू ७७
 खीचीवाडो प. ६०, २५२, २५३, २५५
 खीनावडी हू ८१
 खीमत प १७५
 खीरड हू ४
 खीरवारो हू ११
 खीरवो (खीरवो) हू १२, ११६, १४२,
 १४३
 खीरोहरी प २४०
 खुघु प ७३, ८८
 खुटहर-रो-मैडो प १२८
 खुडियाळो हू १७१
 खुडियो ती १६
 खुरसाण प ६, ८ १८५ १८६, १६१,
 ३३३
 „ ती. ५५
 खुराडी-भाटां-री प. १८०
 खुरसाण दे० खुरसाण ।
 खुरामान दे० खुरसाण ।
 खुहियो हू ३१, ३२
 खूंटलो हू १७१
 खूहडा, हू ४
 „ ती २२२, २३१
 खेजडली प २३३
 खेजडलो हू. १४५, १४७, १४६
 खेजडियो प १६२
 खेड प ३३३, ३३४
 „ हू ३८, १३०, २७८, २७९, २८०,
 २६०, २६१
 „ ती १७३
 खेड-पट्टन दे० खेड ।
 खेड-पाटण दे० खेड ।
 खेतपाळिया-रो-गाव हू ६
 खेतसी-रो गुढो हू १७३
 खेतासर हू १५६, १७६
 खेरडी हू २२६ २२७, २३०
 खेरवरो प ४४

खैरवो हू. १६२, २६४
 खैरावद प. ११०, ११४
 खैरापाद ती. २१६
 खैरीगढ प. २१०
 खोखराणो हू. १११
 खोखरियो प. ६०
 खोखरो हू. ६५
 खोगडी प. १७६
 खोटोतो प. १२७
 खोड प. २१०
 खोडादरो प. १८०
 खोडावळ हू. ६८
 खोह प. ३०७, ३०६, ३२३
 खोहरी प. ३२३

ग

गंगादास-री-सादडी प. ४३, ४६
 गंगारडो ती. ११६, ११८
 गंगावाळी हू. १६०, १६१
 गजती हू. १५, ३४, ३५, ६७
 „ ती. १८३
 गर्जसिधपुरो हू. १५१
 गजियो हू. ४
 गढ आहोर प. ४२ दे० आहोरगढ ।
 गढ बघव प. १३२
 गढ रिणथभोर प. ३७
 गढिया हू. ८६
 गढी हू. १६६
 गणकी-भाटां-री प. १८०
 गणोडो ती. १६०
 गमण प. ४१
 गरभचाम हू. २६१
 गरवो प. २१
 गर्लाणियो प. २११
 गळयळू प. १७६
 गलापडो हू. ५
 गळियोफोट प. ८४, ८५
 गांगरडो प. ३०४

गागाहो हू. १००
 गागुरण दे० गागुरण ।
 गांगेरो प. ७०
 गांघडवास हू. १७२
 गाथी प. २८५
 गागडाणो हू. १५१
 गागरोनगढ ती. २०६
 गागुरण प. ११३, ११५, २५२, २५६
 गामूरुण प. २५२
 गादेरी (लवेरा री) प. २३८, २३९, २४०
 गाहिडवाळो हू. २, ३३
 गिरनार प. २२
 „ हू. १, २०२, २०४, २०५, २०६, २२०, २४०
 गिरराजसर हू. १३६
 गिरवर प. १५८, १७४
 गिरवार प. ३२
 गिरवो प. २१, ३६, ६१, ६२
 गिरसोन (जालोर) दे० सोनगिर
 गोंगोळ प. १७६
 गोघाळो हू. १७६
 गुडवाण प. ११३, ११५
 गुजरात प. १, ५, ३५, ३६, ४८, ६२, ८६, १०६, १३२, १३६, १४२, १७२, १८५, २१३, २१५, २२७, २३६, २४४, २६२, २७६, २७८, ३००, ३०२, ३३१
 „ हू. २६, ३८, १४६, १५८, १६३, १७६, १८२, १८८, २०२, २०४, २०५, २२०, २४०, २५७, २५८, २६६, २७६, २८७, २८८, ३०७
 „ ती. २३, २४, २५, ४६, ५३, ५५, ५७, १३६, १७४, १८४, २८०, २८१
 गुजरात (पजाच) प. ३००

गुज्जर दू. ३८
 गुडो ती. २२२
 गुडो प. ४२, २०६
 „ दू. ६४, १४७, २८५, ३००
 गुनोर प. १२७
 गुलाई दू. २३८
 गुलियो दू. ८
 गुहीली प. १७६
 गूगोर प. ११५, २५२
 गूड प. १२८, १३१
 गूडसवाडो प. १७५, १७६
 गूडो दे० गूड ।
 गूदवच दे० गूदोच ।
 गूदाडरो प. १७८
 गूदाळी प. ४२
 गूदोच प. २११
 „ दू. १८३, २६३
 गुजर प. २७८
 गुजरखंड प. १८७
 गुजरघरा प. २६०, २६१
 गुडो प. १६६, २५३, ३४४
 „ दू. १४७, १६०, १८६, २८०, २८५
 २६६, ३००
 „ ती. १८
 गैड़ाप ती. २२६
 गैमलियावाम दू. २६४
 गैमत्यावास ती. २३५
 गैहलोतावाळो दू. १३५
 गोओद प. १२८
 गोखम प. १६०
 गोकर्ण दे० सांस्कृतिक नामावली में ।
 गोगलीसर दू. १३५
 गोघेळाव दू. १६३
 गोठियो प. ६१
 गोठोळाव प. ६४
 गोडवाड दे० गोडवाड ।
 गोडो-भीम-रो प. ३६

गोढलो प. २८५
 गोढवाड प. ५३, ५५, २८५
 „ दू. १५३, १६८
 „ ती. १७३
 गोघावस दू. १६३
 गोपडी (सिवाणा री) प. २३८
 गोपलदे प. ११५
 गोपीसरियो दू. १६०
 गोयंद दू. ४
 गोयंदपुर प. १७६
 गोयद-रो-वाडो, प. २३३
 गोरहर दू. १२६
 गोरहरो दू. ६, ७७
 गोरीसर ती. २३१
 गोरोटी दू. १६
 गोलाहसनी (गोलावासणी) दू. १६८
 गोवल प. ३६०, ३६१
 गोवील प. १८०
 गोहिल टोळो प. ३३५
 गोही दू. ४
 गोहुवाळ ती. १३५
 गोडदेश ती. २६६
 ग्यासपुर प. ६०, ६१
 ग्राववी दू. ७६, ७७, १३६
 ग्वालियर प. १२८, १३१, २८६, २९०,
 २९३, ३०३
 „ दू. २५६
 „ ती. १८३
 ग्वालेर दे० ग्वालियर ।

घ

घटियाळी दू. ४, १२, १४२
 घणोल दू. ७६, ६७
 घांघाणी ती. ६०
 घांणत प. १७४
 घांणेर प. ३६

घांणेराव दे० घांणेरो ।

घांणेरो प. ४१

घांणा प १७८

घांणेरा ती ४२

घांमट दू ५

घांसेर प. ४१, ४७

घांघेडो प १२८

घाटी प ११४

घाटो प. ४०

घाटोली प. ११४

घीघालियो दू १८०

घूघरोट (घूघरोट) प. १६४, १६५,

१६६

„ दू. २६०, २६१,
२६४

घोघूद प. ४२

घोघूदो प २६, ३०, ३५, ३७, ४२,

४६, ४८

घोडाहड दू. १४८

घोडाहडो दू ४

घोसमन प. ५३

च

चग दू. ६६

चंगावडो दू १७२

चंढालियो दू. १७०, १७२, १७३

चडावळ प. २६

„ दू. १४६

चडाघो ती २३४

चंदावसो प. ३६

चदेरियां-रो-गांव दू. ८

चदेरी प. २०

„ ती. २१८

चद्राघती प १३५

चवरागढ प. १२७, १२८, १३१

चत्तार प. १७४

चरहाडो प. १७७

चवदे-चाळ प २८७

„ ती १७०, १७१

चवदे-चाळ-ढूढाहड प २८७

चववे-चेढी प. ३६४

चवरासी दे० चोरासी ।

चवरो प. २३४

चवाडी प २३३

चादण प. २४७

चादरत्न दू. ११६

चांधण दू ३६, ४३

चाधणो दू. ७४

चांपानेर ती २५, ५५, १८३

चांगसर दू ४, १४६, १६३, १७५

चांपोल प १७५

चावडियाख दू. १६६

चामू दू. ६७, ६२, १२५, १६०, १६७,
१७५

चाखू प. ३५०

चाखू दू १२३

चाचरडी प. १७४

चाचरणो प २५२, २५६, २५७

चाटलो प. ३५४

चाटसू प. २८७, २६२

चाडी दू १२२, १३८, १४२

चारण-खेडी प. ६१

चारणवाळो दू. ३६

चारणां-बांभणां-रो-सांसण प्रदेश प १७३

चावड प. ३५, ३७, ४३, ५७

चावडेरो प. २८५

चावळो दू १८१

चाहड दू ४

चाहिल ती १७

चित्तोड दे० चीतोड ।

चित्तोडगढ़ दे० चीतोड ।

चित्रकोट प ८

चित्रांगलस दू २५

चिनडी दू १७२

चिहू दू १३६

चीखलवो प. ३२

चीताखेडो प ६५, ६६

चीतोड़ प ३, ५, ६, ८, ९,

१२, १३, १४, १५,

१६, १७, १८, २०,

२१, २४, २६, ३०,

३२, ३७, ३९, ४४,

४८, ४९, ५०, ५१,

५२, ५३, ५४, ५६,

६२, ६६, ६७, ७०,

७६, ८०, ८१, ८१,

८२, ८८, १०२, १०३,

१०४, १०५, १०६, १०७,

१०८, ११०, १११, १२०,

१२५, १५६, १८६, २०५,

२४३, २७६, २८०, २८१,

२८२

, , दू १४५, १५३, १५८, १८१,

२६२, ३३१, ३३३, ३३४,

३३५, ३३७, ३३८, ३३९

, , ती. ५, २८, ५५, १३६,

१४६, १७३, १८३, २४१,

२८१

चीतोड़गढ प. १८६

चीत्रोड दे० चीतोड़ ।

चीत्रोड़गढ दे० चीतोड़ ।

चीनडी प २४०

चीन्हो दू ३१

चीवागाव प १७७

चीमणवो ती २३३

चीरवो प. ४४

चीवली प. १७७

चीहरडा प. १७८

चीहली प. ४७

चुडियाळो प १७६

चूडासर प ३४७

, , ती १८१

चूडो-राणपुर दू २५६, २६०

चूर्नाणी प. १७४

चूनी दू १२

चूहडसर दू. १११, १२५

चेढी दे० चवदे-चेढी ।

चेलावस प १७६

चैराई दू ६५, १६८, १७०

चोकीगढ प १२७

चोखावसणी दू १४८

चोचरो दू ६

चोटीलो दू. १३८

चोपडा दू १५३

, , ती. ८४

चोपडो दू १४८, १६७, १७८, १८१

चोरवाड़ दू. २०२

चोळी-महेसर प. ७६

चोलेर प ४७

चोहटण प ३६४, ३६५

, , दू. ५, १२६

चोहटन दे० चोहटण ।

चोहडां दू १६४

चोकिडी दू १४८

चोरासी प २५०

चोरासी भाद्राजण री ती २५६, २६२

चोरासी-मिलक-री प ८०, ८१, ८२

चोरासी रतनपुर-री प. ४४

घ्यार-छपन प. ३६

छ

छडांणी दू १८२

छतीस-पवन प. १२४

छपन प ४३

छपन-चावड (छपन-चावड) प. ४३

छपन-रा-गाव प. ३६

छमीछो ती. ५६

છહોટળ વે૦ છોહટળ ।

છાઢયો દૂ. ૨૨૧

છાકરલો પ. ૪૭

છાછોઢાઈ દૂ. ૧૮૭

છાપર દૂ. ૩૨૪, ૩૨૫

,, તી ૧૫૩, ૧૫૪, ૧૫૬, ૧૫૬,
૧૬૧, ૧૬૨, ૧૬૩, ૧૬૫,
૧૬૬, ૧૬૭, ૧૭૧

છાપરોલી પ. ૩૨

છાપુર વે છાપર ।

છારુ દૂ ૧૨

છાઢી-પૂતઢી પ ૩૮, ૩૯, ૪૩, ૪૭

છાઢી-પૂતઢી-રાણાં-રી પ. ૩૮, ૩૯

છાઢી-પૂતઢી-રા-મગરા પ ૪૩

છાહોટળ વે છોહટળ ।

છિપિયો તી ૨૩૬

છીલો દૂ ૧૬૩

છેલપુર પ ૨૫૩

છોઢો દૂ. ૪

છોહલો પ. ૩૪૬

જ

જગઢધર તી. ૨૦૭

જગઢવાસ પ. ૩૨૮

જગતહર-રો-પરગનો પ ૧૨૭

જગદેવાઢો દૂ. ૧૧૧

જગનેર પ ૪૩, ૪૭, ૧૧૦

જગિયો દૂ ૪, ૫

જઘ્ઘ વે૦ ઝઘ્ઘ ।

જઢિયો પ ૧૭૬

જતહર વે૦ જગતહર-રો-પરગનો

જથલો પ ૬૫

જમહદ તી ૨૧૪

જયપુર વે૦ જૈપુર ।

જરગો પ ૪૨, ૪૩, ૧૧૬

જઢલેઢ-પાટળ તી. ૨૧૮

જયનપુર પ ૧૮

જઘાચ વે૦ જઘાચ ।

જઘાચ પ. ૩૮, ૪૩, ૪૭

જસલેઢ-પાટળ વે૦ જઢલેઢ-પાટળ ।

જસરાસર પ. ૩૪૬

જસવતપુરો પ. ૨૦૪

જસૂવેરો દૂ. ૧૩૬

જસોવર પ ૧૭૬

જસોલ તી. ૨૨૦, ૨૨૧

જસોઢાવ પ. ૧૭૬

જહાજપુર પ. ૩૮, ૪૭, ૨૭૬, ૨૮૦

,, દૂ ૨૬૩

જહાનાવાદ દૂ. ૧૦૫

જાગઢૂ પ ૩૪૪, ૩૪૫, ૩૪૬, ૩૪૭,
૩૫૨, ૩૫૩

,, દૂ. ૩૦૦, ૩૦૧

,, તી ૨૮

જાંઝોરો દૂ ૬

જાંણાં તી ૨૨૩

જાંણાવાઢો પ. ૧૭૮

જાંનંઢૂ દૂ ૬

જાંનરો દૂ. ૬

જાંનો પ. ૪૩

જાંઝ-રો ગુઢો પ. ૩૫૦

જાંઝ ઘાઘોઢે-રો-ગુઢો પ ૩૫૦

જાંમેઢાવ દૂ ૧૨૩

જાકરી તી. ૨૩૩

જાલબર પ ૧૮૦

જાલોરો તી ૪૧

જાલપુર પ. ૨૭૬, ૨૮૦

,, દૂ. ૨૬૩

જાજીવાઢૂ દૂ ૧૮૫

જાટીવાસ દૂ. ૧૭૩

જાઢો દૂ. ૨૫૦

જાવવસ્યઢૂ દૂ. ૩

જામનગર તી ૨૬

જામોતર પ. ૧૭૭

જાયલ પ ૧૮૦, ૨૫૦, ૨૫૧, ૨૫૨,
૨૫૩

जायलवाडो ती १७४

जारोडो प ३८

जालमन प ८

जालना दू. १६३

जाळसू ती ११६

जाळियो दू. ५

जाळीवाडी प ३५७

जाळेली दू. ६, १६३

जाळोर प १४, १७, २५, ३७,
६०, ६१, १३५, १३६,
१४६, १४७, १६१, १६२,
१७२, १७३, १७८, १८१,
१८७, १६४, १६५, १६६,
१६८, १६९, २०३, २०४,
२१२, २१३, २१६, २१७,
२१८, २२०, २२२, २२४,
२२६, २३०, २३१, २३४,
२३५, २३६, २३८, २४०,
२४१, २४५, ३३६, ३६१
,, द ३६, ४२, ६१, ६७,
१४६, १४८, १५०, २६०
,, ती. २८, १२४, १८४, २१४,
२८०, २६१, २६२, २६३,
२६४

जाह्नुकडी प १७६

जाह्नुणो दू. १६३

जाघद प ४७

जाघद-नदराय प ४७

जाघर प. ३५, ४३

जावाळ प १७६, १७७

जासासर ती २३२

जाह्नुदेटी प १७६

जीजियाकी दू. ४

जीरण प. ५३

जीरावळ प. १७५

जीरोतरो प. ४७

जीलगरी प ६०

जीलवाडो प ३६, ४०, ४१, ११६

जीळी ती २३३

जीहरण प. २७, २६, ४८, ५३,
६२, ६३, ६४, ६५

जुट दू. ६६

जुडली दू. १५०

जुडियो-सेवडो दू. १३६

जुणलो ती २३६

जुवादरो प १८०

जूझणू ती १६२, १६३, २७३

जूझो दू. १६६

जूढो प ४६

जूढ दू. १५६, १६६

जूनागढ दू. १६

,, ती १७४

जूनो प ३३७

जेवांध दू. ३६

जेराहत दू. ४

जेसळगिर दे जेसळमेर ।

जेसळमेर प. २२, १४७, २०६, २०७,
२३२, ३३४, ३३५, ३४६,
३५२, ३५५

,, दू. १, २, ३, ४,
५, ६, ८, ९,
१०, ११, १२, १३,
१४, १५, १६, २७,
२८, ३१, ३२, ३४,
३५, ३६, ३८, ३९,
४२, ४३, ४४, ४५,
४६, ४७, ५०, ५३,
५५, ५७, ५८, ६२,
६३, ६४, ६५, ६७,
७२, ७३, ७४, ७५,
७६, ७७, ७८, ७९,
८०, ८१, ८२, ८३,
८४, ८५, ८७, ८९,

૬૧, ૬૩, ૬૪, ૬૫,
૬૭, ૬૮, ૬૯, ૧૦૦,
૧૦૨, ૧૦૩, ૧૦૪, ૧૦૫,
૧૦૬, ૧૦૭, ૧૦૮, ૧૦૯,
૧૧૦, ૧૧૧, ૧૧૨, ૧૧૪,
૧૧૮, ૧૨૬, ૧૩૨, ૧૪૭,
૧૫૨, ૧૬૨, ૧૬૬, ૧૬૭,
૧૬૮, ૨૬૧, ૨૮૦, ૨૮૦,
૩૦૦

,, તી. ૨૬, ૩૩, ૩૪, ૧૮૩,
૧૮૪, ૨૦૬, ૨૧૫, ૨૧૭,
૨૨૦, ૨૨૧

જેસલા (જેસલા) કુ. ૧૬૦

જેસાળ, જેસાળો દે. જેસલમેર ।

જેસાવસ કુ. ૧૭૩, ૧૮૭

જેસુરાંળો કુ. ૪, ૮, ૧૩, ૧૪૪

જૈતકોટ પ. ૨૦૨

જૈતપુર તી. ૧૭, ૧૮, ૨૩૦

જૈતપુરો તી. ૧૭

જૈતવાહો પ. ૧૫૮, ૧૭૫

જૈતારણ પ. ૬૨, ૮૬, ૮૮, ૩૬૪

,, કુ. ૧૪૮

,, તી. ૩૬, ૧૪૧, ૧૪૫, ૨૩૫,
૨૩૬

જૈતીવાસ કુ. ૧૫૦

જૈપુર પ. ૧૭, ૩૧૧

જૈવાંધ દે. જૈવાંધ ।

જૈરાહત કુ. ૪, ૧૦૦

જોગણપુર કુ. ૬૫

જોગાહ કુ. ૬૧

જોજાવર પ. ૩૭, ૫૨, ૨૦૨

જોતપુર પ. ૧૭૫

જોધપુર પ. ૨૫, ૨૬, ૨૭, ૨૮,
૩૭, ૮૬, ૧૦૧, ૧૧૪,
૧૩૦, ૧૩૬, ૧૪૨, ૧૪૪,
૧૪૭, ૧૫૩, ૧૫૮, ૧૬૦,

૧૬૧, ૧૬૩, ૧૬૪, ૧૬૫,
૧૬૬, ૧૭૦, ૨૦૭, ૨૦૮,
૨૦૯, ૨૩૩, ૨૩૭, ૨૪૦,
૩૦૬, ૩૦૮, ૩૧૦, ૩૧૧,
૩૧૪, ૩૧૬, ૩૧૭, ૩૧૮,
૩૨૦, ૩૨૨, ૩૨૩, ૩૨૪,
૩૨૮, ૩૪૨, ૩૪૬, ૩૫૬

,, કુ. ૩૩, ૩૮, ૩૯, ૫૩,
૬૬, ૭૭, ૭૯, ૮૦,
૮૧, ૮૪, ૮૬, ૯૦,
૯૧, ૯૪, ૯૭, ૧૦૦,
૧૦૫, ૧૦૬, ૧૧૦, ૧૧૬,
૧૨૨, ૧૨૩, ૧૨૫, ૧૨૮,
૧૩૮, ૧૪૫, ૧૪૬, ૧૪૭,
૧૫૧, ૧૫૬, ૧૬૧, ૧૬૪,
૧૬૫, ૧૭૩, ૧૭૫, ૧૭૬,
૧૭૮, ૧૮૦, ૧૮૨, ૧૮૬,
૧૮૦, ૧૮૪, ૧૮૬, ૨૬૩,
૨૬૪, ૨૭૭

,, તી. ૧૨, ૨૮, ૩૪, ૮૦,
૮૧, ૮૩, ૮૪, ૮૬,
૯૦, ૯૨, ૧૦૦, ૧૦૧,
૧૦૨, ૧૦૪, ૧૧૫, ૧૧૮,
૧૨૧, ૧૨૨, ૧૮૦, ૧૮૧,
૨૧૩, ૨૧૪, ૨૧૫, ૨૧૬,
૨૧૭, ૨૩૫, ૨૩૭

જોધડાવાસ કુ. ૧૭૩

જોબનેર પ. ૩૩૦, ૩૩૧

જોલપો પ. ૧૧૬

જ્યાકરી તી. ૨૩૩

મ્

મ્મ કુ. ૩૬, ૧૭૭, ૧૭૮

મ્મ્મ કુ. ૩૨

મ્મ્મ્મ પ. ૩૦૭

મ્મ્મ્મ કુ. ૪

મ્મ્મ્મ્મ-મ્મ્મ્મ્મ-તી. ૧૭૬

भाभण हू २
 भांभमो प. ३३७
 भावढो प १७६
 भासनाळो प. ४१
 भाडपड हू ३८
 भाडहर हू १२, १४२
 भाटोल प ३६, ४२
 " हू २६३
 भाटोनी प ४६, १७३, १७७
 भात प. १७९
 भालावाळी-सावडी प ५
 भालावाळो देलवाटो प. ४४
 भालावाड हू २५८, २६२
 भालावाड-छोटी हू २६२
 भानल ती २२
 भोंयटो प २२३
 भुक्काटो हू २६०
 भूपटासेडो प ४७
 भूगडियो हू १८१
 भूरो हू ३६
 भेरटियो प २२८
 भोरा-मगरा-पट्टी प १७६
 भोरो प १७३, १७६
 ट
 टगरावती प ४२, ४६
 टमटमो प १७६, १७९
 टाकरो प १७५
 टावरियावाळो हू. १३५
 टोकली प ३२
 टीवटो हू १७३
 टीवी हू ९
 टीवरियाळो हू. ४
 टूक प ४७
 टेइयो दे. टेहिया ।
 टेहियो हू ४, ९, १०३
 टोकला प. १५८
 टोडो प १७, ४७, ९१

ठ

ठरटो वू ८४

ड

डमाणी प १७५
 डांगरी प. २४०
 डागरी हू ६
 डावर हू ४, १५५, १६०, २६१
 डाक प १७५
 डावर प ४७
 डामडी हू. १५९
 डामलो हू. २, ४, १०
 डाहळ प. ५
 डीघाडी प. १७७
 डीडलोद्र प १७७
 डीढवाणो प. ३२४
 " हू. ९, ३०८, ३२८
 " ती. ६५
 डीडवाना दे. डीडवाणो ।
 डीवजाळ हू. १११
 डूगरपुर प. १४, २९, ३५, ३७,
 ३८, ३९, ४३, ४९,
 ५३, ७०, ७१, ७४,
 ७७, ८०, ८१, ८२,
 ८४, ८५, ८६, ८७,
 ८८, ११९, १२१
 " हू. १९३
 " ती २२६
 डूंगरी प १७९
 डूंगरो-वेस प ४३
 डेडुवा प. १७६
 डेह हू १५७
 डोगरी हू. ९७
 डोडवाडो प २५३
 डोडियाळ प १४७, १९०
 " ती. १२४, १२५

ढ

ढाकसरी	प. ३४७
ढाको	ती १४
ढाहो	प २८, ३२३
ढिलडी	प. १८
ढिली	दे दिल्ली ।
ढींकली	डू ६६
ढींगसरी	ती २२५
ढीजाई	डू १६१, १६७, १७१
ढूढाड	प. १८७, २६३, २६५, ३४२
"	डू ३१५, ३३५, ३३६
ढूढार	दे ढूढाड ।
ढूढाहड	प २८७
ढोल	प ४२
ढोलाणो	प २८५
ढोहो	प ३२३

त

तई-अईतरो	डू ४
तडूगी	प १७४
तणणो	डू. ११६
तणूकोट	डू ३
तणूसर	डू. ४
तणोट	डू ४, १०
तणोटकोट	डू. १७
तलवाडो	ती. ३
तलावस	प. ११७
ताणाणो	डू १४२, १४३
ताणो	प ३७
"	डू १५३, १८१
ताणो-सोळकी-मला वाळो	प ३४२
तातूवास	प २३३
तानूवास	प. २३८
तावडियो	डू. १६६, १८२, १६४
ताडतोली-चाभणां-री	प. १८०
तालियाणो	प २४०

ताळो	प. ३१८
तिघरी	डू. १८६
तिथमी	प १८०
तिमरणी	प १६७, २३३, २३६
"	डू १४८
तिमरली	दे तिमरणी ।
तिलगाण	प. ८
तिलवाडा	दे. तलवाडो ।
तिलवाडा-फेयर	डू. २८४, २८५
तिलवाडो (मालाणी)	डू. १३०, २८४, २८५
"	" ती. ३
तिलायला	प. ३४०
तिलाणस	डू १५६
तिसींगडी	डू. ४१
तिहाणदेसर	ती. २२७
तीतरडी	प. ३२
तीतरी	प. १७६
तीस-रा घागडियां-देवडां-रो-उतन	प १७३, १७८
तुड	प २४७
तुघरा	डू १४८
तेजसी-रो-गाव	डू ४
तेलपुरो	प. १७३
तेलियाणो	प. २४०
तोडडी	प. २८०, २८१
तोडो	प. ४७, ५६, २६०, २६३, २६४, २८०, २८१, २८३, ३००, ३०१
"	डू. १५५
तोडो-नागरचाळ-रो	प २८०, २८१, २८३
तोडो-भीव-रो	प ३०१
तोसीणो	प ३४३
त्रबक	प. १, १२२

त्रिकुट ह. २४२
त्रिकोणगढ (लका) ह. ३६
त्रिगढी ह. १६६
त्र्यम्बक दे त्र्यंबक ।

थ

थटो प. ६०, २६२
,, ह. ३२, ८०, ८२
,, ती. २८०, २८१
थट्टा दे. थटो ।
थवूकडो ह. १६०
थळ ह. २, ३१, २८५
,, ती. ६५, ६६, १०३
थळघट ह. ३२०
थळी प. १७५
,, ह. ३२३
थळडो प. १६४
थहीपायत ह. ४
थान गांव ह. २८४, २८५
थालनेर प. १२२
थावर प. १७८
थाहर-वासणी ह. १८७
थाहरी ह. १६८
थिराद प. १७२
थूर प. ३२
थुळायो ह. ५
थोभ ह. ६०
थोहरगढ ती. १७३, १७४

द

दतारखो प. १७८
दत्तीवाडो प. ३६२
दक्षिण (प्रदेश) प. १८५
दत्तांणी प. २३, १५०, १६६, १७५
ददरेरी ती. ७२, २७३
ददरेवो दे ददरेरी ।
दभोड़ प. १२८

दमोई प. १२७
दमोदर ह. ४
दलोल प. ३८
दलोल-कलोल प. ३८, ३९, ४३, ४७
दसाडो ह. २६१
दसोर प. ३७, ३८, ६४
दहवारी प. ३२, ४३
दहियावत प. १८७, २४८
दहियावतरी दे दहियावत ।
दहीपडो प. २३३
,, ह. १८२, १८३
दहीपुडो दे दहीपडो ।
दहीगांव प. २४७
दहोसतोय ह. ६
दांतणियो प. २४१
दांतीवाडो प. १५१, १५२, ३६२
,, ह. १४६
दांमण प. २१२
दागजाळ ह. ६
दिखण (देश) प. २३४
दिलडी प. १८
दिली दे. दिल्ली ।
दिल्ली प. १८, ५८, ५९, ७०,
८२, १८०, १८५, २०४,
२१४, २६२
,, ह. १५, १६, ५६, ६५,
६६, ७४, ७५, २८२,
२८३, २८५, ३०२, ३०८
,, ती. ५३, ५५, १०२, १५१,
१६२, १७४, १८३, १८५,
१९२, २३८, २४३
दिहायलो प. १२८
दीव वदर ती. ५६
दुकील प. २५३
दुजासर ह. ४
दुजासी ह. ४
दुणियासर ती. २३०

हुणोत्र प १७६
 हुलगढ ती. १७३
 हुसारणो ती २३१
 हूणपुर हू. ६३, ३२५
 ,, ती. १०१, १५१
 हूधघड़ प. ३१
 ,, हू १४६
 हूधोड प. ३१
 हुनाडो प २३३
 हेछू प २११, ३६२
 देवपुर प १५८
 देवापुर प १७५
 देवाहर हू १११
 देपारो हू १३६
 देपारो प १२४
 देराघर प १२२, १२३, २५३
 ,, हू. १०, १८, २१, २२,
 २३, २५, २६, ३०,
 ७६, ६३, ६६, १०८,
 ११४, ११५, ११६, ११७,
 ११८
 ,, ती. ३४, १७४
 देरासर हू ४
 देलवाडो प. ३४, ४४, १५८, १७७
 देलाणो-भाटां-रो प. १८०
 देलोद्र प १७७
 देव प. ४३
 देव-गदाघर प ४३
 देवको-पाटण वे देव-रो-पाटण ।
 देवखेत प. १७६
 देवडी प ३२
 देवडो प २४७
 देवत हू. २६१
 देवतकही हू. २६१
 देव-पट्टन वे. देव-रो पाटण ।
 देव-रो-पाटण (देवको-पाटण) प २१३,
 २१४, ३३५

देवलियां-रो-मेरवाडो प. ४५
 देवलियो प. १६, २७, २९, ३७,
 ३८, ४५, ४८, ५०,
 ८६, ८८, ९०, ९२,
 ९३, ९४, ९५, ९६,
 ९७, १६४
 ,, ती २१७
 देवली प. ४७
 ,, ती. २३७
 देवली ऊदावतों की ती २३७
 देवसीवास प. २४८
 देवहर प ४३
 देवाइत हू १६, ११३
 देवीखेडो प. ११५, २०८
 देवो हू. ४, ६, १०३
 देसूरी प. ४१, २८४, २८५
 देसेहरो-देस प. ४२
 देहेर-भाचाहर हू. १२६
 दोडोछाई हू. १४७
 दोसा प. २८७
 दोलताबाद प. १३१, २३४
 ,, हू १२२
 ,, ती. १८३, २४६, २७६, २७७
 छोसा प २६७
 ब्रम हू. ३१
 ब्राघड प. ८
 ब्रूणपुर वे. ब्रूणपुर ।
 ब्रंग प. ३५७
 ,, हू. १३, ३६
 ब्रूणपुर हू ६३, ३२५
 ,, ती. १०१, १५१, १५३, १५४,
 १५६, १६१, १६२, १६४,
 १६५, १६६, १६७
 ब्रूणागिर वे. ब्रूणपुर ।
 द्वारकाजी प १११, २६३, २६४, २८६,
 ३३७

द्वारकाजी हू. २२५, २६६, २६७, २६८
 ,, ती. २६६
 द्वारामती दे द्वारकाजी ।

- घ

घघ्रुको दे घांघ्रुको ।
 घणलो हू ८४, ३२६
 घनवाड़ी प. ६०
 घनवो प २४८
 ,, हू ६, ८
 घनारी प. १७४
 घनियावाड़ी प. १७५
 घनेरियो प. ६०
 घनेरी प. १५८, १७६
 घमांणी प १२७
 घमोतर प ६६
 घरियावद प ३८, ४३, ४५, ६४, ६६
 घवळको हू. २६०
 घवळपुर प. ३१
 घवळहर हू. २१५, २४०, २४६
 घवळासर हू. १११
 घवळेरो हू. १७८
 घवो हू. १५०, १५६
 घाघणियो हू ७६
 घांघपुर प १७५, १७६
 घांघ्रुको हू १, १६, २६०
 घांघ्रुसर ती २२६
 घानेरा प. १७८
 घांमणियो प. २८५
 घांमणी प. १२७
 घाचरियो प १७६
 घाट ती ७५, १७४
 घाघोळाव हू १६८
 घार प ४, ३२, ४३, ३३६
 ,, हू २६, २६, ३०, ३१
 घारणघाय हू. १४८

घारता प ६१
 घारनगर ती. १७३
 घारवा प १७८
 घांगांणो हू. १७०
 घीणोद हू २१०, २१२, २१४, २२१
 घीरावद प ४५
 घीरावादगढ ती २१६
 घीवली प १७५
 घुवावत प १८०
 घूळकोट प ११३
 घूळोप प ११६
 धोष प ३३५
 धोघुको प. ३३५
 धोरीनमो प २४८
 धोलपुर प २०६, २३४
 धोळहर दे धोळहरो ।
 धोळहरो प. २५
 ,, हू. १, २४०, २४४, २४७, २४८
 ,, ती ८४
 धोळेरो प २५
 धोलपुर दे. धोलपुर ।

न

नदराय प, ४७
 नदिघो प १७४
 नगरकोट प. ३००
 नगरगाव हू १३६
 नगरथडा प. ८, ६०
 नगर-समिई हू २३७
 नगराजसर हू १११, १३६
 नड्डियाद ती १७४
 ननेउ हू. ६१, १२८, १३३, १३४
 नरवर प. १२८
 नरवरगढ ती १७४, २१७
 नरसांणो हू १४८
 नरांणो प. ३०४, ३०५, ३३०, ३३१,
 ३५६

नराहणो दे. नराणो ।

नरायणो दे. नराणो ।

नरावस प. २३८

नळघर प. २६३, २६४, ३०३

नळघरगढ प. २८६, २८३, २८५, ३०३

नघकोट द्व. १४

नघदीप द्व. ३८

नघलखी प. १८६

नघलखी-सिध द्व. २३७

नघलाख-डहर प. १३२

नघसर प. २१०

„ द्व. ६२

नघसरो प. १६०, १६५, २११

नघानगर द्व. १५, १६, २०५, २२०,

२२१, २२३, २२४, २३६,

२४०, २४१, २४४, २४७,

२४६, २६०, २६१

„ ती. २६

नघोसहर प. २८०

नहवर द्व. ३२

नांदणो प. ११७

„ द्व. १३

नांदियो द्व. १५०, १६६, १६७

नांदोती प. ३०६

नांनाउओ प. १७८

नांमी प. १६२, १७७

नाई प. ३२

नाउओ-वाघरेडो प. ६६

नाकोडो प. ३३३, ३३४

नागजो फोट द्व. २२

नागडो द्व. १६०

नागण प. २४७

नागवहो प. १, २, ८, ११, ३५

नागरचाळ प. २८०

नागाणी प. १७७

नागाणो दे. नागोर

नागो-जोगीकोट (वेरावर) द्व. २२

नागोर प. २४, १२५, २३४, २५०,

२५३, २६७, ३२४, ३४२,

३४७, ३४८, ३४९, ३५८

„ द्व. ५४, ६५, ६७, ११०,

११५, १३१, १३६, १४६,

१५३, १५६, १५८, १७४,

३००, ३०१, ३१०, ३११,

३१२, ३१३, ३१५, ३१६,

३२४, ३२६, ३२८, ३३६,

३३७

„ ती. २६, ८५, ६०, ६५,

६७, १५४, १८२, २१३

नागोर-री-पट्टी प. २५०

नाचणो द्व. ८, १२, ११६, १४२,

१४३

नाडूल प. ५३, १००, १३४, १३५,

१८१, १८६, १८७, १८८,

२०२, २०६

„ द्व. ३२६, ३३०, ३३१

„ ती. ४८, १३३, १७३

नाडूलगढ दे. नाडूल ।

नाडूलाई ती. १३४

नाडोळ दे. नाडूल ।

नाडोलगढ ते. नाडूल ।

नाथवांणो ती. २२८

नाथूसर द्व. ७५, १२३

नांदियो दे. नांदियो ।

नापावस द्व. १६३

नाभासर द्व. १२३

नारगढ ती. १७४

नारणसर द्व. १३५

नारदणो प. १६२

नारवरो प. १७७

नारनोळ ती. १५१

नारायसो प. २६०

नाळ हू १२८
 नासिक प १, १२२
 नाहरळाव प १७८
 नाहवार हू १३
 नाहेसर प ४२
 निरवांणो प ३२०
 निवाई प ३१४
 नीवडी हू २११
 नीवली प १६५
 „ हू. १२, १३४, १३५, १३७
 नीवां ती २२५
 नीवांवरी ती. २२५
 नीवाज प. ६०, १५७, १५६
 „ ती. २३५
 नीवाडो ती २३७
 नीवलाया हू १२
 नीवाळियो हू १२
 नीवूडो प १७५
 नीवोडो प १७५
 नीवोळ प. ६२
 „ ती. २३६
 नीवोवरी ती. २२५
 नीतोडो प १७४
 नीनरिया हू ५
 नीभिया हू. ५
 नीमच दे मीमच ।
 नीमाज दे. नीवाज ।
 नीलकठ प २३६
 नीलपो हू ३२
 नीलावो हू. १४८
 नीलिया प. ८६
 नीलेर प १७५
 नीवाई प २८७
 नूहन प १७६
 नेउघो प. ६२
 नेगरडो हू. ६

नेछवो प ३५८
 नेडांण हू. ३६
 नेनरवाडो प १८०
 नेहडाई हू ४, ६
 नैणघाय प ११०, २८३
 नैणेर प ६४
 नोख हू ३६, ११७, ११८, १२७,
 १३४, १३५
 नोख-चारणवाळो हू ३६
 नोख-सेवडो हू. ११७, ११८, १२७, १३४
 नोहर प. १७६
 „ ती १८

प

पचळ देस प. ४५
 पचाळ हू ३७, २४२
 पजाव प ३००
 पई-मणारो प ४३
 पलाळव हू २२१, २५६
 पलंरोगड प. २१०
 पछवाळो हू ४
 पटाऊ प. २४२
 पट्टन दे पाटण ।
 पट्टनखेड दे खेड ।
 पट्टन देवको प. २१३, २१४, ३३५
 पट्टन-प्रभास प २१३
 पट्टन-दाव प २१३
 पट्टन-सोमनाथ प २१३
 पठार प. ४४
 „ ती. २४०, २४१, २४७
 पडावळ प. ५४
 पडिहारो ती २३३, २५०, २५१
 पथग प. १७३, १७४, १७५
 पत्रोळाया हू. ३०४, ३१७, ३१८
 पनवाड प. ३१५
 पनोतो हू. ३३०

पनोर प. ४३, ४६
 पवई प १२७
 पवउधो प १२८
 पर्माणा प १७४
 परवतसर प. १२२, १२३, १२४, १२६,
 ३१२
 परवर गाव प. ३६०
 पळाइतो-हाडांवाळो प. ४४
 पलू (पळू) ती २२६
 पल्लू ती १७३, २२६
 पश्चिम-रेलवे दू २६६
 पांचडो प १७४
 पाचनडो दू १८७
 पाचपदरो दू. १८६
 पांचलो प १७५, १७८, २००
 ,, दू १७०, १७५, १८७
 पाचाडी-भाहरी दू. ६५
 पाचाल प ४५
 ,, दू २४२
 पांडरी-भाटां-री प १८०
 पाडवारी प. १२७
 पाणीपथ ती १६
 पायावाडो प. १७६
 पानीलो प २४३
 पासवो दू २५३
 पासुवाळा प १७६
 पाखड ती. २
 पाटडी दू २५८, २५९
 ,, ती. १७४
 पाटण (गुजरात) प. ५५, १०८, ११०,
 ११३, १८६, २५३
 २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६३, २६४,
 २६५, २६६, २६७,
 २६९, २७१, २७२,
 २७३, २७४, २७५,

२७७, २८४, ३३६
 ,, दू ३३, २३४, २५८,
 २५९, २६६, २६७,
 २६९, २७२, २७३
 ,, ती २६, ४९, ५०,
 ५३, ५६, ५८,
 २८५
 पाटण (बूदी) प १०८, ११३
 पाटरिया (प्रदेश) दू २५८
 पाटरी दे पाटडी ।
 पाटोदी (पाटोधी) प ८९, २४३
 पाडरी दू १८५
 पाडलोळी प ४७
 पाडीव प. १५५, १७६
 पातबर-चारणारी प १८०
 पातळसर ती. २३३
 पातळासर ती. २३३
 पाताळदेश प. १६२
 पाद्रोड प. ४१
 पाद्रोलाया दे पद्रोळायां ।
 पाघोर प १७६
 पानीपत दे पाणीपथ ।
 पानोरो प. ३८, ३९
 पारकर प. ३५५, ३६३, ३६४, ३६५
 ,, दू ३८, ५१, ५४, ५५,
 २१४
 पारसी (पारस) दू. २४२
 पाल दू. ३८
 पालडी प. ३२, १५६, १५८, १६२,
 १६८, १७५ १८०
 पालडी बाहरली प. १७७
 पालडी-माहेली प १७७
 पाळडी रावळा-री प. १८०
 पालसी प. १७८
 पाली प. २०७, २०८, २०९, २११,
 २१२, २३५, २३६, २४१

,, दू १६६, १८०, २७७, २७८
 ,, ती १३०, २३५
 पालीताणो प ३३५
 पावट दू. ३८
 पावागढ नी २५
 पाहरादगढ प १२७
 पाहुवेरो दू. ११. १११
 पिडरवाडो प १७४
 पीडवाडो प ४१
 पीगियो प १७६
 पीछोली प ३२
 पीठवाडो दू १११
 पीढी प ८८
 पीयापुर प १५८
 पीयामर दू. ७६, १३६
 पीयोली प १७६
 पीपळ-वडनाथो दू ५३, ५४
 पीपळथो दू ६
 पीपळहडो प ४३
 पीपळाई प ३२०
 पीपळी-रावळा-री प १८०
 पीपळू प १११, १२४
 पीपळो दू ६५
 पीपलोण प १६७
 पीपाड प ११४, ३४१
 ,, दू १५०, १८६, १६३
 ,, ती ८८, ६४
 पीरान-पाटण दे पाटण (गुजरात) ।
 पीळियोळाळ प १६
 ,, दू २६२
 पीहलाप प. ३४७
 ,, दू. १२२
 पुजूरी प ८६
 पुनपुरी प १७६
 पुर प १४, ३७, ४७, ५३
 ,, दू १५१

पुष्कर प. २४
 पूगळ दे पूगळ ।
 पूजा-साठियारी-घरती प २७७
 पूगळ प २५३, ३४६, ३४८, ३४९,
 ,, दू १०, ११, १२, ४२,
 ११०, १११, ११३, ११४,
 ११५, ११६, ११७, ११८,
 १२०, १२२, ३१२, ३१८,
 ३२४, ३२७, ३२८
 ,, ती. ३१, ३२, ३४, ३६
 पूछणी दू. १६४
 पूनो प २०६
 पूनासर दू ६६, १६३
 पूरव-रोसुवो प. २६७
 पेयापुर प १७५
 पेयोडाई दू ६, ८
 पेरवा प १७६
 पेशावर प. ३०२
 पेसवा-चारणा-री प. १७६
 पैळाडतो प ११४
 पैसोर प ३०२
 पीकर दे पुष्कर ।
 पीकरण प १८६, २३६, ३५७
 पीकरण दू ६, ११, १६, ५३,
 ७४, ७५, ७६, ८०,
 ८४, ६७, ६८, १०३,
 १०४, १०५, १०६, १०७,
 १०८, ११३, ११७, १३१,
 १३२, १३८, १४४, १८३,
 १६६, २००
 ,, ती. १०३, १०४, १०५, १०६,
 १०७, ११०, १११, ११२,
 ११३, ११४

पीछीणो दू. ३३
 पीटलियो दू ६
 पीलावास प. २४०
 पीसतरा प १७५

પોસાંળો પ ૧૬૨
 પોસાલિયો પ ૧૭૭
 પ્રભાસલેત્ર દે. પ્રભાસલેત્ર ।
 પ્રભાસલેત્ર દૂ ૩
 પ્રયાગ પ. ૧૩૨
 „ તી. ૨૭૯
 પ્રોહિતવાલો-ગાંવ દૂ ૧૩૫

ફ

ફતહગઢ તી ૨૧૭
 ફતહપુર દે ફતેપુર ।
 ફતેપુર પ. ૩૧૨
 „ તી ૧૬૨, ૧૬૩, ૧૬૪, ૨૭૩,
 ૨૭૪
 ફઝલધ પ. ૧૭૭
 ફઝલુદ દૂ. ૧૦૪
 ફઝોડો દૂ. ૪
 ફઝોધી પ ૬૦, ૩૫૦
 „ દૂ ૧૧, ૬૮, ૭૭, ૯૪,
 ૯૮, ૧૦૬, ૧૧૩, ૧૧૪,
 ૧૨૨, ૧૨૪, ૧૨૮, ૧૨૯,
 ૧૩૦, ૧૩૧, ૧૩૨, ૧૩૬,
 ૧૩૮, ૧૪૧, ૧૪૩, ૧૪૫,
 ૧૪૨, ૧૪૯, ૧૬૦, ૧૬૧,
 ૧૬૩, ૧૬૪, ૧૬૬, ૧૭૬,
 ૧૭૭, ૧૮૦, ૧૮૧
 „ તી. ૨૮, ૧૦૩, ૧૦૫, ૧૧૪
 ફાગૂળી પ ૧૭૬
 ફારસ તી ૫૫
 ફિરસૂઝી પ. ૧૭૪
 ફુલાજ દૂ ૧૮૬
 ફૂલમરેઠ પ ૧૭૯
 ફૂલિયો પ ૨૬, ૩૭, ૪૮, ૧૧૦, ૨૭૯
 „ દૂ ૬
 „ તી. ૨૨૨

વ

વગસ પ. ૩૧૬, ૩૩૧

વંગાલ તી. ૧૮૬, ૨૬૬
 વંગાલો દે. વંગાલ ।
 વઠાસ પ. ૩૧૬
 વધ દૂ. ૧૧૧
 વધડો દે. વાંધડો ।
 વધધ પ ૧૩૨, ૧૩૩
 વધવગઢ પ. ૨૦, ૧૩૨, ૧૩૩
 વધવો પ ૨૦
 વધો તી ૨૨૪
 વમણવાઢ-આઝઠકોઢ દૂ ૨૩૬
 વમારો પ. ૪૫
 „ દૂ. ૨૩૬
 વંભોરી-રો-પરગનો પ. ૧૧૬
 વંભોરો પ. ૪૩, ૪૫
 વગ પ. ૧૭૬
 વગડી પ. ૬૦
 વઢોદા (ગુજરાત) તી. ૨૫
 વઢોદો (સીરોહી) પ. ૧૭૫
 „ તી. ૨૫
 વધનોર પ. ૫૩
 વધાડો દૂ. ૬૬
 વમૂ તી. ૨૩૩
 વરડો દૂ. ૨૨૦, ૨૨૬
 વરિયાહેડો . ૩૩૪
 વઢદુરો પ. ૧૭૭
 વઢોર પ ૬૪, ૬૬
 વસાડ ઘૂ. ૪
 વહ દૂ. ૧૩૪
 વહલવો દૂ. ૧૭૧
 „ તી. ૨૫૦, ૨૫૧, ૨૫૨, ૨૫૩,
 ૨૫૫
 વાંગો પ ૯૭, ૯૮, ૧૦૧
 વાંદ પ. ૧૭૫
 વાંડો તી. ૧૭
 વાંધડો દૂ ૪, ૧૧૧, ૧૬૩, ૧૬૪,
 ૧૮૬, ૧૯૫

बांधवगढ दे० बांधवगढ ।
 बांधव-रो मुलक प १३२
 बाभणवाड प. १७६
 बाभणहेडो प. १७६
 बाभणीका-गाँव (प्रदेश) द्व ८
 बाभोतर प ६६
 बाभोरो प ४३
 बानवाडा दे० बांसवाहलो ।
 बासो ती २३७
 बांहाळो दू ४
 बाकरनो प ४७
 बाकारोळी प. ६८
 बाघलप प. २३६
 बाचारावाळी दू २६०
 बाटवडोद प. ८०
 बाटियो प १७६
 बाटमेर दे० बाहडमेर ।
 बाडेल बाभर्गा-रो प १८०
 बापडोतरो प २४८
 बापणसर दू ६
 बापला प १५८
 बार प २५२
 बारवरहा प ४३
 बार दू. १२, १८०, १४२, १४३ दे० बारु
 बारु-छाहिण दू. ५३, ७३
 बारळो प १७३
 बारपुर प. २३७
 बालां दू १८३
 बालांणी दू. १४२
 बालां-रो-गाव दू ४
 बालापुर य. २६७
 „ दू. १८२
 बालाभेट प २५२
 बालो गूदोच रो दू. १६३
 बालो भाद्राजण रो प. २३६
 बालोतरा प. ८६, ३३३

बालोतरा दू. १३०
 „ ती २२६
 बाहडमेर प १४३, १४८, ३३३, ३३७,
 ३३८, २६१, ३६३
 „ दू. १२६
 „ ती. ३, ४, ११३
 बाहतर-घड-गुजरा वाळी दू. १६२
 बाहरडो प ४३
 बाहरलो-पालडी ती. १२४
 बाहरोट- रो- पयग प. १७३, १७४
 बाहिरलो वास प. २४७
 बाहुल प. १७६
 बिटडया ती. १०६, ११०
 बीकानेर दे० बीकानेर ।
 बीजवा प. १८०
 बीजापुर ती. २७७
 बीभोली प. ४४
 बीड दू ६८
 बीलाडो दू १५०. १८७
 बीलेसर दू २२६
 बीसलपुर प ४५
 बीसेलखड प. १२७
 बुगलाण ती. २१८
 बुचकठो दू ८
 बुज दू. ७८
 बुजडो प. ३२
 बुजेरो दू ४
 बुडकियो प. ३५७
 बुडण प. १२८
 बुढारो दू. १३६
 बुधरो-दू १६
 बुधे-रो-खरड दू ११, १६
 बुरघटो-ओईसां-रो दू १७२
 बुरघटो लवेरा-रो दू. १८६
 बुरहानपुर प २५, ७७, १२०, १३१,
 १६७, २००, २३४, २३५,
 २६८, ३१६, ३२१

बुरहानपुर द्व. १५६, १५८, १७०, १७२
बूटेची द्व. १८०

बूदी प. २६, ३७, ३८, ४४,
४६, ५६, ६७, ६६,
१००, १००, १०१, १०२,
१०३, १०५, १०६, १०७,
१०८, १०९, ११०, १११,
११२, ११३, ११४, ११५,
११७, ११८, २८०, २८३

„ द्व. १७१

„ ती. २४१, २६६, २६७, २७२

बूदेलो प. १६

बूजाडो प. १७६

बूट प. २७

बूटडी प. १७६

बूटेलाव द्व. १७७

बूढहर द्व. १२

बूराळ प. १७५

बूसियो प. १७८

बेघ प. ५३

बेहछो प. १२८

बेदलो प. ३२

बेहडो प. ४१, १७६

बेह सिवलवाली प. ११५

बेहगटी प. ३४८, ३५१, ३५२

„ ती. ७, १०३, १०५

बैराई द्व. १७०, १७२, १७५, १६०

„ ती. ६०

बैराही दे० बैराई ।

बैरू द्व. १६८

बैरोळ ती. २३६

बोखडा प. ४२

बोहघी द्व. १८०, १८१

बोहानडो (बोहानाडो) द्व. १८०

बोघरी द्व. ५

बोरबो प. ३४०

बोळ द्व. १६६

बोळो द्व. ४

बोहरावास प. ३६०

बोळी ती. ६८

ब्यावर प. ३८

ब्रह्मंड प. १६२

ब्रह्माण प. १४६

ब्रह्मानपुर दे० बुरहानपुर ।

ब्रह्मसर द्व. २, ४, ३६

ब्रह्मावासणी द्व. १६६

ब्रह्मणवाडो ती. १७४

भ

भडण द्व. १११

भभारो द्व. ४

भवरी प. २११

भगतावासणी द्व. १६७, १७३, १७४, १६४

भगवतगढ प. ४७

भटनेर प. २१२

„ द्व. १६, १२२, १२३, १२४

„ ती. १५, १६, १७, १८,
१६२, २२१

भटिडो द्व. १०

भट्टी प. २६८, ३१६

भठी प. २६८

भडियाव द्व. १

भणांय प. ६४, ६५

भवलो द्व. १२

भदांण प. २५०, २५१

भदाणो प. २५१, २५३

भदावर प. १२८

भदावर-रो-मैडो प. १२८

भदियाव प. १२३

भनाई ती. २२४

भरवछ (भडौच) द्व. १६

भरोसर (भरेसर) द्व. १३७

भव प. १६२
 भवर्णो प ३२
 भवराणी प २११, २३७
 „ दू. १६७
 भाउडो दे० भाउडो
 भागेसर दू. १६४, १६२, १६४, १६७
 भाडोतर प १७६
 भाडोळाव दू १५१
 भाणगढ प २६६
 भाणल (?) दू ६१
 भातावास प. २३६
 भातियो दू ६
 भाभेरो दू. ६, ३८
 भाभेळाई दू १५०
 भाभरा १७८
 भाभोळाव प ३६२
 भावरी दू ४
 भाहरो दू १६६
 भाउडो दू १५३, १५८
 भातर दू ३१
 भातरी दू. १७०
 भागवो प. २००, २०१
 भागीनडो दू. ६
 भागेमर दू. १४६
 भाचरांणो प २३६
 भाचाहर दू १११, १२६
 भाटरांस प १७५
 भाटरो प ६१
 भाटवो प २४८
 भाटांणी प १७५
 भाटो प ३१५
 भाटोपा दू १५
 भाटोव प २४१
 भाटोवटी दू १५
 भाटेर दू. १६४
 भाटेघो (भाटो?) प. २४८

भाटोद प ४१ .
 भाठवां ती १८
 भाडग ती १३, १४, १५
 भाडली प. १७६
 भाडेर प. ४२, ४३, ४६, १२७
 भावळो ती २२५
 भादासर दू. ४
 भाद्राजण प. १५८. १६०, २०६, २१०.
 २१२, २३६, २३७, २३६,
 २४०
 „ दू १४६, १४७, १५८, १६३,
 १६७, १८१, १८६, २७८
 „ ती. २५६, २५७, २५८
 भाद्रावळ दू २१६
 भाद्रेसर दू. २१६, २२०
 भारत प. १४७
 „ ती. १७३
 भारमलसर दू. १०४, १३५
 भालाही दू. ६६
 भालेसरियो दू १८०
 भावी दू. १६४
 भाहरजो प १७४
 भाहूर प. १७४
 भाहरो दू ६५, १८६
 भिणाय दे० भणाय ।
 भिणियाणो ती ११२, ११३
 भिरड ती २८
 भिरडकोट दे० भिरड ।
 भौव-रो तोडो प. ३०१
 भौवासर दू ६८
 भोडवाडो प. ३८
 भोतरोट प ४६, १५१, १५२, १७३
 भोतरोट-रो-पथग प १७३, १७४
 भोदासर दू. १३५
 भोनमाळ प. १३६
 „ ती. २३

भीमाणी प. १७४

भीमेळ प. ६१

भीलडांमो प. १७६

भीलटियो प. ६०

भीलडो नांग्हो प. १७६

भीलमाळ दे० भीतमाळ ।

भीलवण प. ७६, ७७

भुज प. ३६४

„ वृ. १५, १६, २१४, २१८,
२२०, २२५, २३८, २४४,
२५३

भुजनगर दे० भुज ।

भुवहृष्ट वृ. १८२, १८३

भुरळिया प. ६१

भूह प. १६८

भूडेल प. ३४७, ३४८, ३५०

भूण वृ. ६

भूणीद प. ४१

भूमळियागळ ती. १७४

भूमळियो प. ६०

भूभावडो प. २४१

भूकर ती. २२३

भूकरकी ती. २२३

भूकरी ती. २२३

भूकांणी प. १७६

भूका दे० भूखो ।

भूखो प. ३५६

भूतगांव प. १७७

भूतेल प. २४१

भूमळियागळ ती. १७४

भूवो वृ. ६

भेटनडो वृ. ६०, १५६

भेटाळो प. २४७

भेड वृ. ६५

भेळू ती. २२५, २८२, २८३, २८४

भेवो प. १७७

भेम्बेयो वृ. १०

भेगडो वृ. २, ३६, ६५

भेसरोड प. २०, २६, ३८, ४४,
४५, ४६, ५२, ६५,
६७, ६८, २८०

भेरवी-राणा रो प. ६६

भोजनर प. ११७

भोजू वृ. १८६

भोपाळ (?) वृ. ६१

भोरड प. ४०

भोवाव वृ. १६२

भोवाडी वृ. १६१

भोवाळ प. ३०६

„ वृ. १६०

म

मंगळीका-पळ वृ. ३१

मचसो प. १६२

मंठळ प. ४३

मटळगळ प. ५३

मटळप वृ. ४१, ४२

मटःवरो वृ. १८६

मडाएड प. १७३

मडोर दे० मडोवर ।

मडोवर प. १५, १७, ३३३, ३३४,
३४८

„ वृ. ६६, ३०८, ३०९, ३१०,
३३६, ३३७

„ ती. १०, १२, २८, १३०,
१३२, १३५, १४०, १४१,
१४६, १५८, १६०, १६१,
१६४, १६६, १७३, १८०,
१८२, १८४, २१३

मडोहर दे० मडोवर ।

मवसोर प. २७, २६, ३७, ४६,
६४, ६५, ६६

मऊ प. ११३, ११४, ११५, २५२,
२५६, ३६०

मऊ हू २६२
 मकरोडो प १५८
 मकवाळ प १७५
 मकावळ प १७५
 मकावळी प. १७६
 मक्का हू. ४६
 मगराउघो प १७८
 मगरो प १७३, १६३
 मगरो हू ३१४
 मगरो-भोरो प. १७३, १७६
 मगरोप प. ५६, ८८
 मगरोपगढ ती. १७३
 मचीव प ४१
 मछवाळो हू १४४
 मटूण प. ३२
 मढली हू. १६१
 मढलो प ३६२
 मणोहरो प १७७
 मतोडो हू १५६
 मथुरा प. १३१, १३२, ३१२, ३५६
 „ हू. ११, १६, १४०
 „ ती. २०६
 मदार प ४१, ४७, ५३, १४५, १५७
 मदारडो प ४१
 मदासर हू ३६
 मनदसोर प. ४६
 मनसोर हू २६३
 मनोहरपुर प ३१८, ३१६, ३२६, ३३२
 ममणवाहण हू १०
 दे० मूमणवाहण ।
 मरुप्रदेश हू ३१, २६६
 मरुस्थल हू ३१
 मरोट हू ११५, ११७, १२०, १३७,
 १३६
 „ ती ३४, २२०
 दे० महारोठ ।

मरोठ दे० मरोट ।
 मलकासर ती २३०
 मलार हू. १४७, १८५
 मलारणो ती. ६८
 मलीरणो प ४७
 मल्हार दे० मलार ।
 मवडो दे० मोडी ।
 मवडो-भाटा-री प. १७६
 महकर ती २१४
 महमदाबाद ती २८
 महमाना जकशन हू. २६६
 महाजन हू. १११
 „ ती २२८
 महारोठ प. ३१७, ३२४, ३२७
 दे० मरोट, मारोट, मारोठ, माहरोठ
 महियड हू. ३८
 महीकाठा हू. २७६
 महीनाळ प ४४
 महेश्व हू १८७, १८८, १९०
 महेश्वो दे० मेहवो ।
 महेश्वरी प १७६
 महेश्वियो हू १४६
 मांकडो प. ४५
 मांगळो हू. १५४
 मांगळोद प. २६३
 मांगळोर प. २६३
 मांचाळो प. १७७
 मांडणसर हू. १२६
 माडणी प. १७७
 माडळ प ६८, १२४, १७६, ३०१
 „ हू. ३४२
 मांडळगढ प. २६, ३७, ४४, ४७,
 ४८, २७६, २८०
 „ ती. १७३
 मांडली प. १८०

मांडव प. ५, १६, ४६, ५५,
५६, ८२, ८७, ८७,
६१, ६६, १०२, १२२,

„ वू. २६२, २८५

„ ती. १, १३६, २४०, २४३,
२४४, २४७, २४८

मांडवगढ ती २

मांडवाडो प १७४, १७७

मांडवो प. १७६, २३६

„ वू १५०, १७१, १७४

मांडहडगढ ती. १७३

मांडहो ती. १२३

मांडाळ वू १३१

मांडावरो वू. १८६

मांडावाडियो प. १७७

मांडावाडो प. १७८

मांडाहडो प. १७५

मांडाही वू ६

माणकळाव प २४१

„ वू १७६

माणकियावास वू १४६, १८६

माणव प. ४३

माणेवी वू. १७५, १७६

मातपुरो प. ३६, ३८, १७४

मांहिलोवास प. २४७

माछ प. ४७

माटपणां प. १७६

माटासन प १३६, १७६

माड वू. २१, २२, २५, ६३

माडपुरो प २८५

माड-राठी घाळी वू. ३३

माडाऊ वू ४

मायको वू. २५६

मायासरो प. १६३

मावडी प. १६५

मावळियो वू. ७६, १६६

मायणी वू. ४

मारली प. ११५

मारवाड प. १७, १७, २१, २५,
३१, ३५, ३८, ५५,

४०, ६२, ८८, ८६,

६०, १२२, १२३, १४७,

१४६, १६४, १६५, १८७,

१६३, २०८, २०७, २०६,

२११, ३०३, ३०४, ३३३,

३३७, ३३८, ३६१

„ वू. १०७, ११०, १३०, १५८,

१७२, २६१, २६८, २७७,

२८०, ३४२

„ ती १०, २८, ८३, ८८,

६५, ६६, १०५, १२०,

१२४, १७३, २१४, २२६,

२३७

मारेल प. १७५

मारोट वू. १०

वे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोट वू. ५३

वे० मरोट, मारोट, महारोट, माहरोट

मारोली प. १७७

माळ प. १४६

मालकोट ती. २१५

मालगडो वू. ४

मालगढ प. ६०

मालगियाळ वू. २५५

मालपुरो प. ३०, ३७, ३८, ६३,

२८०, २६६, ३०६

मालव प. ४, ५३, ६४, १८५

मालवदेश ती. १७३

मालवो प. ५३, १८५, २५२, ३५४

„ वू. १६३

मालाणी प ३१, ३३३

„ वू. २१६, २८०

मालांगी ती २८, २५६
मालागाँव प. १७५, १६६
मालाजाळ दू. १३०, २८४, २८५
मालानी दे० मालांगी ।
मालावास प. १८०
मालियो दू. २५३
माळीगडो दू. ३२
मालेर प. ३३२
मालेरी प. ८
मालहणसू प. ४१
माहरोठ प. १२२, १२३, १२४, ३२१
माहिडियाई दू. ८
माहोली प. २१, २०७
मियां-रो-गुढो प. १०१, ११७
मिलकापुर प. ३०१
मिलकी-अभिरामपुर प. ११४
मिलसियाखेडी ती. २४२
मीया-रो-खेडी प. १०२
मीठडियो दू. १२५
मीठोडो प. १६६
मीतासर दू. ३२१, ३२२
मीमच प. ३७, ३८, ४६, ५३,
६२, ६३, ६५
मीरमीप (मीरमी-पहुषो) प. ४७
मुगाह दू. ४
मुजपुर दू. २५६
मुडवाप दू. १६५
मुंदरडो प. १७४
मुमणवाहण दे० मूमणवाहण और
ममणवाहण ।
मुकुदपुर प. १३३
मुणावद प. २८४
मुयराजी दे० मयुरा ।
मुरघराखड दू. ३८
मुलताण प. ८, ३५३

मुलताण दू. १२, २२, ११३, ११४,
११५, १२०, १३७, १४२,
३१३
मुल्तान दे० मुलताण ।
मुहार दू. ५, ६, ८
मूठली प. १६५
मूढखसोल प. ३२
मूढथळ प. १५८
मूढथळो प. १७४
मूढळदेस प. ४३, ४५
मूढळ मुलक दे० मूढळदेस ।
मूढलो प. ३८
मूडेडी प. १७७
मूडेळाई दू. १३२, १४४
मूणावद्र प. १७७
मूषियाड प. ३३६
मूमणवाहण दू. १०, ११५, ११७, ११६
मूसावळ प. १५८
मूळ दे० मूळी ।
मूळपुरो प. ३८
मूळी दू. २५८, २५९, २६०
मूळी-रो-परगतो दू. २६०
मेऊ दे० मऊ ।
मेघां-रो-गाव दू. १३६
मेडतो प. १३, २६, २८, ३५,
६०, ६२, २३६, २४०,
२४१, ३०२, ३०४, ३०६,
३२३, ३३६, ३५४
,, दू. ६, ३१, ११६, १२५,
१३८, १४७, १४८, १४९,
१५०, १५१, १५३, १६०,
१८७, १६२, १६३, १६८,
१७३, १८६, १८६
,, ती. २८, ६३, ६४, ६५,
६८, १०१, १०२, ११५,
११६, ११७, ११८, १२०,
१२१, १२२, २१५

मेढो प १५८, २४७

मेढी-रो-माळ दू. ३४

मेवपाट प ७

मेवसर ती. २२७

मेरता दे० मेडतो ।

मेरवाडो प ४५

मेरवाडो घड प ४५

मेरियोवास प. ३४३

मेलांगरी प. १७४

मेघडो प. १७६

मेघरो दू १५६, १५८, १६०

मेघल प ४३

मेघल-मेरां-री प. ४५

मेवाड प १, ३, ४, ६,

७, ११, १६, २४,

२६, ३६, ४०, ४२,

४३, ४४, ४७, ४८,

५५, ५६, ५८, ५९,

६४, ८८, ९०, ९१,

९९, १३६, १३७, १४४,

१८६, १८८, १८७, २३२,

२६५, २८२, २८४, ३४२,

,, दू ३८, ६३, २६२, २६३,

३३५, ३४३

,, ती. ६, १०, १२, १३६,

१३९, १६२, १६४, २३९,

२४७, २६६

मेहगडो प. २३८, २३९

मेहर दू. ३१

मेहलांगो प २३८

मेहळी प २३६

,, दू १८५

मेहवानगर दे० मेहवो ।

मेहवो प. ३१, २४८, ३५९, ३६०

,, दू ५४, ६८, ८४, ९०,

९९, १०४, १३०, १४१,

२८०, २८१, २८२, २८३,

२८४, २८५, २८६, २८७,

२८८, २८९, २९०, २९२,

२९३, २९४, २९७, २९९,

३००, ३०७, ३०९, ३२०

,, ती. ३, ४, ५, २३,

२४, २८, ५८, २५१,

२५२, २५६, २८०

मेहाफोर दू. १२२, १२३

मेहाजळहर दू ७८

मेवानो प २५२, २५६

मेहकर दू १६०

मोकरडो प. १७४

मोकळनडो दू १८३

मोकळादत दू. ४

मोफीली प. ५२

मोलेरी दू ६५, १६५

मोजावाव प, २८७, ३१४ दे० मोजावाव

मोटपुर प. ११६

मोटाण प. १८०

मोटासण प. १७८

मोटासर दू ११, १११

मोटेलार्ई दू १११

मोडो प १७५

मोरखडो प. १८०

मोरवो प. ३५६

मोरवो दू २१३, २१४, २६०, २६१

मोरखडा प १७८

मोरखण प. ६३

मोरियांवाळो दू. १११

मोलेळो प. ४०

मोलेसरी प. १७९

मोहनी प. १२८

मोहारी प ३१३

मोहिल-मांकडो प. ४५

मोहिल-मांकडा रो परगनो प. ४५

मोहिलावाटी ती. १५३
 मोही प ३७, ४७, ५२, ११६
 मौजावाद-ती ६८ दे० मौजावाद ।
 मौड़ी प १६४, १६५
 म्रिगासर ती. ४७

य

यादवस्थली दू. ३

र

रगाईसर ती २२६
 रड़ोद दू. १५७
 ,, ती. ६५
 रणयंभोर दे० रिणयभोर
 रतनपुर प. ४४, ६२, ६४
 रतनपुर-री-चौरासी प. ६४
 रतवड़ो (रंवड़ो ?) प १६४
 रतलाम प. ६४
 ,, ती. २५
 रवीरो दू. ४
 रवणियो दू १७५
 रहवाड़ो प. १६२
 रांणकवाड़ो प. १७५
 रांणपुर प ३६, ४१, ६७, ६८, ६९
 रांणाई प ५
 रांणासर ती. २२६
 रांणी गाव (पारकर) प ३६४
 रांणोर-रायमल वाळी दू १२५
 राणेरी दू १३५
 रांणहर दू. ११, १११
 रामगढ प २५२, २७६
 रांमडावास दू १८०, १८६
 रांमपुरो प २६, ३८, ४५, ४६, ६५
 ,, दू १७६
 ,, ती. २३६, २४०, २४६, २४७
 रांमसर दू १३५
 रांमसेण प १४४, १४६, ३३७

रांमावट दू १६२
 रांमिस दू ३८
 रांयण दू. १३८
 रांवणियांणो दू १८७
 रांहिण प. २६, ३१५
 राकडवो दू ३६
 राखाणो प. २३६
 राजकोट प २७१
 राजगियावास दू १६१
 राजपीपळो प ८८
 राजलो-तेजा-रो दू. १५०
 राजस्थान प ४८, १४७
 ,, दू २५८, २६६, २७८, २८७,
 ३३२
 ,, ती १४, १५५, १७३, १८१
 राजासर दू १११
 ,, ती. २१
 राजोडो प १७८
 राजोद दू ११६
 राठ प १०५, १२७
 राठ-कोदमियो प. १०५
 राठघरो प २२८
 ,, दू ६७, १७६
 ,, ती २५६
 राड़वरा प. १७७
 रातोकोट प ३३८
 राय-कोहरियो दू १८८
 रायवणपुर (राघनपुर) प. ३३७
 रायपुर प. ३१४
 ,, दू. २६२
 ,, ती. २३६
 रायपुरियो प. १७५
 रायमलवाळी दू ११, १११
 रायमो प २३७
 राघतसर दू. ४
 ,, ती २२६

राघर प. ४७, ३१५

रास ती २३५

रासा-रो-गुढो वू १३१

राहुड वू, ३३

राहिण दे० राहिण ।

राहुषो प १७५

रिख-विसळपुर प ४५

रिडियो वू ८

रिडी वू. ६

रिणथभोर प ३७, १०३ १०४, १०८,
११०, १११, ११२, २७६,
३००, ३०१

,, ती ६६, १८४

रिणधीरसर प ३४६

रिणमलसर वू ६२, ६६, १३८

रिणी प. २१२

,, ती. १५४

रिवडी वू. १४७

रिखद्र प १७५

रिखियो प १७६

रिषीकेश (घावू पर्वत) प १७८

रोछडी प १७६

रोछेर प. ४०

रीयां दे० रेया ।

रीवां प. १३३

रीवी प. १७५

रुआंघ प ३२

रुण प ३४२ ३४४

,, ती ८, १४१

रुणकोट प ३३६

रुणघाय प. ३३६

रुदियो वू १६३

रुपजी प. ४०, ४१

रुपजी-वासरोड प. ४०, ४१

रुपनगर ती. २२०

रुपावास प. २३६

रुम सूम वू. ४५

रेतळो ती. २८०

रेयां प. ३०२, ३१४

,, वू. २०१

,, ती ६४, ६५, ६६

रेयडो प. १६४, २३७

रेयत वू १५०

रेयली प ४२

रेयाटी प. ३१८, ३२०, ३२२, ३२३,
३२४

रंतळो ती. २८०

रेयां दे० रेयां .

रंवासो प ३२०

रोजेड प. १७६

रोणयो ती. २२६

रोह प. १४६

रोहचो प. २३७

रोहडो प. १२३

रोहणयो वू १६१, १७२

रोहार्ड प. १७३

रोहार्ड-भीतरोट प. १७३

रोहिडो प ४२, ४७

रोहितगड दे० रोहिरगड ।

रोहिताडवगड दे० रोहितासगड ।

रोहितासगड प २६३

,, ती १७४

रोहिरगड ती १७३

रोहिलगड दे० रोहिरगड ।

रोहिसो प ३४०

रोहीडो प. १७४

रोहीणी ती २२६

रोहीणो ती २२६

रोही-भीतरोट प १७३

रोहीसी प. १६३

रोहुरो प. १७६

रोहुषो प १७५

ल

लका द्व ३६, २४२
 लकड़वा प ३२
 लखमणसर ती २३३
 लखमेर प. १७६
 लखानखेडो प १०१
 लदाणो प. ३०७, ३११
 लदावण प ३०७
 लवीह द्व. ४
 लवांइण प २८७, ३०२
 लवांणागढ प ३३२
 लवाणो प ३३२
 लवेरो द्व. १५०, १५४, १५५, १५६,
 १५७, १५६, १६०, १६१,
 १७४, १८६, १८८, १८९
 लांगरपुर प १२८
 लांगेलो द्व ४, ८
 लांबियो ती. १२१, २३५
 लाकडवाळो द्व १११
 लाखडी द्व. २०६, २१०, २११, २१२,
 २१६
 लाखा-रो-घट द्व ३२
 लाखासर द्व १११, १३८
 लाखाहोळी प ३२, ४३
 लाखूटा (लाखोटा) ती पोळ ती ५५
 लाखेरी ती. २६७
 लाखेरी-गोडांवाळी प ११३
 लाखे-रो-नाथ प ११०
 लाछडी प २२८
 लाज प. १७६
 लाठी प. ३३५
 लाठी द्व ७६
 लाठीहर द्व २६१
 लाडणू ती १५४, १५७
 लाडेलो प १७५
 लाघडियो ती १३, १४

लायां द्व ३२७
 लालसोट प ३१४
 लालाणो द्व १८५, १८८
 लालावर द्व १११
 लास प. १७७, २८४
 लास-मुणाघद प २८४
 लाहोर प २६३
 „ द्व. ५५, १४६
 „ ती २१४
 लिखमडी प ३८
 लिखमीवास प १७७
 लिखमेली द्व ६२
 लीकडो द्व. १२
 लीकणो द्व १४२
 लूद्रवो प. २५३
 लूद्रवो द्व ६, ८, १६, २६,
 २७, २८, ३३, ३४,
 ३५, ३६, ७६
 „ ती १७४, २२२
 लूणावाडो प ८६
 लूणोई द्व ३६, ६६
 लोईयांणो दे० लोहियांणो ।
 लोटांणो प. १७४
 लोटीवाडो प. १७७
 लोटोती प ६२
 लोठीघरी प ६२
 लोदरी प. १७३
 लोलटो प ३५१
 लोलापुडी द्व. ८
 लोलियाणो प ३३५
 „ द्व ६५
 लोवो ती. २३२
 लोहगढ प १८७
 लोहटवाली प १०१
 लोहडी द्व १४१
 लोहवागढ ती १७४

લોહસીંગ પ. ૪૦, ૪૧
લોહાષ્ટ વૂ. ૧૬૨, ૧૬૬, ૧૮૧
લોહિયાંનો પ. ૧૪૬, ૧૬૦

વ

વકો પ. ૬૦
વગો વે૦ ઘાંગો ।
વસહીગઢ તી ૧૭૪
વગડી તી ૮૧, ૮૩, ૧૦૫
વઘરેડો પ ૬૬
વઘ્છળોટ વૂ. ૧૩
વજુ વૂ ૭૬, ૭૭, ૧૩૬
વઢગાંવ પ. ૬૬, ૧૩૬, ૧૪૬, ૧૭૭,
૧૭૮

વઢગિર વૂ. ૬૩
વઢલો વૂ. ૧૭૨, ૧૬૪
વઢવજ પ. ૧૫૬, ૧૭૫
વઢવાલો પ. ૪૩
વઢાંણો વૂ ૮૫
વઢી પ. ૩૨
વઢેરણ વૂ ૧૧૧, ૩૦૪
વઢેર-રા-ગાવ પ. ૧૧૫
વઢોવ પ. ૮૧, ૨૫૨
વઢોવતી ૮૧
વઢોવો પ. ૧૭૬
વઢવાળ વૂ ૨૫૬, ૨૬૧
વળલેહો પ ૧૧૧
વળહટો પ. ૩૧૪
,, તી ૬૮
વળહટો પ. ૪૭
વળાહ વૂ ૩૩
વળાહો વૂ ૬૭
વળોર પ ૫૩
વઢનોર પ ૧૭, ૧૮, ૨૬, ૩૭,
૪૭, ૪૮, ૫૩, ૧૧૦,
૧૧૬, ૧૮૬, ૨૮૦, ૨૮૧,
૨૮૨, ૨૮૩, ૩૪૦

વઢનોર વે૦ વઢનોર ।

વરકાંનો પ ૧૩૭
વરજાંગરી વૂ. ૧૩૬
વરજાંગસર વૂ. ૧૬૬
વરળો પ ૪૧
વરવાહો પ. ૪૧
વરવાહો પ. ૪૧, ૪૭
,, તી. ૬૮
વરસહો પ. ૩૨
વરમલપુર વૂ ૧૦, ૧૧૦, ૧૧૧, ૧૧૭,
૧૧૬, ૧૨૦, ૧૨૧, ૧૨૬,
૧૩૫
વરાહોલ પ. ૧૭૬
વરિયાહેહો પ. ૩૩૪
વરિહાહો વૂ. ૨૫
વસાહ પ. ૨૬, ૪૬, ૫૩, ૬૪
વસી પ. ૫૧, ૬૬, ૧૫૧
વહવહો વૂ. ૧૩૬
વાંકાનેર વૂ ૨૫૬, ૨૬૧
વાંંગો વૂ. ૨૨૬, ૨૩૧, ૨૩૨, ૨૩૩
વાંસહો પ. ૨૮૫
વાંસરોટ પ. ૨૮૫
વાંસલો પ. ૧
વાસવાહો વે૦ વાંસવાહો ।
વાસવાહો પ ૧૪, ૨૬, ૩૭, ૩૮,
૩૯, ૪૩, ૪૬, ૫૩,
૬૬, ૭૦, ૭૩, ૭૪,
૭૫, ૭૬, ૭૭, ૮૬,
૮૭, ૮૮, ૮૪
વાસવાહો તી. ૨૬૬
વાંસિયો-પોપલિયો પ. ૬૪
વાંસોર વૂ. ૩૨૬
વાંસોલો પ ૬૧, ૬૨
વાગહ પ. ૫, ૭૦, ૮૬, ૮૭,
૮૮, ૧૧૬
,, વૂ. ૩૮, ૧૬૧, ૧૬૨, ૧૬૪
વાગહિયો પ. ૧૭૮

वागोर दे० वाघोर ।

वाघरडो प ६२

वाघसणो प १७७

वाघार प. १६२

वाघावास हू १८८, १९८

वाघोर प ४०, १७६, ३०२

„ हू १, १६, २३२

वाघोरियो प ३३८

वाचडा प १७७, १७९

वाचढा-बीजो प १७७

वाचडोल प. १७५

वाचण हू २५९

वाचाहडा प १७८

वाचेल प. १७५

वाजणो प. ६०, १०७

वाभनाइयो हू ८

वाटेरो प. १७४

वाडो हू १५०

वाणारसी प ११२, १२८

वाप प २१२

„ हू १२, ११४, १२७, १३१,
२००

„ ती. २२३

वाय ती. २२३

वारणाऊ हू. १६०, १७५

वाराहो हू ३२

वारु दे० वारु ।

वालजीसर हू. ९९

वालरवो हू १६४, १६५, १६७, १६८

वालिया प. ९१

वालेसर हू १२९

वाव प. १४९, १७२, ३६५

वावडी हू. १२, १४०

वासडेसो-भाटा-रो प १८०

वासडो प १६२

वासण प. १७७

वासणडो प १७९

वासणपी हू ४, ९, १०, ७२

वासणी प २३९

„ हू १७५

वासणी लवेरा-रो हू १५४, १६०, १६१

वासथान प १७८

वास-वाहिरलो प २४७

वास-माहिलो प २४७

वासरोड प. ४०

वासुदेव प १७८

वासो प. १७४

वाहिण हू. १४१

विकूकोहर दे० वीकूकोहर ।

विकूपुर दे० वीकूपुर ।

विजाई हू. १४६

विजियावासणी हू १५०

विमळोखो हू १५९

विलायत हू. २३६

„ ती. १९२

विल्हणवाटी प. १२२

विसळपुर प ४५, ४७

विसाहण हू १७९

वीजोराई दे० वींभोराही

वींभोतो हू ४, ११

वींभोराई दे० वींभोराही ।

वींभोराही हू ६, ८४, ९७

वींटली ती ९५

वींठाडो हू १०

वीकर्मपुर प २५३

वीकानेर प २५, ५१, ९०, १४९,
२१२, ३०२, ३४९ ३५४

„ हू. १, २, ७, ११,
१६, ३३, ३९, ७५,
८५, ९२, ९४, ९६,
९७, ११०, १११, ११३,
११४, १२३, १२४, १३०,
१३१, १३२, १३३, १३७,
१३८, १४०, १४५, १६४,
१७७

घोकानेर ती. १५, १६, १७, १८,
१९, २०, ५१, ५२,
६०, १५१, १७६, १७७,
१८०, १८१, २०५, २०६,
२०७

घोकूकोहर प ३५१

घोकूकोहर दू १२२, १२८, १५७, १५९,
१७४

घोकूपुर प ३४६

,, दू १, २, १०, १२,
२५, ३६, ७६, ७७,
१०४, १०७, ११०, १११,
११२, ११३, ११४, ११५,
११६, ११७, ११८, १२१,
१२६, १२७, १२८, १२९,
१३०, १३१, १३२, १३३,
१३४, १३५, १३७, १४०,
१४१

,, ती. ३४, ३६, २६०

घोखरण दू. ३२

घोखवाडो प. १७८

घोछूदो प ४७

घोजळी प २३७

घोभणो प. ६१, ६२

घोभणोट दू. १३

घोभळवाळी दू १११

घोभवाडियो दू. ११६, १५१, १६०, १८७

घोभेवो प १३७

घोभोळाई दू ८

घोठणोक दू ११३, १२५, १३०

घोट्ट दू १८६

घोदासर ती. २३०

घोनाघास दू १८६

घोनीतो प. ६४

घोमणवो दू १२३

घोरपुरी प १५८

घोरमगाम (घोरमगांव) दू २१३, २५८,
२५९, २६०,
२६१

घोरमो दू. ३२

घोरवाडो प १७३

घोरांणी दू ६०, १७४

घोराळियो-भाटां-रो प. १७४

घोरोळी-बांभणां-रो प. १७६

घोरोळी-भाटां-री प १७६

घोसळ प २३५

वेकरियो प ४१

वेघम प. २६, ३७, ४४, ४६,
६२, ६३, ६४, ६५,
६६, २८०

वेघू प ५३

वेठवास दू. १६१

वेडघ प ३३, ३५

वेणातो ती २३१

वेरसलपुर दू ११७, ११९, १२१, १२६,
१२९, १३०, १३५

,, ती ३७

वेरागर दू ३८

वेराट प. ३३२

वोपारी दू १४७

व्यावर राणारी प ३८

व्रमसर दू. ३६

व्रमाण प. १७५

व्रहमांण प १४६

व्रहानपुर प ३१६, ३२१ दे० बुरहानपुर।

व्राहनपुर प ७७ दे० बुरहानपुर।

श

शत्रुजय दे० सेत्रुजो।

शाहपुरा प ३२४

शिखरगढ दे० सिखरगढ।

शिवपट्टन प. २१३

शेखावाटी दे० सेखावाटी।

शेखासर दे० शेखासर ।

श्री महादेवजी सारणेसरजी रा गांवां

रो पयग प. १७३, १७८

श्रीमोर-परगनो ती. १५५

स

सतपुरो प १७४

सभर प २५०

सकतीपुर प २३१

सकर प १७६

सकराणो प २१३, २१६, २१७, २१९

सजडाऊ हू ४

सम्भाणो (सम्भाडो) प २४०

सतापुर प १७७

सतारो ती १८१

सतावता-रो-वास हू १७९

सतिआहो हू. १४२

सतिहाहो हू १२

सतोही हू ७९

सयांणो प २८२, २८३

सपतदीप प १७, १९०

सपत पताळ प १९२

सपहर हू ४

समदडो प. २८, २३३

समदडो हू ३२

समावळी प २३३, २४१

„ हू १६४

समियाणो दे० सिघाणो ।

समीचो प ४१

समूभो प १६४

समेळ प. ३८, २०७

समोगढ ती. १९२

समोगर दे० समोगढ ।

सरऊपर हू ११६

सरकसर हू ६७

सरणुओ प १८१, १८८, १८९

सरनावडो हू. १६२

सरेचो प. २७

सरोतरो प १४६

सलखावासी हू ३८०, २८१

सलास प. १६८

सलूवर प. ३६, ३८, ३९, ४३,

४८, ६६

सचराड हू. १६९

सवाळख दे० स्वाळख ।

साकरगढ प २७९

सांखली हू ३१

सांखू ती. २२४

सांगण हू. ६ ३९

सांगवाडो प १७४

सागानेर प. ३११, ३३१

सांगोद प ११४

सांचोर दे० साचोर ।

सांजीत हू ३९

साडवो ती २३२

साड्डो प. १७५

सांणपुर प १७६

सांतरवाडो प. १७६

सातळपुर हू सातळपुर ।

साघाणो प २४८

सांवो प ३४६

सांभर प. ५, १००, ११९, २५०,

३०६

„ हू ५६, २६६

सामई हू २१५, २३६, २३७, २३८

सांमरलो हू १८३

सामळवाडो प १७८

सामूजो प २४०

सांवडाऊ हू १७९

सावत-कूधो हू १६९, १७१, १८१, १८६

सावतसी-रो-गांव हू ४

सावरलो हू १८२

सांवळतो हू. १९३

साकवडो प १७९

साचोर प १७८, २२७, २२८, २२९,
२३०, २३२, २३४, २३६,
२४२, २४४, २४८

साठ मडाहड प १७३

साठ-रो-पथग प १७५

सातळपुर हू २१४, २५३

सातळमेर ती ११४, २२०

सातघाडो प. १७८

सातसेण प. १७६

सायाणो हू १६०

सावडी प. ५, ५३, ५६, ४१,

४३, ४६, ५३, ६१,

६२, ६३

सावडी-भालांवाळी प. ५

सादियाहेडो प १०२

सापली हू ४, १३

सापो प २४१

साबो प ३४६, ३५२

सायरो प ४२

सारगपुर प २५२

सारगरो प. ४३

सारण प ३८

सारणेसर प. १७३, १७८

सारसी हू २४२

साळ प १७७

सालेर-मालेर प ३३२

साळोडी प ५३, ५४

सावड प ८, ४७

सावडो हू २, ३१, ८१

सावर प १२२

सावरीज हू १२५, १६५

साहडां प. ६६

साहपुरो प. ३२४

„ ती. २१७

साहरियाणो प २३७

साहळवो हू ३२

साहिजिहानाबाव प. ५३

साहिजिहानाबाव-कणवीर परगनो प. ५३

साहिजिहानाबाव-कपासणे परगनो प. ५३

साहिलगढ ती. १७३

साहेलो हू. १४८

साहोर ती. २३०

सिंघलदीप प. ८

सिंघाघासणी हू. १८८

सिंघ प. ८, ६०, १८५, २६२

„ हू १७, २१, २२, २५,

२६, ३१, ७६, ८१,

८६, ८७, १०६, ११६,

११७, ११८, २१५, २३१,

२३५, २३७, २३८, २६६

„ ती. १७४

सिंघडी हू २३१

सिंधु हू. २४२

सिंधुदीप ती. १७८

सिंहस्थली दे० सीहथल ।

सिखरगढ प. ३१८, ३१९

सिणगारी प. २०६

सिणली हू. १५०

सिणलो प. २५

सिणवाडो प १७४

सिणवार ती. १७३

सिणहडियो प १२३, १२४

सिद्धपुर प. २५६, २७६, २७७

„ हू. २७२

सिधपुर दे० सिद्धपुर ।

सिधमुख ती. १४, १५, २३३

सिरगसर ती. २२४

सिरड प. ३५०

सिरडियो हू. १०७

सिरवाज प. १२७

सिरवाड प. ३८

सिरवो हू. ३८

सिरहडू दू ११४, १२८, १३०, १३४
 सिरहडू बडी दू. १३६
 सिराणो प. २३६, २३९
 सिरिवाज प. १३१
 सिरुहणी प. १७८
 सिरुही दे० सीरुही ।
 निव दू. १३, ९९
 सिवपुरी प १८९, १९०
 सिवरटो प १७६
 सिवाणची प. १९३
 सिवाणी ती १४
 सिर्वाणो प २८, १६४, १८७, १९३
 २०३, २०४, २३३, २३६,
 २३८, २३९
 ,, दू १२१, १५४, १६१, १७३,
 १८२, १८३, १८४, १८५,
 १८८, २८४
 ,, ती २८, १८४, २१४, २२०,
 २७२
 सिवानची पट्टी प १९३
 सिवाना दे० सिवाणो ।
 सिर्वियाणो दे० सिवाणो ।
 सींगडियो प. ३९, ४३
 सींघाड प ४२
 सींघळावाटी ती ४१, ४८, १२५
 सीकरी प. १९, ३००
 ,, दू २६२, २६४
 ,, ती. २६७
 सीकरी-पोळियो खाल दू. २६२
 सीकरी-फतहपुर ती. २६७
 सीघणोतो प १७४
 सीभोतरो प १७९
 सीतडहाई प ३३४
 सीतडहाई दू. ६
 सीतहळ दू ४
 सीतहळई दू. ८

सीताहर दू २६१
 सीघपुर प २५९ (दे० सिद्धपुर, सिघपुर)
 सीयळा रो (जाभोरो ?) दू. ६
 सीरोड प. ४२, ४३
 सीरोडी प १७४, १७६
 सीरोडी-द्रगडा-रो प १७७
 सीरोही प २२, २३, ३७, ३९,
 ४१, ४२, ४६, ८६,
 ८८, ९०, १३४, १३५,
 १३६, १३८, १३९, १४०,
 १४१, १४२, १४५, १४६,
 १४७, १४८, १४९, १५०,
 १५१, १५३, १५४, १५६,
 १५७, १५८, १६०, १६२,
 १६८, १६९, १७२, १७३
 १७८, १८०, १८१, १८४,
 १९१, १९२, १९५, २४५,
 २४६, २७२, २८४
 ,, दू १७५, १८६
 ,, ती. २९, ५९, ६४, ६८,
 ६९, ७५, ९९, २१५
 सीलवनी प १२७
 सीळवो दू ९७
 सीळतो दू १५१
 सीवेर प १७३
 सीसारमो प. ३२
 सीसोवो प १, ८
 ,, ती २३९
 सीहडंगो दू ३३
 सीहणवाडो प १७३
 सीहणळ प. २८५
 ,, दू. १९, २५
 सीहरांगो प. २३७, २४८
 सीहवाग ती १७
 सीहवाडो प २२९
 सीहांगो दू. १२३

सीहार दू. १६८
 सीहारो दू. १७३
 सीहो प. १७८
 सीहोर प. २७६, ३३५
 सुआली प. ६१
 सुईगांव प. १७२, ३६५
 सुगाळियो प. २३६, २३८
 सुणेर प. २६, ४६
 सुरडियो दू. ३२
 सुरताणपुरो प. १७४
 सुरवाणियो प. ३५४
 सुहागपुरो प. ६३, ६४
 सूडळ दू. २६२
 सुंम दू. ४५
 सुजेवो-वांभणीको दू. ७६
 सूरजवासणी दू. १५०, १७४
 सूरपुर ती. २१६
 सूरपुरो दू. १८३
 सूरसेन प. २५३
 सूरानी दू. १८०, १८८
 सूरचव प. २२८, २३१, ३६४, ३६५
 सूरसर दू. १११
 सूघो प. ५३
 सूहडलो प. १७६
 सूहतो प. २८३
 सेखपाट दू. २२४
 सेखावाली ती. २७४
 सेखासर दू. ३, १२, १०६, १०७,
 १४२, १४३,
 सेणो प. २४५, २४६, २४७
 सेत दे० सेतुवध ।
 सेतरावो ती. ७
 सेतुवध प. ६
 „ दू. ३८
 सेतोराई दू. ११
 सेत्रूजो प. २७६, ३३५

सेपटावास दू. १६८
 सेरडो ती. २३
 सेराणो दू. १४८
 सेरवो प. १७५
 सेलाघट दू. ५
 सेलो ती. २३२
 सेवत्री प. २८५
 सेवका ती. ६१
 सेवडो दू. १२७, १३४, १३५
 सेवना प. ६४
 सेवाडी प. ३८, ४१
 सेवा सांखला रो गांव दू. २६१
 सेसु-त्रिवाडिया-री प. १८०
 सेहुरो प. १७७
 सैभर प. ५ दे० सांभर ।
 संणी प. २०४
 संबरा प. ३७
 संसभारिजो प. ४७
 सोआऊ दू. १०४
 सोजत दे० सोभत ।
 सोजेरो दू. ३६
 सोजेवो दू. ४३
 सोभत प. २३, २५, ३७, ५१,
 ११४, २३३, २४१, ३६१
 „ दू. ८४, ८६, १४७, १४८,
 १६१, १६३, १६४, १६५,
 १६६, १७७, १७८, १८१,
 १८३, १८७, १८८, ३१३,
 ३३१, ३३६
 „ ती. ८१, ८२, ८३, ८४,
 ८५, ८६, ८७, ८८,
 १२३, २१५
 सोभेवो दू. ४
 सोनगिर (जालोर) प. १८७, २३१
 सोनाणी प. १७६
 सोनागर दे० सोनगिर ।

सोनेही प २०६
 सोमईयो प ३३५
 सोमनाथ प ३३५
 सोमनाथ-पट्टन प. २१३
 सोयलो द्व. १७१
 सोरठ प. ८, २२, १४६, २१३,
 २१५, २७१, ३३५
 „ द्व. १६, २५, २६, ६४,
 १६८, २०३, २०५, २२०,
 २४२, २६६
 „ ती २२०
 सोळकियां-रो-उत्तन (पयग) प १७३
 सोळकियां वाळो द्व. १३६
 सोळसन्ना प. १७५
 सोलावास प १७६
 सोळियाई द्व ६
 सोलोई प १७८
 सोबाणियो द्व १२४
 सोहडापुर प. १७६
 सोहलवाडो प. १७५
 सोराट्ट दे० सोरठ ।
 सोरों प. २१४
 स्याणो प १४६
 स्यालकोट प ३००
 स्वर्णगिरि (जालोर) दे० सोनगिर
 स्वाळल प. १८५, ३२४

ह

हंस वाहलो प २६
 हसार दे हांसार ।
 हट्ट हटांरो द्व. ३३
 हड्डफो द्व. १२३
 हड्डवो द्व. ६६
 हडेल द्व ४
 हणवंतियो प. १७५
 हराद्रो प. १७५
 हयणापुर द्व. २४२

हयणापुर ती १७४
 हयूडियो द्व. १६१
 हवा-रो-वास द्व. ३६
 हमोरपुर प ५३, १७५
 हरढाणो प २३
 हरदेसर ती. २३२
 हरभमजाळ प ३५०
 हरनूसर प. ३४७
 हरमाडो प ६०
 हरवाडो ती १०१
 हरवार प ६६
 हरसोर प. १२२
 हरीगढ प ११६
 हळदी-रो-घाटी प २०८
 हळवद द्व २१४, २४५, २४६, २४८,
 २५०, २५३, २५४, २५५,
 २५६, २५८, २५९, २६०,
 २६१, २६२
 „ ती. २२०
 हळोद दे. हळवद ।
 हळोद्र दे हळवद ।
 हळदी-घाटी दे हळदी-रो-घाटी ।
 हवेली-मोकीली परगनो प ५२
 हवेली-रानांव प ४५
 हस्तिनापुर दे. हयणापुर
 हासार ती २१, २२, २७३, २७४
 हानी प २७३
 हाडोती प. ४७, ११६, २०२
 „ द्व. २६२
 „ ती. २६८, २६९
 हायळ प १७६
 हापासर द्व ११, ११०, १११, १२०,
 १२१, १२४, १२५
 हाबुर द्व ४
 हारांजी-खेडो ती १५
 हानार द्व २२१

हाळीवाडो प १७६

हिंदुस्थान प. १६२, २१७, २१६, २८६

„ हू. १५, ३३१

„ ती. १६, १७२, १६२

हिसार दे. हासार ।

हिरणामो प १०६

हिरमजगढ ती १७४

हिसार दे. हासार ।

होगोळा-री-वासणी हू. १८८

होडोळो प. १०६, ११७

हीरादेसर प. २३५, २३६, २४०

„ हू १६६

हुरड-वाहण हू २०

हुरमळ हू. २३६

हगोरी प. २८३

हूण प. २३३

हेकल हू. ४

हेठामाटी प. १७७

२. भौगोलिक नामावली

[२] पर्वत जलाशयादि नामावली

[नामो को ढूँढ निकालने की सुविधा के लिये राजस्थानी भाषा के कुछ शब्दों के अर्थ]

अरहट	— रहट ।
घाडावळो	— अरवली पर्वत ।
उनाव	— १ जलाशय । २. नीची भूमि ।
कुवो	— कुँआँ ।
कूओ	— कुँआँ ।
कोहर	— कुँआँ ।
खाभ	— १. तलहटी । २ पहाडी ढलाव । ३. पहाड़ का भीतर घुसा हुआ भाग ।
गिर	— गिरि । पर्वत ।
घाटावळ	— १ बड़ी घाटी । २ विकट पहाड़ का बड़ा मार्ग । ३ एक ही जगह के लिये एक से अधिक पहाडी मार्ग ।
घाटी	— पहाडी मार्ग ।
घाटो	— बड़ी घाटी ।
जाळ	— पीलू वृक्ष ।
भालरी	— चारों ओर सीढ़ियो वाला कुँआँ अथवा बड़ा कुड ।
टूक	— शिखर ।
टोभो	— १. छोटा तालाव । २. बड़ा कुँआँ ।
डूगर	— पर्वत
डूगरी	— पहाडी

तळाई	— छोटा तालाव
तळाव	— तालाव
तळो	— कुँआँ ।
द्रह	— १. पानी से भरा रहने वाला गहरा और बड़ा खड्डा । २. बिना बंधा हुआ कुँआँ ।
नळो	— पर्वत ।
नाळ	— घाटी । पहाडी मार्ग ।
नाळो	— नाला ।
पार	— १. कुँआँ । २. छोटा तालाव । ३ गाँव ।
भाखर	— पर्वत ।
भाखरी	— पहाडी ।
मगरी	— पहाडी ।
मगरो	— पर्वत ।
वळो	— पर्वत ।
वाय	— घापी । वावली ।
वावडी	— घापी । वावली ।
वाहळो	— नाला ।
वेरो	— कुँआँ ।
समव	— १. तालाव । २ भील ।
समुद्र	— १. तालाव । २ भील ।
सर	— १. तालाव । २ कुँआँ ।
सागर	— १. तालाव । २. भील ।

पर्वत-जलाशयादि नामानुक्रमणिका

अ

अवली रो टूक प. ९६
अला वेरो (कूप) ती १३४
अचलाणी तळाई दू. १३५, १४२
अटक दू १६८
अनतसी-रो-डूगरी प १४
अनळकुड-आवू प १३४, ३३६
अमजमाळ-रो-भाखर प. ४०
अरवण-रा-मगरो प. ४४
अरावली पर्वत प. ११३
अवाह (कूप) दू. १४२

आ

आवाघ-रा-भाखर प. २७७
आकळी (कूप) दू १४२
आडोवळी प. ३४०
आडोवळी ती १४०
आवू पर्वत प १३४, १३५, १४१, १४४,
१५१, १७३, १७७, १८०,
१८१, १८२, १८३, १८४,
३३६
आघड-सावड रा-मगरो प. ३६
आसल समुद्र (तालाव) प २०२
आहोरगढ-रा-मगरो प ४२

इ

इरायती नदी ती ७०

ई

ईसयाळ-रो-मगरो प ४१

उ

उर्वसागर (तळाव) प २१, ३४, ३५,
४३, ४५, ४८
उर्वसागर-रो-नाळो प ४५

उनाव दू. ५

क

कणियागिर (पर्वत) प. १८७
कनकगिरि (,) प १८७
कपूरदेसर तळाव दू. ३५, ३६
कनड-रा-पहाड ती. २७९
कानडिया-री-तळाई दू १३५
कांमां पहाडी प. ३१८
काक नदी दू. ४
काका वेरो दू. ३२
कालीभर मगरो प. ३६४
काळो डूगर दू ४, १३, २७
" " ती. १५३, १५४
किडाणो कोहर दू ११३, १३६
कुभळमेर-रो-घाटो ती. ४७
कुभळमेर-रो मगरो प. ३५, ४१
कुहाडियो नळो प. ४२
कूपासर (कोहर) दू. १३६
केरडू मगरो ती ११०
कवडा-री-नाळ प. ३५
कैर डूगर दू १३१, १४४
कैर-डूगर-वाहळो दू १४४
कैलास पर्वत प. ८
कोढणी-री-डूगरी ती. १५४
कोढण रो तळाव ती. २६१
कोनरो-भास नाळो प. ४१
कोर डूगर दू. ३
कोलर रो तळाव दू ३३०
कोळियासर (कोहर) दू. १३६
कोहर वलू रो प. २२७

ख

खमण-रो-मगरो प. ४१

पमपोर-रो-घाटो प ३५
 पाट री भागरी प. २५१
 पारी नदी प. ४७
 पीचिया घाटो कोहर दू १४२
 पीरयो तलाव दू १४३
 पुडिये-रो-डनाय ती १६
 पेमपाळ री टोभी दू. १३५
 पिरु री तलाई दू १४०

ग

गगा नदी प १२०, ३३२
 गगाजी दू २००
 गगादास री गाटो-रा-मगरा प. ४३, ८६
 गगारदो तलाव ती, ११८
 गट आहोर-रो-मगरा प ४०
 गणेशजी री पगडी

दे० विनायर री डूगरी

गांगडी नदी प ८७
 गांगा-री-घाघडी ती २१५
 गांगटाय तलाव ती २१५
 गिरनार पर्वत प २२

" " दू. १, २०२, २०४,
 २०५, २०६, २४०

गिरगाजसर कोहर दू १३६
 गिरया रा-भागरी प. ३६, ४१, ६१, ६२
 गिरमोन दे० सोनगिरि ।
 गीर्वाणी तलाव प. २५३
 गोघटो कोहर दू १४२
 गुडघाण-रो-भागरी प ११३, ११५
 गुलाव सागर ती २१३
 गुंजयो कोहर ती ७७
 गृहलोती घाटो कोहर दू १३५
 गोगनीमर कोहर दू १३५
 गोदावरी नदी प. १२२
 गोघणली तलाई दू. १३५
 गोपाळी तलाई दू १३४
 गोमती नदी दू. २६८

गोयाणी भाखर ती २५६
 गोरहर (जैसलमेर दुर्ग) दू. १२६
 गोलीराव तलाव प. २६३

घ

घटमीमर तलाव दू ७३
 " " ती ३६
 घांणरा-रो-घाटो प. ३६
 घांसार-रो-मगरा प ४१, ४७
 घामेर-रो-मगरा दे० घामार-रो-मगरा ।
 घाटो ती ४७
 घूषरोट रा पहाड दू २६०, २६१, २६४
 " " ती १०१, १०२, १२८

च

चंद्रभागा नदी ती ७०
 चद्राव-भाटो री तलाई दू १३४
 चयल नदी दे० चाविल नदी ।
 चरला-री-डूगरी ती १५४
 चहुषाण तेजसी-री-वाय प २२७
 चावळ नदी प ४५, ४७, ११४, ११६
 " " दू १७३
 चाटो कोहर दू १४२
 चारण घाटो कोहर दू १३५
 चावंट-रा-मगरा प ३५
 चावडा-रा-मगरा प ५७
 चित्रकूट (पर्वत) प ८
 चित्रकोट (") प ८
 चिनाव नदी ती. ७०
 चिमर-री-डूगरी ती १५४
 चीरवा-रो-घाटो प ४४
 चेलळो भाखर प. १५६

छ

छपन-चावड-रा-मगरा प ४३
 छपन-रो-मगरा प ५८
 छहोटण-रा-भाखर दू ५
 छाळी-पूतळी-रा-मगरा प ४३, ४७

જ

જગમાલ-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૪૨
 જમુના નદી પ. ૧૩૨, ૩૩૨
 જરગા રો-ભાલર પ. ૪૨, ૪૭, ૧૧૬
 જવળા રી તઢાઈ દૂ. ૧૦૬
 જવળી-રી તઢાઈ દૂ. ૧૪૨
 જવાલ-રા-મગરા પ. ૪૩
 જસૂવેરો દૂ. ૧૩૬
 જાંજાઢી નદી પ. ૬૪
 જાલમ નદી પ. ૬૪
 જાલ્લધી તી ૨૦૬
 જાલર-રી-લાળ, રૂપા રી પ. ૩૫
 જાલર રી નાઢ પ. ૩૫, ૪૩
 જીલવાઢા-રી-ઘાટી પ. ૩૬
 જૂજઢ રો-વેરો દૂ. ૨૬૧
 જૂહી નદી પ. ૪૧
 જેઠાળી તઢાઈ દૂ. ૧૪૩
 જેઠાળી નદી દૂ. ૨૬૦
 જેસઢૂવેરો દૂ. ૩૫
 જેતા-રી તઢાઈ દૂ. ૧૩૪
 જોગી-રી તઢાલ પ. ૩૪૭
 „ „ દૂ. ૧૧૩

ઋ

ઋઢીલ-રા-મગરા પ. ૪૨
 ઋાસ નાઢી-ફોનરો પ. ૪૧
 ઋાઢીઢી-રા-મગરા પ. ૪૬
 ઋેનમ નદી તી ૭૦
 ઋોટેઢાલ તઢાલ તી. ૨૫૨, ૨૫૩

ટ

ટગરાલટી-રા મગરા પ. ૪૨, ૪૬
 ટાલરિયાલઢી ફોહર દૂ. ૧૩૫

ડ

ડૂગરસર તઢાલ દૂ. ૧૦૮

ઢ

ઢલ નદી પ. ૩૧
 ઢાકસરી-રી ફોહર પ. ૩૪૭

ત

તળૂસર તઢાલ દૂ. ૨૭
 તિલાળી તઢાઈ દૂ. ૧૩૪
 તેજસી-રી ઘાલ પ. ૨૨૭
 તેઢાઢ ફોહર (બીજો) દૂ. ૧૪૨
 ત્રિકુટ દૂ. ૨૪૨

દુ

દઢપત ઢાટી ઘાઢી ઘાલઢી દૂ. ૧૩૬
 દલોલ-કલોલ-રા-મગરા પ. ૪૩, ૪૭
 દહવારી-રી ઘાટી પ. ૩૫
 દેરાળી તઢાઈ દૂ. ૧૪૩
 દેરાળી નદી દૂ. ૨૬૦
 દેવરાલસર તઢાલ દૂ. ૨૭
 દેવરાસર તઢાલ દૂ. ૩૨
 દેવહર-રા-મગરા પ. ૪૩
 દેલાહત-રી-તઢાલ દૂ. ૧૬, ૧૧૩
 દેલજી-રી-ઢૂગરી તી. ૧૫૪
 દેલીલાસ-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૪૨

ધ

ધલઢાગિર પ. ૧૮
 ધાર-રી-પહાઢ પ. ૪૩
 ધારા-રી-તઢાઈ દૂ. ૧૦૬, ૧૪૩

ન

નગરાજસર (ફોહર) દૂ. ૧૩૬
 નરસિલ ઘાઢી ફોહર દૂ. ૧૪૨.
 નરાસર તઢાલ તી. ૧૧૩
 નાંલઢી ફોહર દૂ. ૧૪૨
 નાગનલ નદી દૂ. ૨૨૦
 નાલળો ફોહર દૂ. ૧૪૨
 નાયાં-રી ફોહર દૂ. ૧૩૬
 નારળસર ફોહર દૂ. ૧૩૫
 નાઢ ઢાલર પ. ૩૫
 નાહેસર-રા-માગરા પ. ૪૨, ૪૬
 નીંલિયો તઢાલ દૂ. ૧૪૩
 નીંલિ તઢાઈ દૂ. ૧૩૫, ૧૩૭

प

पंच नद ती- ६७, ७०
 पई-मघारा रा-मगरा प. ४३
 पई-रा-डूंगर प. १६
 ,, डू. ३३८
 ,, ती १
 पगघोई नदी प. ४५
 पठार प ४४
 पदमसर तालाव ती २१५
 पद्रोळाई तळाई प ३४८
 पनोता रो बाहळो डू ३३०
 पनोर रा-मगरा प ४३, ४६
 पहियड (पवंत) ती. १३६, १३७
 पही रो डूंगर दे० पई-रा-डूंगर ।
 पार डू १३६, १३७
 पार नदी प ११७
 पींडर झांप-रो-मगरो प ४१
 पीछोली तळाव प ३२, ३३, ३४, ४३
 ,, ,, ती १२
 पीघासर (कोहर) डू. १३६
 पीपळहडी-रा-मगरा प. ४३
 पुडण नदी प. ११७
 पूनादे-री तळाई डू. १३५
 पीकरण रो बाहळो डू. ५३
 प्रोहितवाळो कोहर डू १३५
 प
 बहृतसागर ती २१३
 बनास नदी प. ४०, ४१, ४७
 बरडो डूंगर डू २२०, २२६
 बलू-रो-कोहर प २२७
 बह तळाई डू १३४
 बहधनसर तळाव प ३३३
 बांभणांवाळो सर डू १३७
 बांभणी नदी प. ४५
 बारवरडा-रा-मगरा प. ४३
 बालसीसर (तालाव) ती. २५७, २५९

बिष सरोवर प. २७७
 बीघासर तळाव प १२४
 बीलेसर डूंगर डू. २२६
 बैराई रा-द्रह ती. ९०
 ब्राह्मणी दे० बांभणी नदी ।

भ

भडळो कोहर डू. १४२
 भघरी तळाई डू १३४
 भरोसर (कोहर) डू. १३७
 भाखर नाळ प. ३५
 भागीरथी ती २०६
 भाडेर-रा-मगरा प. ४२, ४३, ४६
 भावर नदी प २७१
 भारमलसर कोहर डू १३५
 भीदासर कोहर डू. १३५
 भैरवी घाटो प. ९६
 भैसे तिरा-री-डूंगरी ती. १५४
 भोलासर तळाव डू १०६
 भोरड रो-पहाड प ४०

भ

भडळप तळाव डू ४१ ४२
 भवाकिनी ती. २०६
 भद्यावळो मगरो प. ४०, ४१, ४२
 महिरानांणो तळाव प. ३४७
 महिला घाग रो झालरो ती २१३
 मही नदी प. ६७, ८६, ८७, ८८, १२०
 मांगणी-रो तळो वू २६१
 माढाळ तळाई वू १३५
 माडावो घरहट ती ८४
 माणच-रा-मगरा प. ४३
 माणल देवाइत-रो तळाव डू. १६
 मानपुरे-रो-घाटो प ३६, ३८
 मांमा कुंड प ५१
 माछळा-रो-मगरो प ३२, ३३
 मोठडियो वेरो डू १४२

मुहार रं खछीण-रो-उताव वू. ५
 मेर (पर्वत) प. १६२, २२६
 " " वू. ५३
 मेरगिर वू. १४, ५२
 मेर-सिखर वू. ५२
 मेरा-री-तळाई वू. १४३
 मेर वे० मेर । मेरगिर ।
 मेळू-री-तळाई वू. १४२
 मेवल-रा-मगरा प. ४३

र

राणा-री-तळाई वू. ११२, १४२
 राणाहळ तळाव वू. १३४
 राणीवाळो तळाव वू. १३४
 राणोळाव तळाव प. १२४
 राजवाई-री-तळाई वू. ७२, ७५, ८५
 राठासण-रो-मगरा प. ४४
 रायमल वाळो तळाव वू. ६६
 राव बलू-रो-कोहर प. २२६
 राव-रो-तळाव वू. १२६, १४२
 रावी नदी ती ७०
 राहग-रो-मगरा प. ४१, ४२
 रवियो कुवो प. २३८
 रेयां री डूगरी ती. ६५

ल

लखी जगळ वू. १६
 लाखाहोळी (पहाड) प. ४३
 लाखेळाव तळाव प. १३६
 लाठीहर वू. २६१
 लायां री मगरा वू. ३२७
 लीकणो वेरो वू. १४२
 लूभासर तळाव प. ३४७
 लूडी-रामसर तळाई वू. १३६
 लूणी नदी प. २८, २२६, ३३३
 " " वू. १३०, २८४, २८५
 " " ती १४७

लूनी नदी । वे० लूणी नदी ।
 लोहडी तळाई वू. १३४, १४१

व

वडगिर (जंसलमेर का पर्वत श्रीर किला)
 वू. ६३
 वडाणी तळाव वू. ८५
 वरजांग-तळाई वू. १३४
 वरजागसर तळाव वू. १६०
 वर नदी प. ४१
 वरवाडो मगरा प. ४१, ४७
 वळो (आडावळो) प. ११३
 वसी-रा-मगरा प. ६६
 वासोर डूगरयां वू. ३२६
 वाखळवाळी तळाई वू. १३५
 वाघोर-री खांभ प. ४०
 वालसीसर तळाव ती. २५६
 वावडी तळाई बलपत री वू. १३४
 विजंरावसर तळाव वू. २७
 वितस्था नदी ती. ७०
 विनायक-री-डूगरी ती. १५४
 विपासा नदी ती. ७०
 वीटळीगढ ती. ६५
 वीका सोळकी-रो-तळाव वू. १३५
 वीर समंद प. १३१
 वेकरिया-रो-घाटो प. ४१
 वेडव नदी प. ३३, ३५
 वेत नदी ती. २४१
 व्यास नदी ती, ७०
 वेगण तळाव वू. १४३
 वेरोलाई तळाव वू. १४३

श

शतद्रू नदी ती. ७०

स

संतन-री-वावडी ती. १५७
 सजन-री-गिडी प. १६३

सतलज नदी ती. ७०

सरणउओ भाखर प ४१, १३५, १८१,

१८८

सरणुओ दे० सरणउओ भाखर ।

सरस्वती नदी प. २७६

„ „ द्व. ३, २६६

„ „ ती. २६

सहस्रलिंग तलाव द्व. ३३

साठीको-कोहर द्व. २८६

सायर-रो-घाटी प. ३६

सारण घाटावळ प. ३८

सालेर-री-डूगरी ती १५४

साह्या-रो-तलाव ती २१

सिध नदी (हाडोती) प. १३३, ११५,

११६

सिधु द्व. २४२

सिधु नदी ती. ७०

सिरहड़ तलाई द्व. १३४

सिरहड़ लोहड़ी द्व. १३४

सिरहड़ वडी द्व. १३५

सींगड़ियो भाखर प ४३

सीताहर द्व. २६१

सीप नदी द्व. २१८

सीरोङ्ग-रा-मगरी प ४३

सीसरवा-रो-मगरी प. ३३

सुघो भाखर प २०३, २०४

सूर सागर प ११३

सेखासर तलाव द्व. १४२, १४३

सीनगिरी प १८७, २३१

सीनागर दे० सीनगिरि ।

सोम नदी प ३८, ८६

सोळकियांवाळो कोहर द्व. १३६

सोहाण रो-भाखर द्व. ३५

स्याम नदी प. ८७, ८८

स्वर्णगिरि दे० सीनगिरि ।

ह

हरख तलाई द्व. १३४

हरभम जाल प. ३५०

हरभूसर तलाव प. ३४७

हरराज-री-लोहड़ी (तलाई) द्व. १३४

हळवी-री-घाटी प. २०८

हल्वी घाटी दे० हळवी-री-घाटी ।

हिमालय प. ६, १८, २७८

„ द्व. २०४

हेम दे० हिमालय ।

हेमराजसर कोहर द्व. १२, १४०, १४२

३. सांस्कृतिक नामावली

[१] ग्रंथ, संस्था, कर, भाषादि नामावली

[ग्रंथ, संस्था, कर, मुद्रा, नाप, माप, तोल, उत्सव सामाजिक-प्रथाएँ इत्यादि के नाम]

अ

अगारी-लाग (वाह-संस्कार) दू. २४६
 अचड़ा-बोल दू. २६
 अजित ग्रन्थ ती. २१३
 अजितोदय (ग्रन्थ) ती. २१३
 अणहलवाड़ा-पाटणरी-वात (ग्रन्थ) ती. ४६,
 ५०, ५२
 अनुभव प्रकाश (ग्रन्थ) ती. २१४
 अनूप संस्कृत लाइब्रेरी बीकानेर (संस्था)
 दू. ३१०
 अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, बीकानेर (संस्था)
 ती. २८, ५१, ५२, १७६, १७७,
 २०७, २०८
 अपरोक्ष सिद्धान्त (ग्रन्थ) ती. २१४
 अमर-कांचली ती. ६६
 अमल (अमल-पाणी) प. १३४
 " " दू. २५१
 अमल (अमल-पाणी) ती. ६२, १३४,
 १६३, २५७, २८१
 अमल-रो-पोतो ती. २६०, २६१, २६२
 अमृत ती. ६
 अराबो दू. २३
 अलफला की पैंडी (ग्रन्थ) ती. २७५
 अश्वमेध प. २३०
 असत घात दू. ५१

आ

आकाश गंगा वे० अवारमग ।
 आखड़ी प. ४६
 आखाड़ी (नृत्य सभा) प. २७४

आखाड़ी (नृत्य सभा) दू. ३७
 आनंद विलास (ग्रन्थ) ती. २१४
 आयुष्मान् ती. ४६
 आरती ती. ४६, १४२, १४३, १४४
 आसण (स्थान) ती. १०७, १०८

इ

इंद्र विद्या (वि.वि.) प. १२८
 इक-पभियो महल ती. २१३

उ

उत्पावन-शुल्क दू. २५८

ऊ

ऊनाळी हंसो (कर) प. ३६
 ऊनाळी-हंसो (कर) दू. ८

औ

औहलरो (घास) दू. ८

ओ

ओळ प. १८२

क

कंकण-डोरडा वे० कांकण-डोरडो ।
 कवळ-पूजा प. ३३६
 कवार-मग (खगोल) दू. ६१
 कवार-सूखड़ी (कर) ती. ५४
 कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) प. २६६
 कच्छ कलाघर (ग्रन्थ) दू. २०६, २१४,
 २३७
 कटारी दू. २६६
 कच्छी पलांण ती. ६७

कपाळीक (तात्रिक) प. ३२२
 कपूर-वासियो-पाणी दू. ३३
 कवाण दे० कमान
 कमान दू. ६६
 कर प. ६४, ७७, ८४, ११६, १२०, १७३
 कर दू. २१२, २१४, २३८, २५८
 कर ती ५४,
 करद घास दू. ८
 करमुक्त-जागोरी प. २८३
 करवत दू. ४५
 कळजुग प. ३१
 कलियुग दे. कळजुग । कळू
 कळू ती १८५
 कधार नी सूखडी ती. ५४, ५८
 कवि प्रिया (ग्रथ) प. १२८
 कस्तूरियो-मिरघ (विलासिता की उपाधि)
 दू. ४१
 काकण-डोरडो (काकण-डोरी) प. ७३
 काकण-डोरडो (काकण-डोरी) दू. २६५,
 ३१८
 काचळी (पुत्री-नेग) दू. २४८
 काचळी (पुत्री नेग) ती. ६६
 काटीवाळी लाग (कर) ती ५४
 काजी नी लाग (कर) ती. ५४
 कान्हडदे प्रवन्ध (ग्रथ) दू. २०४, २१५
 कान्हडदे प्रवन्ध (ग्रथ) ती. २६३
 काळवी-ज्वार दू. ५१
 कालर दू. २५
 काष्ट-भक्षण ती. ३३
 किरमाळ दू. १०१, १२६
 कुवर नजरानो (कर) ती. ५४
 कुवर-पछेवडो (कर) ती. ५४
 कुवर-पामरी (कर) ती. ५४
 कुवर-माणो (कर) ती ५४
 कुंवर सूखडी (कर) ती ५४
 कुतवत्याही नाणो (मुद्रा) ती. ५३

कूतो दू० ५
 कृत (मृतक सस्कार) दू. २७१
 कृषि-कर दू. २६०
 कृष्ण स्तुति (ग्रथ) ती. २०६
 केसरिया ती. १११
 कर्णामर्खा रासा ती. २७४
 कवार-मग दू. ६१

ख

खडाऊ ती. ५१
 खमा ती ४६
 खरक कूण (वि. दि०) प. ३३, ३८, ४३
 खालसो प. १७४
 खालसो दू. ४, ७
 खालसो ती. १८, ११५
 खिडा-री-वाघण (आखेट) प. २८४

ग

गगा-स्तुति (ग्रथ) ती. २०६
 गज-उद्धार (ग्रथ) ती २१३
 गाय-दान दू० २६६
 गिरवी ती ५
 गोंदोली री वात (ग्रथ) दू. २८७
 गुण दूहा (ग्रथ) ती. २१३
 गुण सागर (ग्रथ) ती २१३
 गुरड दू. २५२, २५३
 गुव प्रार्थना (ग्रथ) ती २०६
 गुळ-लाग (कर) दू. ७
 गेहर ती. ८५
 गोडो-घाळणो ती ६७
 गोत्र-कवच दू. २६६
 गोहिल-टोळो (स्थान) प. ३३५
 ग्रास (कर) प. १४७, ३३५
 ग्रास (कर) ती. ८६, १६७
 ग्रासवेघ (कर-कलह) प. ६१, ११२,
 १५४

घ

घणदेघजी-रोटा दू. ३२६

घरवास ती २८३
 घरवासो ती. २३
 घूटी दू ३१२
 घूघरिया ती. २६४
 घोड़ा-चारण (कर) ती. ५४

च

चवरी प १३४, २३२
 चघरी दू. २८७, ३१०
 चूगी दू. २६०
 चेढी (परिमाण) प ३६४
 चोटी-बढियो प. ६८
 चौथ (कर) प. ६३
 चौथ (कर) दू. २२१
 चौहान कुल कल्पद्रुम (प्रण) प २२१

छ

छकड (मुद्रा) ती. ११२
 छतोस-भास दू. १५
 छत्र दू० ५६, ५७, ५८, ८३, २३७
 छत्र ती १७१
 छत्र ११०
 छाट ती ११०
 छाट घालणी ती. ११०

ज

जत्र दू ५७, २२५
 जत्र-वत्तीस दू २३१
 जवर दे जोहर ।
 जजिया दे जेजियो ।
 जन्म घूटी दू ३१२
 जबाबि जलहर (जलक्रीडा) दू ४१, ६८
 जमहर दे० जोहर ।
 जलालशाही नाणो (मुद्रा) ती. ५३
 जलाला (मुद्रा) दे० जलालशाही नाणो ।
 जानो ती ४५, ४७
 जान्हवी रा दूहा (प्रण्य) ती. २०६
 जिगन दू. ८३

जिग्य-कुंड प. ११
 जोहर दे० जोहर ।
 जेजियो (कर) प ५५
 जेजियो (कर) दू ७
 जैन दे० देवता आबि नामावली ।
 जोगणी (शकुन) ती. ७१
 जोहर प. ३३३
 जोहर दू. ५६, ६०, ६१
 जोहर ती १७, २५, ३४, ५५
 ज्युहर दे० जोहर ।

ट

टकसाळ (कर । मुद्रा-निर्माण घर) दू. ८
 टको (तोल । कर । मुद्रा) प. ६६, २६२, २८४
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) प. ३१, ७३, ७५, १०६, ११०, ११२, १३७, ३५६
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) दू. १०६, ११५, १४०, २०५, २१८, ३४२
 टीको (राज्यतिलक । कन्या-नेग) ती ५३, ६८, ७२, ८१, ६५, १०५, ११४, ११५, १२६, १३२, १३३, १३६, १४६, १६१, १८१, १८२, २३८, २७६, २८५

ड

डड (कर । शिक्षा) प. ७७
 डड (कर । शिक्षा) दू. ३१, २८२
 डड (कर । शिक्षा) ती. १६७, २७१
 डांगरजत्र दू ५८
 डाव-पाघ ती ७०
 डोरडो दे० काकण-डोरडो ।
 डोळी (दान की भूमि) दू. ३५

ढ

ढब्बसाई पैसा (तोल । मुद्रा) दू. ३१२
 ढोर नो चराई (कर) ती. ५४
 ढोल (आक्रमण-संकेत) दू. ३०२

ढोल (आक्रमण-सकेत) ती १४७, २६२,
२८४

ढोल-रो-ढमको प २२३

ढोला-मारवण (ग्रंथ) प. २८६

त

तकियो प. ३१८

तर्पण प. १३२

तलार (कर) ती ५४

तहड़ कुंण प ८७

ताबूत दू. ४६, ५०, ५६

ताम्रयुग ती १७३

ताल (माप) दू ३२३

तुरकाणी ती. ५३

तेल-चढी ती ७५

तुलाघट (कर) दू. ७

तोरण-धांदणो ती ४२

तोला दू ३१२

,, ती. १६३

त्याग (दान । इनाम) दू ३२६ ३२७

थ

थडा ती २१३

थापण ती ५

थाळा लाग (कर) प १६

द

दइव-रो फेर प. ७६

दत दायजो दे० दायजो ।

दयाळदास री ख्यात (ग्रंथ) ती. २०६

दळपत बिलास (ग्रंथ) ती २०७

दसरधराव उत-रा-दूहा (ग्रंथ) ती २०६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) प ६६

दसरावो (दसराहो) (पर्व) दू २४

दसरावो (दसराहो) ती. ११६

दस्तूरी (कर) ती. ५४

दाण (कर । खेल) प ८४, १५६, १५८,

१७३

दाण (कर । खेल) दू. ७, ४६, ७६, १२६,
३०१

दाण (कर । खेल) ती. ५४

दांणव दू. ५६

दांन प. ३१

दांन दू. १२०, २२३, २३६, २३७, ३२६

दांम (मुद्रा । कर) प. ५२, २२८, २७६,

३३२

दाम (मुद्रा । कर) दू २६, २५८, २५९,

२७६

दोग (संस्कार) दे० दाह संस्कार ।

दापो (कर) प २३२

दायजो दू ३१०

दायजो ती. ६२, ६६, ७६, १६५ २०२,

२०३, २७२, २७३, २८२

दाळ री लाग (कर) ती २४०

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) प. १०८

दाह-संस्कार (अग्नि संस्कार) दू २४६

,, ,, ,, ती २६३

दीवाळी (पर्व) प २, ७३, ६६, २७३

दीवाळी (पर्व) दू ७, २४

दीवाळी-मिलण (कर) दू ७

दुगांणी (कर । मुद्रा । गणित) दू. ७

दुहाग ती १०५

दुहागण ती. १३६

देवचो दू. ४०

देवताग्रों की शाला (मंडोर) ती. २१३

देवांचा दू ४०, ११६

देसवाळी लोग दू ७, ८

देसोटो दू १७७

दोढवाड कूतो (कर) दू ५

द्वापर (युग) ती १८५

ध

धजवड ती १६७

धनुष दू ६७

धरम द्वार दू. ६४

घर्म-भाई दू. ५१, ३०३

घारेचो दू. ११५

घारेचो ती. ५७

न

नगारा-नीसाण प. ३४०

नगारो (आक्रमण-संकेत) प १५२

नगारो (, ,) दू. ३४, २४४,
२४५, २४६, २४७

नगारो (आक्रमण-संकेत) ती. १३२, १४३,
२७९, २८४

नवकुळ नाग दू. २५२

नाव दू. २४

नारेळ-वे० नालेर ।

नाळ (अस्त्र) दू. २३

नाळवधी (कर) प ६६

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) प ७३, २८६,
३४५

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) दू. २६६, २६२,
३२४, ३३४

नाळेर (वाग्दान-संस्कार) ती ४१, ७२,
१०४, १४१, १६५

निवाज (नमाज) दू. ६७

नीसाण प. ३४०

नीसाण प. दू. ५६, ५७, २४२

नेग दू. ७२, ३२६, ३२७

नेगी दू. ७२

नैणसीरी ख्यात ती. १७४, २०६, २०८,
२६४

न्याळा ती. १०८

न्योछावर दू. ३२७

प

पच देवळिया ती २१३

पच प्रवर ती १७५

पचाध कूण (वि. दि) प ३६

पईसो (मुद्रा । तोल) प ७७

पईसो (मुद्रा । तोल) दू. २७, २६, ७२,
१०५, २५८, २८२, ३०१, ३११,
३१२

पईसो (मुद्रा । तोल) ती. १६३

पटू ती. २६६, २६६

परचाणो दू. ५६

परचाह (दान । नेग) दू. ३२५, ३२७

पळो (माप । सफेद घाल) दू. ५५, ३११,
३१२

पळो (माप) दू. १५४

पसाइता प. २२८

पाखड (स्थान) ती. २

पाघडो-बरोड (कर) ती. ५४

पाट प. ५, १३, १६, १६, १८६, १८८,
१८९, २०५, ३११

पाट दू. १०८

पाट ती. १६१

पायाळ प. २७८

पावडो ती० ५१

पितराई दू. २२२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) प. १६२

पिरोजशाही-सिक्का (मुद्रा) दू. ८

पोंडर-भाप (तत्र) प. ४१

पोरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही-सिक्का ।

पुरस (पुरसो) (नाप) प. २२७

पुरस (पुरसो) (नाप) दू. ११३, १३४,
१३६, १४२, २८६

पुराण (धर्म शास्त्र) प. २३०

पुरातत्त्व विभाग, राजस्थान (स्थान)
ती. १७३

पुरुष वे० पुरस ।

पूखणो ती. ४६

पूछी (कर) ती. ५४

पैरोजी (मुद्रा) वे० पिरोजशाही सिक्का ।

पेशकशी (कर) प. १४०

पेशकशी (कर) दू. ७, १०५

पेशकस (कर) वे. पेशकशी ।

पेशकशी वे. पेशकशी ।

पैसा वे० पईसो ।

पोतो अमल रो ती. २६०, २६१, २६२

प्रेम दीपिका (ग्रंथ) ती. २०६

फ

फदियो (मुद्रा) दू. ३१५
 फदियो (मुद्रा) ती. ४५, २६०
 फुरमान दू. ५६, १०५
 फेरा दू. २७७
 फेरा ती. ७५

ब

बरछो ती. १६७
 बळ (कर) ती. ५४
 बलि ती. १७
 बहत्तर उमराव ती. ५३
 बांकीदास की बात (ग्रंथ) ती. २६६
 बाण दू. ४८
 बाजरियो ती. २६०
 बापीका दू. २२१
 बाव (कर) दू. ७, ८.
 बाम्ने गंजेठियर (ग्रंथ) दू. २६६
 बीड़ो दू. ६६, ७०, २३१, २६१
 बुद्धिसागर (ग्रंथ) ती. २७५
 ब्रह्मड बीस दू. १६२
 ब्रह्मवाचा दू. २१

भ

भगवद् गोमंडल कोश (ग्रंथ) प.
 भद्रजाती दू. ६५
 भरहेर कूण (वि. दि.) प. ३४
 भागीरथी रा दूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 भांवर (भांवरी) दू. २७७
 भावर (भांवरी) ती. ७५
 भाषा-भूषण (ग्रंथ) ती. २१४
 भुवर ढोल (वाद्य) ती. ७
 भूमिया-घट दे० भूमिया-वंट ।
 भेट (कर) ती. ५४
 भेर (वाद्य) दू. ४८, ५७
 भेरी (वाद्य) दू. ४८
 भोग (कर) प. ३६, २५६
 भोग (कर) दू. ५, ६, ८, २०६

भोम (कर) ती. ५४
 भूमियाचारो प. ३३५
 भूमिया-वट प. २८३, २८४

म

मगळ-कळश ती. ४३, ४६
 मगळीक (कर । कर-मुक्ति) दू. ७
 मदाकिनी रा दूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 मऊ-कुठ्काल (पीडित प्रजा) दू. ३२०
 मकर सकांति (पर्व) दू. ३२
 मण (माप, तोल) प. १६२
 मण (माप, तोल) दू. ५, ७, ८, ११४
 मदनभेर (वाद्य) ती. ५३
 मळवो-लाग (कर) ती. ५४
 मलूक (जल-क्रीडा) दू. ४१
 मळछ दू. ५६
 महमूदी (मुद्रा) दू. २१२, २३८, २५४
 महसूल (कर) दू. १२७
 महापसाव दू. २३७
 महाभारत (धर्म-ग्रंथ) दू. ३
 महिला-बाग ती. २१३
 मागलिक सूत्र दू. २६५
 माढी ती. ४५, ४७
 माणो (माप) दू. २८
 मानसी सेवा प. २८६
 मांमा कुड प. ५१
 मांमा वड प. ५१
 मातलोक प. २७८
 माव्यंदिनी शाखा ती. १७५
 माफी (कर-मुक्ति) प. २२८
 मारुवां-विरुद प. ३३५
 मालकोट ती. २१५
 मालगुजारी (कर) दू. ३०१
 मावळियाई माई दू. १६२
 मुकाती दू. २१६
 मुकातो (कर) प. ७४
 मुद्रा प. १८४, १८५

मुद्रा हू २१०
 मुद्रा ती. २४
 मूडका-वेरो ती. ५४
 मूळ, मूळो (आखेट-मच) प. १०७, १०८
 मृत्युलोक प २७८
 मेखली हू. २४
 मेघाडंबर हू. ५६
 मोभ (कर) ती. ५४
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) प २५४, २५५
 मोहर (स्वर्ण-मुद्रा) ती १४६

र

रचाव (वाद्य) हू. २३१
 रळतळी (तलवार) हू. ३१७
 राणाई रो विशद हू. ५१
 राणीपदो ती. १०५
 राजपुताने का इतिहास (ग्रंथ) ती. २६६
 राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
 ती २७५

राम-स्तुति (ग्रंथ) ती. २०६
 राजस्व हू. २५८, २५९
 राय-आगण ती. ८९
 राहवारी (कर) हू. १२७
 राहावणो हू १३१
 रडमाळ हू. २४७
 रववाचा हू २१
 रपियो (मुद्रा। घंड। भेंट) प ५२, ५३,
 ११६, २३४, २५९, २७७, २७९,
 २८४, ३११, ३१९, ३२०, ३२२
 रपियो (मुद्रा। वड। भेंट) हू. २९, ४५,
 ६९, ७१, १६०, २५७, २५८,
 २५९, ३०१
 रपियो (मुद्रा। वड। भेंट) ती. ८३, ९९,
 १००, १३०, १४९, १६५, १९६,
 २४२, २४५, २६७, २६८, २६७,
 २६८, २६९, २८३, २८६
 रुक ती १६९

रुपारास कूण प. ३५, ३८
 रेख (कर) प. २७, ६८, १६५, २७९,
 ३२०

रेख (कर) हू. १६०, २६३

ल

लक्ष्य घट्ट वे० लाखोटो।
 लगान हू ७२
 लगानवार हू. ७२
 लाचो (कर) ती. ५४
 लाख-पसाव प. १०६
 लाख-लोवडी हू. ७
 लाखोटो (जल-मानक) प. ३
 लाग (कर) प. ३९, ६४, २३२
 लागत (कर) हू. ५
 लागवार हू ७२
 लीक प. ९९
 लोकाचार ती ६९

व

वच्छस गोत्र ती. १७५
 वढी-तरवार प. २८३
 वधामणो-लाग (कर) ती. ५४
 वरफसी प. १४१
 वरजांग-री-चवरी प. २३२
 वरतियो हू. २२५, २२६
 वरसाळी-हेसो (कर) प. ३९
 वरहेडो ती. ४६
 वळ हू. ७३
 वळ ती. १९५
 वळ लाग (कर) ती. ५४
 वसवेरावजत-रा-दूहा (ग्रंथ) ती. २०६
 वसी प ४५, ६९, ८२, ९८, १३२,
 ४११, १४४, १४८, १५१, २०९,
 २८३, ३०९, ३२३
 वसी हू १४५, १४६, १४९, १५३, १५७,
 १५८, १५९, १६०, १६१, १८१,
 २३६

वसी ती. ८१, ८४, १५७, १६२, २४१
 बहुतीयाण (कर) दू. ७
 वास (नाप) दू. ५
 वासा डोव ती. ७०
 वाढी लाग (कर) ती ५४
 वात ग्रणहलवाढा पाटण री (ग्रथ) ती
 ४६, ५०
 वातपोस ती ३८
 वावळ महल प. ३३
 वामीवंध ती ७०
 विगति-पद्धति ती. १४
 विजयशाही (स्वर्ण, रौप्य-मुद्रा) ती २१३
 विट्ठलनाथजी-रा-दूहा (ग्रथ) ती २०६
 विभोग प. १५८, १७३, १७४
 विवाह-कफण दू. २६५, ३१८
 विवाह-सूत्र दे० विवाह-कफण ।
 विसवो (कर-भाग) दू. ३०१
 वीसी ती. १४
 वीटली ती २१५
 वीघो प. ११६
 वीण (वाद्य) दू. २३१
 वेद (धर्म ग्रथ) प. १६२
 वेलि फ्रिसन चक्रमणी री, राठोड प्रिधीराज
 री कही (ग्रंथ) ती २०६
 वेह ती ४३
 वेंत (नाप) दू. ४२
 वेंहन (नाप) दू. ४२
 वेकूठ दू. ७५
 व्याज दू. ८

श

शख प. ३३६
 शास्त्र पुराण (धर्म ग्रथ) दू. ६१
 श्याम-लता (ग्रथ) ती. २०६

प

पोदश-महादान प. १२८

स

सख प. २७८, ३३६
 सख दू. २२५
 सतनावा (ग्रथ) ती. २७५
 सत्तर खान ती ५३
 सरग प. ७, १६०, २७८
 सरग दू. ५८, ५९, ६०, ६२, २६१
 सरगापुर दू. ७५
 सरघाजं (कर) ती. ५४
 सवेरी प. १६७
 सामेलो ती ४५
 सासण प. १०६, १७४, १७६
 सासण दू. ३८
 सांसण ती २८१
 साको दू. ४४, ५६
 साठा (माप) दू. ५
 साथरो दू. १२०
 साथरो ती १२८
 सादूल राजस्थानी रिसचं इस्तीद्यूट,
 वीकानेर ती. २०७
 सायर महसूल दू. ७
 सायदू दू. ४५
 सासत दू. २३१
 सासतर दू. ११५
 साहो प. ६७
 साहो ती ७५
 सिक्को दू. २४
 सिद्धान्त-वोष (ग्रथ) ती. २१४
 सिद्धान्त-सार (ग्रथ) ती २१४
 सिरपाष दू. २६
 सिरपाव ती १६६, २४४, २४५
 सिव-मारग दू. ४५
 सीरावणी दू. २५१
 सुरणाई दू. ६०
 सुरथान प. १८८
 सुरा-गुर प. ३५४

मुर्जन-वरित (प्रथ) ती. २६६
 सुवर्ण-मुद्रा प. ७, २७८
 सुहागण प. १३
 सूखही (कर) ती. ५४
 सूतग दू. २३६
 सेई (माप) दू. २१२
 सेर (तोल) दू. ८. ११८ ३१३
 सोळाळ-व्रद दू. १५
 सोनद्वयो (मुद्रा) प. ३, १२
 सोमवारिया-असल ती. १३४
 सोळह-शृंगार दू. ५८
 सोम्रस (मुद्रा) प. ७
 सोभाग्य-रात्रि प. १३४
 स्वर्ग दे० सरग ।

ह

हरिवंश पुराण (धर्मशास्त्र) दू. १५
 हळगत (कर) ती. ५४
 हलाणो ती. ६२, ७६, १४४, १६६, २०२
 हासल (कर) प. ७४, ८७, ९६
 हासल (कर) दू. ५, ८, २५६, २६०, २७७
 हासल (कर) ती. १३०
 हासलीक दू. २५६, २६०
 हिंदवाणी ती. ५३
 होळी (पर्व) प. ७३
 होळी (पर्व) दू. ७
 होळी (पर्व) ती. ८४
 होळी-मगळावणो ती. ८४
 होळी-मिळण (कर) दू. ७

[२] देवी, देवता, लोक-देवता, तीर्थ, धर्म-सम्प्रदाय इत्यादि

अ

अमाक्षी प. २७७
अमाव प. ४६
अग्न ह. २४६
अगम प. ६६
अग्नि ह. २७७
अग्निकुट दे० अमळकुट ।
अजोष्या प. २६२
अमळकुट प. १३४, १८५, १३६,
,, ती. १७४, १७५
अनादि प. १८४. २६१
,, ह. ५७
अयोष्या दे० अजोष्या ।
अरक प. १६०
अरणोद गोतमजी तीर्थ प. ६४
अलल ती. २६३
असभ प. १८४
असुर ह. ६५, १३८
असुरांगुष्ट प. ३५४

आ

आबाई देवी प. १, २७७
आबाव प. ४६, २७७
आव ह. ५७
आद नारायण प. १२२, २६१, २८०
आद श्रीनारायण प. २८७
,, ,, ह. ६
आदि प. १८४. २६१
आदि देव प. ७
आदिनाथजी प. ३६
आदि पुरुष ती. १७५
आदि श्रीनारायण प. ७७, २८७
,, ,, ह. ६

आव दे० ग्राम नामावली में

आयास ह. २५४
आयास ती. २८३
आवह प. ३६
आसापुरा देवी ह. २१७, २१८, २२०
आसापुरी देवी ती. १३४. २६२
आसावर (देवी) प. १८६

इ

इदु प. १६०
इद्र प. १६२, २७५, ३३६
इर्कलिंग महादेव प. २३

ई

ईश्वर प. २२०
ईश्वर ती. १२१
ईस ह. २४६

उ

उज्जेण (तीर्थ) दे० ग्राम नामावली में ।
उमादेवी भटियाणी दे० स्त्री नामावली में ।

ए

एकलिंग धाराह प. १७०
एकलिंगजी प. १, ७, ८, ११, १२,
३४, ३५, ४४
एकलिंगदेव प. ७
एकलिंग महा देव प. ७
एकादश ज्योतिर्लिंग प. २७८
एकादश रुद्र प. २७८
एकादश रुद्र महालय प. २७८
एकादसी ह. ६०

ओ

ओंकार प. १८४

क

- ककाली प. ३३६
 कघरुठा प. १८५
 कवळ दे० कमळ ।
 कवळ-पूजा प. ५६, ३३६
 „ „ दू. १७
 कपालीक प. ३२२
 कमळ प. ७७, १२२, १८६, २८०,
 २८७, २६३
 कमळ दू. ६
 कमळ ती १७५
 कमळा प. १८५
 करणीगर दू. २३७
 करतार दू. ४५
 कळ-पळा प. १८५
 कश्यप दे० कस्यप ।
 कस्यप प. ७८, २८७
 „ ती. १७५, १७७
 कापालिक प. ३२२
 कालिका प. १८५
 काशी (कासी) दे० ग्राम नामावली में ।
 कासी-करोत प. २१६
 कुळदेवी दू. २६७, २७२
 कुळदेवी ती. १७५
 कृष्ण दे० श्रीकृष्ण ।
 कृष्णजी दू. १५ १६, ३५, ६३
 केदार(केदारनाथ)दे० ग्राम नामावली में ।
 केवायदेवी प. १२३
 „ ती. १७३
 केसोरायजी प. १३१
 कैलास प. ८
 कोटेश्वर महादेव प. २, २७७
 कौमारी प. १८५
 क्षीरपुर (तीर्थ) दे० खेड पाटण ।
 क्षेत्रपाल प. २६४
 „ दू. २२
 „ ती. १७

ख

- खुवा दू. ४७
 खेड-पाटण दे० ग्राम नामावली में ।
 खेसा-देवत दू. २२
 खेतपाळ दे० खेत्रपाळ
 खेतळ प. २४५
 खेतळ-वाहण प. २४५
 खेत्रपाळ प. २६४, ३३२
 „ दू. २२, १३५, २६७
 „ ती. १७

ग

- गगश्यामजी ती. २१५
 गगस्थामो दे० गगश्यामजी ।
 गगाजळ दू. २०२
 गगाजी प. १३२, २१३, २१६, ३३२
 „ दू. २०२
 गगोदक प. २१३, २१४
 गगोदक-कावळ प. २१३, २१४, २१५
 गणेशजी ती. १५४
 गवदेव दू. ५०
 गाय-दांन दू. २६६
 गिरतार प. २२
 „ दू. १, २०२, २०४, २०५,
 २०६, २२०, २४०
 गुरड दू. २५२, २५३
 गुसाई-री-पाडुका प. ४२
 गोकल्ल तोरण प. १०७
 गोकर्ण महादेव प. ४७, १०७
 गोकळीनाथ दे० गोकुळीनाथ ।
 गोकुळीनाथ प. २०४, २१३
 गोखभ प. १६०
 गोगादे दे० गोगादेजी ।
 गोगादेजी प. ३४७ ३४८, ३४९, ३५०
 गोगादेनी दू. ३१७, ३१८, ३१९, ३२०,
 ३२१, ३२२, ३२६
 गोदावरी तीर्थ प. १२२

गोमती तीर्थ (गोमती सनान) द्व. २६८

गोमती सगम प २८६

गोरक्षनाथ जोगी द्व. ३२०

गोरक्षनाथ जोगी ती. ७६

गोवरघननाथ प ८६

गोविंद भगवान प १८४

च

चण्डेश्वर महादेव द्व. ३२

चंद्र (चंद) प. १८५, १६२, २७२

चंद्र (चंद) द्व. ३७

चंद्र (चंद) ती. ५०, ५२

चक्र प २८६

चक्र तीर्थ (चक्र तीर्थ, चित्र तीर्थ) ती २७७

चपळा (देवी) प. १८५

चाटीसी महादेव द्व. ३२

चांद दे० चंद्र ।

चामुंडा देवी दे० चावटाजी ।

चारण देवी प ५६

चालेर-रो-पारसनाथ प ४७

चावहाजी प २०४

चौरासी गच्छ ती १६

ज

जगकृता प १८५

जमजाळ प १२५

जमवूत द्व. ४६, २६८

जमुना-तीर्थ प १३२, ३३२

जात (तीर्थयात्रा, देवपूजन) प. १, १११,

१३२, २६३, २८६, ३३६

जात द्व. १३, २३६, २४६, २४७

जात्रा द्व. २६६, २६८, ३२५

जात्री, तीर्थ प. २८६

जान्हवी ती. २०६

जिंदो प ३३६

जिग्य प ११

जुगाद ती. १७५

जुगाद ब्रह्मा प. २६१

जैन (धर्म) प ३३, २२७, २७६

जैन (धर्म) द्व. ११३

जैन (धर्म) ती १६, २८

जैन सम्प्रदाय दे० जैन (धर्म)

जोतिविव प १६०

जोतिर्लिंग दे० ज्योतिर्लिंग ।

ज्यान दे० जैन ।

ज्योतिर्लिंग प ११, २१३, २७८, ३३५

ज्योतिर्लिंग श्रीएकलिंगजी प ११

झ

झींढोळियो भूत ती. २५४

झोडिंग भूत ती. २५२ २५३, २५४, २५५

ठ

ठाकुर (श्रीकृष्ण) प, १३१, २१३, २८६,
३०३

ठाकुर (श्रीकृष्ण) द्व. २२२, २४७, २७०

ठाकुर (श्रीकृष्ण) ती २४६, २५०

ठाकुरद्वारो प ८४

त

तीर्थ-गुरु पुष्कर प २४

तीर्थ-यात्रा द्व. २६६

तुळछीवळ द्व. ५६

तुळसी ती २६२

तुळसी थाणो ती २६२

तेलोचन द्व. ५६

तेही घवन द्व. ५६

त्रिलोचन द्व. ५६

त्रिघदन द्व. ५६

त्रिसूळ प ४०, ४२

त्र्यम्बक प १, १२२

द

दहस प ७६

दहस द्व. ६३

दर्हत ती २५१

दत्तावरी प. १८५

दसमों साळगराम प. २०४

वाणव प. २१३

वाणव दू. ५६

वांन दू. २२३, २३६, २३७

वांन-पुष्प प. १३६

विल्लीश्वर ईश्वर प. २२०

दुगापचा (दूगर माता, दुगाय माता)

सी. २५७

दुगायचा दे० दुगापचा ।

दुर्गा देवी ती ५३

दुर्गापचा दे० दुगापचा ।

देव दे० देवता ।

देव ऊठणी-एकादशी दू. ३२२

देव-ऊठणी-एकादशी ती. २६५

देवगति दू. २७१

देवता प. ११, २१३, २७३, २७४, २७५

देवता ती. ५७

देवनीक ती. ७६

देव-पट्टन प. २१३, २१४, ३३५

देवपाटन दे० देव-पट्टन ।

देव-रो-पाटन दे० देव-पट्टन ।

देवाण-विद्या प. १८५

देवाय प. १६२

देवी, (देवीजी) प. ११, १८५, २०२,
२०३, २७३, २७४, ३३६

देवी, (देवीजी) दू. १३, १७, १८,
२२, २०३, २०४, २१७,
२१८, २२०, २३७, २६७,
२७२

देवी, (देवीजी) सी. १७, ६६, १५४, २६२

देवोत्थान पर्व ती. २६५

दैत प. ३३६

दैत ती. २५२

देवी-शक्ति दू. २०३

दैव्यांशी दू. २०३

द्वारकाजी (तीर्थ) प. १११, २६३, २६४,
२८६, ३३७

द्वारकाजी (तीर्थ) दू. २२५, २६६,
२६७, २६८

द्वारकाजी (तीर्थ) ती. २६६

द्वारकानाथ दू. २६८

द्वारामती दू. २२५

ध

धनवाता देवी प. १८५

धरतीमाता दू. ३०४

धू प. ७, २२६

धू दू. ५२, ५३

ध्रुव दे० धू ।

न

नाग दू. २५२

नाग ती. ७४

नागही चारणी दू. २०२, २०३, २०४

नासिक-त्रयक प. १, १२२

नासिक-त्रयम्बक दे० नासिक-त्रयक ।

प

पनग दू. २५३

परब्रह्म ती. १७५

परमेश्वर प. १४५, २२०, २६५

परमेश्वर दू. २१७, २६६, ३२२

परमेश्वर ती. ४, ५, ८८, ६४, १२०, २५५

पावुजी दे० पुरुष-नामावली ।

पारसनाथ प. ४७

पितर प. १६

पींडी (शिर्वालिग) प. २१३, २१५, २१६

पोकरजी (पुष्कर) प. २४

प्रवक्षिणा दू. २७७

„ ती. ८६

प्रभासक्षेत्र (प्रभासखेत्र) दू. ३

प्रभास-पट्टन प. २१३

प्रम प. १८४

प्रमहंस प. १८५

प्रयागजी प. १३२

„ ती. २७६

प्राग्वद् प. २२६

प्राची-माघव प. २७७

फ

फणद्व (फर्नाद्र) प. १६०

व

वभेतर दू. २१५

बभूत ती. २७

बहुलो-जोगणी प. २०४

बावण-विसन प. १५

बिब-सरोवर (तीर्थ) प. २७७

ब्रह्मा वे० ब्रह्मा ।

ब्रह्म प. ७

ब्रह्मकोप प. २१५

ब्रह्मतेज प. २१५

ब्रह्मवाचा दू. २१

ब्रह्मा प. ६, ७७, ११६, १२२,

१६२, २८०, २८७, २६२

ब्रह्मा दू. ६

ब्रह्मा ती. १७५, १७७

भ

भगवान प. १५, ६३

„ दू. ३५, २४६, ३२०

भगवान राम प. ६३

भद्र ती ५३

भद्रकाळी ती. १७

भव (शकर) दू. २४६

भागीरथी ती. २०६

भुवनेश्वरी प. १८५

भूत दू. ४६

भूत ती २५१, २५२, २५३, २५४

म

मगळ (अग्नि) दू. २५२, २५३

मंत्र-प्रावाहन प. १

मंदाकिनी ती. २०६

मक्का दू. ४६

मयुरा (मयुराजी) प. १३१, १३२,

३१२, ३५६

मयुरा (मयुराजी) दू. ११, १६, १४०

मयुरा (मयुराजी) ती. २०६

मरीच प. ७७, २८७

मरुनायफजी ती. २१३

मह-मोहन (महा मोहन श्रीकृष्ण) दू. ६३

महाकाळ प. १२५

महादेवजी प. ७, ११, १४४, १५४,

२१३, २१५, २१६, २१७,

२१८, २१९, २२०, २८६

महादेवजी दू. २६७, २७२

महादेवजी री पीडी प. २१६

महादेवजी री तिग प. २१३, २१६

महादेव-सोमइयो प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७

महा रीख प. ६, १६१

महीनाळ-तीर्थ प. ४४

महेसुर प. १८५

माताघेन प. १

मांमा-खेजडो प. २४७

मांमाजी (लोक देवता) प. २४७

माताजी (देवी) दू. १८, ३३८

माया ती ७१

मित्रावरण प. १२२

मुद्रा प. १८४, १८५

„ दू. २१०

„ ती २४

मेखळी ती. २७

य

यद्र प. २७८

यमपाश प. १२५

यमुना वे० जमुना ।

यात्रा (तीर्थ) प. २८६

युगादि विष्णु ती. १७५

र

रणछोडजी प. १११

, , दू. २६८

रामचंद्र प. ६२

रामदे पीर प. ३५०, ३५१

रामेस (रामेश्वर) दू. ३८

राकस (राक्षस) प. १४४

राकस (राक्षस) ती. १६४, १६५

राक्षस दे० राकस ।

राठासण देवी प. ११, १२, ३४, ४४

राम भगवान प. ६३

राष्ट्रशेना देवी प. ३४

रिणछोडजी दे० रणछोडजी ।

रिष प. २३१, ३५४

रिषीकेश (श्राव पर्वत पर) प. १७८

रुडमाल दू. २४६

रुद्र प. १६२, २७७

रुद्रनाग प. १६०

रुद्र महालय प. २७२, २७७, २७८

रुद्रमालो (डूगरपुर-राजस्थान) प. ८५

रुद्रमालो (विदुष-गुजरात) प. २७२,

२७६, २७७,

रुद्रवाचा दू. २१

रुपादे राणी दू. १३०, २८४

ल

लक्ष्मी दू. २७४

लक्ष्मी ती. ५३

लक्ष्मीनाथ ती. २२१

लाग सगती ती. २२२

लाछ सगती ती. २२२

लाभध्रम दू. ११८

लिग प. २१३, २१४, २१६, २१६

व

वडगच्छ ती. १६

वर दू. २६७

वर ती. १६५

वरदान ती. १२०

वर-वासण देवी प. ४७

वाचाछळ देवीजी प. १३४

वाणारसी दे. ग्राम नामावली ।

वामन अवतार प. १५

वासग प. २७८

विधाता दू. २७४

विनायक ती. १५४

विष्णु दे० विष्णु भगवान ।

विष्णु भगवान प. १५

विष्णु भगवान ती. २८, १७५, २१५

विसनर दू. २४६

विह दे० विधाता ।

वेद प. १६२

वैवस्वत दे० वैवस्वत-मनु ।

वैवस्वत-मनु प. ७८, ११६

वैवसानर दू. २४६

वैष्णव प. ३०३

वैष्णव ती. २१३

वल्लभ प. २७८

श

शकर दू. २४६

शल प. ३३६

शत्रुजय प. ३३५

शिव प. ८५

शिव दू. २४६

शिव ती. २८

शिव-पट्टन प. २१३

शिवलिंग प. २१३, २१५

शेषनाग प. ६

शेष (सिध) प. ३३

श्रीश्रीविनायकी प. ३६

श्रीश्रीविनारायण ती. १७७

श्रीकृष्णविहारीजी ती. २१३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) प. ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) दू. १, ३, ६, १५,
३५, ६३, २०६, ३०३

श्रीकृष्ण (श्रीकृष्णदेव) ती. १७४, २७५

श्रीगणेश्यामजी ती. २१३, २१५

श्रीगोकुलनाथ (श्रीगोकुलीनाथ) प. २१३

श्रीठाकुरजी प. १३१, २१३, २८६, ३०३

„ दू. २२२

„ ती. १५७, २५०

श्रीपरमेश्वर दू. ३२२

श्रीभगवान ती. २५०

श्रीमहादेवजी दे० महादेवजी ।

श्रीमहादेवजी सारणेश्वरजी प. १७३, १७८

श्रीरणछोडजी (श्री रणछोडराय) प. १११

„ „ दू. २४६,

२४७, २६८

श्रीरणछोडजी (श्री रणछोडराय) ती. १७६,

२६६

श्रीरणछोडराय खेडू ती. १७३

श्रीरामचन्द्रजी प. १२८, २८८, २६२,

२६३, २६५

„ ती. १७८, २४६

श्रीलक्ष्मीनाथजी (जैसलमेर) ती. २२१

श्रीबाराहजी प. २४

श्रीविष्णु दू. ३

स

संकर (शकर) दू. २४६

सख प. २७८, ३३६

सकत (शक्ति) प. १८६

सच्चिदायदेवी (सच्चिदाय) प. ३३७, ३३६

„ „ ती. १७५

सपत पताळ प. १६२

सरग प. ७, १६०, २७८

„ दू. २७३

सरस्वती प. १८५, २७७

„ दू. ३, २६६

„ ती. २६, १७३

सहस्रलिङ्ग दू. ३३

सारणेश्वरजी महादेव प. १७३, १७८

सारसत्त दे० सरस्वती ।

साळगरांम प. २०४

सावध प. ३६, ४७

सिकोतरी ती. २

सिद्ध प. २५४, २७८, २८५

„ ती. २७, ७६

सिद्धपुर प. २७६, २७७

सिद्धपुर दू. २७२

सिध दे० सिद्ध ।

सिध (सिधधर्म=शैव) प. ३२

सिधपुरी प. १८६, १६०

सीतळा दू. १०६, १५५

सुर प. २७७, २७८

सुरयान प. १८८

सुरांगुर प. ३५४

सूरज (सूर्य) प. १, ३, ४३, ७८, १६०, २८७

„ दू. ३७, ३०४

सूर्यवंश ती. १७७

सेत दे० सेतुवध ।

सेतुवध प. ६, २७

„ दू. ३८

सेतूजी प. २७६, ३३५

सेस प. ६, २२६

सैणी चारणी देवी प. २०४

सोमद्वयो प. २१४, २१५

सोमद्वयो महादेव प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७, ३३५

सोमद्वयो महादेव ती. २६४

सोमद्वयो-लिङ्ग प. २१३

सोमनाथ-पट्टन प. २१३

सोमनाथ महादेव प. २१३, २१४, २१५,

२१६, २१७, २१८,

२१९, ३३५

सोमनाथ महादेव ती. २६४

सोरंभजी प. २१४
 सोरों-घाट प. २१४
 स्वर्ग प. ७, २७८
 खग प. १८६, २४५
 खग-सातमों प. २४५

ह

हङ्गुजी दे० हरभम पीर सांखली ।

हर प. ३४२, ३४६
 हर कू. ३२०
 हरभम दे० हरभम पीर सांखली ।
 हरभम जाल प. ३५०
 हरभम पीर सांखली प. ३४८, ३५०,
 ३५१, ३५२
 हरभू पीर दे० हरभम पीर सांखली ।
 हरि प. ३४२, ३४६



सम्पत्ति

छूटे हुए नाम अथवा पृष्ठ-सख्या

[नाम की पंक्ति सख्या उस नाम का उस पंक्ति में होना चाहिये बताता है]

पृ.	काँ.	प.	पुरुष नाम
२	२	२२	१३६, १४१
३	१	६	अखी प ३६३
५	२	२०	३१, ३६१
७	२	२	आलमसाह प. ५६
८	१	४	३६१
८	१	१०	३६२
९	१	२	३६१
९	२	६	३२०
१२	१	७	कयडू वृ. २१४
१२	१	८	कयडूनाथ योगी वृ. २१४
१३	१	११	५, ६, १३, १५, १६, ७०
१३	२	१०	करमचंद पंवार प. १२२
१४	१	३	१६६
१४	१	२७	१६५
१५	१	३	१५६
१६	२	२	काबो गडो प. १३६
१६	२	१३	३१५
२०	२	५	३६३
२१	१	२४	३६१
२१	२	११	खीमो संकरोत वृ. ८४
२२	२	४	गगस घोघो प. ५
२२	२	१३	३३८
२३	१	३	गडो काबो प. १३६
२३	१	१६	३६३
२३	१	३४	३५६
२४	१	१२	गोकळ प ३६१
२७	१	३६	चवंडो वे० चूडो ।

पृ.	काँ.	प.	पुरुष नाम
३२	१	१४	३१८
३३	२	२८	३१०
३५	१	१३	४३, ४५, ४७, ४८, ५३, ५४, ५५, ६६, ६७, ६८
३६	२	११	१६४
४१	२	३१	३१७, ३१८
४४	२	१४	१६८, १६९
४७	१	२१	१८३
५८	२	६	१६६
४८	२	७	१६८
४८	२	अंतिम	१६१
५०	१	२६	३५२
५०	२	३	११६
५४	२	३१	६७, १११, १६५, ३१२
५५	१	२६	१७
५५	१	अंतिम	प्रथीराव प २४३
५७	१	२३	बहन्नाल प. १८६
५७	२	५	६७, ६८
५७	२	२४	खालरथ प. २८८
६५	२	२५	३४५, ३४६
६६	२	२७	२६४, २६५, २६७
७२	२	६	यशवंतसिंह रावल वे० पताई रावल
७६	१	अंतिम	३१६
७७	१	३५	१८६, १८०
८१	२	२६	लसकरी कैमरो प. ३००
८६	१	४	१०१

पू.	कॉ.	प.	पुरुष नाम
६८	१	३	साहू आलम प. ५६
१०१	२	२६	२८३
१०२	२	२३	१०२ से ११०
भौगोलिक			
१२०	२	६	२३६
१२८	२	१६	४१
१३२	२	१७	जांभोरी सीपळी रो दू० ६
१४३	२	३	पूछणी दू १६४ दे० पूछणी
सांस्कृतिक			
१७२	१	१६	अमल रो पोतो प. १०२
१७२	१	२४	अलाइ-बलाइ प. १००
१७२	२	६	आहुखानो प. ८६
१७२	२	१३	१३४, २०६

पू.	कॉ.	प.	सांस्कृतिक
१७	१	३१	किरियांगो (प्रसूता की पौष्टिक खाद्य-सामग्री दू. २८०
१७३	२	६	कोड़वानि दू. २२३
१७३	२	२५	गोडो बाळणो दू. ११६
१७४	१	७	३३६
१७५	२	७	बोन-पुन्य प. १३६. २६६
१७५	२	१३	बायजो प. ७६
१७५	२	२५	हुहागण दू. १०
१७६	२	६	पाणी देणो दू. ३३७
१७६	२	११	पाघही-भाई दू. ६६
१७६	२	३७	पोतो प. १०२
१७६	२	अंतिम प्रळंबातार दू. १२०	

परिशिष्ट २

अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की मुंहता नैणसी री हस्तलिखित ख्यात-प्रति में दी हुई विशिष्ट पुरुषों की जन्मकुंडलियां

नैणसी ने अनेक प्रसिद्ध पुरुषों की जन्म कुंडलियां भी ख्यात में उनके वर्णन प्रसंगों के साथ दी हैं, जिनसे उनके जन्म समय और जीवन् की स्थिति पर अच्छा प्रकाश पड़ता है। ये कुंडलिया ज्योतिष-शास्त्र में रुचि रखने वालों के लिए बहुत महत्व और शोध की वस्तु हैं। ऐतिहासिकों के लिए भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ये जन्म कुंडलियां केवल अनूप संस्कृत लाइब्रेरी, दीकानेर की नैणसीरी ख्यात (पुस्तक सं० २०२/२४) में ही दी हुई हैं। अन्य किन्हीं भी प्रतिलिपियों में नहीं होने से और यह प्रति ख्यात का प्रथम भाग मुद्रित हो जाने के बाद देखने को मिलने कारण यथास्थान दी नहीं जा सकी थी; अतः यहां दी जा रही है—

राणा सांगा री जन्मकुंडली

संमत १५३६ रा वैशाख वद ६ सांगा री जनम । समत १५६६ जेठ सुद ५ रांगो सांगो पाट बैठो । (ख्यात पत्र ५ सू उद्धृत) - -

३	२ शु बु रा	१
४ वृ		१२ र
५	श्री॥	११ च
६	न के	१०
७ म. श.		९

राणा उदैसिध री जन्मपत्री

रांगो उदैसिध, समत १५७६ भाद्रवा सुद ११ जनम । स० १६२६ रा फागुण सुद १५ रांगो उदैसिध काळ प्राप्त हुयो । (ख्यात पत्र ६ सू उद्धृत)

६ शु के	५ र बु	४ म
७		३
न चं	श्री॥	२
८	११ ग	१
१० वृ		१२ रा

जगमाल सीसोदिया री जनमपत्री

स० १६११ असाढ वदी ५ रविवार रो जनम (ख्यात पत्र ६ सू)

४	३	२ बु
५ म	सू रा	१ शु
६	श्री॥	१२ श गु
७	६	११ च
८	के	१०

सगर रो जन्म

स० १६१३ भादवा वदी ३ रो सगर रो जन्म (ख्यात पत्र १)

३ मं	२	१ श
४ र	रा	१२
५ बु	श्री॥	११ च
६ शु	८	१०
७	वृ के	६

महाराराणा प्रताप री जन्मकुंडली

स० १६१६ जेठ सुद ३ रविवार रो राणा प्रताप रो जन्म (ख्यात पत्र ७)

११	१०	६
१२ रा		८
१	श्री॥	७
२ र	४	६ म श के
३ शु. बु. चं.	वृ	५

राणा करन री जन्मकुंडली

जन्म सं० १६४० सावण मृदि १२, मृत्यु १६६४ फागुण (व्यात पत्र ८)

३ के	१
८२	१२ वृ.श.
५. मृ. वृ. श्री।।।	११
६ म	१०
७	८ न. व.

राणा जगनसिंह री जन्मकुंडली

जन्म सं० १६६४ न मादवा मृदि १२, संमत् १७१४ न जेठ माहि धवळपुर न मराई
काम आयो ।

६ मृ. वृ. न	५	४
७	५	३
८	५	२
९ म	११	१
१०	१२	१२ वृ

परिशिष्ट ३

ख्यात में प्रयुक्त पद, उपाधि और विरुदादि विशिष्ट

संज्ञाओं या शब्दों की अर्थ सहित नामावली

सकेताक्षर

स० —	सज्ञा	प. —	नैणसी रो ख्यात का पहला भाग
ब.व. —	बहु वचन	दू. —	,, ,, दूसरा भाग
दे०	देखिये	ती. —	,, ,, तीसरा भाग

अखैसाही नांगो—जैसलमेर के रावल अखैराज द्वारा प्रवर्तित एक रोप्य मुद्रा ।

अनवी—परवतसर और महारोट के अनन्न घोर रावत उद्धरण दहिये का विरुद ।

अभगनाथ—विजयी घोरों में श्रेष्ठ घोर ।

अमल-रो-पोतो—अफीमची लोगों के अफीम रखने का वस्त्र का बना एक प्रकार का बटुआ ।

असख प्रवाड़े-जैतवादी—चित्तौड़ के राना रायमल के अत्यन्त बलशाली और असह्य युद्धों में विजय प्राप्त करने वाले पुत्र पृथ्वीराज का विरुद ।

असत धान—१. हल्की किस्म का अनाज २. नहीं खाने योग्य (सड़ा-गला) अनाज ।

असुख—१. शत्रुता २. रोग ।

असुर—आसुरी प्रकृति के कारण 'मुसलमान' का लक्षणार्थ पर्याय ।

(ब. व.—असुरां, असुराण, असुरायण, असुराळ, असुराळ, अत्ताळ)

आऊठ कोड़ बभणवाड़ } — नवलखी सिध का बभणवाड़ प्रदेश और उसका सामई नगर ।
आऊठ कोड़ सांमई } (कहा जाता है कि सिध, कच्छ और सोरठ के अमुक भाग नवलखी सिध के नाम से प्रसिद्ध थे । बभणवाड़ आठ करोड़ की आय का प्रदेश कहा जाता है ।)

आखाड़सिद्ध—१. रणकुशल । २. विजयराव चूडाळ का विरुद ।

आगू—१. यात्रा में आगे चलने वाला और भय स्थानों एवं शत्रुओं की सूचना देनेवाला व्यक्ति । २. मार्गदर्शक ।

आदित, आदित्य—दे. दीत-ब्राह्मण ।

आयस, आयसजी—राजस्थान के नाथ सन्यासियों का विरुद या उपाधि ।

आरभरांम—('आरभ+आरांम' का अपभ्रंश रूप) यह शक्तिमान राजा या बादशाह जो किसी भी शत्रु के ऊपर किसी भी समय भारी सेना के साथ आक्रमण करने के लिये तैयार रहता है ।

आलमगीर—बादशाह औरगजेब रा विरुद ।

आसा—गर्भ ।

आहाड़ा—‘आहोड़ा’ नामक गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के शिशोदियो (शासको) का एक विरुद ।

आहूठमा नरेश—चित्तौड़ के शिशोदिया नरेशों का एक विरुद ।

इद्र—राजस्थानी साहित्य की सोलह दिशाओं में से एक ।

इक्को—दे० एको ।

उडणो-प्रणो—दे० उडणो-प्रथीराज ।

उडणो-प्रथीराज—एक ही दिन के अदर टोडा और जालोर की विजय कर लेने के कारण राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज को बादशाह की ओर से दी हुई उपाधि ।

उड़दावो—कई धान्यों को मिला कर घोड़ों के लिये बनाया जाने वाला एक खाद्य ।

उपाधियो—वेद-वेदांग पढ़ाने वाले अव्यापक की एक उपाधि ।

उमराव—बादशाहों के दरबारी हिन्दू-नरेशों की उपाधि ।

(बादशाही दरबारों में उमरावों की संख्या मुसलमान खानों की अपेक्षा दो अधिक होती थी और वह ७२ थीं । हिन्दू उमराव युद्धों में सिर कट जाने पर घड़ से लड़ते थे और घड़ के शान्त हो जाने पर उनकी पत्नियाँ उनके साथ सती हो जाती थीं । इसीलिये कहा जाता है कि इन दो विशेषताओं के कारण उमरावों की दो सट्टायें शाही-दरबारों में प्रतिष्ठा स्वरूप हिन्दुओं की प्राप्त थीं ।

‘उमराव’ अमोर शब्द का बहुवचन रूप है ।

‘उमराव’ और ‘उमराव बनो’ राजस्थान के वैवाहिक-लोक-गीतों में एक नायक के रूप से भी प्रसिद्ध है ।

उवही—समुद्र ।

ऋषि, ऋषीश्वर—१. वेद-मंत्रों का प्रकाशक, मन्त्र-द्रष्टा । २. आध्यात्मिक और भौतिक तत्वों का ज्ञाता ।

एको—अनेक योद्धाओं से अकेला लड़ने वाला शक्तिमान बादशाह का श्रंग-रक्षक ।

एवालियो—भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति । गडरिया ।

ओकर—१. दुर्वचन, गाली । २. विष्टा ।

ओठी—ऊट सवार (१. ऊट । २. ऊट से सम्बन्धित ।)

ओढो-रांवण—रावण के समान भयकर महाबली दोवा सूमरे का विरुद । (विकट महाबली)

ओळ—१. वह बंधक-नियम जिसमें मनुष्य को गिरवी रखना पड़ता था । २. मनुष्य को गिरवी रखने की प्रथा ।

ओळगण—गानेवाली ढाड़िन नौकरानी । (१. वियोगिनी, २. पत्नी. ३. महतरानी)

ओळगू—गाने बजाने वाला ढाढ़ी नौकर ।

कँवर—१. राजा या जागीरदार का लड़का । २. राजकुमारी । ३. पुत्र ।

कँवराणी—कुमर की पत्नी ।

कँवारमग, क्वारमग—आकाश गया ।

कणवारियो—खेतों में से कूता किया हुआ नाज इकट्ठा करने वाला सरकारी अनुचर ।

कनवजियो, कनवजो—कन्नौज से मारवाड़ में आये हुए राठौड़ क्षत्री का विरुद्ध ।

कपूर वासियो पांणी—कपूर-वासित पानी ।

कमध, कमध, कमधज, कमधजियो—राठौड़ क्षत्रियो का विरुद्ध ।

करहीरो—ऊट सवार, करभारोही ।

करोड़ी, कियोड़ी—मुसलमानी राज्यकाल में बादशाह की ओर से कर वसूल करने वाला एक अधिकारी ।

कर्नल—१. राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकार कर्नल टॉड की सैनिक उपाधि । ३. कर्नल टॉड (Col. Tod.)

कव, कवराज, कवि, कवोसर, कवेसर—१. काव्यकर्ता चारण २. कवि ३. भाट-कवि ।

कस्तूरियो मिरघ—१. विलासिता की एक उपाधि । २. कस्तूरीमृग ।

कलावत—१. संगीतज्ञों की एक उपाधि । ३. एक संगीतज्ञ जाति । ३ एक क्षत्रिय जाति । ४. संगीतज्ञ ।

कांचळी—पुत्री नेम

कांठळियो—१. सीमा रक्षक । २. पड़ोसी राज्य का लुटेरा । ३. लूटखसोट करने वाला पहाड़ी लुटेरा ।

कांनूगो—बादशाही समय का एक कर्मचारी, कानूनगो ।

कांसदार—जागीरदार की जागीरी का मुख्य प्रबन्ध-अधिकारी ।

कांमेती—वे० कामदार ।

काछ पचाळ—कच्छ और पाचाल देश की एक देवी ।

काछराय—सैणी नाम की कच्छ देश की एक देवी ।

कारण—१. गर्भ । २. प्रतिष्ठा । ३. मान-मर्यादा । ४. कृपा ।

कारणीक—१. योग्य । २. प्रामाणिक । ३. ज्ञाता, जानकार । ४. परोपकारी । ५. विवेकी ।

६. दरमियानगिरी करने वाला ।

काळ-भुजाळ—काल से भी युद्ध करने में समर्थ । १

काळो तारो—१. पिता को मारने वाले शत्रु का बदला नहीं लेने वाले पुत्र की कलक रूप उपाधि । २. युद्ध से भाग जाने वाले व्यक्ति का कलंककारी नाम ।

किलंब, किलम—कलमा पढ़ने के कारण मुसलमान का लाक्षणिक नाम । (व. व.—किलबा, किलबाण, किलमां, किलमाण, किलमायण)

किलेदार—१. दुर्गरक्षक । २. दुर्गरक्षक का पद ।

कुंवर-मांणो—

कुंवर पछेवड़ी—

कुंवर पांसरी—

कुंवर सूखड़ी—

कुंवर के नाम पर जागीरी प्रजा से लिया जाने वाला एक कर ।

कुतबसाही-नांणो—सुलतान कुतुबुद्दीन द्वारा प्रवर्तित कुतुबशाही मुद्रा ।

कूरवांण—मास-खाद्य रखने का एक पात्र ।

कृत—मृतक-संस्कार ।

केसरिया—विवाहार्थ व युद्धार्थ पहिनी जाने वाली केशर रंग की पोशाक ।

कैलपुरो—कैलवा नाम के गाँव में बसने के कारण शिशोदियों का एक विरुद ।

कोटवाळ—१. शासनाधिकारी का एक पद । २. दुर्गरक्षक और उसका पद ।

खटायत—सहन करने वाला धीर पुरुष ।

खवरदार—सदेश-वाहक अनुचर ।

खरक कूंग—वायव्य और पश्चिम दिशा के बीच की दिशा ।

खवास—१. राजा की खवासी करने वाला नौकर । २. नाई । ३. दासी । ४. रखेल स्त्री ।

खांगड़ो—१. राठोड़ राजपूत । २. राठोड़ों का एक विरुद । ३. बीर ।

खांगीवध—राठोड़ो का एक विरुद ।

खांट जात—भील, नायक, मेर आदि जातियों की समष्टि ।

खान—१. बादशाह की सभा के मुसलमान दरबारी । खानों की संख्या बादशाही दरबारों में ७० होती थी । इनके मुकाबिले उमराव ७२ होते थे । 'सदर खान और बहतर उमराव' की लोकोक्ति प्रसिद्ध है ।

२. पठानों की एक उपाधि । ३. मुसलमान ।

खाड़े ती—बैलगाड़ी आदि वाहन चलाने वाला व्यक्ति । २. हल चलाने वाला व्यक्ति ।

खालसा—१. राजाओं की उप-पत्नियों का एक प्रकार । २. रखेल । ३. दासी ।

खिलहरी, खिलहोरी, खिलोरी, खिलोहरी—१. जंगली मनुष्य । २. भेड़-बकरी चराने वाला व्यक्ति ।

खुरसाण—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय (ब. घ. खुरसाणा, खुरासाणा)

खूँदालम—बादशाह ।

खून—१. अपराध । २. हत्या ॥

खूमाणो—रावळ खूमाण के वंशज शिशोदिया क्षत्रियों का विरुद ।

खूर—लाक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति ।

खेड़ा री बाघण—शिकार का एक प्रकार ।

खेड़ेचा—मारवाड़ में राठौड़ क्षत्रियों का खेड़-पाटण में सर्व प्रथम राज्य स्थापित होने के कारण उनका ऐतिहासिक विरुद्ध ।

खेड़ायत—१. एक गाँव का घनी । २. जमीन जोत करके गुजरान करने वाला व्यक्ति ।

गग—१. शाना घणसूर मोहिल का विरुद्ध । २. राघ गाँगा की उन संज्ञा ।

गजघर—भवन निर्माण करने वाला शिल्पी ।

गढपति—दुर्गपति, राजा ।

गायणी—१. गाने वाली । २. वेश्या ।

गुढो—रक्षा-स्थान ।

गूल-लाग—विवाह आदि में गुड़ के रूप में दिया जाने वाला एक कर ।

गेहलो—अणहिलपुर पाटण के शासक कर्ण (की मूर्खता) का विरुद्ध ।

गोडो बालणो—मृतक की सम्बेदना प्रकट करने को जाना ।

गोत्र-कदव—स्वगोत्री (कुटुम्बी) जनों की हत्या ।

ग्रासियो—१. ग्रास (गुजारा) के लिये मिली हुई जमीन का मालिक ।

२. विद्रोही, बागी । ३. लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति ।

घणदेवजी-रोटा—१. बड़ी बाटी का भोजन । ३. देवी-देवता के निमित्त बनाया हुआ बाटी का भोजन ।

घरवास, घरवासो—पत्नी रूप में पर-पूरुष के घर में रहना ।

घावड़ियो—हानि पहुँचाने या मारने के लिये ताफ में रहने या पीछा करने वाला व्यक्ति ।

घोरघार—कोळू के शासक पमे का विरुद्ध ।

चक्रवै—चक्रवर्ती राजा, सम्राट ।

चरवैदार—१. घोड़ों की देखभाल करने वाला नौकर, सईस । २. घोड़ों की जगल में ले जाकर चराने-फिराने वाला नौकर ।

चवरासियो—चौरासो गाँवों का स्वामी । २. राजस्थानी लोकगीतों का एक नायक ।

चामरियाल—लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

चौधड़—१. आवश्यक समय के लिये चुनिंदा घोर योद्धा । २. अधिक अफीम खाने के कारण सुष-बुध रहित व गदा रहने वाला व्यक्ति ।

चूड़ालो—प्रसिद्ध घोर भाटी विजयराव का विरुद्ध ।

चोटी-बढियो—जागीरदार की प्रजा का वह कर-मुक्त मनुष्य जिसको अपनी चोटी कटाई हुई रखनी पडती थी ।

चोधरी—१. गाँव की चौधराई का पद । २. जाति या समाज का मुखिया ।

चोरासिया-ठाकर—१. चौरासो गाँवों का जागीरदार । २. बड़ा जागीरदार ।

छकड़—एक प्राचीन सिक्का ।

छूठी—१. मृत्यु । २. युद्ध ।

छड़ीदार—छड़ीवरदार, चौधदार ।

छतीस पवन—१. चारों धर्ण और उनके अतर्गत आने वाली समस्त जातियाँ । २. ससार की समस्त जातियाँ ।

छत्रपति—१. सरहटों का राज्य स्थापित करने वाले वीरवर शिवाजी की उपाधि और विरुद । २. छत्रधारी राजा या महाराजा ।

- छात्राळा—जैसलमेर के भाटी शासकों का विरुद ।

जवादि जलहर—१. वह जलागार जिसके जल में क्रीड़ा या मंजन करने के लिए कस्तूरी आदि सुगंधित पदार्थ मिलाये गये हों । ३. सुगंधित किये हुए जलागार में की जाने वाली स्नान-क्रीड़ा ।

जमीदार—जमीन का स्वामी ।

जय-जंगलधर—१. बीकानेर के राठौड़ राजाओं की उपाधि और विरुद । २. बीकानेर राज्य का आदर्श वाक्य ।

जलालस्याही, जलाला नांणो—जलालशाही रूपया ।

जवन—मुसलमान का पर्यायवाची ।

जांगड़—ढोली ।

जांणाऊ—१. भेदिया, गुप्तचर । २. चतुर, विज्ञ ।

जांस—सौराष्ट्र के नवानगर (जामनगर) के शासकों की उपाधि ।

जागीरदार—जागीर का स्वामी, जागीर-प्राप्त व्यक्ति ।

जोगणी—१. रण-पिशाचिनी । २. योग साधन करने वाली स्त्री । ३. जोगी जाति के पुरुष की स्त्री ।

जोगी—१. योगी, योग साधन करने वाला तपस्वी । २. आत्मज्ञानी ।

जोगी-रावळ—१. बड़ा योगी, योगीश्वर । २. राज्य-सम्मानित योगी ।

जोगेश्वर, जोगेसर—योगीश्वर ।

जोसी—ज्योतिषी, राज्य-ज्योतिषी ।

भीटोळियो—१. एक प्रकार का भूत । २. साधारण भूत ।

भोटिंग—१. घने वाली घाला और काले रंग का एक बड़ा भूत । २. महिषाकृति व काल रंग का एक बड़ा भूत ।

टका—१. रूपया । २. दो पैसे (२० $\frac{1}{2}$) का सिक्का, रुपये के ३२वें भाग का एक सिक्का ।

टोकायत—१. राजा का उत्तराधिकारी पुत्र, युधराज । २. मुखिया, अधिष्ठाता ।

ठकरांणी—१. ठाकुर की पत्नी । २. कुलवान क्षत्राणी ।

ठकराळा, ठकुराळा—१. ठाकुर के लिए आदर-सूचक संबोधन । २. ठाकुर ।

ठाकर—१ ठाकुर, जागीरदार । २. कुलवान क्षत्री ।

ठाकुर—१. श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) २. श्रीकृष्ण । ३. दे० ठाकर ।

ठाकुरजी—१ श्रीराम अथवा श्रीकृष्ण (की मूर्ति) । २. श्रीकृष्ण ।

डावड़ी —१ जागीरदार की एक दासी । २ पुत्री ।

डोली—ब्राह्मण-साधु आदि को दान में दी हुई कर-मुक्त भूमि ।

ढोल बिरावणो—आक्रमण के समय सूचना देने और संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से ढोल का बजवाना ।

डावी-पाघ—राठीयों की पगड़ी का एक पेश ।

तपसी—तपस्वी साधु ।

तहड़-कूंग—सोलह दिशाओं में की एक दिशा का नाम ।

तुरक—मुसलमान व्यक्ति का लक्षणार्थ नाम ।

तुरकाणी—१ तुर्क राज्य, मुसलमानों का राज्य । २ मुसलमान स्त्री ।

थाळी-लाग—१. प्रति व्यक्ति कर । २. विवाहादि में थाली भर कर भोजन रूप में लिया जाने वाला कर ।

दळयभण—जोधपुर के महाराजा गजसिंह का विरुद्ध ।

दसमो साळगरांम-गोकुळीनाथ—जासोर के प्रख्यात वीर राव काह्ण्डे सोनगरे का विरुद्ध ।

दानेसर, दानेसवर—प्रभात नाम महादानी कुन्तो पुत्र कर्ण (बसुषेण) का विरुद्ध ।

दांम—पैसे के २५ वें भाग का एक सिक्का (६४ पैसे के ६० १ के १६०० दाम होते थे) ।

दीत—दे० दीत-ब्राह्मण ।

दीत-ब्राह्मण—चित्तौड़ के शासक सोसोदियों के पूर्वजों (घन शर्मा के बाद गोवर्सीवित्त से भोगादित्य तक ५५ पीढ़ियों) की 'आदित्य-ब्राह्मण' उपाधि या श्रृंखला ।

दीवाण—१ मेवाड़ के सोसोदिया शासकों (महाराजाओं) का पद और एक विरुद्ध ।
(मेवाड़ राज्य के स्वामी श्रीहर्कलिंगजी और महाराजा उनके दीवान हैं) २. राज्य का प्रधान मंत्री, दीवान ।

दुर्गाणी—१ रुपये के सोवें भाग का एक पुराना सिक्का ।

२, व्याज की फलाघट में गणित का एक साधन, दुरगाणी ।

दुगापचा (दुगाय माता)—हंवाघाटी में दुगाय पर्वत पर की दुर्गा माता देवी । दुर्गा-पचा नाम भी प्रसिद्ध है ।

देसोत—१. देशपति, राजा । २. जागीरदार ।

देवचो, देवाचो—प्रतिज्ञा ।

घाड़वी, घाड़ायत, घाड़ायती, घाड़ेत, घाड़ेती—डाका डालकर धन लूटने वाला व्यक्ति ।

घाय-भाई—घा-भाई, दूध-भाई । स्तनपान कराने वाली घाय का पुत्र । २. घाय-भाई के वंशजों की उपाधि ।

घारेचो—विधवा का परपुरुष की पत्नी होकर रहना ।

नकीब—राजा-बादशाहों के पट्टाभिषेक होने, उनके राज-सभा में आने तथा उनकी सवारी के समय विरुद-गान करने वाला सेवक ।

नगारो दिराणो—आक्रमण के समय सूचना देने और धीरों का संगठित होने के लिये विशेष प्रकार से नगाड़े का बजवाना ।

नवाव—मुसलमान शासक या रईसों की एक उपाधि । २. किसी सूबे का मुसलमान राज्याधिकारी या शासक ।

नव कोटी-मारवाड—नौ प्रसिद्ध दुर्गों वाला विशाल मारवाड़ राज्य ।

नव-सहस्रो—१. मारवाड़ राज्य के प्रसिद्ध राव मालदेव का विरुद । २. धीर राठौड़ क्षत्री ।

नागदहा—नागदहा गांव में बसने के कारण सेवाड के सीसोदिया-शासकों का एक विरुद ।

नादेत-नीसाणेत—चाचग के वंशज रुणवाय के सांखलों का विरुद ।

नेगी—नेग लेने वाला व्यक्ति ।

न्याळां—१. आखेट-गोष्ठी । शिकारियों की भोजन-गोष्ठी ।

पचाध कूण—उत्तर और दायव्य के बीच की दिशा का नाम ।

पटू—प्रतिभू, जामिन ।

पड़दाइत, पड़दायत—राजा की वह रखेल जिसे पत्नी (रानी) के समान पर्दे में रहने का सम्मान मिला हो ।

पताई-रावळ--पावागढ (गुजरात) के धीर रावल यशवर्तसिंह का विरुद ।

परत-रो-वेढ--शत्रु की लड़ाई ।

परधान--१. राज्य का प्रमुख पदाधिकारी, प्रधान मंत्री । २. किन्हीं दो पक्ष, ठिकाने या राज्यों में पड़े हुए झगड़े-टटे या मतभेद को मिटाने या समाधान के लिए नियुक्त किया गया प्रतिष्ठित व्यक्ति ।

पांडव--घोड़े का सईस ।

पाइक --१. पदल सैनिक । २. हर समय पास रहने वाला विश्वास-पात्र सेवक, सच्चा सेवक ।

पाखा-देवळी--१. राजा का परिजन या परिग्रह । २. राज्य के समस्त स्त्री-पुरुष सेवक-जन ।

पाटवी--१. पट्टाधिकारी राजकुमार, युवराज । २. जागीर का अधिकारी ।

पाटोधर--पट्टाधिकारी, राजा ।

पात--१. (दान दिये जाने के पात्र) चारण भाट आदि । २. चारण ।

पातर--१. राजाश्री की मायिका । २. लपटों की भोग-पात्र नारी, वेश्या ।

पातळ--जग-विख्यात महाराजा धीरशिरोमणि प्रताप का साहित्यिक नाम ।

पातसाह—बादशाह ।

पासवान—१. राजा का खास सेवक । २. राजा की एक रखेल स्त्री और उसका वर्जा ।

पिथोरो—१. अंतिम हिंदू सम्राट पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम । २. पृथ्वीराज के कुछ वंशजों की उपाधि ।

पिरोजसाही, पिरोजा—फिरोजशाही रुपया ।

पीथल—'क्रिस्तन रुकमणी री धेलि' के रचयिता प्रसिद्ध भक्त बीकानेर के राठौड़ पृथ्वीराज का साहित्यिक नाम ।

पीर—मुसलमानों का धर्म-गुरु ।

पीरोजी नांणो—वे० पिरोजसाही ।

पूण-जात—द्विजों के अतिरिक्त समस्त जाति समुदाय ।

पूतल-छोकरी—बासी ।

पृथ्वीराज-उडणो—वे० उडणो-प्रथीराज

पेरोजी नांणो—वे० पिरोजसाही ।

प्रवाड़मल—१. अनेक युद्धों में विजयी होकर कीर्ति प्राप्त करने वाला वीर योद्धा ।

२. वे० प्रसन्न प्रवाड़-जंतवावी ।

प्रोलियो—द्वारपाल ।

प्रोहित—१. पुरोहित । राजगुरु । २. कुलगुरु ।

फदियो—एक पुराना सिक्का ।

फरास—फरसि ।

फरीधर, फरसीधर—परशुधर ।

फोजदार—सेना का अधिकारी, सेनापति ।

बघांणो—नियमित समय और मात्रा में नशा करने वाला नशाबाज व्यक्ति ।

बगसी—वेतन घाटने वाला अधिकारी, बक्सी ।

बलबड—सुल्तान गयासुद्दीन की उपाधि ।

बहुली-जोगणी—एक योगिनी ।

बा--१. सौराष्ट्र और गुजरात के राजबाड़ों की राजमाताओं के नामों के साथ लगने वाला माध्यम-सूचक एक प्रत्यय । २. माता ।

बाजरियो—१. एक मांस भोजन । २. बरात का एक विशेष भोजन-समारोह ।

बादशाह—हिंदू-तर सार्वभौम राजा का पद । बड़ा राजा ।

बायड़—नशा करने की तीव्र इच्छा ।

बायड़ियो—नशा करने की आसत वाला, नशा करने की तीव्र इच्छा वाला ।

बारोटियो—१. लुटेरा । २. बिग्रीही, बलबाखोर ।

बीबी—बीबी (मुसलमान कुलीन स्त्री) का खाधिन्व या फरजव होने के नाते साक्षणिक अर्थ में मुसलमान शब्द का पर्याय ।

बेगम—नवाब या बादशाह की पत्नी ।

ब्रह्मरिख, ब्रह्मरिष—ब्रह्मर्षि ।

भड़-किमाड़, भड़-किवाड़—रुपाट की मांति अवरोध बनकर शत्रु को आगे नहीं बढ़ने देकर देश की रक्षा करने वाले धीर योद्धाओं का विरुद्ध ।

भड़-लखमसी—घित्तोड़ के राना रतनसी के भाई लखमणसी का विरुद्ध ।

भरहेर कूण—पूर्व और ईशान के बीच की विशा ।

भांग-रा-हिमायचा—१. भांग से बना एक नशीला पदार्थ । २. भांग पीने की आदत वाला ।

भूँछ लोग—१. धर्मनीति और राजनीति से अनभिज्ञ लोग । २. असभ्य लोग ।

भोमियो—१. छोटी भूमि (पेतों) का स्वामी, जमींदार । २. बहूज ।

मडलीक—१. देरावर के देहड़, बूहड़ और गुणरंग का विरुद्ध व उनकी उपाधि । २. मडलीक राजा, मडलपति ।

मऊ—१. दुकालग्रस्त गरीब प्रजा जो (धनले वषट् सुकाल हो जाने पर घापिस लौट आने के इरादे से) अपने भरण-पोषण के लिये सामूहिक रूप से स्वदेश छोड़कर किसी सुकाल वाले स्थान को जा रही हो । २. गरीब प्रजा ।

मनसबदार—बादशाही राजत्वकाल का मनसब प्राप्त अधिकारी ।

मलेछ, मलेछ—१. साक्षणिक अर्थ में मुसलमान व्यक्ति । २. विधर्मी ।

महमूदी—एक मोहम्मदी सिक्का ।

महाजन—१. वैश्य, धनिक । २. धनी व्यक्ति । ३. धेष्ठ-पुरुष ।

महाराणा—मेवाड़ के शासकों की उपाधि ।

महाराज—१. ब्राह्मण और साधुओं का सम्मान-सूचक नाम । २. राजा ।

महाराज कँवार—युवराज ।

महाराजा—बड़े राजाओं की उपाधि ।

महाराजाधिराज—अनेक राजाओं में प्रधान राजा, सम्राट ।

महावत—फौलवान ।

मारवण, मारवणी—१. साहित्य-प्रसिद्ध पूगल की राजकुमारी और नरवर के डोला की पत्नी । २. मारवाड़ देश की स्त्री । ३. एक लोक-नायिका, राजस्थानी लोक-गीतों की नायिका ।

मारवा-राव—मारवाड़ में से सौराष्ट्र को गये हुए गोहिल क्षत्रियों का विरुद्ध ।

मारू—१. मारवाड़ देश । २. मारवाड़ देश का निवासी (म. व. मारवा, मारवा) ३. एक लोक-नायक, राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ४. वे० मारवणी ।

मालाणा—१. मारवाड़ के मालानी प्रदेश के क्षत्री के लिये सम्बोधन । २. मालानी प्रदेश का क्षत्री ।

माहिलवाड़ियो लोक—राजा के अतरंग लोग ।

मिरजा—१. मुगलो की एक उपाधि २. मीरजा ।

मिलक—१. मुसलमान सरदारों की मलिक उपाधि । २. लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय ।

मीर—१. मुसलमान सरदारों की एक उपाधि । २. शमीर ।

मुंहणोत—राध सीहा के वंशज खेह-पाटण के राठोड राध रायपाल के पुत्र मोहन के जैन धर्म स्वीकार कर लेने पर उनके वंशजों की ओसवालों में प्रसिद्ध हुई 'मोहणोत' शाखा ।

मुंहता—१. 'मुहणोत' का अपभ्रंश रूप । २. मोहताई या मुंहताई का पद । ३. ब्राह्मण और वैश्य आदि जातियों की एक अल्ल ।

मुसद्दी—राजकार्य में कुशल व्यक्ति का पद ।

मूंछाळो-मालदे—जालोर के राध कान्हडवे सोनगरा का भाई धीर मालदेव सावतसीप्रोत का विरुद ।

मूर्छा-री-सिकार—१. वृक्ष पर बंधे हुए ऊंचे मचान पर बैठ कर किया जाने वाला शिकार, ओदी की शिकार । २. किसी झाड़ी, खड्डे या वृक्ष पर बैठ कर की जाने वाली रात की शिकार ।

मेछ—दे० मलेछ । ('म्लेच्छ' का अपभ्रंश रूप । ब. व. मेछाण, मेछाइन, मेछायण)

मेळग—चारण ।

मेवाड़ो—१. लाक्षणिक अर्थ में मेवाड़ के महाराना का पर्याय । २. मेवाड़ का निवासी ।

मेवासी—विद्रोही बन कर लूट-मार करने वाला ।

मेवासी—मेवासियों का दुर्गम व छिपा स्थान ।

मोटा-राजा—जोधपुर के राजा उर्दोसह की उपाधि या उपनाम । (शरीर में बहुत भारी और मोटे होने के कारण इस नाम से प्रसिद्ध होना कहा जाता है ।)

मोदी—१. भोजनशाला की सामग्री के अधिकारी का पद । २. आटा दाल आदि बेचने वाला बनिया ।

रढ-रांवण—१. राना इन्द्रवीर मोहिल का विरुद । २. रावण के समान दृढ़ और हठी धीर का विशेषण । ('रढराण' इसका छोटा रूप है)

रखद—रौद्र लक्षणार्थ में मुसलमान का पर्याय । (ब. व. रखदां, रखदाण, रखदाइन, रखदायण, रखदायत, रखदाळ)

रसोईदार—रसोइया ।

रांगणा—१. करण रावल के पुत्र 'राना' राहण से चली आ रही मेवाड़ के सीसोदियों की उपाधि । २. मारवाड़ के मालानी प्रान्त के गुड़ा और नगर के जागीरदारों की

उपाधि । ३. छापड़-द्रोणपुर के मोहिल शासकों की उपाधि । ४. राना. राजा ।
(सं० रांगाई)

राणी—१. रानी, राज्ञी, राजा की पत्नी । २. राज्य की स्वामिनी ।

रा—कच्छ और सोरठ के शासकों की उपाधि । (पूर्व समय में राजस्थान के जागीरदारों की भी 'रा' उपाधि होती थी । दे० अणखीसर कूप की देघली का शिजालेख, स० १३४० वि.)

राईतन—१. अनेक राज्यों के राजा लोग । २. राज्य वर्ग ।

राउ—दे० राघ ।

राजलोक—१. अंतःपुर, रनिवास । २. रानी । ३. रानियाँ ।

राजवी—१. राजघराने के व्यक्तियों की उपाधि । २. राजघराने का व्यक्ति ।

राजा—राज्य के स्वामी की उपाधि । २ नृपति । (सं. राजाई)

राठी—एक जाति जो राज्य की बेगार निकालती है । बेगारी ।

रायजादो—१. राजपुत्र, राजकुवर । २. विवाहादि लोक गीतों का एक नायक ।

राव—१. मारवाड़ के शुरू के कुछ राठौड शासकों की उपाधि । २ भाटो की उपाधि ।
३. राजा । ४. सरदार । (सं० रावाई)

रावत—१. छोटे राजाओं की उपाधि । (सं० रावताई) २, भील जाति ।

रावल—१. जैसलमेर के राजाओं की उपाधि । २ रावल बापा के पिता भोजादिभ्य से रावल करन की २६ पीढ़ी तक चित्तौड़ के शासकों की उपाधि । ३. मारवाड़ के जसोल और सियाघरी आदि मालानी के कुछ ठिकानों के जागीरदारों की उपाधि । ४. डूंगरपुर और वासवाहला (वासवाडा) के रावल माहप से शासकों की उपाधि ।

राहवेधी—हूरदेश ।

राहावणो—१. राजाओं और ठाकुरों की रखेलियों की सतान, रावणा लोग । (उसी राजा या ठाकुर के द्वारा भरण-पोषण पाने और उसके यहा ही रहने के अधिकार के कारण यह संज्ञा दी गई कहा जाता है)

रिख, रिखी, रिखीस्वर, रिष—१ हारीत ऋषि । २ ऋषि ।

रूठी-रांणी—१. राघ मालदेव की रानी उमादे भटियानी का स्वाभिमानो नाम ।

रूपारास—पूर्व और आग्नेय के बीच की दिशा का नाम ।

रौद—दे० रघव । (व. घ. रौदां, रौवाण, रौदाइळ, रौदायळ, रौदाळ)

रौद्र—दे० रघव । (व. व. रौद्रां, रौद्राइन, रौद्रायण, रौद्राळ)

लजो, लांजो—१. जैसलमेर के रावल विजयराव का विरुद ।

२. राजस्थानी लोक-गीतों का एक नायक । ३. बहुत शौकीन ।

लसकरी—कामरा की उपाधि ।

लांघा-बलाय—राना रायमल के पुत्र पृथ्वीराज की अद्भुत वीरता का और एक ही दिन में टोडा (जयपुर) और जालोर (मारवाड़) जीत लेने के कारण एक विरुद प्रथमा विशेषण ।

लागदार—कर वसूल करने वाला अधिकारी ।

लूटेंरू—लूट-खसोट करने वाला व्यक्ति, लुटेरा ।

वजीर—१. दासी पुत्र, गोला । २. राज्य का प्रधान पदाधिकारी ।

बड कँवार—पूर्ण यौवनवती कुमारी ।

बडारण—ऊँचे दर्जे वाली दासी ।

वरतियो—१. सात्रिक । २. जैन जती ।

वसी, वसीवांन (वसी रो लोग)—१. जागीरदार की प्रजा के वे लोग जो कर-मुक्त होते हैं और जिन्हें विशेष सेवाएँ देनी होती हैं । २. वे लोग जो अपनी सुरक्षा के लिये जागीरदार को कुछ विशेष कर देते हैं । ३. किसी जागीरदार की जागीरी या गांव में बसने वाली प्रजा ।

वांकड़ो—राजा पृथ्वीराज कछवाहे के बेटे बलिभद्र का विरुद ।

वातपोस—राजाओं के मनोरजनार्थ कहानियें और ख्यात-वातें सुनाने वाला अथवा हाँकारा देने वाला व्यक्ति ।

वावसू—१. गुप्तचर । २. वायुवेग के समान भाग कर खबर लाने वाला व्यक्ति ।

वाहग—१. गुप्तचर । २. दौड़ा करने वाला ।

वाहरू—पीछा करने वाला व्यक्ति ।

वाहाऊ—दे० वाहरू ।

विचित्र—मुसलमान का लाक्षणिक पर्याय ।

विजयशाही रुपया—जोधपुर के महाराजा विजयसिंह द्वारा प्रवर्तित एक रौप्य मुद्रा ।

घैरागी—वैष्णव साधुओं का एक भेद ।

घैरायत—१. घेर का बदला लेने वाला व्यक्ति । २. बदला लेने की सोज में रहने वाला व्यक्ति ।

घोढो-रांवण—दे० घोढो रांघण ।

घोहरो—१. ब्याज पर रुपये उधार देने वाला धणिक । २. एक मुसलमान जाति ।

घोडश-महादान—भूमि, आसन, जल, वस्त्र, दीप, अन्न, तांबूल, छत्र, गध, माला, फल, शय्या, पादुका, गौ, सुवर्ण और चाबी—इन सोलह वस्तुओं का दान घोडश-महादान कहलाता है ।

श्रीठाकुरजी गोकळीनाथ—दे० बसमों साळगराम गोकळीनाथ ।

सगत, सगती—वह स्त्री जिसके शरीर में भटियामी प्रादि किसी लोकदेवी का आवेश

- होता हो । २. देव्याशी स्त्री । ३. जोगिनी ।
- सतवादी—दे० सत्यव्रत ।
- सती—१. दानी । २. सत्यवादी । ३. पतिव्रता । ४. मृत पति की चिता के साथ जलन वाली स्त्री । ५. जौहर द्वारा जलकर प्राण त्यागने वाली स्त्री ।
- सत्यव्रत—सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र का विरुद्ध ।
- सर्मा—चित्तोड़ के शासकों के आदि पूर्वज विजयपान शर्मा से चन शर्मा की ५८ पीढ़ियों की शर्मा उपाधि ।
- सखणी—शकुनी, शकुन-शास्त्री ।
- सहेली—१. दासी का एक प्रकार । २. साथिन ।
- सामिघरमी—दे० सामभगत ।
- सामभगत—स्वामीभवत ।
- सांवत—१. धीरे में प्रधान धीर. सामत । २. ठाकुर, सरदार ।
- सापुरस—भला आदमी ।
- साह—१. प्रतिष्ठित व्यक्ति । २. बादशाह । ३. बुढ़ेलों के कुछ पूर्वजों की उपाधि ।
- साहणी—घोटों के तबले का वरोगा ।
- साहिजादी—शाहजादी ।
- साहिजादो—शाहजादा ।
- सिद्ध—सिद्धि प्राप्त योगी ।
- सिद्धराव, सिधराव—अणहिलवाड़ा-पाटण के शासक सोलकी जयसिंहदेव का विरुद्ध ।
- सिरदार—१. राजपूत । २. जागीरदार, सरदार ।
- सीसोदिया—सीसोदा गाँव में बसने के कारण मेवाड़ के रानाओं की उपाधि ।
- सुख—१. प्रेम, २. मेल-मिलाप, ३. नैरोग्य ।
- सुलतान—१. बादशाह या नवाब की सुल्तान पदवी । २. बादशाह ।
- सूत्रधार—वास्तु शिल्प का विशेषज्ञ, वास्तुकर्मज्ञ ।
- सेठ—धनी या प्रतिष्ठित व्यक्ति की एक उपाधि ।
- सेलहय—१. धीर पुरुषों की एक उपाधि । २. भालाधारी धीर पुरुष ।
- सेसू—गुप्तचर ।
- सोदागर—घोड़ों का व्यापारी ।
- सोनइया, सोनैया—स्वर्ण मुद्रा, सोने का सिक्का ।
- हलालखोर-खासो—१. बादशाह का खास एतवारी नौकर ।
- हांभू—महाराजा हमीर का साहित्यिक नाम ।

हाकम—बादशाही जमाने का एक राज्य अधिकारी ।

हाली—कृषक के यहाँ हल चलाने वाला नौकर, कृषि का काम करने वाला नौकर ।

हिंदवाणी—हिन्दू राज्य ।

हुजदार—१. बादशाही जमाने का एक प्रमुख राज्य कर्मचारी, उजदार ।

हुड—मैदा, घेठा ।

हुरड़वनो—विजयराव चूडाले के पुत्र देवराज का विरुद्ध शीर उपनाम ।

हेठवांणी, हेठवांणियो—१. अधीन कर्मचारी । २. अधीन पुरुष, परमेश पुरुष ।

हेरू—खोज करने वाला कर्मचारी ।



परिशिष्ट ४

ख्यात में प्रयुक्त पुत्र शब्द के पर्याय व अपत्य प्रत्ययादि शब्द

भ्रंग	डावड़ो
भ्रगज	ढीकरो
भ्रगोभव	तण
भ्रगोभ्रम	तणी
भ्रसी	तणो
भ्रमिनमो	वीकरो
भ्रांणी	घन
भ्रातमज	पाटोघर
उत	पुत्त
ऊत	पूंगड़ो
भोत	पूत
कँवर	पेट
कळोघर	वेटो
कुवर	भ्रम
कुळचंद	रो
कुळदीप	लाडो
कुळदीपक	घसघर
कुळघर	घत
कुळधारक	वाळो
कुळभांग	सभ्रम
कुळमंड	साव
कुळमडण	सुजाव
छावड़ो	सुत
छावो	सुतण
जायो	सुघ
ओघ	सुवण
जोघार	

परिशिष्ट ५

ख्यात में प्रयुक्त पीय या वशज के पर्याय व प्रत्ययादि शब्द

अभनमो	क्षीलो
अभिनमो	पीयो
कलोघर	वसज
कुलज	घमोघर
बुयो	मभ्रम
पेट	समोभ्रम
पीतरो	हर
पीतो	हरो
पीत्रो	

परिशिष्ट ६

शुद्धि पत्र

पृ. क्र. पं. अशुद्ध

शुद्ध

१ १ ॥ दं० ॥

एक अक्षर-ब्रह्मवाची अपभ्रंश-परंपरा का मगल-चिह्न, जो मारवाड़ी भाषा का विलीटी (वर्णमाला) के आदि में लिखा-पढ़ाया जाता है।

१	७ इछना
१	२६ ब्राह्मण
२	३ बलियां
२	५ रहि नें
२	६ पटोला
२	११ वेटी ^{२२} हू
३	१८ चीतीड
४	३० म
५	३ तयण
५	६ भालावाळी
६	६ जसकर
६	१५ घोरसर्मा
१०	२० पीढां
११	२० देव राठासण
१२	२ अविचल
१२	७ बघियो
१३	६ महापनूं
१३	६ घरांरी

इछना
ब्राह्मणों के
बलियां
रहिनें
पटोला
वेटी हूं ^{२२}
चीतीड
मे
नयण
भालावाळी
जसकर
घोरसर्मा
पीढियां
देवी राठासण
अविचल
बघियो?
माहप नू
घरां री

पृ० १४ और १५ में उल्लिखित 'अर्जसी' के स्थान 'जंसीह' होना चाहिये।

१४	६ डेरांसू
१४	६ गढ-रोहे
१५	१७ खमणोर
१६	१ महियो
१६	२ डूगररा
१६	२३ बहती
१६	२५ ी

डेरा सू
गढरोहे
खमणोर
महियो
डूगर रा
बस्ती
ली

पृ. काँ. पं. प्रशुद्ध

शुद्ध

- १७ २८ 'असल प्रवाह-जैतवादी' (असल्य युद्धों में विजयी) का विरुद्ध प्राप्त करने वाला पृथ्वीराज, उसके बाप राना रायमल के जीवन-काल में ही मर गया ।
- १८ ७ पारवतीरे पाखती रे
- १८ ६ 'सुणियो छै' के बाद पूर्ण-विराम नहीं है ।
- १८ २७ अक्रमण आक्रमण
- १९ २ घर घर
- १९ २६ राज्यधिकारी राज्यधिकारी
- २२ पंक्ति १२ 'महेस' और पंक्ति १३ 'जगमाल' के बीच '६ सगर' जोड़िये ।
- २२ २८ इस प्रकार सुधारिये और जोड़िये—
17. आधा दिया । 18. जिससे । 19. अपनी । 20. सहायता की ।
- २३ १७ दोहोतो दोहीतो
- २३ २१ ऊपर करे छै¹⁹, ऊपर करे छै,
- २३ २७ १७ जैता का पुत्र १७ रूपसिंह, जैता के पुत्र बेबीदास का दोहिता ।
- २४ २८ १६२६ १६३६
- २५ १५ ६ सबलसिंघ १० सबलसिंघ
- २५ १६ गाँव ४ जालोररा कुरड़ासू । गाँव ४ जालोर रा कुरड़ा सू दिया ।
बीया ।***बीबी बस ।
- २५ २७ घास के निमित्त जो गाँव कुरड़ा सहित जालोर के ४ गाँव दिये ।
ये उनमें से चार उसे दिये ।
- २७ ३९ सैव मांखन सैव मांखन
- २८ १३ काल काल
- २९ ४ मिलीयो मिलियो
- २९ ११ जागीर कियो जागीर कियो
- २९ १२ नीमच नीमच
- २९ १३ देवलिया रो गड़ासिंघ देवलिया रो गड़ासिंघ
- २९ २२ गाँउ गाँउ
- २९ २६ 10 जन्त 10 देवलिया के निकट
- ३० ७ मिलीया मिलिया
- ३० १२ काल कियो काल कियो
- ३२ २३ पाल पाल
- ३४ २६ बरी बरी ।
- ३५ ३६ जावर जावर

पृ. काँ	प. अशुद्ध	शुद्ध
३६	१३ उदपुर कोस छपनिया- राठोडांरो उत्तन छै	उदपुर सू कोस** छपनिया-राठोडारो उत्तन छै
४०	२ दुरदास	दुरसदास (दुरगदास)
४०	१० मार लाछां	मारला छां
४०	१८ बाघोरा	बाघोर
४०	२० भोरडा	भोरड
४१	५ धरदाडो	धरदाडो
४३	१८ सारंग दे मोतांरो	सारगदेमोतां रो
४३	२८ महल में	महल
४७	१ दलोल-कलोस	दलोल-कलोल
४७	६ खमणोर	खमणोर
४७	११/१२ मीरमी पहु नै	मीरमीपहुवै
५०	१६ रतसीरो	रतनसी रो
५०	२८ जगमाल कां पुत्र	जगमाल के पुत्र कला की बेटी हाडी
५३	३६ देहरै	देहरै
५२	२२ कोसाथल	कोसीथल
५३	२६ राघवदे	राघवदे
५४	२२ ऊपर ^{२६} डाय	ऊपरड़ाय ^{२६}
५४	३० ऊपर दाव=आक्रमण करने वालो से	ऊपर वालों से
५६	१ तेरे	तरे
५६	१० चढती ही नै	नै चढतां ही
५६	१६ दूढ	हठ
५७	१ चावडारा	चावंड रा
५७	३ चावडारा	चावड रा
५७	२१ छूट	छूट
५६	२ थाप लियो	थापलियो
५६	१० खूमाण	खूमाणै
५६	२६ हडा	हाडा
६१	१६ वेह नै कीर्ज	वेह न कीर्ज
६१	१६ प्राग	प्रागै
६२	४ बालीसा	बालीसो
६३	४ बे घमरी	बेघम रो
६३	७ बाघारो	बाघारो
६४	१ बिसेरिया-चाकर	बिसोरियो-चाकर

पू. काँ प. अशुद्ध

शुद्ध

६४	१५ पीया घाळो बाळियो	पीया घाळो गाम बाळियो
६४	१८ म्हां मारे	म्हा मांहे
६५	१८ फिर संका	फिर सकां
६७	२१ पचाहण । रूपसीरो	पचाहण रूपसी रो
७०	१६ पछ सं	पछ सं ^६
७०	१७ रजुआत ^६	रजुआत
७१	२५ २ सत्कार	२ सत्कार होगा
७१	२८ टिप्पणी स० ८ और १० के बीच में स० ९ इस प्रकार जोड़िये— '९ हम तुमको दोनों वास्तों में (जगहो में) नहीं रखेंगे ।'	
७१	२६ क्षपथ	क्षपथ करके
७३	२५ ४. प्रताप की घर में रखी हुई बनिये के स्त्री के गर्भ से	४. रावल प्रताप की खवास पद्मा बनियाइन के गर्भ से
७४	६ वासवारलारो	वासवाहळा रो
७४	६ 'माहो-माह' के ऊपर स० ९ लगाकर आगे की सभी सख्याओं को एक-एक बढ़ाकर पक्षि २३ में 'हासल' पर लगी अंतिम संख्या १८ को १९ समझें और टिप्पणी की अंतिम पक्षि में 'गद्दी पर स्थापन कर' के पहले स० १६ लगाकर '१६ ननिहाल' को '१७ ननिहाल', '१७ महल' को '१८ महलों', और '१८ राज-करा' को १९. राज-कर पढ़िये ।	
७६	१८ मेल बीनो	मेलबीन्हो
७६	१६ डील	डील
७७	६ ऊभो मेलन	ऊभो मेलन
७८	१३ तेतसी	तेजसी
८०	२६ चौरासीमालिक	चौरासी मलिक
८०	२७ चौरासी मालिक	चौरासी मलिक
८१	१८ बीठ	बीठो
८१	१६ डूगरपुर	डूगरपुर
८१	१३ कहेक	केहेक
८२	१० डूगरसूँघणी	डूगर सूँ घणी
८३	६ घरां	घरा
८३	२० दया	दिया
८४	८ उवेचकिया	उवे चकिया
८४	२३ घर	घर
८५	१६ तासु	सा सु
८६	५ ठाड	ठाड़

पृ. कॉ प. अशुद्ध

शुद्ध

८७	१४ कुलसिघ	कुलसिघशु
८७	१८ भलेरो	भलेरो
८७	२५ पोन	पोन कोस मे
८७	२७ की ओर	पूर्व दिशा की ओर
८७	२४ गड़ा }	गड़ासंध
८८	१ सघ }	
८८	६ बड़ो इतवाय	घडो इतवार
९१	४ तठ	तठै
९२	४ ईणारै	इणारै
७५	१ बलायां	बलायां
९६	८ नाहररो	नरहर रो
९९	२१ दशहरा	दशहरा को
९९	२५ तब रहने के लिये	जहां रहने के लिये
९९	२५ भविष्य	भविष्य की
९९	२९ अरबी घोड़े	ऐराकी घोड़े
१००	६ घोड़ा	घोड़ा
१०१	१७ ६ जब	६ जबवू
१०३	१३ कह्यो	कह्यो
१०३	२९ सी बरस पोहँचे मर जाना	सी बरस पोहँचै—मर जाय
१०४	१३ भावै नहीं	भावै नहीं
१०४	२८ करमेती तो भेजने के लिये तैयार है परंतु सूरजमल आने नहीं देता	वे तो बहुत ही (खुशी से) आ जायँ परंतु सूरजमल आने नहीं देता
१०५	५ मोडारो बारहठ	गोड़ा रो बारहठ
१०६	२ लाख दे विदा कियो	लाख पसाव दे विदा कियो
१०६	८ 'सुहाँणो नहीं' पर सं० ७ पढ़िये । पंक्ति ९ मे 'कुमया करै छै' पर ८ और 'कासू दीठो ?' ९. इसी प्रकार सब मे एक-एक बढ़ाकर प० २२ मे 'पात' पर लगी सं० १५ को १६ पढ़िये । पंक्ति २९ मे '१६ चारण' जोड़िये ।	
१०६	१६ लखपसाव	लाख पसाव
१०७	२७ १३ ऊँचे वृक्ष पर मवान बाँधकर किया जाने वाला शिकार ।	
१०८	६ रांणो कह्यो	रांणै कह्यो
११०	२० आंतरवो	आंतरवो
११३	२ भाखरके	भाखर रै
११३	३ भाखरवाळारो	भाखर घळा रो
११३	६ बाघ-बाड़ी	बाग-बाड़ी

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

११३	१६ खीचियां रो । उतन	खीचिया रो उतन
११३	१८ घुडवांणरा	गुडवाण रो
११३	२६ 19 मऊसै । 20 कोस पर घूलकोट	19 मऊ से ७ कोस पर घूलकोट...
११३	२८ 21 गुडगांव ।	20 गुडवान ।
११३	२९ 22 यही ।	21 यही । 22 नीचे ।
११४	१३ नान	नाम
११४	२६ सेवज	सेवज
११५	१५ खातखेड़ी	खाताखेड़ी
११५	१५ भील चक्रसेणी	भील चक्रसेण
११५	१७ वाघरो	वाघ रो
११५	२६ 11 जिसको भील ' ' ' करलिया	11 'मारली' एक गांव का नाम है ।
११५	२७ वाघकी	वाघ की
११५	२८ 13 दोनों	13 'बेहु' एक गांव का नाम है ।
११६	१० जीलवाड़ो	जीलवाड़ो
११८	५ बीड़ पना	बीड़ पना
११९	२१ घावे	घावे
१२०	२ तापिया	तपिया
१२२	शीर्षक अत	अथ
१२२	३ सुणियो छै । बिलणनू	सुणियो छै बिलणनू
१२२	१५ मित्रावरण	मित्रावरण
१२३	१६ रोहड़ी	रोहड़ी
१२४	१९ कुतरी	कुतल रो
१२४	२७ कुतकी	कुतल की
१२५	२२ 'दुरात्मा बावशाह के' आगे की समस्त	टिप्पणी का सेंटर पृ. १२६ की टिप्पणी है ।
१२६	९ बूठ	बूठ
१२७	४ जगहरो	जतहर-रो
१२७	६ राठ	राठ
१३१	२४ चंपराय	चपतराय
१३४	१५ बलाह	बलाह
१३५	२ ७ १४ कीतू	१४ कीतू ^६
१३५	२५ 1 सोभा और सरणुवा दोनों पहाड़ों के बीच में ।	1 शोभा के पुत्र सहसमल ने सरणुवा के पहाड़ की खम में आबू से १० कोस पर नया शहर बसाया ।
१३६	२१ बगतरी	बगतरी रो

पृ. कां. प. प्रचुद्ध

शुद्ध

१३८	६ बडा	बडो
१३८	१५ दोठी	दोठी
१३९	२९ विनय	विनय से
१४१	१६ धरकसी	धरकसी
१४१	१९ सूळ	सूळ
१४१	२१ सूळ	सूळ
१४१	२९ दिया	दिलवाया
१४३	३ रणघीरोत	रणघीरोत
१४३	१२ बाहमेर	बाहमेर
१४४	२ कोई	काई
१४६	१६ कह्यो	कह्यो
१५०	१५ सीसोदियो	सीसोदियो
१५१	२ तिसाणो	तिसाणो
१५५	११ रावळा-धरा मांहे	रावळा धरा मांहे
१५५	२२ लेकिन दिन था	लेकिन जीवन के दिन शेष थे
१५८	६ ऊदो लावारो	ऊदो लाखा रो
१५८	२८ रावल सेखावत	रावल सेखावत
१६०	२६ नवसरो	नवसरो
१६३	२१ कुळथाणे	कुळथाणो
१६४	२५ सिधाणरो	सिधाणा रो
१७०	६ चौबोळ एकलवा घर	चौबो एकल वाड़ घर
१७०	१० छाळ	छड़ा
१७०	१ लूट	तूट
१७१	३ हा कलियो	हाकलियो
१७१	शुरू की चार पक्तियों वाले गीत का अनुवाद पृ. १७० की टिप्पणी की अतिम तीन पक्तिया हैं ।	
१७२	२३ वे ही राव	वे भी राव
१७३	१२ भोररा	भोरा रा
१७४	२१ सीधणोतो	सीधणोतो
१७५	१ ३ उडवायिडो	उडवाडियो
१७६	१ १५ भोररा	भोरा रा
१७६	२ १४ अकेली	आकेली

पृ० सं० १७६ के आगे पहली सं० १८६ तक के पृष्ठों की पृष्ठ संख्याएं गलत हैं, अतः इन नौ पृष्ठों में लगी पृष्ठ संख्याओं को दो-दो फस करके ठीक कर लें ।

३. कॉ. ५ अशुद्ध

शुद्ध

पृष्ठ सं० १७७ और १७८ नहीं छपी हैं और सं० १८५ और १८६ दुबारा हैं । दुबारा वाली १८५ और १८६ सत्याएं यथाक्रम हैं ।

१७८ १	१ घागडियो । देवडारो उत्तन	१ घागडिया-देवडा रो उत्तन
१७९ २	२२ आहिचावो	अहिचावो
१८० १	४ अहिचावो खुरवा	अहिचावो खुरव
१८० १	१३ ओडवाडिया । चारणारो	ओडवाडियो चारणा रो
१८० १	१४-१५ कासघरा ।	कासघरा घघवाडिया खीवराख नू
	घघवाडिया । खीवराजनू	
१८२	२७ खोसने की जगहमें गुप्त रूप से रख दीं ।	खोसने की जगह में कटारें गुप्त रूप से रख दीं ।
१८४	२० असमघ	असम
१८४	२८ टिप्पणी सं० १६ इस प्रकार पढ़िये— 'सिरोही के टोकायतो की वंशावली के कवित्त-छप्पय आसिया माला के कहे हुए ।'	
१८६	२८ १२ जोरावर ।	१२ १. जोरावर । २. चौहान-खत्री
१८७	२० बूठ	बूठ
१९०	१९ कीकम्म	कीकम्म
१९१	२५ महारोर वं	महा रोख
१९२	१८ वएहि	वरगह
१९२	२२ पनोसीह पळिरो	पनो सीहपळ रो
१९२	२७ विश्व	विश्व
१९३	१४ बळी	बळी
१९३	२२ चांपा सीघली	चांपा सीघल
१९३	२७ सिवाने	सिवाना
१९४	१७ रेयडं	रेयतडं
१९८	५ छाडं नं	छाडनं
१९८	२६ नागा के	नगा के
१९९	२१ जोगीदास	जोगीदास
२०१	७ विमसरो	वीसळरो
२०४	९ गढरो है । जाळोर रं	गढरोहै जाळोर रं
२०५	२६ मेघो	मेघो
२१७	७ कहिया तासु	कहिया ता सु
२१७	१६ जं	जे
२१९	१४ मोरगमरु	मोर गाभरु
२२०	१ रायळीजी	रायळजी

पृ. कॉ. पं. मशुद्ध	शुद्ध
२२० ३ रावळजी	रावळजी
२२० ८ सूळ	सूळ
२२० १६ आपे	आपे
२२१ १० बरवर	बरवर
२२२ १४ रांण	रांण
२२४ १७ १ लिखमण सोमत	१ लिखमण सोमत
२२७ ८ षड	षेढ
२२७ २१ मंहता	मुहता
२३० २१ मोहळ	मोह्ल
२३१ ५ खि	खि
२३१ १८ भारवर	भाखर
२३२ ३ चेंवरीको	चेंवरी को
२३४ १४ विहानू	विहारी नू
२३७ २३ कांन्हसिघ जैतसीयोतरै	कांन्ह, सिघ जैतसीप्रोत रै
२४० १ सभाडो	सभाणो
२४० १६ अमो	अभो
२४० २१ अमो	अखो
२४१ ६ भारवर	भाखर
२४३ २३ भींवा का घेढा राणा का	भींवा का घेढा राणा
२४५ ११ लोद्रां चीलू आंध	लीद्रा ची लूआघ
२४५ २२ टिप्पणी सं० १८ इस प्रकार पढ़िये— इनका निवास जालोर परगने का सेणा एक छोटा सा परगना है ।	
२४६ ४ तासु	ता सु
२४६ ७ निपठ	निपट
२४६ १३ बाहर	बाहर
२४७ २ १७ नवमण	नवघण
२४६ २७ जैतमाल की वेटी को	जैतमाल की वेटी पत्ती को
२५० २ खेढो	खेटी
२५० १३ माणकरा व	माणकराव
२५१ १३ जाहल	जायल
२५३ ६ धरि हा हा सकै	धरिहाहा सकै
२५६ १० साय रैने खीचियाँ	सायरै नै खीचियाँ
२५६ १६ धारसा	धरसां
२५८ १० गाडरनै	गाडर नै

पृ. कॉ. प. अशुद्ध	शुद्ध
२६० ६ तिणनू	तिणानू
२६१ २८ बीस धर्य तक करण	बीस धर्य तक लघु करण (करण-नैहसो)
२६५ ८ वडो	वडो
२६५ १६ चूक लियो	चूकलियो
२७१ ४ पाटख	पाटण
२७२ १ प्रिथीरो रूप	प्रिथी धर रो रूप
२७२ १२ उभरणी	उभरणी
२७२ १७ ठाणियो	ठाणियो
२७३ २१ देवताए	देवताए
२७५ ४ पाछे	पछे
२७६ २२ वडा	वडो
२७७ २ मुगळे	मुगल
२७७ ६ सिधपुरथी कोस ११ विवसरोघर	सिधपुर थी कोस ॥० [आधो] बिदसरोघर
२७९ ६ बलूहुळ	बलू हुल
२८२ १७ गाडियो समूह	गाडियों का समूह
२८३ १७ तरै सो नाहरखान	तरै सो॥ नाहरखान
२८४ १७ हणेसो रायमल	हणे सो॥ रायमल
२८६ २१ राणो आप पगे लागो	राणो आय पगे लागो
२८७ १ २४ सखासु	सरवासु
२८७ १ २५ ब्रह्मव	बृहवक्ष
२८८ १ १४ सघदीप	सघदीप
२८८ २ ११ प्रछेमघन्वा	प्रछेमघन्वा
२८९ १ ५ ब्रयदर्थ	बृहदर्थ
२८९ १ १८ अतरिख्य	अतरिख्य
२८९ १ २२ धरवी	धरही
२८९ १ २४ राणजराय	राणकराय
२८९ १ २५ सजोसराय	सुजसराय
२८९ २ २ सुघोन	सुघोन
२९० २ २ जानरदेव	जानरदेव
२९० २ ३ 'चत्रभुज' और 'भीखो' के बीच 'रामसिध, कल्याण, प्रतापसिध और रूपसो' ये चार नाम और हैं ।	
२९० २५ भीषसी, राजा की मासरे हुषो	भीषसी, राजा मास २ हुषो,
२९० २७ हुलहदेवने अपने तुवरको ग्वालिघर दे दिया ।	हुलहदेव ने अपने भागजे तुवर को ग्वा- लियर दे दिया ।

पृ. कौ. पं. अनुद्ध

शुद्ध

२६१ १ ५ सल्हेदी	सल्हेदी
२६३ १८ भोजारी	भोज री
२६६ २५ सिवन्नहा	सिवन्नहा
३०० ११ हुंदायल	हुंदाळ
३०१ २१ राज जगनाथ	राजा जगनाथ
३०२ ६ मुंदडा	मुहडा
३०२ ७ सलेहजी	सलेहदी
३०७ १ १५ लदावण माहै	लदावणा माहै
३१० २ २४ राजरं	राजा रं
३१३ १ १२ मोहारि	मोहारि
३१४ २७ रामके	राम ने
३१५ २ ११ २३ बूहो ४। सुरजनरा ।	{ २३ बूहो । { २४ सुरजन राव ।
३१६ १ १५ बाघवत	बाघावत
३१७ २ { १० मारियो २ । रतने { ११ दासावतरा	मारियो । १८ रतनी दासावत ।
३१८ २ १६ मनोहरपुर गांव	मनोहरपुर रं गांव
३१८ ३० तकिया मनोहरपुर के निकट पहाड़ी पर घना हुआ है ।	तकिया मनोहरपुर के ताला गांव से पहाड़ी पर घना हुआ है ।
३१९ १ १८ बंठास	बगस
३१९ २४ अमरपुर	अमरसर
३२० १ १४ जैतसिध अग्रसेणरो	जैतसिध अग्रसेण रो
३२० २९ रसावलने	रायसल ने
३२३ २६ खोह	खोहरी
३२४ अतिम सब शाहपुरा पट्टे में दिया था । इसकी मा स्वालख की (नागौर परगना की) जाटनी था ।	तब शाहपुरा पट्टे में दिया था । बलभद्र नारायणवासीत आया तब उसने मारा । इसकी मा स्वालख की (नागौर परगना की) जाटनी थी ।
३२० १ ७ घटा	वेटा
३३५ ८ मारवारो	मारवां रो
३३६ २६ थो	था
३४६ २ १७ घावै	घावै
३४९ ३ घररा	घर रा
३४९ १८ आधीसर	साधीसर
३४९ २४ लना नहीं आता	लेना याद नहीं आता

पृ. कॉ. प.	अशुद्ध	शुद्ध
३५०	१ मीराज	मेहराज
३५०	४ हू मीराजनू मराइस हेव कटक खाचियो ।	हू मेहराज नूं मराइस । हेव कटक खाचियो ।
३५०	६ बोलाऊ	बाहाऊ
३५०	१ सोना- १० तरा देणा कबूल किया ।	सो नातरा देणा कबूल किया ।
३५०	११ जांभघा घोड़ेरो गुढो	जांभ घाघोड़े रो गुढो
३५०	१६ सोघत	सोघत
३५१	१२ हरभमटी	हरभम ही
३५१	१३ गार	गोर
३५१	१६ विकू कोहर करमसियोत मारियो	वीकूकोहर केहर करमसीघोत मारियो
३५२	८ राघो	राघो
३५३	१३ रूणेचा	रूणेचा
३५५	१ २२ घोष	घापो
३५७	२० तेगिया, तिलक	तेगिया-तिलक
३५६	२ १० गागारा	गांगा रो
३५६	२ १३ टोर्क	टोर्क
३५६	२ २० दासात मारियो	दासोत मारियो
३६०	१ १३ ऊवो हमीररो हमीर, १४ थिरो अघतारदेरो ।	ऊवो हमीर रो । हमीर थिरा रो । थिरो अघतारवे रो ।
३६०	२७ हमीर और थिरा अघतार- देव के वेटे ।	हमीर थिरा का और थिरा अघतारवे का ।
३६५	६ पाकररी	पारकर रो

भाग २

१	११ बैसणा	बैसण रा
१	२ २२ पीरोजशाह	पीरोसाह
२	२ ७ रूपसी, जैसलमेर गांवका छे ।	रूपसी, जैसलमेर रे गांव काछे ।
२	२ १० उरगो	ऊगो
२	२५ जैललमेर	जैसलमेर
३	२ २ रावळ राजरा पोतरा	रावळ मूळराज रा पोतरा
३	२० ताणुकोट	तणूकोट
४	२ खालनांरी	खालतां रो

पृ. कॉ. प. अशुद्ध

शुद्ध

४	५ झरो	झरो
४	११ वासणीपी	वासणपी
४	१७ मालगाडो	मालागडो (मालगडो)
४	१८ दीवरियाळो	दावरियाळो
४	२१ १ कीलो डूगर । १ खवासरो	१ काळो डूगर । १ खवास रो गाव
४	२२ १ गजिया गांव ।	१ गजियो ।
४	२४ उतावा	उताव
५	११ घुळायी	यूळिया
५	१४ मुहारारै	मुहार रै
५	१६ भोग अखै	भोग आखै
६	१२ नेगरडो	नेगरडो
६	१३ आरम	आरग
६	१७ भूण कांसळारी	भुणकमळां रो
६	१७ बहोसतोय	बहो सत्तां रो (?)
६	२० समत १७००	संमत १७२०
७	८ रु० १५०००)	रु० १५००)
७	९ बावरा करी	बाव रा करि
७	२४ लिखी जाने वाली	ली जाने वाली
८	७ रु० ३१००)	रु० ३१०००) रो वोड
८	९ म० २०००)	म० २००००)
८	१० म० १०००)	म० १००००)
८	१५ मुंहारा	मुंहार
८	१६ खडाळा	खडाळ
८	१८ विसै	विसी
८	२२ खाडर	खाडाळ
१०	१ १५ अभाहरिया	अभोहरिया
१०	२८ वींठाडा	वींठाडा
११	१ चीम्भोतो	चीम्भोतो
११	२३ बाप	बाप
११	२६ नामोंकी शाखाएं	नामों की हस्तनी शाखाएं
१२	१ बापसू	बाप सू
१२	४ बाप । बावड	बाप । बावडी
१२	१५ नीबलायां	नीबालिया
१२	१६ सूका	भूखा
१२	१४ पोहडरा	पोहडां रा

५. कों. पं. अमुद्ध

शुद्ध

५१	२७	तुम हमारें धर्म-भाई हुए ये	२८	तुम हमारें धर्म-भाई हुए ये
५३	२७	घरतीकी लोट आया		घरती की लोटा लाया
५४	२०	बातायी		बातायी
५४	२०	घोडांरो		घोडां रो
५६	२४	हापीकी		हापी का
५६	२५	होनेकी		सोने की
५८	१६	सातउ सोह हमीर दे		सातउ सोम हमीर दे
६७	१३	च्यारों हीरा		च्यारोंही रा
६७	२६	घड़मीने नमाज पटते हुए		घड़ती, नमाज पटते हुए
६७	३०	तलवार मे सिर		तलवार से उसका सिर
६६	११	जुपाहरा		जु पाहरा
७०	३	लूण		लूण
७१	७	मुकासबं (बलं)		मुकासबं
७२	८	दरगाहस		दरगाह सूं
७४	१४	जोगी		जोगी
७६	१८	केहरो		केहर रो
८०	२६	बे ॥		बेटा
८१	१८	गांगारा		गागा रो
८७	१०	एकर		एकर (एक बार)
८६	१६	सोन्त		सोन्त
६२	१७	दोहीतो		दोहीतो
६४	४	तपियो		तपियो
६६	१	२५ पापती		पारधती
६७	१	७ सटीयं		सीलवं
६७	२२	सीलवेकी		सीलवे की
६८	१	१३ रावळ कलारी बेटो		रामकुंवर रावळ कला री बेटो
६८	२५	बेटो भीमने		बेटो रामकुंवर को भीम ने
१०३	२८	टोहिया		टोहिया
११६	१३	घणो		घणो
११७	१६	मची		मीच
१२६	३	सानीदास		सामदास
१३२	७	बलू		बलू
१३७	८	चाच		चाचो
१३६	२७	कान्हू मानसिंह का बेटा		मानसिंह कान्हू का बेटा
१४०	१७	बुधरो		बुधरो

पू. काँ. प. अशुद्ध

शुद्ध

१४०	२० टोको	टीको
१४२	२२ मेलूरो	मेलू री
१४३	३ आको	अको
१४५	२ जोगी	जोगी
१४५	८ हमीरार	हमीर रा
१४८	१ रूपसोयात	रूपसीओत
१५१	२० रायमत राणाघत	रायमल राणाघत
१५६	२२ सिघलौके	सीघलो के
१५६	१० अजलवास	अजलदास
१६३	२८ फलोधीम	फलोधी मे
१७२	१५ बुलटो	बुरघटो
१७३	२८ गाव दे दिया था ।	गांव दिया था
१७७	२६ चिह्न	चिह्न
२१३	६ म्हेजांमनू	म्हे जांम नू
२१५	१७ आहूर	आहूठ
२१५	१६ सुतन बभ वस सम मीढखे,	सुतन बभ वस सम मीढिजे माल सुत,
२१५	२३ हेतुवां अलेखे खेंग वेखें गहर बडो,	हेतुवां अलेखे खेंग वे खेंग हर,
	२४ लोहडां बडम आक बलियो ॥४॥	बडो लोहडां बडम आक बलियो ॥४॥
२१६	१७ घाघांसू	घोघां सू
२१६	२० भात्रेसर	भात्रेसर
२१६	२५ २० नाम पर । भात्रेसरको	१० नाम पर । ११ भात्रेसरको
२१७	२२ चुजु जाइ (?)	जु जाइ,
२०	१३ मांडो	माडां
२२०	२० जेठवो, भीम, काठी, हाजो,	जेठवो भीम काठी हाजो, बाटेल भांण
	बाटेल, भांण	
२२१	१५ धोणोव	धीणोव
२२२	६ आयो	आयो
२३१	२३ टिप्पणी ६ इस प्रकार पढ़िये—	
	जिस फूल से बाड़ी सुगन्धित थी, वह सिखा गया है । हे लाला महाराण !	
	तेरे बिना अब वह सिध सूनी है, तू लौट आ ।	
२३५	८ बाळ	बाळ
२३६	२ तिण ऊनडरे	तिण सम ऊनड रे
२३६	१३ तो सत बोले छं	ऊ तो सत तोले छे
२४१	१७ मांगी	मांग

पृ. कां. प. अशुद्ध	शुद्ध
२४२ २० सिधुरी साईयां	सिधु रीसाईयां
२४४ शीर्षक जसा घबळोत	जसा हरघबळोत
२४८ १२ अणी	अणी
२५२ २६ शत्रुदल	शत्रुदल
२५३ १६ आया । तळाव	आया तळाव
२६४ १ ४ गोमळियावास	गैमळियावास
२७६ २७ मोहिलों को	गोहिलों को
२८५ १६-२६ टिप्पणी तनुकृत समर्थे पृ. २८४ में आ चुकी है ।	
२९६ १२ जोयने	जायने
३०४ १६ धीरभजी	धीरमजी
३०८ ३० भारा=घासका बडा भार,	भारा=घास का एक परिमाण
	बडल
३११ ८ आयन	आयने
३१५ १४ हुत्तो	हुत्ती
३१७ २७ ऐसी चली कि । उस स्त्रीको	ऐसी चली कि उस स्त्री को
३१६ १६ ढाढ	ढाढी
३२३ ५ ऊठे	उठे
३२३ १० गोगाजीने	गोगादेजी ने
३२६ २६ बठलाया	बिठलाया
३२५ १२ घोड़ा री	घोड़ा री
३३६ २३ चंडाजीने	चूडाजी ने
३४२ १७ जोष	जोषे

भाग ३

५ १२ विचारियो	विचारियो
८ १४ विसिलि	विसिली
११ ७ पहीडो	पहीडो
१४ २५ वशमास	वशमांश
३१ १५ घटी	बेटी
३३ १४ मात्रे हीतू	मात्रेही सू
३४ १० देवरो	देवराज रो
३६ १६ कान्हा	कन्हां
५६ २६ वशाह	वावशाह

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

६०	१० अनिर	अनिर
६०	१७ थोरो	थोरी
६१	११ पावुजो	पावुजी
६२	१३ संकळपो	संकळपी
६२	१६ तैरो	तैरी
६३	१७ आदमो	आदमी
६४	२० लेणो	लेणी
७५	८ दीमाह	धीमाह
७६	११ जोवै	जीवै
८२	२ बोलाड्डे	बीलाड्डे
८२	१३ ससफ	ससफै
८४	१७ कह्यो	कह्यो
१०३	२६ महने	हमने
१२१	२ भी हांडी चाटी	भली हांडी चाटी
१२१	१२ दीठी जाईयैरे जे	दीठी—जा ईयेरे, जे
१२१	१७ भोमता मांनो,न छे	भो मता मांनो,न छै ?
१२१	१६ धिक्कार है रे भादेवाला !	धिक्कार रे भादेवाला !
१२१	२० अच्छी हंडिया चाटी रे !	अच्छी हंडिया चाटी !
१२१	२४ निकला	निकला
१३२	१ रिणघोरजी	रिणघोरजी
१३२	११ सोनगरान	सोनगरा नू
१३५	६ तोमरे	तो मरै
१४४	१२ ताहरा	ताहरा
१४४	{ १३ आव, मांचे	आव, मांचे सूय ।
	{ १४ पण सूय ।	
१५६	५ इण सौको	इणसौ को
१६६	७ रठवांघण	रठ रांघण
१७३	२३ खेड्वा	खेड्वा
१७८	१ २० अजमजस	असमजस
१७६	१ २३ वृहव्वल	वृहव्वल
२०१	२८ दूट गये अ राजा	दूट गये और राजा
२०७	३२ प्रकाशित ह	प्रकाशित हो
२०८	१ ६ माहेर्णासिघजी	मोहर्णासिघजी
२२६	२५ कणाणा	काणाणा
२२६	१३ घाघूसर	घाघूसर

पृ. कॉ. पं. मशुद्ध	शुद्ध
२३१ ७ वंणारीतै	वंणार्तै री
२३३ १ पडिहारारी	पडिहारा री
२३६ १४ सजन	साजन
२४१ ७ विगावो	विगोवो
२४७ २६-२७ कुवर पृथ्वीराजने ... लडाई लड़ी ।	राणा रायमल के वै पृथ्वीराज से लड़ी लडाई लड़ी ।
२४८ १५ दीघ	दीघी
२५५ १३ बहेलवो	बहेलवै
२५६ २० गोयामणाके	गोयाणा के
२६५ ४ मळैजीरै	मेळैजी रै
२७७ ४ चक्र तीरथ	चक्र तीरथ
२७७ १२ चित्र (?) तीर्थ	चक्र तीर्थ
२८८ १० रुपिय	रुपियों
२८८ २५ सगतावत	सागावत
२९३ ६ गोळियैस	गोळियै सूं

भाग ४

नामानुक्रमिका

३ २ ५ सावत ओत	सांवतसीओत
४ १ २६ अडमाल	अडमाल
४ २ २५ अनुरुध	अनुरुध
५ १ १६ पिथो रो	पिथोरो
७ १ ११ आवा	आवो
७ १ ३० आपमलसूरा	आपमल सूरा रो
१३ १ १६ त	तौ.
१३ २ १६ करमसा	करमसी
१५ १ १५ कश्यप	कश्यप
१५ २ ११ ४०, ४१, ४२	कान्हडवे रावळ दू. ४०, ४१, ४२
१६ १ २३ कल्हो	केल्हो
२० २ २४ खांत खानो	खानखानो
२४ २ २६ गोपादासळ	गोपाळदास
२५ १ २३ ८८ के पहले 'दू.'	
३७ १ ३४ चरछी	चरछो
२७ २ १४ चांदसे	चांदसेह

पृ. कॉ. पं. अशुद्ध

शुद्ध

३५ २ ८ जैन्नह

जैभ्रम

३६ २ २८ बूहा

बूडा

४१ १ २२ वळवत

वळपत

४६ १ २६ घुघळियो

घुघळियो

५२ १ २४ गोदा रो

गोदारो

६३ १ १३ भोजा वत्य

भोजादित्य

६३ २ १ भोपन

भोपत

७७ २ अतिम २०६ के पहले 'बू'

८१ २ १४ बोडो

बोडा रो

८४ १ २६ वतजागवे

वरजांगवे

८५ २ ११ घाघो

घाघो

८८ १ २८ वोदो राघ

घोवो राघ

८९ १ ८ धीरमदे राय

धीरमदेव, राय

१०१ २ ३५ सूरथ

सुरथ

१०२ २ २१ बालासो

बालीसो

१०३ १ १३ सूरसिंह

सूरसिघ

१०६ ७ पुरुष

पुरुष

११४ २ ५ बीकानरी

बीकानेरी

११५ २ ३ रायकवर

रामकवर

११५ २ १६ महसिघ री रांण ।

महासिघ री राणी

११७ १ ६ सोढ

सोढी

१२० १ ८ त

ती

१२७ २ २२ खूहडा

खूहडी

१२९ २ ३२ घणोल

घणोली

१३२ २ १५ जांभोरो

जांभोरो बाभणा रो

१३६ २ १३ तिलायला

तिलायली

१५२ १ ७ मेरवाडो घडो

मेरवाडो घडो

२६७ २ ७ घाणरा-रो-घाटो

घाणेर-रो-घाटो

१६८ २ ३२ मागरा

मगरा

१६८ २ ३३ बीबलियो

बीबलियो

१७५ १ २१ घाळ लाग

घाळी-लाग

१७७ २ ७ मऊ-बुष्काल (पीडित प्रजा)

मऊ (बुष्काल पीडित-प्रजा)

१८२ २ ३२ गोगादेनी

गोगादेजी

१८३ १ १० चं

चंद्र

पृ. कॉ. प. मनुद

शुद्ध

पद विरुदादि

१६५	१ श्रीरगजेव रा विरुव	श्रीरगजेव का विरुव
१६५	६ इद्र	इद्र
१६६	२७ काल	काले
२०७	३ जलन	जलने

शुद्धि पत्र

२१०	१	१ अभनमो	अभनमो
२११	२	२ मारवाटी भाषा का	मारवाटी भाषा की
२१५	१	७ यडा इतबाय	यडा इतबाव
२१५	२	१ कुसळसिघ	कुसळसिघ
२१७	२	१५ महा रोरष	महा रोरवं
२२४	२	२७ सेन्ग्याळो	सेन्ग्याळो

भूमिका

३	१	ऐतिहासिक	• बहुत	ऐतिहासिक दृष्टि से बहुत
५	१७	५'		५'
१२	२२	यद्य		यद्य
१३	१३	जवादि, जलहर (जलक्रीडा)		जवादि-जलहर (जलक्रीडा) ;
१३	२०	राजनैतिक		राजनैतिक
१३	२१	विभिन्न		विभिन्न
१६	७	वशावलिपां		वशावलिपां
२०	१५	स्वामी । द्रोह		स्वामी-द्रोह
६६	२४	बहुतश्रुत		बहुत-श्रुत

